श्री गणेशाय नमः

पुञ्जराज वंश दर्पण

अर्थात्

गेगासों के पाण्डेय

की

वंशावली

सप्तम् संस्करण

मुद्रित एवं प्रकाशित

शिव कुमार पाण्डेय

128/270 के० ब्लाक (पुलिया नं० 14),

यशोदा नगर, कानपुर-208011

दूरभाषः 9453393440, 9889156013,

प्रकाशन तिथिः11 फरवरी 2024 सम्वत्-2080

ऊँ नमः शिवाय

श्री दुर्गा जी (श्री संकठा जी), श्री चन्द्रिका जी

श्री गणेशजी, श्री सरस्वती जी, श्री हनुमान जी सदा सहाय

प्रकाशक

राम कुमार पाण्डेय

दूरभाष - 9415487890

शिव कुमार पाण्डेय

दूरभाष - 9453393440

निःशुल्क वितरित

सप्तम् संस्करण

सम्वत् - 2080

सन् - 2024

केवल पुञ्ज राज वंश बान्धवों को ही प्रकाशक अनुमति इसे पुनः प्रकाशित करने का अधिकार है। इसका वितरण निःशुल्क होना चाहिए।

पूजा प्रिण्टर्स, नौबस्ता

कानपुर-208021

ॐ नमः शिवाय

पुञ्जराज वंश दर्पण

अर्थात्

गेगासों के पाण्डेय की वंशावली

जिसमें

कान्यकुब्ज षोडस गोत्र, प्रवर, शिखा, सूत्र तथा पाण्डेय वंश की कन्यादान विधि और वंशक्रम का विवरण परम पूज्य चिरस्मरणीय पुञ्ज राज जी के वंशजों के हितार्थ, सांस्कृतिक गरिमा को अक्षुण्ण रखने हेतु सरल रूप में वर्णित है।

जिसको

गेगासों के पाण्डेय बाबू खेड़ा निवासी परम पूज्य हरिनाथ कुलोत्पन्न स्व. पं. ठाकुर प्रसाद जी के प्रपौत्र स्व. अनन्त राम जी के पुत्र स्व. पं. प्रयाग के पुत्र स्व. पं. राम सेवक जी के पुत्र स्व. पं. परशुराम के द्वितीय पुत्र राम कुमार पाण्डेय एवं तृतीय पुत्र शिव कुमार पाण्डेय जी ने अपने अथक परिश्रम से संकलित कर पुञ्जराज वंश के अनन्य गुरुजनों से अनुमोदित और प्रशंसित कराकर प्रकाशित किया।

सप्तम् संस्करण **सम्वत् 2080**

भूमिका

सृष्टि-कर्ता के निर्माण की चतुर्थ पीढ़ी में परम तेजस्वी श्री महाराज भरद्वाज जी हुये। इनके पुत्र परम वीर श्री द्रोणाचार्य जी महाराज हुये जिनके पुत्र अद्वितीय धनुर्विद पूज्य अश्वत्थामा जी हुये। इनके वंश में समस्त वेदोअवेदज्ञ पंडित उपाधिधारी श्री वामदेव जी हुये। जिनसे पंडित अर्थात् पाण्डेय वंश चला। इनके प्रपौत्र श्री भोजराम महाराज ने कम्पिला ग्राम को बसाया जिसमें एकमात्र पाण्डेय वंश था। बाद में इसी ग्राम में सुपात्र षड्कुल ब्राह्मण वास करने लगे। कुछ काल पश्चात् इन्द्रप्रस्थ मुसलमानों के आधीन हुई और म्लेच्छों का अत्याचार शनैः-शनैः पूर्व को फैलने लगा तो समस्त ब्राह्मण अन्यत्र जाकर वास करने लगे। उसी समय सम्वत् 1300 के लगभग श्री भोजराज जी की चतुर्थ पीढ़ी में श्री परम पूज्य पितामह श्री पुञ्जराज जी का काशी से गर्गाश्रम जगत-जननी संकठा जी के दर्शनार्थ आगमन हुआ। क्षत्रिय श्रेष्ठ राजा त्रिलोक चन्द्र की प्रार्थना पर श्री पुञ्जराज जी ने चिलौला ग्राम में उनसे पुत्रेष्टि यज्ञ करवाया और राजा को वंश प्राप्ति का आशीर्वाद देकर काशी लौट गये। कालान्तर में श्री पुञ्जराज जी पुनः गर्गाश्रम आये। राजा त्रिलोक चन्द्र ने उनका अति सम्मान किया। राजा ने उनका शिष्यत्व स्वीकार कर गुरुदक्षिणा में गर्गाश्रम ग्राम देकर वहीं वास करने का अनुरोध किया। इसी समय से श्री पूञ्जराज जी का निवास गर्गाश्रम में हुआ और पुञ्जराज वंश का प्रादुर्भाव गर्गाश्रम के पाण्डेय (गेगासों के पाण्डेय) नाम से हुआ जिनकी शाखा, प्रशाखा का वर्णन इस पुस्तक के अन्तर्गत है।

- सूर्य कुमार पाण्डेय

समर्पण

पुञ्जराज वंश दर्पण का यह सप्तम पुष्प पुञ्जराज वंश बान्धवों को समर्पित करते हुये हमें अत्यन्त हर्ष है। सभी वंश बांधव इसमें मुद्रित या प्रकाशित त्रुटियों को संशोधित कराकर हमें क्षमा प्रदान करेंगे।

धन्यवाद

सर्वप्रथम उस परमपिता परमात्मा और जगत जननी संकठा जी को है जिनकी प्रेरणा तथा आशीर्वाद के कारण मैंने यह शुभ कार्य पूरा किया। तदुपरान्त धन्यवाद परम पूज्य स्व. बाबा सोमेश्वर जी व बद्री नारायण जी को है जिनके परिश्रम से पुञ्जराज वंश-दर्पण के पूर्व संस्करण प्रकाशित हुये। पुनः पं. सूर्य नारायण जी पाण्डेय विदर्भ निवासी, चारुचन्द्र जी पाण्डेय कानपुर निवासी, राजेन्द्र नाथ जी पाण्डेय, मोती मोहाल, कानपुर, श्याम नारायण जी तथा गणेश प्रसाद जी पूरे पाण्डेय तथा समस्त बन्धुओं को धन्यवाद है जिनका अमूल्य सहयोग पंचम संस्करण की सामग्री संकलित करने तथा उसे प्रकाशित स्व. शंकर कुमार पाण्डेय जी पूरे पाण्डेय निवासी ने कराया था। प्रकाश पाण्डेय कोलकाता निवासी ने भी उसी को आधार मानकर षष्टम संस्करण पुनः मुद्रित कराया था।

हमने पुनः इसी को आधार मानकर यह सप्तम संस्करण में छठे संस्करण से ज्ञात हुए परिवारों का विवरण प्रमुख स्थानों एवं उपरोक्त पुस्तकों में दिये गये पतों में गाँवों एवं कस्बों तथा शहरों में जा जाकर आगे के परिवार विवरणों को प्राप्त किया गया है। उसे प्रकाशित किया गया है।

निवेदन

अपने वंश के क्रमिक विकास का ज्ञान वंश-मर्यादा को अक्षुण्ण बनाये रखने में सहायक होता है। आज के युग में अनंतत्रात्मक राजनीति से बोझिज समाज में जहाँ एक ओर वंश-क्रम की मर्यादा डावांडोल है, तो दूसरी ओर कुल श्रेष्ठ मर्यादा के आवरण को भी समाज छोड़ना नहीं चाहता है। कुछ भी हो हमें अपनी संस्कृति, वंश मर्यादा, कुलरीति और मुख्यतः वंश-प्रेम को बनाये रखने में वंशावली का योगदान अभूतपूर्व है। अतः मेरा कान्य कुब्ज बन्धुओं से अनुरोध है कि वे अपने वंश-क्रम को बनाये रखें। अपनी वंशभूमि गर्गाश्रम (गेगासों) को देखने की इच्छा सभी वंश प्रेमियों को होनी ही चाहिए।

माँ संकठा, गंगा जी, मुण्डमालेश्वर के विशाल मन्दिर सिर्फ गेगासों ग्राम की गौरव सीमा को चार चाँद नहीं लगाता बल्कि यह बैसवारा रायबरेली जिला को भी गौरवान्वित करते हैं। आदि काल से ही संकटा जी मुण्डमालेश्वर महाराज।

लोगों का ध्यान आकर्षित करते रहे हैं, हजारों भक्तगण विभिन्न मांगलिक धार्मिक उत्सवों, तिथियों पर आकर पूजा अर्चना करके मनोवांछित फल प्राप्त करते रहे हैं और आज भी भक्तजन अपने संकट निवारण के लिए माँ संकठा जी के पास आते ही रहते हैं। यहाँ सनातनीय परम्परानुसार पूजन बन्दन अर्चना होती रहती है। वैसे भक्त स्वइच्छानुसार पूजन, धूप, दीप, फूल और नौवैद्य द्वारा माँ संकठा की सेवा और अर्चना करते हैं। वैसे ग्राम पंचायत की नियमानुसार सुबह, शाम आरती की समुचित व्यवस्था है।

गंगा जी और संकठा जी जिनको पास आकर देखने का सुअवसर हासिल हुआ है वह निश्चय ही भाग्यवान है।

यह विशाल संकठा जी का मन्दिर गंगा नदी के बायें किनारे पर है। यहीं पर गर्ग ऋषि का आश्रम था को मानक मानकर और उन्हीं के नाम से गाँव का नाम गर्गाश्रम है। बाद में अंग्रेजी शासन काल में बदलकर गेगासों हो गया। गंगा नदी पर स्व. अशोक बाजपेयी और स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी के सहयोग से पुल का निर्माण होने से यातायात सुलभ हो गया है। गेगासों ग्राम की सड़कें राष्ट्रीय राज मार्ग से जुड़ती हैं। यहाँ पहुँचने के लिये फतेहपुर, लालगंज, रायबरेली, कानपुर, उन्नाव से बस यातायात की पूर्ण सुविधा है।

लखनऊ, फतेहपुर मार्ग से हर आधा घण्टे के अन्तराल में बस सेवा सुबह 5 बजे से रात 9.30 मिनट तक उपलब्ध है। माँ मन्दिर के सानिध्य में ही 'भट्ट' घाट नवनिर्मित किया गया है। जो यात्री निवास के रूप में भी उपयोग किया जाता है। गाँव में पुल के नजदीक ही एक सरकारी यात्री निवास श्रीमती सोनिया गाँधी (सांसद) द्वारा नवनिर्मित है।

गेगासों के पूर्व में विशाल शिव मंदिर है। जिसे जनमानस भट्ट बाबा की कुटी के नाम से जानते हैं और पूजा अर्चना करते हैं। गेगासों के पश्चिम में शिवपुरी ग्राम। स्व. पं. रजनूपाण्डेय द्वारा आश्रम का जीर्णोद्धार कराया गया है। यहाँ पर महात्मा का निवास और साथ ही पण्डित जगत नारायण (सुपुत्र सविता प्रसाद पाण्डेय) का समाधि स्थल है। गंगा के दाये किनारे पर असनी ग्राम है जो अपनी शान और शौकत ओर धनाढ्य के लिये प्रसिद्ध था। यहाँ पर दो प्रसिद्ध कुटिया हैं। जिनमें तेजस्वी महात्मा विराजमान रहते थे और आज भी स्वामी श्री स्वत्मा नन्द जी

महाराज (1008) विराजमान हैं। वैसे वैसवारा सदैव ही महापुरुषों, महात्माओं और विद्वानों, लेखक, क्रांतिकारियों का गढ़ रहा है। वैसवाड़ा के जाने माने कवि गौरव श्री अरुण प्रकाश अवस्थी आज भी अपने स्वरचित पुस्तकों द्वारा इस क्षेत्र को गौरवान्वित करते रहते हैं। इन स्थानों पर भ्रमण करते समय आप को प्रकृति के अनमोल रचना और ईश्वर के समीप होने का अहसास होता है। इस युग में इस तरह का अनुभव कम ही मिलता है।

अत: आप सभी अपनी वंशभूमि का दर्शन करने का प्रयत्न करें। भोजन व्यवस्था गाँव में हलवाइयों द्वारा निर्मित हर प्रकार के मिष्ठानों के साथ-साथ भोजन भी बनाये जाते हैं।

- सूर्य कुमार पाण्डेय

सहयोगी गण

1. डा० अजीत कुमार पाण्डेय (पूरे पाण्डेय), काकादेव, कानपुर
2. डा० अर्पित पाण्डेय,शिवा अपा., मोती विहार,काकादेव,कानपुर
3. अनूप कुमार पाण्डेय 1007 सेक्टर-37 फरीदाबाद, हरियाणा
4. अमित कुमार पाण्डेय बी4 स्टाफ कालोनी, वीमनकालेज,दिल्ली
5. ओंकारनाथ पाण्डेय, 87, पशुपति नगर, कानपुर नगर
6. गिरजा शंकर पाण्डेय, ग्राम व पोस्ट-देहली, रायबरेली
7. अनिल और सुनील पाण्डेय, हैबतमऊ, रायबेरली रोड, लखनऊ
8. धनन्जय पाण्डेय, कल्लू का पुरवा, रायबरेली
9. अनिल कुमार पाण्डेय, सेक्टर 23, राज नगर, गाजियाबाद
10. सूर्य कुमार पाण्डेय, 128/36 एच-1 किदवई नगर, कानपुर
11. राम कुमार पाण्डेय, 128/169/6 के, किदवई नगर, कानपुर
12. शिव कुमार पाण्डेय 128/270 के-ब्लाक, यशोदा नगर, कानपुर
13. रविशंकर पाण्डेय 144/3 बाबूपुरवा कालोनी, कानपुर
14. अनिल कुमार पाण्डेय 45 योगेन्द्र विहार खाड़ेपुर, कानपुर
15. लक्ष्मी कान्त पाण्डेय (एडवोकेट) के-270 यशोदा नगर, का०
16. गौरव कुमार पाण्डेय 329 ई.डब्लू.एस. खाड़ेपुर, कानपुर
17. निर्मल कुमार पाण्डेय, गोविन्द नगर, कानपुर
18. ओम प्रकाश पाण्डेय, एच ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर

19. राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
20. सुनील कुमार पाण्डेय, पुवावाँ, शाहजहाँपुर
21. डा० राजीव कुमार पाण्डेय, पुवावाँ, शाहजहाँपुर
22. राकेश कुमार पाण्डेय, गौरी लक्खा, कानपुर नगर
23. विनीत पाण्डेय, कोलकता
24. डा० वीरांगनारमन पाण्डेय, बी-1/71, सेक.पी.अलीगंज,लखनऊ
25. डा० अमलान्शु पाण्डेय, बी-1/71,सेक्टर,पी.अलीगंज, लखनऊ
26. अभिषेक कुमार पाण्डेय, बंगला बाजार, लखनऊ
27. बृजराज पाण्डेय, आशियाना, लखनऊ
28. महेन्द्र कुमार पाण्डेय, श्याम नगर, कानपुर
29. साधना पाण्डेय, 104ए/191/ए रामबाग कानपुर
30. अनुपम पाण्डेय, एन- 208 किदवई नगर कानपुर
31. नीरज कुमार पाण्डेय 67ए सर्वोदय नगर, लखनऊ
32. पंकज पाण्डेय, आसाम
33. बैजनाथ पाण्डेय, केशव नगर, कानपुर
34. नवल किशोर पाण्डेय, बेड़सापुर, सीतापुर
35. पंकज कुमार पाण्डेय, एडवोकेट, शिवपुरी, रायबरेली
36. अजय कुमार पाण्डेय, 104/262 सीसामऊ, कानपुर
37. विजयकांत पाण्डेय, शिवगंज चौराई, कानपुर नगर
38. पवन पाण्डेय, 112/368 (ई) स्वरूपनगर, कानपुर नगर
39. अशोक कुमार पाण्डेय, शुक्लागंज, उन्नाव

40. ओम प्रकाश पाण्डेय, पूरेपाण्डेय, रायबरेली
41. प्रमोद कुमार पाण्डेय, पूरेपाण्डेय, रायबरेली
42. रमेशचन्द्र पाण्डेय, केशवपुरम, कानपुर नगर
43. आशुतोष पाण्डेय, पूरेपाण्डेय, रायबरेली
44. राजेश कुमार पाण्डेय, 626 ई.डब्लू.एस. बर्रा-2, कानपुर नगर
45. अजय कुमार पाण्डेय, 3ए/246 आजाद नगर, कानपुर
46. आनन्द किशोर पाण्डेय, 222 पी-ब्लाक, यशोदा नगर, कानपुर
47. आलोक राज पाण्डेय 51 कीर्ति नगर, लखीमपुर खीरी
48. गोकुल प्रसाद पाण्डेय, शिवपुरी, रायबरेली
49. विशम्भर नाथ पाण्डेय, एम-ब्लाक, काकादेव, कानपुर नगर
50. आनन्द शंकर पाण्डेय, 74/4 साइड नं० 1, किदवई नगर कानपुर
51. आदित्य कुमार पाण्डेय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
52. अजय कृष्ण पाण्डेय, ब्लाक नं० 11 गोविन्द नगर, कानपुर नगर
53. उमेशचन्द्र पाण्डेय, 107/94 जवाहर नगर, कानपुर नगर
54. राजेश कुमार पाण्डेय, इन्द्रानगर, रायबरेली
55. शिव मनोहर पाण्डेय, जेल रोड, रायबरेली
56. रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गुड्डू), शेरगंज, रायबरेली
57. आशु कुमार पाण्डेय भिटौरा, जिला फतेहपुर
58. अशोक कुमार पाण्डेय, शंकराचार्य नगर, कानपुर नगर
59. श्रीकांत और रवीकांत पाण्डेय, शंकराचार्य नगर, कानपुर नगर
60. दिवाकर प्रताप पाण्डेय, भट्टपुर, हरदोई

61. बिन्दा प्रसाद पाण्डेय, रजनीखण्ड, लखनऊ
62. शिव प्रसाद पाण्डेय, जैराजमऊ, रायपुर, उन्नाव
63. रंगित प्रियकर पाण्डेय, 111/100 अशोक नगर, कानपुर नगर
64. प्रकाश पाण्डेय, चैनपुर, उन्नाव
65. देवीचरण पाण्डेय, एफ 128, पनकी, कानपुर नगर
66. संजय पाण्डेय, 47 आर्यनगर, लखनऊ
67. अखिलेश पाण्डेय, (ऐहार) रायबरेली
68. शिवकरण पाण्डेय जबरेला, उन्नाव
69. अनुपम पाण्डेय, एन-208 किदवई नगर, कानपुर नगर
70. डा० शिव दत्त पाण्डेय, सिसोलर, हमीरपुर
71. बसंत किशोर पाण्डेय 130 संजय गाँधी नगर, नौबस्ता, कानपुर
72. यमुना शंकर पाण्डेय, भिटौंरा, फतेहपुर
73. राजीव, संजीव, महेश, अंजनी पाण्डेय, फरीदाबाद, हरियाणा
74. योगेश कुमार पाण्डेय, गल्लामण्डी, नौबस्ता, कानपुर नगर
75. अंजनी कुमार पाण्डेय, त्रिवेणी नगर, लखनऊ
76. निखलेश पाण्डेय, 108/73 गांधी नगर, कानपुर नगर
77. सुशील कुमार पाण्डेय, आशुतोष नगर, लखनऊ
78. सलभ पाण्डेय,128/550 वाई ब्लाक,किदवई नगर,कानपुर नगर
79. प्रेमचन्द्र पाण्डेय, 3/31 पशुपति नगर, कानपुर नगर
80. दुर्गा शंकर पाण्डेय, 104/408 बी, सीसामऊ कानपुर नगर
81. रमेशचन्द्र पाण्डेय, 106/75 गांधी नगर, कानपुर नगर

82. आलोक पाण्डेय, पशुपति नगर, कानपुर नगर
83. अक्षत कुमार पाण्डेय, बिजदवाँ, जालौन
84. प्रेम नारायण पाण्डेय, जे-1/1 बर्रा-1, कानपुर नगर
85. रवीन्द्र कुमार पाण्डेय, 276/31, राजेन्द्र नगर, लखनऊ
86. ओम नारायण पाण्डेय, 3/33 एल.आई.जी., बर्रा-6, कानपुर
87. बृजेश कुमार पाण्डेय, गोपालपुर, साढ़, कानपुर नगर
88. दीपक पाण्डेय, एडवोकेट, इन्दौर, मध्य प्रदेश
89. राजेश पाण्डेय, विलासपुर, छत्तीसगढ़
90. अरविन्द कुमार पाण्डेय, 109/355 आर.के. नगर, कानपुर नगर
91. ललित कुमार पाण्डेय, 106/51ए गांधी नगर, कानपुर नगर
92. नरेन्द्र कुमार पाण्डेय, भैसऊरा, उन्नाव
93. राहुल पाण्डेय, भैसऊरा, उन्नाव
94. कैलाश नारायण पाण्डेय, बिजदवाँ, जालौन
95. यज्ञ कुमार पाण्डेय, बिजदवाँ, जालौन
96. चेतन कुमार पाण्डेय बिजदवाँ जालौन
97. अरूण कुमार पाण्डेय, नवीन नगर, काकादेव, कानुपर नगर
98. गिरधारी लाल पाण्डेय, जहाँगीराबाद घाटमपुर, कानपुर नगर
99. अरूण कुमार पाण्डेय, सिंधौरतारा, रायबरेली
100. आलोक पाण्डेय, कुल्हाई रीवा, मध्य प्रदेश
101. विनोद कुमार पाण्डेय, बाजपेई खेड़ा, रायबरेली
102. राम शंकर पाण्डेय, पसनखेड़ा, रायबरेली
103. गिरजाशंकर पाण्डेय, पसनखेड़ा, रायबरेली

104. गिरजाशंकर पाण्डेय, लालगंज, रायबरेली
105. शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय, लालगंज, रायबरेली
106. गिरीश नारायण पाण्डेय, लालगंज, रायबरेली
107. राकेश पाण्डेय, लालगंज, रायबरेली
108. शशांक पाण्डेय, रिषी नगर, शुक्लागंज, उन्नाव
109. विवेक पाण्डेय, जहाँगीराबाद, घाटमपुर, कानपुर नगर
110. उमेशचन्द्र पाण्डेय, आई-ब्लाक, गोविन्द नगर, कानपुर नगर
111. शिव शंकर पाण्डेय, सी-ब्लाक, गोविन्द नगर, कानपुर नगर
112. रमाशंकर पाण्डेय, सी-ब्लाक, गोविन्द नगर, कानपुर नगर
113. अभिलाष पाण्डेय, हंसपुरम्, नौबस्ता, कानपुर नगर
114. राज नारायण पाण्डेय, बाजपेईखेड़ा, रायबरेली
115. अनुराग पाण्डेय, बाजपेईखेड़ा, रायबरेली
116. अभिनव पाण्डेय, बाजपेईखेड़ा, रायबरेली
117. शिवशंकर पाण्डेय, एडवोकेट, जगतपुर भिचकौरा, रायबरेली
118. दुर्गा प्रसाद पाण्डेय, बहुराजमऊ, उन्नाव
119. कंचन पाण्डेय, गाजियाबाद (उ०प्र०)
120. राजेश पाण्डेय, मंधना, कानपुर नगर
121. अखिलेश पाण्डेय, मंधना, कानपुर नगर
122. सुधीर पाण्डेय, गोमती नगर, लखनऊ
123. संजय पाण्डेय, सीसामऊ, कानपुर नगर
124. ओंकारनाथ पाण्डेय, सीसामऊ, कानपुर नगर
125. सर्वदानन्दन पाण्डेय, जेल गार्डेन रोड, रायबरेली

126. विद्या शंकर पाण्डेय, एडवोकेट, पुरवा, उन्नाव
127. अजय कुमार पाण्डेय, एम-ब्लाक, यशोदा नगर, कानपुर नगर
128. विजय शंकर पाण्डेय, काँथा, उन्नाव
129. जीतेन्द्र कुमार पाण्डेय, विश्वबैंक, बर्रा, कानपुर नगर
130. अमीय कृष्ण पाण्डेय, रामनारायण बाजार, कानपुर नगर
131. राजेश पाण्डेय, सुजातगंज, कानपुर नगर
132. देवी शंकर पाण्डेय, तारापुर, फतेहपुर
133. शिवरूप पाण्डेय, तारापुर, फतेहपुर
134. रमेशचन्द्र पाण्डेय, तारापुर, फतेहपुर
135. सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय, तारापुर, फतेहपुर
136. रवीन्द्र मोहन पाण्डेय, लखनऊ
137. रमन पाण्डेय, तुर्की इटौंजा, लखनऊ
138. राकेश कुमार पाण्डेय, केशव नगर, लखनऊ
139. प्रमोद शंकर पाण्डेय, रजनीखण्ड, लखनऊ
140. मनीषचन्द्र पाण्डेय, ऐशबाग, लखनऊ
141. सुरेशचन्द्र पाण्डेय, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर
142. राज किशोर पाण्डेय, बालागंज, लखनऊ
143. महेन्द्र प्रताप पाण्डेय, पार्षद, विष्णुपुरी कालोनी, कानपुर नगर
144. अजय कुमार पाण्डेय, यशोदा नगर, कानपुर नगर
145. मनोज कुमार पाण्डेय, पी-ब्लाक, यशोदा नगर, कानपुर
146. गौरहरशंकर पाण्डेय, वी-ब्लाक, यशोदा नगर, कानपुर
147. शिवकरण पाण्डेय, गांधी नगर, उन्नाव

148. सिद्धनाथ पाण्डेय, रीवॉ, मध्य प्रदेश
149. गिरिजा शंकर पाण्डेय, इन्द्रा नगर, लखनऊ
150. आशीष कुमार पाण्डेय, बेरूई, असोथर, फतेहपुर
151. दिलीप कुमार पाण्डेय, बेरूई, असोथर, फतेहपुर
152. डा० अजय पाण्डेय, किदवई नगर, कानपुर नगर
153. आशुतोष पाण्डेय, अहमदाबाद, गुजरात
154. नरेन्द्र कुमार पाण्डेय, किदवई नगर, कानपुर नगर
155. राज कुमार पाण्डेय, सहज़ादे की कोठी, रायबरेली
156. राधाकांत पाण्डेय, सआदतगंज, बाराबंकी
157. महेश कुमार पाण्डेय, रामबाग, कानपुर नगर
158. संदीप पाण्डेय एडवोकेट जवाहर नगर, कानपुर नगर
159. दुर्गाशंकर पाण्डेय 68/73 लोकमनमोहाल, कानपुर
160. कुमार शंकर पाण्डेय, बाबूखेड़ा, उन्नाव
161. मनोज पाण्डेय आर.के.पुरम् न्यू कालोनी, कलक्टरगंज, फतेहपुर
162. अविनाश पाण्डेय, 117/479 पाण्डू नगर, कानपुर नगर
163. महेन्द्र कुमार पाण्डेय, मु० गंगापुर, पो० डिडिया, रीवा म०प्र०
164. ओम प्रकाश पाण्डेय, छोटा गेगासों, रायबरेली
165. राम प्रकाश पाण्डेय, लालगंज, रायबरेली
166. शिव प्रकाश पाण्डेय, लालगंज, रायबरेली
167. विजय स्वरूप पाण्डेय, मोहल्ला राजगढ़, लखीमपुर खीरी
168. मनोज कुमार पाण्डेय, मु० पो० सिन्धनकला, बाँदा
169. अखिलेश पाण्डेय, 124/426 बी ब्लाक, गोविन्द नगर, कानपुर

170. संजय पाण्डेय, एम.आई.जी.196 सेक्टर-4, बर्रा-2, कानपुर
171. मलय कुमार पाण्डेय 256 शंकराचार्य नगर, यशोदा नगर, का०
172. शिव सहाय पाण्डेय, बाजपेई खेड़ा, रायबरेली
173. प्रदीप कुमार पाण्डेय, 101 बी विकास नगर, कानपुर
174. रामानन्द शास्त्री, रामधाम आश्रम, बिठूर, कानपुर नगर
175. देवानन्द पाण्डेय, मु०व पो० राममन्डई, बारांबकी
176. रमाकान्त पाण्डेय, 587-ए/724/1गाँधी नगर, तेलीबाग,लखनऊ
177. राहुल पाण्डेय 19/87 नई कालोनी, पावर हाउस पनकी, कानपुर
178. अजय कुमार पाण्डेय, अशोकपुर, बारांबकी
179. डॉ० अभिजीत पाण्डेय, शिव नगर, (नियर-पॉली०)रीवा,म.प्र.
180. कृष्ण कुमार पाण्डेय मु० खोर खजुरिया,पो०ददरौली, बाराबंकी
181. अमित पाण्डेय, जगतपुर भिचकौरा रायबरेली
182. श्रीकान्त पाण्डेय, जगतपुर भिचकौरा रायबरेली
183. भवानी शंकर पाण्डेय, निराला नगर, रायबरेली
184. करूणाकर पाण्डेय, आशियाना, लखनऊ
185. अपूर्व पाण्डेय, लालगंज, रायबरेली
186. राज कुमार पाण्डेय, अनुपम नगर, ग्वालियर
187. लखपतिराम पाण्डेय, पुवावाँ, शाहजहाँपुर
188. सुभाष पाण्डेय, कुरारा, हमीरपुर
189. अभिषेक पाण्डेय, वार्ड-10 आनन्तपुर हुजूर, रीवाँ, म०प्र०
190. आनन्द पाण्डेय, शिवपुरी, रायबरेली

❀ ❀

अनुक्रमणिका

		पृष्ठ सं.
1.	मंगलाचरण	20
2.	ब्रह्मा से पुञ्जराज तक का विवरण	21 - 23
3.	पुञ्जराज का आगमन और गर्गाश्रम वास	24 - 25
4.	वीर वंश वर्णन	26 - 73
	● पूरे पाण्डेय जिला रायबरेली	27 - 38
	● निसगर जिला रायबरेली	38 - 63
	● हमीर गाँव जिला रायबरेली	63 - 70
	● हरकिसुन खेड़ा जिला रायबरेली	71 - 73
5.	हरिनाथ वंश वर्णन	74 - 100
	● बाबूखेड़ा जिला उन्नाव	74 - 95
	● जगतपुर भिचकौरा जिला रायबरेली	96 - 100
6.	मनीराम वंश वर्णन	101 - 121
	● बाजपेई खेड़ा जिला रायबरेली	109 - 113

- कठारा जिला कानपुर नगर 114 - 121

7. गिरधर वंश वर्णन 122 - 151
   - बिजदवां जिला जालौन 145 - 151
8. गंगाराम वंश वर्णन 152 - 210
   - शिवपुरी जिला रायबरेली 153 - 181
   - भिटौंरा जिला फतेहपुर 181 - 197
   - बाबूखेड़ा जिला उन्नाव 198 - 199
   - ऐहार जिला रायबरेली 200 - 203
   - अश्वनी उपनाम असनी जिला फतेहपुर 204 - 205
9. ब्यौरा-अपने को गेगासों के पाण्डेय बताने वालों का 206 - 211
10. पुञ्जराज वंश वैवाहिक रीति विवरण 212 - 218
11. गोत्र और प्रवर आदि का निर्णय 219 - 220

मंगलाचरण

ॐ सुमुखश्चैक दन्तश्च कपिलो गज कर्णकः,
लम्बोदरश्च विकटो विघ्न नाशो विनायकः।
धूम्र केतुर्गणाध्यक्षो भाल चन्द्रो गजाननः,
द्वादशैतानि नामानियः पठेच्छ्टणुयादपि।
विद्या रम्भं विवाहे च प्रवेशे निर्गमे तथा,
संग्रामे संकटे चैव विघ्न स्तस्य न जायते।।

आशा सुराशी भवदंग वल्ली भासैंव दासी कृत दुग्ध सिन्धुम्।
मन्दस्मितैर्निन्दित शारदेन्दुं वन्देऽरविन्दासन सुन्दरित्वाम्।।

।। श्री गणेशाय नमः।।

अथ पुञ्जराज वंश दर्पण

अर्थात्

गेगासों के पाण्डेय की वंशावली

ब्रह्मा जी की मानसी सृष्टि रचना में प्रथम दश मानसी पुत्रों का प्रादुर्भाव हुआ। 1. मरीचि, 2. भृगु, 3. अंगिरा, 4. पुलस्त्य, 5. पुलह, 6. ऋतु, 7. दक्ष, 8. अत्रि, 9. वशिष्ठ, 10. रुद्र। इनमें पाँच पुत्रों से (मरीच, भृगु, अंगिरा, अत्रि, वशिष्ठ) कान्य कुब्ज ब्राह्मणों का वंश चला। इनका मुख्य कार्य जप-यज्ञ है। इनका कार्य क्षेत्र विंध्याचल से उत्तर हिमाचल के बीच की पावन भूमि रही। मत्स्य पुराण अध्याय - 141 में स्पष्ट वर्णन है।

(सारस्वतः कान्यकुब्जाः गौड़ उत्कल मैथिल, पंच गौड़ इतिख्याता विंध्यो स्योत्तर वासिनः कान्यकुब्जा द्विजाः सर्वे माथुरं मागधं बिनाः) अर्थात् कान्य-कुब्ज, गौड़, सारस्वत, मैथिल और उत्कल इनकी संज्ञा पंचगौड़ है और सभी कान्य-कुब्ज हैं। ये सरस्वती और दृषद्वती नदियों के बीच का क्षेत्र ब्रह्मावर्त देश कहलाता है जो शृंगीरामपुर से दालम्य ऋषि के आश्रम तक लम्बा कौशल देश से दक्षिण तक ब्रह्म सनात्मक तप की खान कान्य-कुब्ज देश कहा जाता है, में रहते हैं। यह बात मीमांसा

शास्त्र में जैमिन जी ने स्पष्ट रूप से कहा है। अब इन ब्रह्मा जी के पाँच पुत्रों के अन्तर्गत तृतीय पुत्र महर्षि प्रवर संस्थापक अंगिरा जी हुए। बाल्यावस्था से ही यह इतने मेधावी थे कि विद्याध्ययन के समय ही अपने से बड़ों को पढ़ाया करते थे।

- यथा मुन. 2.151

(अध्यापया मास पितन् शिशु राँङ्गिरसो कविः पुत्र का इति हो वाच शातेन परिगृह्यतान्)

- 11/3/24 तांडव-ब्राह्मण

ये वृद्धों को बच्चा कह कर पुकारते थे। यथा शिशुर्वा आंगिरसों मंत्र कुतां मंत्र कृतासीत सपितृन पुत्र का इत्य मंत्र्ययन। इनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर महर्षियों ने इन्हें श्रेष्ठ माना। इनके पुत्र देवगुरु बृहस्पति हुए। इनकी विद्वता और तपोबल का प्रमाण यही है कि देवताओं ने भी इन्हें देवगुरु के पद पर प्रतिष्ठित किया, इन्होंने नव ग्रहों में सम्मानित स्थान प्राप्त कर अपनी कीर्ति को अमिट बना दिया। देवगुरु बृहस्पति के पुत्र गोत्र संस्थापक महर्षि भरद्वाज जी हुये, इन्होंने प्रयागराज में आश्रम बनाकर अपनी तपस्या की। परब्रह्मावतारी रामचन्द्र जी और जगत जननी जानकी जी ने इनके आश्रम में पधार कर इनके दर्शन किये और भरत जी के अतिथि सत्कार व पहुनाई में अयोध्या निवासियों की आकांक्षित वस्तुये वहीं सुलभ हुईं थीं। जिनमें रँभ कर भरत जी तो अयोध्या के सुख ही भूल गये थे। महर्षि भरद्वाज जी के पुत्र वीर धनुर्गुरु द्रोणाचार्य जी हुये। इनके यश का वर्णन अर्जुन और धृतराष्ट्र ने महाभारत में किया है जो सर्वविदित है। भीष्म पितामह द्वारा प्रदत्त द्रोणाचार्य को पाँच गाँव जिनमें प्रथम द्रोणाचार्य के निवास ग्राम को गुरुग्राम (गुड़गाँव) कहते हैं, दिल्ली के पास स्थित है। इनके राज्य के

वर्णन में आदि पर्व अध्याय 138 और हरिवंश पुराण अध्याय 20 महत्त्वपूर्ण हैं। द्रोणाचार्य के अमर पुत्र चि. अश्वस्थामा जी हुये। इनकी कीर्ति भी महाभारत में वर्णित है। इन्हें महादेव जी का इष्ट था। यह उन्हीं के अंश थे।

अमर अश्वस्थामा के पुत्र और्वे, और्वे के पुत्र प्रधान, प्रधान के पुत्र अनल, अनल के पुत्र मान्द, मान्द के पुत्र शांत, शांत के पुत्र ब्राह्मण, ब्राह्मण के पुत्र वृण, वृण के पुत्र काक्षीवान्, काक्षीवान् के पुत्र कोश, कोश के पुत्र बाल, बाल के पुत्र उतक, उतक के दो पुत्र सत्याधर और वासुदेव हुये। इन दो भाइयों ने अच्छी तरह से वेद उपवेद का पठन पाठन किया इसलिये इन्हें भूसुर समाज में पंडित की उपाधि प्राप्त हुई। जिसका वर्तमान नाम पाण्डेय में प्रचलन हुआ है।

सत्याधर के शुक्ल यज्ञ से उनकी वंश परम्परा भरद्वाज गोत्रीय शुक्ल, त्रिपाठी, दीक्षित, पाठक, त्रिवेदी आदि हुई। वामदेव जी की वंश परम्परा में सब पाण्डेय कहाये। वामदेव के पुत्र गुणाकर, गुणाकर के पुत्र जयदेव, जयदेव के तीन पुत्र भोज राज, रामनाथ और लाला हुये। भोजराज कम्पिला, रामनाथ पटियारी, लाला गौरा में बसे।

भोजराज के पुत्र राम चन्द्र, राम चन्द्र के दो पुत्र चन्दन और बन्दन हुये। चन्दन के वंशज कम्पिला के पाँड़े कहाये। बन्दन के दो पुत्र पुञ्जराज उपनाम पूंजी और भैरव हुये। पुञ्जराज गेगासों में बसे और गेगासों के पाँड़े कहाये, भैरव खोरगली कन्नौज में बसकर खोर के पाँड़े कहाये। इन्हीं की शाखों से लखनऊ-उद्धरणि, भट्टाचार्य, अमरा विलासपुर, भीसमपुर, लक्ष्मीपुर, बेला, इटौजा, शक्तिहा उपनाम पहिंतिया पाण्डेय हुये। पटियारी में बसे रामनाथ के चार पुत्र मान, कृष्णागर, शोकनाथ, उबयन हुये। शोकनाथ को छोड़ शेष तीनों भाई पटियारी में ही रहे और

इनसे पटियारी के पाण्डेय वंश का क्रम चला। शोकनाथ के डौड़ियाखेरा वास से डौड़ियाखेरा के पाण्डेय वंश का क्रम चला। गौरा में निवासित लाला से गौरा के पाण्डेय वंश का क्रम चला।

पुञ्जराज उपनाम पूंजी पाण्डेय का आगमन

अर्थात्

गर्गाश्रम उपनाम् गेगासों के पाण्डेय का व्योरा

पूज्य पुञ्जराज जी का शुभागमन गर्गाश्रम में इन्द्रप्रस्थ से पूर्व म्लेच्छ वंशजों के अत्याचार के समय हुआ। अत्याचार से पीड़ित पुञ्जराज जी ने सपरिवार नौका द्वारा काशी जी को प्रस्थान किया। यदुकुल गुरु गर्ग जी के रमणीक स्थान गर्गाश्रम में विश्राम के समय महाराज दुबे जी विद्वान पंडित से साक्षात्कार हुआ। दोनों ही परस्पर के समागम से हर्षित हुये। इन दिनों वीर भूमि बैसवाड़ा में राजा त्रिलोक चंद बैस का राज्य था। राजा त्रिलोक चन्द जी को सुपात्र ब्राह्मणों से मिलने और उनकी जीविका निर्वाहार्थ भूमि देने की पुण्य अभिलाषा हुआ करती थी। त्रिलोक चन्द्र जी से दुबे जी ने पुञ्जराज जी के वृत्तान्त को सुनाकर इनके गुणों की प्रशंसा की, त्रिलोक चन्द्र जी को उस समय यज्ञ करने की आवश्यकता थी इसलिये अपना मनोरथ पुञ्जराज जी से निवेदन किया जिसे पुञ्जराज जी ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। ग्राम चिलौला में यज्ञ पूर्ण कराकर त्रिलोक चन्द्र जी को पुत्र होने का शुभाशीर्वाद देकर पुञ्जराज जी ने काशी को प्रस्थान किया। काशी जी में बहुत समय व्यतीत करने के बाद पुञ्जराज जी ने पुनः कंपिला को प्रस्थान किया। इधर राजा त्रिलोक चन्द्र

के पुत्र उत्पन्न हुआ। पुञ्जराज जी जब गर्गाश्रम के समीप आये तो यह जानकर राजा त्रिलोक चन्द्र जी ने पाण्डेय जी को साष्टांग अभिवादन कर अत्यन्त समादर से निज भवन में लाकर पुत्र को चरणों में डाला और शिष्य होने की कामना की। पाण्डेय जी ने राजा की भक्ति देखकर उन्हें शिष्य बनाया, तदन्तर राजा ने गुरु दक्षिणा में गर्गाश्रम गाँव जीविका निर्वाहार्थ देकर श्रद्धापूर्वक उक्त स्थान में निवास करने का अनुरोध किया। पुञ्जराज जी ने राजा की भक्ति और श्रद्धा को देख गर्गाश्रम अर्थात् गेगासों ग्राम को परम पवित्र और वासोपयोगी जानकर त्रिलोक चन्द्र जी के अनुरोध की रक्षा करते हुये उक्त स्थान में निवास किया जहाँ पर सर्व संतापनाशिनी जान्ह्वी जी के तट पर भव्य प्राचीन मुण्डमालेश्वर और भगवती संकठा देवी के मन्दिर थे। उस समय से पूज्य पुञ्जराज जी के वंशक्रम का वंश पल्लव 'गेगासों के पाँडे' नाम से प्रसिद्ध हुआ।

।। श्री गणेशाय नमः।।

पुञ्जराज-वंश-दर्पण

अर्थात्

पूज्य पुञ्जराज जी पाण्डेय के वंश का वर्णन

परम तपस्वी पुञ्जराज जी के चार पुत्र हुये नरहरी, नारायण, पद्मनाभ और शिव उपनाम शिवा। नरहरी और नारायण के परिवार नहीं चला। पद्मनाभ के एक पुत्र शिवा नन्द हुये। शिव उपनाम शिवा के भी परिवार नहीं चला।

शिवानन्द के एक पुत्र घरवास हुये। घरवास के दो पुत्र परमू और मकरंद हुये। मकरंद का परिवार नहीं चला। परमू बड़े ही प्रतापवान हुये इन्हीं से वंश पल्लवित हुआ। इनके पाँच पुत्र हरिनारायण, विश्वनाथ, कृष्णनाथ, हंसराज और घनश्याम हुये। हरिनारायण का परिवार नहीं चला। विश्वनाथ के पुत्र पितनू हुये। पितनू के पुत्र कुलमणि व कुलमणि के पुत्र धरनीधर तथा धरनीधर के पुत्र ऋषिनाथ के पुत्र बीर हुये। कृष्णनाथ का भी परिवार नहीं चला।

अथ बीर वंश वर्णन

बीर ये बड़े प्रतापी और कुलभूषण हुये, इनसे जो वंश चला वे बीर के असामी अथवा वीरेश्वर के आंक के पाँडे कहे गये। बीर के तीन

पुत्र मुरलीधर, हरिदत्त और गोपी दत्त हुये। मुरलीधर के चार पुत्र हुये श्रीकांत, संती, सुधऊ और भानु दत्त। श्रीकांत के दो पुत्र प्रथम स्त्री से दत्तराम और दूसरी से शिवदत्त राम हुये। दत्त राम के पुत्र शिवप्रसाद ने पूरे पाण्डेय गाँव बसाया।

पूरे पाण्डेय जिला रायबरेली

शिव प्रसाद ये बड़े ही पराक्रमी और वीर पुरुष थे इन्होंने ही पूरे पाण्डेय (पांड़ेन का पुरवा) बसाया था, इनके चार पुत्र मनीराम, मनसुख लाल, भवानी प्रसाद और सब सुख लाल हुये। मनीराम के दो पुत्र काशी प्रसाद, शिव चरण लाल हुये। काशी प्रसाद के चार पुत्र कामता प्रसाद, द्वारका प्रसाद, मैकू लाल और गंगासेवक हुये। कामता प्रसाद के पुत्र वंशीधर का परिवार नहीं चला। द्वारका प्रसाद के तीन पुत्र गया प्रसाद, नन्द लाल और महेश प्रसाद हुये। गया प्रसाद के चार पुत्र रामेश्वर दत्त, नागेश्वर दत्त, चन्दिका प्रसाद और शंकर दत्त उपनाम दुल्ली हुये। रामेश्वर दत्त के पाँच पुत्र हरि प्रसाद, केशव प्रसाद उपनाम मुन्नी लाल, जगदीश प्रसाद उपनाम चुन्नी लाल, राजेन्द्र नाथ उपनाम रज्जन, उपेन्द्र नाथ उपनाम पुत्तन हुये। हरि प्रसाद अल्पायु हुये। केशव प्रसाद का परिवार नहीं चला। जगदीश प्रसाद उर्फ चुन्नी लाल के एक पुत्र अतुल कुमार का परिवार नहीं चला। राजेन्द्र नाथ के तीन पुत्र अनिल कुमार, डॉ. अजित कुमार, अनूप कुमार हुये। अनिल कुमार का परिवार नहीं चला। डॉ० अजित कुमार जिनका ए.पी. डाइग्नोस्टिक्स प्रा०लि०, एल.एल.आर. हास्पिटल कानपुर में स्थित है। जो अपनी कार्य कुशलता के लिये विख्यात है। आप ने काफी सहयोग किया जिसके लिये हम बहुत ही अभारी हैं। डा० अजित कुमार के एक पुत्र डा० अर्पित हुये। डा० अजित कुमार का परिवार 304-बी शिवा अपार्टमेंन्ट मोती विहार, सर्वोदय नगर, कानपुर में रहता

है। अनूप कुमार के एक पुत्र अंकित हुये। अनूप कुमार का परिवार 1007 सेक्टर-37 फरीदाबाद हरियाणा में रहता है। उपेन्द्र नाथ उपनाम पुत्तन के एक पुत्र अमित कुमार के एक पुत्र प्रचित हुये। उपेन्द्र नाथ का परिवार बी-4 स्टाफ कालोनी इन्द्रप्रस्थ वीमेन कालेज दिल्ली में रहता है। रामेश्वर दत्त का परिवार पहले 65/248 मोती मोहाल कानपुर में रहता था। नागेश्वर दत्त का वंश नहीं चला। चन्द्रिका प्रसाद के तीन पुत्र कृष्ण कुमार, विजय कुमार और बाल्मीकि हुये। कृष्ण कुमार के दो पुत्र करुणा शंकर और मूल शंकर हुये। करुणा शंकर के तीन पुत्र हरीश कुमार, अनंत कुमार उपनाम प्रदीप कुमार और मनीष कुमार हुये। हरीश कुमार का परिवार नहीं चला। अनंत कुमार उपनाम प्रदीप कुमार के एक पुत्र कृष्णा हुये। मनीष कुमार के एक पुत्र शिवम हुये। विजय कुमार के एक पुत्र विद्या शंकर हुये। विद्या शंकर के एक पुत्र अवनीत हुये। अवनीत कुमार के एक पुत्र रेयांश हुये। बालमीक के दो पुत्र रवि शंकर और सन्त कुमार हुये। रवि शंकर के पाँच पुत्र दीपक, गौरव, सौरभ, वैभव और अमित हुये। दीपक के एक पुत्र अंकुर हुये। गौरव के पुत्र अनमोल हुये। संत कुमार के एक पुत्र पुनीत कुमार हुये। पुनीत कुमार के एक पुत्र रूदांश हुये। शंकर दत्त के पाँच पुत्र रमाकांत, लक्ष्मी कांत, राधा कांत, कृष्ण कांत रविकांत हुये। रमाकांत के दो पुत्र अजय कुमार और दीप कुमार हुये। लक्ष्मी कांत के एक पुत्र सुशील कुमार हुये। राधाकांत के एक पुत्र संजय हुये। कृष्ण कांत के एक पुत्र विक्रम हुये। रवीकांत के पुत्र प्रशान्त उपनाम शीलू हुये। शंकर दत्त का परिवार गोविन्द नगर, कानपुर में रहता है। द्वारका प्रसाद के द्वितीय पुत्र नन्द लाल का परिवार नहीं चला। द्वारका प्रसाद के तृतीय पुत्र महेश प्रसाद के एक पुत्र बागेश्वर दत्त अल्पायु हुये। काशी प्रसाद के तृतीय पुत्र मैकू लाल के दो पुत्र प्रयाग दत्त

और सरस्वती दीन हुये। प्रयाग दत्त के एक पुत्र शिव भजन लाल हुये, ये संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान थे इनका लिखा गीता पर शिव भाष्य अप्रकाशित रखा रह गया। इनका परिवार भी नहीं चला। यह कुलहा जिला उन्नाव में रहते थे। सरस्वती दीन के भी परिवार नहीं चला। काशी प्रसाद के चतुर्थ पुत्र गंगा सेवक के तीन पुत्र भैरो प्रसाद, शिव बालक और राधा चरण हुये।

भैरो प्रसाद के चार पुत्र प्यारेलाल, वासुदेव, श्री नारायण और रामशंकर हुये। प्यारे लाल का परिवार नहीं चला। वासुदेव के एक पुत्र प्रयाग नारायण हुये। प्रयाग नारायण के तीन पुत्र कौशल किशोर, ललित किशोर और आनन्द किशोर हुये। कौशल किशोर के दो पुत्र अनिल कुमार और मलय कुमार हुये। अनिल कुमार के एक पुत्र मयंक माणिक हुये। मंयक माणिक के एक पुत्र जिसका अभी नामकरण नहीं हुआ। मयंक माणिक का परिवार लन्दन में रहता है। अनिल कुमार का परिवार 620/127 शिवम् एनक्लेब केशव नगर कानपुर-208014 में रहता है। मलय कुमार के दो पुत्र शुभम् और विभुम हुये। मलय कुमार का परिवार 256 शंकराचार्य नगर, यशोदा नगर, कानपुर में रहता है। ललित किशोर के एक पुत्र हेमन्त कुमार जो अल्पायु हुये। ललित किशोर का परिवार लालगंज जिला-रायबरेली में रहता है। आनन्द किशोर के तीन पुत्र शिरीष, पियूष और पुनीत हुये। शिरीष के एक पुत्र ईशान हुये। आनन्द किशोर का परिवार 222 पी० ब्लाक, यशोदा नगर, कानपुर नगर में रहता है। भैरो प्रसाद के तीसरे पुत्र श्री नारायण के छः पुत्र राज नारायण, शिव कुमार, ब्रह्म नारायण, रमा शंकर, हरि शंकर और संतोष कुमार हुये। राज नारायण के दो पुत्र रवि प्रकाश और जय शंकर हुये। रवि प्रकाश के दो पुत्र विमलेश कुमार और रजनेश कुमार हुये। जय शंकर के एक पुत्र

प्रशांत कुमार हुये। शिव कुमार के तीन पुत्र अवधेश कुमार निखलेश कुमार और अखिलेश कुमार हुये। अवधेश कुमार का परिवार नहीं चला। निखलेश कुमार के दो पुत्र निशीथ वर्धन और तुषार आनंद हुये। अखिलेश का वंश नहीं चला। ब्रह्म नारायण के दो पुत्र राजेश कुमार और शैलेश कुमार हुये। राजेश कुमार के एक पुत्र प्रियांशू हुये। शैलेश कुमार के दो पुत्र जिज्ञासू और आयुष हुये। निखलेश और शैलेश का परिवार 108/ 73 गाँधी नगर कानपुर में रहता है। रमा शंकर के चार पुत्र योगेश, सोमेश, प्रमेश, और मनोज हुये। योगेश के दो पुत्र अक्षत और अर्पित हुये। सोमेश का परिवार नहीं चला। प्रमेश के एक पुत्र दिव्यांशू कुमार हुये। मनोज के दो पुत्र कृष्णा और अनुज हुये। हरी शंकर के तीन पुत्र बृजेश, मुकेश कुमार और जयकेश हुये। बृजेश के दो पुत्र भावेश और द्विवेश हुये। मुकेश कुमार के दो पुत्र प्रखर और प्रांजल हुये। जयकेश के एक पुत्र समर्थ हुये। सन्तोष कुमार के दो पुत्र स्वदेश और अनु हुये। स्वदेश के एक पुत्र सुश्रुत हुये। अनु के एक पुत्र सारस्वत हुये। शिव बालक परिवार नहीं चला। राधा चरण के एक पुत्र शीतला सहाय अल्पायु हुये। मनीराम के दूसरे पुत्र शिव चरण का परिवार नहीं चला।

शिव प्रसाद के दूसरे पुत्र मनसुख लाल के चार पुत्र बेनी प्रसाद, राखन लाल, शीतला प्रसाद और लक्ष्मी प्रसाद हुये। बेनी प्रसाद का वंश नहीं चला। राखन के दो पुत्र हनुमान और महावीर हुये किन्तु इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। शीतला प्रसाद के एक पुत्र शिव रत्न हुये। शिव रत्न के दो पुत्र नगेली दीन और तीर्थ प्रसाद हुये। नगेली दीन के तीन पुत्र गोविन्द नारायण, देव नारायण, अलोपी नारायण हुये। गोविन्द नारायण के दो पुत्र अवध नारायण और श्याम नारायण हुये। गोविन्द नारायण संस्कृत और ज्योतिष के उद्भट विद्वान थे। अवध नारायण के

एक पुत्र सुशील कुमार हुये। श्याम नारायण के दो पुत्र सतीश कुमार और सुनील कुमार हुये। सतीश कुमार के दो पुत्र सुधीर कुमार और संदीप कुमार हुये। देव नारायण अल्पायु हुये। अलोपी नारायण के एक पुत्र राधेश्याम अल्पायु हुये। शिव रतन के द्वितीय पुत्र तीर्थ प्रसाद के तीन पुत्र गंगा नारायण, यमुना नारायण और जगत नारायण हुये। गंगा नारायण का परिवार नहीं चला। यमुना नारायण अल्पायु हुये। जगत नारायण के एक पुत्र शंकर कुमार हुए। शंकर कुमार जी के अथक प्रयास से पुञ्जराज वंश दर्पण का संशोधित तथा परिवर्धित पंचम संस्करण प्रकाशित हुआ था। शंकर कुमार के दो पुत्र राकेश कुमार और महेश कुमार हुये। राकेश के एक पुत्र आदर्श हुये। महेश के कोई पुत्र नहीं हुये। मनसुख लाल के चौथे पुत्र लक्ष्मी प्रसाद के एक पुत्र बैजनाथ का परिवार नहीं चला।

शिव प्रसाद के तीसरे पुत्र भवानी प्रसाद के तीन पुत्र छोटूलाल, रामदीन और देवीदीन हुए। छोटू लाल के परिवार नहीं चला। रामदीन के तीन पुत्र मुन्नालाल, बद्रीनाथ और बलभद्र हुये। मुन्ना लाल के दो पुत्र भगवती दत्त और सिद्धेश्वर हुये। भगवती दत्त अल्पायु हुये। सिद्धेश्वर के एक पुत्र काली चरण का परिवार नहीं चला। बद्रीनाथ के एक पुत्र रामकृष्ण हुये। रामकृष्ण के तीन पुत्र हरिशंकर, उमाशंकर और केदारनाथ हुये। हरिशंकर के एक पुत्र गोपेश्वर का परिवार नहीं चला। उमाशंकर के एक पुत्र राम नारायण हुये इन्होंने फिलास्फी में डॉक्टरेट किया और राज्य सरकार में काफी समय तक शिक्षा उपमंत्री रहे। डॉ. राम नारायण के दो पुत्र शिव प्रकाश और अनूप हुये। शिव प्रकाश अविवाहित रहे। अनूप के एक पुत्र विभव के एक पुत्र कबीर हुये। यह परिवार 148 राजेन्द्र नगर लखनऊ में रहता है। केदारनाथ के एक पुत्र देवकृष्ण अल्पायु हुये। बलभद्र के परिवार नहीं चला। भवानी प्रसाद के तृतीय पुत्र देवीदीन के

पाँच पुत्र शिवसहाय, पंडितबर गदाधर लाल, ज्योतिर्विद कुंजबिहारी, युगुल किशोर और राजा राम हुये। शिव सहाय के दो पुत्र माधव प्रसाद और हृदय राम हुये। माधव प्रसाद के तीन पुत्र प्र. स्त्री से राम प्रसाद और द्वितीय स्त्री से जगन्नाथ प्रसाद और गंगा प्रसाद हुये। राम प्रसाद का परिवार नहीं चला। जगन्नाथ प्रसाद के एक पुत्र संकठा प्रसाद उपनाम सूर्य प्रसाद हुये। सूर्य प्रसाद के दो पुत्र मनुवाँ और रवीन्द्र नाथ हुये। मनुवाँ अल्पायु हुये। रवीन्द्र नाथ के एक पुत्र आशीष हुये। गंगा प्रसाद के चार पुत्र लालता प्रसाद उपनाम रवी शंकर, लाल बिहारी, रमेश चन्द्र और रमा शंकर हुये। लालता प्रसाद के एक पुत्र बिनोद कुमार के एक पुत्र टिंकू हुये। लाल बिहारी अल्पायु हुये। रमेश चन्द्र के एक पुत्र प्रमोद कुमार हुये। प्रमोद कुमार के एक पुत्र पिंकू हुये। रमा शंकर का परिवार नहीं चला। माधव प्रसाद का परिवार कानपुर में रहता है। शिव सहाय के द्वितीय पुत्र हृदयराम के एक पुत्र सूर्यवली के एक पुत्र शम्भू दयाल हुये। शम्भू दयाल के दो पुत्र शिवकंठ और लक्ष्मीकांत हुये। शिवकंठ के एक पुत्र विभोर कुमार के एक पुत्र सत्येन्द्र हुये। सत्येन्द्र के एक पुत्र अनन्त हुये। विभोर कुमार बीजेमऊ जिला रायबरेली में रहते हैं। लक्ष्मीकांत के दो पुत्र रोहित और राहुल हुये। रोहित के एक पुत्र मयंक हुये। राहुल के एक पुत्र सुयश हुये। लक्ष्मीकांत का परिवार रायबरेली में रहता है। पंडितवर गदाधर लाल के दो पुत्र लक्ष्मी नारायण और गोकर्ण लाल हुये। लक्ष्मी नारायण के तीन पुत्र वृन्दावन उपनाम मान, गंगा रतन और चतुर्भुज उपनाम बब्बू लाल हुये। वृन्दावन के दो पुत्र शिव शंकर और गिरिजा शंकर हुये। शिव शंकर के तीन पुत्र प्रेम शंकर, भीम शंकर और राज शंकर हुये। प्रेम शंकर के तीन पुत्र देव शंकर, कैलाश नाथ और मूल चन्द्र हुये। देव शंकर के चार पुत्र राजीव कुमार, संजीव कुमार, महेश कुमार

और अश्वनी हुये। राजीव के दो पुत्र विष्णु और वैभव हुये। संजीव के एक पुत्र वर्धन हुये, महेश के दो पुत्र देवांश और अर्नव हुये। अन्जनी के एक पुत्र दर्श हुये। देव शंकर का परिवार म0नं0 713 सेक्टर 16 फरीदाबाद, हरियाणा में रहता है। कैलाश नाथ का परिवार नहीं चला। मूल चन्द्र के दो पुत्र संदीप कुमार और सौरभ कुमार हुये। संदीप कुमार के एक पुत्र सुक्रत हुये। कैलाश नाथ और मूलचन्द्र का परिवार 107/46 जवाहर नगर, कानपुर में रहता है। देव शंकर के दो पुत्र श्रीकांत और रमाकांत हुये। भीमशंकर के दो पुत्र अमरनाथ और सुरेश चन्द्र हुये। अमरनाथ के तीन पुत्र दया शंकर उपनाम सूर्यकान्त, सुरेन्द्र कुमार उपनाम शशीकान्त और रमाकांत हुये। सुरेन्द्र कुमार के दो पुत्र मोनू और भोलू हुये। ये परिवार रांची, झारखण्ड में रहता है। सुरेश चन्द्र के प्रथम स्त्री से तीन पुत्र मनोज कुमार, अश्वनी कुमार और आर्यन हुये। दूसरी पत्नी से एक पुत्र सदानन्द हुये। मनोज कुमार के अभी पुत्र नहीं है। मनोज कुमार आर. के. पुरम्, न्यू कालोनी, कलेक्टरगंज, फतेहपुर में रहता है। अश्वनी कुमार के पुत्र आयांश हुये। सदानन्द अविवाहित रहे। राजशंकर के दो पुत्र संत कुमार और राजेश कुमार हुये। संत कुमार के दो पुत्र योगेश और रजत हुये। राजेश कुमार के एक पुत्र प्रज्ञात जो अल्पायु हुये। राजशंकर का परिवार 11 मुखी हनुमान मन्दिर के सामने गल्लामण्डी, नौबस्ता, कानपुर में रहता है। गिरिजा शंकर के दो पुत्र कृपाशंकर और जटा शंकर हुये। कृपाशंकर के तीन पुत्र विजय शंकर, उदय शंकर और राजगोपाल उपनाम करुणा शंकर हुये। विजय शंकर के दो पुत्र शिशिर और विपुल हुये। शिशिर के एक पुत्र अविरल हुये। उदय शंकर का परिवार नहीं चला। राज गोपाल के एक पुत्र अभय हुये। जटाशंकर के एक पुत्र विनोद कुमार हुये। विनोद कुमार के दो पुत्र हरी मोहन और कृष्ण मोहन हुये।

हरी मोहन के एक पुत्र माधव हुये। कृष्ण मोहन के एक पुत्र राघव हुये। गंगा रतन के एक पुत्र देवी शंकर उपनाम सधन लाल का परिवार नहीं चला। लक्ष्मी नारायण के तीसरे पुत्र चतुर्भुज उपनाम बब्बू लाल के एक पुत्र ज्ञान शंकर हुये। ज्ञान शंकर के दो पुत्र रवी शंकर और चन्द्र शेखर हुये रवी शंकर अल्पायु हुये। चन्द्र शेखर के दो पुत्र मनोज कुमार और सन्तोष कुमार हुये। मनोज कुमार का परिवार नहीं चला। सन्तोष कुमार के एक पुत्र राम जी हुये। गदाधर लाल के दूसरे पुत्र गोकर्ण लाल के चार पुत्र नर्वदा शंकर, पदुम प्रसाद, हीरालाल और गया प्रसाद हुये। नर्वदा शंकर के दो पुत्र गंगाधर और गणेश प्रसाद हुये गंगाधर बड़े वीर और पराक्रमी थे ये कवि, वैद्य और ज्योतिषी थे। गंगाधर का परिवार नहीं चला। गणेश प्रसाद के एक पुत्र बच्छन अल्पायु हुये। पदुम प्रसाद के दो पुत्र मंगल प्रसाद और अयोध्या प्रसाद हुये मंगल प्रसाद के तीन पुत्र प्र. स्त्री से गिरीश कुमार व द्वितीय स्त्री से प्रमोद कुमार और प्रदीप कुमार हुये। प्रमोद कुमार के दो पुत्र श्रीकान्त और सिद्धार्थ हुये। सिद्धार्थ के एक पुत्र आरभ्य हुये। प्रदीप कुमार का परिवार नहीं चला। गिरीश कुमार के एक पुत्र आदित्य प्रकाश हुये। अयोध्या प्रसाद अल्पायु हुये हीरालाल और गया प्रसाद भी अल्पायु हुये। कुंज बिहारी के दो पुत्र शिव नारायण और हरि नारायण हुये। शिव नारायण के पुत्र शंकर दयाल का परिवार नहीं चला। हरि नारायण के तीन पुत्र बलराम, परशुराम और शिवराम उपनाम लल्लू हुये। बलराम के पुत्र जगन्नाथ प्रसाद अल्पायु हुये। परशुराम के दो पुत्र सूर्य कुमार और सूर्य नारायण हुये। सूर्य कुमार के एक पुत्र विनय कुमार के एक पुत्र देवांश हुये। सूर्य नारायण अल्पायु हुये। शिवराम के दो पुत्र खुन्ना और दिनेश कुमार हुये। खुन्ना अल्पायु हुये। दिनेश कुमार के दो पुत्र रवी कुमार और शशी हुये। रवी कुमार परिवार

नहीं चला। शशी अल्पायु हुये। देवीदीन के चतुर्थ पुत्र युगुल किशोर के एक पुत्र गुरु प्रसाद के चार पुत्र हजारी लाल, ओंकार नाथ, जै गोपाल नाथ और शोभनाथ हुये। हजारी लाल अल्पायु हुये। ओंकार नाथ के दो पुत्र कमला शंकर और गंगा सागर उपनाम रजोले हुये। गंगा सागर के एक पुत्र अशोक कुमार उपनाम गंगा शंकर हुये। अशोक कुमार उपनाम गंगा शंकर के दो पुत्र अतुल और अनुज हुये। अतुल के एक पुत्र आयुश हुये। अनुज के एक पुत्र अविरल हुये। गंगा सागर का परिवार कोन्सा वरदर जिला-रायबरेली में रहता है। जै गोपाल नाथ के चार पुत्र प्र. स्त्री से लक्ष्मी शंकर व द्वितीय स्त्री से ओम प्रकाश, देव प्रकाश और रामप्रकाश हुये। लक्ष्मी शंकर के दो पुत्र सुनील कुमार और मनोज कुमार हुये। सुनील कुमार के एक पुत्र सत्यम हुये। मनोज कुमार के दो पुत्र संस्कार और श्लोक हुये। ओम प्रकाश के चार पुत्र नवनीत, विनीत, पुनीत और सुनीत हुये। नवनीत के एक पुत्र अनन्त मोहन हुये। विनीत के एक पुत्र अन्नय मोहन हुये। देव प्रकाश के एक पुत्र मनीष कुमार हुये। मनीष कुमार के एक पुत्र वेदान्त हुये। राम प्रकाश के एक पुत्र आदर्श हुये। शोभनाथ के एक पुत्र रमेश कुमार हुये। रमेश कुमार के एक पुत्र मृत्युंजय हुये। मृत्युंजय के एक पुत्र रूद्रांश हुये। शोभनाथ का परिवार एच-76 केशवपुरम्, कल्यानपुर, कानपुर में रहता है। देवीदीन के पंचम पुत्र राजाराम के एक पुत्र मथुरा प्रसाद हुये। मथुरा प्रसाद के एक पुत्र जगदीश नारायण हुये। जगदीश नारायण के चार पुत्र प्रथम स्त्री से ज्ञानेन्द्र कुमार उपनाम शंकठा प्रसाद व अम्बिका प्रसाद और द्वितीय स्त्री से प्रदीप कुमार और प्रमोद कुमार हुये। ज्ञानेन्द्र कुमार उपनाम संकठा प्रसाद के दो पुत्र नीरज कुमार और अम्बुज हुये। नीरज कुमार के एक पुत्र सार्थक हुये।अम्बुज के दो पुत्र शौर्यदीप और शिरीश हुये। ज्ञानेन्द्र कुमार उपनाम

संकठा प्रसाद का परिवार 106 पशुपति नगर, कानपुर नगर-21 में रहता है। अम्बिका प्रसाद के एक पुत्र पंकज हुये। प्रदीप कुमार का परिवार नहीं चला। प्रमोद कुमार का परिवार नहीं चला। जगदीश नारायण का परिवार 83/87 बी. एम. मार्केट, जूही, कानपुर में रहता हैं।

शिव प्रसाद के चौथे पुत्र सबसुख लाल के तीन पुत्र रामलाल, गंगादीन और गयादीन हुये। रामलाल का परिवार नहीं चला। गंगादीन के तीन पुत्र महानन्द, लालमणि और नन्द कुमार हुये। महानन्द के एक पुत्र विश्वेश्वर का परिवार नहीं चला। लालमणि के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से सूर्य प्रसाद व द्वितीय स्त्री से देवी सहाय हुये। सूर्य प्रसाद के दो पुत्र रघुवर दयाल और प्रभु दयाल हुये। रघुवर दयाल के दो पुत्र तेज नारायण और रामकिशोर हुये। तेज नारायण के दो पुत्र सुरेन्द्र कुमार और निर्मल कुमार हुए। सुरेन्द्र कुमार तीन पुत्र आनन्द मोहन, कृष्ण मोहन और आशुतोष हुये। आनन्द मोहन के एक पुत्र वरूण हुये। कृष्ण मोहन के एक पुत्र अभिनव हुये। आशुतोष के एक पुत्र शुभम् हुये। निर्मल कुमार के चार पुत्र संजय मोहन, मुरारी, अंजनी और कृष्ण मोहन हुये। संजय मोहन के एक पुत्र आशीष हुये। मुरारी अल्पायु हुये। अंजनी अविवाहित रहे। कृष्ण मोहन के एक पुत्र विनायक हुये। राम किशोर के चार पुत्र राजेन्द्र कुमार, नागेन्द्र कुमार, महेश कुमार, रवीन्द्र कुमार उपनाम गोपाल हुए। राजेन्द्र कुमार के दो पुत्र दुर्गेश कुमार और सौरभ हुये। नागेन्द्र के एक पुत्र अखिलेश हुये। अखिलेश के एक पुत्र वंश हुये। महेश कुमार उपनाम महेन्द्र के दो पुत्र शिवम और सूरज हुये। रवीन्द्र कुमार उपनाम गोपाल के दो पुत्र अभिषेक और हितेष हुये। प्रभू दयाल का परिवार नहीं चला। देवी सहाय के तीन पुत्र देवकी नन्दन, यशोदा नन्दन और शिव किशोर हुए। देवकी नन्दन के चार पुत्र सत्य नारायण, हरि नारायण, हरि किशोर

और जुगुल किशोर हुए। सत्य नारायण के पाँच पुत्र राज किशोर, नवल किशोर, ललित किशोर, जय किशोर और बसंत किशोर हुए। राज किशोर अल्पायु हुये। नवल किशोर के दो पुत्र अमित और विनीत हुये। अमित के दो पुत्र मयंक और करन हुये। विनीत अल्पायु हुये। ललित किशोर के एक पुत्र रवी हुये। जय किशोर के दो पुत्र अंकित और पीयूष हुये। अंकित के एक पुत्र कौशिक हुये। पीयूष के एक पुत्र आयाश हुये। जय किशोर का परिवार 118 गांधीग्राम कानपुर में रहता है। बसंत किशोर के तीन पुत्र शिवम, शुभम और ओम हुये। यह परिवार 130 संजय गांधी नगर नौबस्ता कानपुर में रहता है। हरि नारायण के एक पुत्र डा० शिवदत्त हुये। डा० शिवदत्त के दो डा० अश्वनी और पीयूष हुये। डा० अश्वनी के एक पुत्र आरूष हुये। पीयूष के एक आयान्श हुये। हरि नारायण का परिवार सिसोलर जिला हमीरपुर में रहता है। हरि किशोर के तीन पुत्र कृष्ण दत्त, रमेश और महेश हुये। कृष्ण दत्त और रमेश ये दोनो भाई अविवाहित रहे। महेश अल्पायु हुये। यह परिवार गढ़ीजार जिला-फतेहपुर में रहता है। युगुल किशोर के तीन पुत्र राम दत्त, सूर्य कुमार और उमादत्त हुये। रामदत्त के दो पुत्र रमाकांत और उमाकांत हुये। सूर्य कुमार के तीन पुत्र राहुल त्रिवेन्द्र और त्रिदेव हुये। राहुल के एक पुत्र वंश हुये। उमादत्त के एक पुत्र आशुतोष हुये। जुगुल किशोर का परिवार ओवर ब्रिज के पास शंकर नगर जिला-बांदा में रहता है। यशोदा नंदन अल्पायु हुये। शिव किशोर के दो पुत्र नन्द कुमार और शिव कुमार हुये। नन्द कुमार के दो पुत्र विजय और संजय हुये। विजय के एक पुत्र आदित्य हुये। संजय के एक पुत्र ईशान हुये। नन्द कुमार का परिवार सनिगवां, कानपुर नगर में रहता है। शिव कुमार के दो पुत्र अजय और अरूण हुये। अजय अल्पायु हुये। अरूण के एक पुत्र श्रेयांश हुये। शिव कुमार का

परिवार आवास विकास फतेहपुर में रहता है। लालमणि के तृतीय पुत्र देवी प्रसाद का परिवार नहीं चला। गंगादीन के तीसरे पुत्र नन्द कुमार के एक पुत्र ब्रजभूषण हुये। ब्रज भूषण के एक पुत्र दयाशंकर हुये। दयाशंकर के दो पुत्र प्रेम नारायण व राज कुमार हुये। किन्तु यह दोनों भाई अल्पायु हुये। सबसुख लाल के तीसरेपुत्र गयादीन के एक पुत्र शिव गोपाल हुये। शिव गोपाल के दो पुत्र श्याम सुन्दर और चन्द्र नाथ हुये। श्याम सुन्दर का परिवार नहीं चला। चन्द्रनाथ के एक पुत्र विश्वम्भर अल्पायु हुये।

श्रीकांत के दूसरे पुत्र शिवदत्त राम के दो पुत्र शिव दुलारे और गुमान हुये। शिव दुलारे के एक पुत्र आत्मा राम हुये। आत्मा राम का परिवार नहीं चला। गुमान का परिवार जिला सीतापुर में रहता है।

निसगर जिला रायबरेली

मुरलीधर के दूसरे पुत्र संती अत्यधिक पराक्रमी और वीर पुरुष हुए। इनका परिवार निसगर जिला रायबरेली में रहा। संती के एक पुत्र श्याम सुन्दर हुए। श्याम सुन्दर के तीन पुत्र परमानन्द, अभिराम और पीताम्बर लाल हुए। परमानंद के एक पुत्र ओरी लाल हुए। ओरी लाल के पाँच पुत्र जवाहर लाल, शीतल प्रसाद, बेनी दीन, चौथे तथा पाँचवे पुत्र के नाम अज्ञात हुए। जवाहर लाल के दो पुत्र प्रथम स्त्री से मदारी लाल व द्वितीय स्त्री से गोवर्धन हुये। मदारी लाल के तीन पुत्र शंकर लाल, लाल मणि और देवी दयाल हुये। शंकर लाल तथा लालमणि का परिवार नहीं चला। देवी दयाल के दो पुत्र सागर तथा रामेश्वर के परिवार नहीं चला। गोवर्धन के एक पुत्र परानू हुये किन्तु इनका भी परिवार नहीं चला। ओरी लाल के द्वितीय पुत्र शीतल प्रसाद के तीन पुत्र हरि गोविन्द, हरि प्रसाद और मंगल प्रसाद हुये। हरि गोविन्द के परिवार नहीं चला। हरि

प्रसाद के दो पुत्र गंगा प्रसाद और भानु लाल हुये। गंगा प्रसाद के एक पुत्र बलभद्र हुये। बलभद्र के एक पुत्र नन्दीश्वर हुये। नन्दीश्वर के दो पुत्र शिवरक्षक और चन्द्र शेखर उपनाम सोनी हुये। शिवरक्षक बड़े योग्य पुरुष हुये इन्होंने अपने सभी बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाई और सभी अच्छे-अच्छे स्थानों पर अधिकारी हैं। शिवरक्षक के पाँच पुत्र गिरीश नाथ, कैलाश नाथ, विश्म्भर नाथ, विश्वनाथ और सोमनाथ हुये। गिरीश नाथ के दो पुत्र विनय कुमार और विनोद कुमार हुये। विनय कुमार का एक पुत्र वैभव हुये। विनोद कुमार एक के पुत्र विदित हुये। कैलाश नाथ के तीन पुत्र अजय कुमार, अनुराग कुमार और आलोक कुमार हुये। अजय कुमार और अनुराग कुमार दोनो भाईयों का परिवार नहीं चला। आलोक कुमार के दो पुत्र अमर्त्य और अरिजीत हुये। विश्वम्भर नाथ जो डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर थे, से इनकी शाख का समस्त पता लगा इनके एक पुत्र संजय हुये। संजय के एक पुत्र सारश्वत जो की अल्पायु हुये। विश्व नाथ के तीन पुत्र प्रभात कुमार, प्रकाश कुमार और प्रदीप कुमार हुये। प्रभात कुमार के एक पुत्र मोहित हुये। प्रकाश कुमार के एक पुत्र गंगेश हुये। सोमनाथ के दो पुत्र राजीव उपनाम सांप्रत व संजीव हुये। राजीव एवं संजीव दोनो भाईयों का परिवार नहीं चला। चन्द्रशेखर उपनाम सोनी के दो पुत्र प्रकाश नाथ और ओम प्रकाश हुये। चन्द्रशेखर का परिवार पहले देवमई जिला फतेहपुर में रहता था। वर्तमान में यह परिवार प्रयागराज में रहता है। प्रकाश नाथ के दो पुत्र सुशील कुमार व सुधीर कुमार हुये। सुशील कुमार के एक पुत्र हर्षित हुये। सुधीर के दो पुत्र सारश्वत व सिद्धान्त हुये। ओम प्रकाश का परिवार नहीं चला। प्रकाश नाथ का परिवार 104ए/6 रामबाग कानपुर में रहता है। भानु लाल के पाँच पुत्र शिवराखन, शिवदत्त, रामदत्त, राम मोहन और शिवराम हुये।

शिवराखन के चार पुत्र प्रयाग दत्त, छोटे लाल, चन्द्र पाल और सूर्यबली हुये। प्रयाग दत्त का परिवार नहीं चला। छोटे लाल के एक पुत्र विश्वेश्वर हुये। विश्वेश्वर के दो पुत्र रामप्यारे और कृपाशंकर हुये किन्तु यह दोनों अल्पायु हुये। चन्द्रपाल के तीन पुत्र गौरी शंकर, दया शंकर और सरयू प्रसाद हुये। गौरी शंकर के एक पुत्र शम्भू रतन उपनाम मन्ना लाल हुये। शम्भू रतन के एक पुत्र शिवकरन हुये। शिवकरन के पाँच पुत्र अनूप कुमार, दिलीप कुमार, प्रदीप कुमार, अंशू और आशीष हुये। अनूप कुमार के एक पुत्र उत्कर्ष के पुत्र दर्श हुये। दिलीप कुमार का परिवार नहीं चला। प्रदीप कुमार के एक पुत्र प्रियम हुये। अंशू के एक पुत्र धर्य हुये। आशीष के दो पुत्र नैमिष और राघव हुये। दिलीप कुमार झारसुगड़ा उड़ीसा में रहता है। शिव करन का परिवार पहले मियांगंज जिला उन्नाव में रहता था। वर्तमान में 127 गांधी नगर उन्नाव में रहता है। दयाशंकर के तीन पुत्र शिव बिहारी, श्याम बिहारी और लाल बिहारी हुये। शिव बिहारी के एक पुत्र राधे श्याम हुये। राधे श्याम के दो पुत्र अखिलेश कुमार और अभिषेक कुमार हुये। अखिलेश कुमार के एक पुत्र प्रणव तथा अभिषेक कुमार के अभी पुत्र नहीं है। श्याम बिहारी के एक पुत्र करुणा शंकर हुये। करूणा शंकर के तीन पुत्र अमित, सौरभ और निक्की हुये। श्याम बिहारी का परिवार हसनगंज जिला उन्नाव में रहता है। लाल बिहारी के पाँच पुत्र यज्ञ नारायण, जै शंकर, श्री श्याम, जगदीश प्रसाद और मनोज कुमार उपनाम गुड्डन हुये। यज्ञ नारायण के दो पुत्र विनोद और प्रमोद हुये। जय शंकर के एक पुत्र अमित के एक पुत्र शिवांक हुये। श्री श्याम का परिवार नहीं चला। जगदीश नारायण के एक पुत्र अनुराग हुये। मनोज कुमार उपनाम गुड्डन के दो पुत्र मृदुल और उज्जवल हुये। जगदीश नारायण का परिवार कंचन नगर शुक्लागंज उन्नाव में रहता है।

जय शंकर का परिवार गांधी नगर शुक्लागंज उन्नाव में रहता है। राधे श्याम, मनोज, श्री श्याम इन तीनों भाईयों का परिवार माखी जिला उन्नाव में रहता है। सरयू प्रसाद के एक पुत्र विश्वनाथ हुये। विश्वनाथ के एक पुत्र सांप्रत हुये। सरयू प्रसाद का परिवार उन्नाव में रहता है। सूर्य बली के चार पुत्र कामता प्रसाद, अधार उपनाम श्रीधर, दुर्गादीन और श्री नारायण हुये। कामता प्रसाद के दो पुत्र भगवती प्रसाद और हरिशंकर हुये। भगवती प्रसाद के चार पुत्र कमला प्रसाद, कमलेश, कृष्ण कुमार और विजय शंकर हुये। कमला प्रसाद के चार पुत्र सूर्य प्रकाश, सत्य प्रकाश, नवीन प्रसाद, ज्ञान प्रसाद हुये। सूर्य प्रकाश के एक पुत्र पीयूष के एक पुत्र तनिष्क हुये। सत्य प्रकाश के एक पुत्र प्रखर हुये। नवीन प्रकाश के एक पुत्र प्रभात हुये। ज्ञान प्रकाश के एक पुत्र प्रत्युष हुये। कमलेश कुमार के एक पुत्र राजीव कुमार के दो पुत्र प्रियांश और अनन्त हुये। कृष्ण कुमार के तीन पुत्र सतीश, सुभाष और प्रशांत हुये। विजय शंकर के दो पुत्र राज कुमार और अखिलेश हुये। हरिशंकर के पाँच पुत्र रमेश कुमार, संतोष कुमार, दिनेश कुमार, राजेश कुमार और देवेश हुये। रमेश कुमार के दो पुत्र अमर और अतुल हुये। अमर के एक पुत्र सूर्यांश तथा अतुल के पुत्र अर्जित हुये। संतोष कुमार के तीन पुत्र हिमांशू, सुधांशू और प्रवीण हुये। हिमांशू के दो पुत्र शिवांश, श्रीयांश हुये। सुधांशू के दो पुत्र संस्कार और शौर्य हुये। राजेश कुमार के दो पुत्र अखिल और अभय हुये। अखिल के एक पुत्र अभ्युद्य तथा अभय के एक पुत्र आदित्य हुये। देवेश के एक पुत्र दीवांशू हुये। ये परिवार लवन बड़ौदा बाजार, छत्तीगढ़ में रहता है। अधार उपनाम श्रीधर के एक पुत्र विश्वम्बर नाथ हुये। विश्वम्भर नाथ के एक पुत्र रवि शंकर हुये। रवि शंकर के दो पुत्र नाम अज्ञात हुये। नारायण का परिवार नहीं चला। सूर्य बली का परिवार लवन, रायपुर,

छत्तीसगढ़ में रहता है। भानु लाल के शेष चारों पुत्र शिवदत्त, रामदत्त, राममोहन और शिवराज का परिवार नहीं चला। शीतला प्रसाद के तृतीय पुत्र मंगल प्रसाद के तीन पुत्र जगन्नाथ, हरिसेवक और परमेश हुये। जगन्नाथ का वंश नहीं चला। हरिसेवक के दो पुत्र रामचरण और लाला हुए। रामचरण के तीन पुत्र ठाकुर प्रसाद, रामदुलारे और शिवबली हुये। ठाकुर प्रसाद का परिवार नहीं चला। रामदुलारे के एक पुत्र हीरालाल हुये। हीरालाल के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से बद्री विशाल व द्वितीय स्त्री से गोवर्धन प्रसाद और गणेश शंकर हुये। बद्रीविशाल के दो पुत्र राजकुमार और रामकिशोर हुये। राज कुमार के चार पुत्र राजेश, दिनेश, महेश, अखिलेश कुमार हुये। राजेश के एक पुत्र निखिल हुये। राजेश का परिवार न्यू आदर्श कालोनी, सीतापुर में रहता है। दिनेश के दो पुत्र डा० सौरभ (बी.ए.एम.एस.) और गौरव (बी. फार्मा) हुये। दिनेश का परिवार आदर्श नगर शाहजहाँपुर में रहता है। महेश के दो पुत्र अंकुर (डी. फार्मा) और अंकलेश्वर (एडवोकेट) हुये। महेश का अपना बी.डी.आर.के. डाइग्नोस्टिक्स सेन्टर लखीमपुर खीरी में है। अखिलेश के एक पुत्र अक्षत हुये। महेश और अखिलेश का परिवार मैंगलगंज जिला लखीमपुर खीरी पिनकोड-261505 में रहता है। राम किशोर के दो पुत्र अमित और सुमित हुये। गोवर्धन प्रसाद के तीन पुत्र शिवप्रकाश, हरिप्रकाश और ओमप्रकाश हुये। शिव प्रकाश के तीन पुत्र चन्द्र प्रकाश, मणि प्रकाश, सत्य प्रकाश हुये। हरी प्रकाश के दो पुत्र शिवम् और शुभम हुये। ओम प्रकाश जी बहुत ही सामाजिक कार्यकर्ता एवं हिन्दुओं के संगठनों से जुड़े हुये है तथा अपनी खुद औषधि निर्माण कार्य की फैक्ट्री सिनोजाइक रेमिडीज प्रा० लि० इण्डस्ट्रियल एरिया चकेरी कानपुर में स्थित है। ओम प्रकाश का परिवार 128/85 एच ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर में रहता

है। गणेश शंकर के चार पुत्र मही प्रकाश, कमल प्रकाश, राम प्रकाश और श्याम प्रकाश हुये। मही प्रकाश के एक पुत्र आदर्श हुये। कमल प्रकाश के एक पुत्र आशुतोष हुये। राम प्रकाश के दो पुत्र केशव और मानस हुये। श्याम प्रकाश अल्पायु हुये। शिव बली का परिवार नहीं चला। हरिसेवक के द्वितीय पुत्र लाला के एक पुत्र शिवकंठ हुये। शिवकंठ के दो पुत्र काली दत्त और काली शंकर हुये। काली दत्त के दो पुत्र दुर्गा चरण और रमाकांत हुये। दुर्गाचरण के तीन पुत्र शिवाकांत, उमाकांत और कृष्णकांत हुये। शिवाकांत के तीन पुत्र प्रकाश, विकास, कैलाश हुये। प्रकाश के एक पुत्र अभय कुमार हुये। विकास के एक पुत्र अंश हुये। उमाकांत के एक पुत्र शैलेश हुये। शैलेश के एक पुत्र जयंत हुये। उमाकांत का परिवार घाटापाड़ा छत्तीसगढ़ में रहता है। शिवाकांत और कृष्णकान्त का परिवार ग्राम निसगर जिला रायबरेली में रहता है। रमाकांत कि दो पुत्र विष्णु कुमार और गिरीश कुमार हुये। रमाकांत का परिवार 587-ए/724/1 गाँधी नगर, तेलीबाग, लखनऊ में रहते है। कालीशंकर के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से शंकर सहाय व द्वितीय स्त्री से लक्ष्मी शंकर और उमाशंकर हुये। शंकर सहाय के एक पुत्र मुन्ना अल्पायु हुये। लक्ष्मी शंकर के तीन पुत्र संजय कुमार, मनीष और शरद कुमार उपनाम गुड्डा हुये। संजय कुमार के एक पुत्र आकाश कुमार हुये। मनीष कुमार के दो पुत्र आयुष और आरूष हुये। यह परिवार रामदास नगर टिकरापाड़ा नियर-जे.पी. अपार्टमेंट बिलासपुर छत्तीसगढ़ में रहते है। उमा शंकर के एक पुत्र संतोष कुमार उपनाम गुड्डन हुये। संतोष कुमार उपनाम गुड्डन के एक पुत्र प्रखर कुमार हुये। उमाकान्त का परिवार घाटापाड़ा छत्तीसगढ़ में रहते है। मंगल प्रसाद के तृतीय पुत्र परमेश के तीन पुत्र रामकृष्ण, देवकृष्ण और राधा कृष्ण हुये। रामकृष्ण के दो पुत्र

कृष्णानंद और स्वामी दयाल हुये। कृष्णानंद का परिवार नहीं चला। स्वामी दयाल के दो पुत्र देव नारायण और गया प्रसाद हुये। देव नारायण अल्पायु हुये। गया प्रसाद के तीन पुत्र शिव शंकर, कृष्णा शंकर व दुर्गा शंकर हुये। शिवशंकर के तीन पुत्र अरुण कुमार, सुशील कुमार और सनिल कुमार हुये। सुशील कुमार के दो पुत्र अभिषेक और अभय हुये। सनिल कुमार के एक पुत्र अजय कुमार हुये। देवकृष्ण का वंश नहीं चला। राधाकृष्ण के एक पुत्र मथुरा प्रसाद हुये।

ओरी लाल के तृतीय पुत्र बेनी दीन के दो पुत्र लक्ष्मी प्रसाद और सुद्धू लाल हुये। लक्ष्मी प्रसाद के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से राम नारायण व द्वितीय स्त्री से रामरतन उपनाम रतीराम और जानकी प्रसाद हुये। राम नारायण के एक पुत्र वृन्दावन हुये। वृन्दावन के चार पुत्र लल्लन कुमार, चन्द्रशेखर, बाबूराम और श्याम सुन्दर उपनाम दुलीचन्द्र हुये। लल्लन कुमार के पाँच पुत्र नन्द किशोर, राजकिशोर, नवल किशोर, कौशल किशोर और चन्द्रभूषण हुये। नन्द किशोर के तीन पुत्र बाल किशन, धर्मेन्द्र कुमार और जितेन्द्र कुमार हुये। बाल किशन के एक पुत्र गगन हुये। गगन के एक पुत्र सारस हुये। धर्मेन्द्र कुमार का परिवार नहीं चला। जितेन्द्र कुमार के एक पुत्र शिवम् हुये। राजकिशोर के दो पुत्र अवनीन्द्र कुमार और प्रकाश चन्द्र हुये। अवनीन्द्र कुमार अल्पायु हुये। प्रकाश चन्द्र का परिवार नहीं चला। नवल किशोर के एक पुत्र अवधेश कुमार के एक पुत्र आशीष हुये। कौशल किशोर के दो पुत्र सुशील कुमार और राजीव कुमार हुये। सुशील कुमार के पुत्र शानू हुये। चन्द्रभूषण का परिवार नहीं चला। नन्द किशोर का परिवार मु. धनजुआ कुकहट जिला-कानपुर से अब ये परिवार के.-233 विश्वबैंक बर्रा कालोनी कानपुर में रहता है। बाबूराम अल्पायु हुये। श्याम सुन्दर के चार पुत्र राजेन्द्र कुमार, वीरेन्द्र

कुमार, सुरेन्द्र कमार और सत्येन्द्र कुमार हुये। राजेन्द्र कुमार के दो पुत्र नरेन्द्र कुमार और जितेन्द्र कुमार हुये। नरेन्द्र कुमार के दो पुत्र प्रियांश और शरद हुये। जितेन्द्र कुमार के पुत्र प्रखर हुये। वीरेन्द्र कुमार के दो पुत्र योगेन्द्र कुमार और आलोक कुमार हुये। योगेन्द्र कुमार के पुत्र क्षितिज हुये। अलोक कुमार के एक पुत्र अनुष्क हुये। सुरेन्द्र कुमार के एक पुत्र महेन्द्र कुमार हुये। सत्येन्द्र कुमार का परिवार नहीं चला। श्याम सुन्दर का परिवार पहले पोस्ट धनजुआ कुकहट जिला कानपुर में रहता था जो अब वर्तमान में 123/514 फजलगंज कानपुर में रहता है। रामरतन उपनाम रतीराम के दो पुत्र ब्रह्मदत्त के एक पुत्र भूतनाथ हुये। भूतनाथ के दो पुत्र पुष्पकांत उपनाम अघोर नाथ और शिवकांत हुये। पुष्पकांत के दो पुत्र अरविन्द और रवीन्द्र हुये। विष्णु दत्त अल्पायु हुये। लक्ष्मी नारायण के तृतीय पुत्र जानकी प्रसाद का परिवार नहीं चला। वेनीदीन के द्वितीय पुत्र सुद्धू लाल के तीन पुत्र गणेश प्रसाद, मातादीन और देवीदीन हुये। गणेश प्रसाद का परिवार नहीं चला। मातादीन के एक पुत्र सूर्य प्रसाद और सूर्य प्रसाद के एक पुत्र रामचन्द्र उपनाम राम चरन हुये। रामचन्द्र के दो पुत्र गुरु प्रसाद और लक्ष्मी नारायण हुये। किन्तु इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। देवीदीन का परिवार नहीं चला। ओरी लाल के तृतीय व चतुर्थ पुत्र नाम अज्ञात के परिवार नहीं चले।

श्याम सुन्दर के द्वितीय पुत्र अभिराम के एक पुत्र कालिका प्रसाद हुये। कालिका प्रसाद के तीन पुत्र अधारी लाल, महा सुख और बलदेव प्रसाद हुये। अधारी लाल के दो पुत्र मनीराम और काशी प्रसाद हुये। मनीराम के दो पुत्र राम अधीन और सूर्य प्रसाद हुये किन्तु इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। काशी प्रसाद के एक पुत्र सत्यनारायण का परिवार नहीं चला। महासुख के एक पुत्र शिवभजन हुये। शिवभजन के

तीन पुत्र शिवनंदन, रघुनंदन और बालकृष्ण हुये। शिवनंदन के एक पुत्र राम नारायण और राम नारायण के दो पुत्र चन्द्र भूषण और चन्द्रशेखर हुये। चन्द्र भूषण के चार पुत्र राजेन्द्र प्रसाद, ज्ञानेन्द्र प्रसाद, रामेश्वर प्रसाद और द्वारिका प्रसाद हुये। राजेन्द्र प्रसाद के एक पुत्र मृत्युंजय प्रसाद हुये। मृत्युंजन के एक पुत्र अभिज्ञान हुये। ज्ञानेन्द्र के दो पुत्र अनूप कुमर उपनाम अन्नू और अनुराग हुये। अनूप कुमार के एक पुत्र अविरल हुये। अनुराग के एक पुत्र ज्योतिर्यादित्य हुये। रामेश्वर प्रसाद के एक पुत्र पल्लव हुये। पल्लव के दो पुत्र विनायक और विश्वम् हुये। द्वारिका प्रसाद के दो पुत्र सलज कुमार और प्रतीक हुये सलज कुमार के एक पुत्र हर्ष वर्धन हुये। द्वारिका प्रसाद का परिवार लवन छत्तीसगढ़ में रहता है। चन्द्रशेखर का परिवार नहीं चला। रघुनंदन के तीन पुत्र शिवदुलारे, चण्डिका सहाय और गया प्रसाद हुये। शिव दुलारे के दो पुत्र छोटे लाल और शिवशंकर हुये। छोटे लाल के दो पुत्र सतीश कुमार और प्रदीप कुमार हुये। शिवशंकर के एक पुत्र राजू हुये। चण्डिका सहाय के एक पुत्र चन्द्र मोहन हुये। चन्द्र मोहन के एक पुत्र शिव किशोर उपनाम पुत्ती हुये। शिव किशोर के एक पुत्र विवेक प्रसाद हुये। संकटा सहाय के तीन पुत्र बाबू लाल, लालता प्रसाद और सिद्ध नाथ हुये। बाबूलाल के सात पुत्र अशोक कुमार, सुरेश, राजेश, रज्ज़न, बच्चन, मुनारी और रजनू हुये। लालता प्रसाद के एक पुत्र राकेश हुये। सिद्धनाथ के तीन पुत्र संतोष, सौरभ और सर्वेश हुये। शिव भजन के तृतीय पुत्र बालकृष्ण का परिवार नहीं चला। कालिका प्रसाद के तृतीय पुत्र बलदेव प्रसाद के एक पुत्र गंगाचरण हुये। गंगाचरण के एक पुत्र काली रतन का परिवार नहीं चला।

श्याम सुन्दर के तीसरे पुत्र पीताम्बर लाल के छै पुत्र आभाराम, ठाकुर प्रसाद, सुखराम, छोटे लाल, बाजीलाल और एक का नाम अज्ञात

हुये। आत्माराम के छै पुत्र चण्डी प्रसाद, भवानी दीन, श्याम लाल, शंकर प्रसाद, गदाधर लाल और नारायण दीन हुये। चण्डी प्रसाद के दो पुत्र भूषण प्रसाद और भैरों प्रसाद हुये। भूषण प्रसाद का परिवार नहीं चला। भैरों प्रसाद के एक पुत्र मन्नू हुये। यह सिवड़ा जिला बाँदा में रहते हैं। भवानी दीन के एक पुत्र इन्द्रमणि के एक पुत्र सूर्य प्रसाद का भी परिवार नहीं चला। श्याम लाल के तीन पुत्र भिखारी लाल, देवीदीन और रामसहाय उपनाम लब्बर या जितन्ने हुये। भिखारी लाल का परिवार नहीं चला। देवीदीन के एक पुत्र देवी प्रसाद अल्पायु हुये। रामसहाय के एक पुत्र देवीचरण हुये। देवी चरण के एक पुत्र सत्य नारायण का परिवार नहीं चला। आत्माराम के चतुर्थ पुत्र शंकर प्रसाद का भी परिवार नहीं चला। आत्माराम के पंचम पुत्र गदाधर लाल के दो पुत्र बाल गोविन्द और अम्बिका प्रसाद हुये। बाल गोविन्द के एक पुत्र शिवदुलारे का परिवार नहीं चला। अम्बिका प्रसाद के दो पुत्र शिव सेवक और काली शंकर उपनाम रजुआ हुये। शिव सेवक का परिवार नहीं चला। काली शंकर के चार पुत्र प्रथम स्त्री से कैलाश नाथ व द्वितीय स्त्री से अविनाश, प्रकाश और विकास हुये। कैलाश नाथ के दो पुत्र राजेन्द्र और देवेन्द्र हुये। राजेन्द्र का परिवार नहीं चला। देवेन्द्र के एक पुत्र दक्ष हुये। अविनाश के तीन पुत्र अनुराग, अंकित और त्रिलोचन हुये। प्रकाश के एक पुत्र शिवांश हुये। विकास के एक पुत्र यश हुये। काली शंकर का परिवार चैनपुर जिला उन्नाव में रहता है। आत्माराम के छठें पुत्र नारायण दीन का परिवार नहीं चला।

पीताम्बर लाल के द्वितीय पुत्र ठाकुर प्रसाद के छै पुत्र अयोध्या प्रसाद, लालता प्रसाद, एकनाथ, आनंदीदीन, प्रयाग दत्त और दुर्गा प्रसाद हुये। अयोध्या प्रसाद व लालता प्रसाद का परिवार नहीं चला। एकनाथ

के एक पुत्र गुलाल हुये। गुलाल के एक पुत्र सुखनंदन हुये। सुखनंदन के एक पुत्र गंगा प्रसाद हुये। गंगा प्रसाद के दो पुत्र प्रथम स्त्री से जगन्नाथ व द्वितीय स्त्री से शिव नंदन हुये। जगन्नाथ के दो पुत्र विन्दा प्रसाद व भवानी दीन हुये। विन्दा प्रसाद के एक पुत्र महेश का परिवार नहीं चला। भगवान दीन के दो पुत्र गयादीन और गया प्रसाद हुये। गयादीन के दो पुत्र शंकर दत्त व शिव सेवक हुये। शंकर दत्त के एक पुत्र शिव विनायक हुये। शिव विनायक के चार पुत्र श्री नारायण, राज नारायण, देव नारायण और दिनेश नारायण हुये। श्रीनारायण के दो पुत्र सूर्य नारायण और नागेश्वर हुये। शिव सेवक का परिवार नहीं चला। गया प्रसाद का भी परिवार नहीं चला। गयादीन का परिवार काल्ही गाँव जिला रायबरेली में रहता है। गंगा प्रसाद के द्वितीय पुत्र शिव नंदन के एक पुत्र बद्रीप्रसाद हुये। बद्री प्रसाद के दो पुत्र बेनी माधव और रामदुलारे हुये। बेनी माधव का परिवार नहीं चला। रामदुलारे के तीन पुत्र शान्ती स्वरूप, सुरेश चन्द्र और रमेश चन्द्र हुये। शान्ती स्वरूप के तीन पुत्र नरेश चन्द्र, चन्द्र कुमार और गणेश कुमार हुये। नरेश चन्द्र के एक पुत्र अम्बरीश हुये। अम्बरीश का परिवार नहीं चला। चन्द्र कुमार के एक पुत्र शिरीश हुये। शिरीश का परिवार नहीं चला। शान्ती स्वरूप के तृतीय पुत्र गणेश कुमार का भी परिवार नहीं चला। यह परिवार अभयपुर जिला रायबरेली में रहता था किन्तु श्री शान्ती स्वरूप जी का यह परिवार 111A/69 अशोक नगर, कानपुर में रहते हैं। सुरेश चन्द्र के दो पुत्र अरूण कुमार और अनूप कुमार हुये। अरूण कुमार के एक पुत्र आशीष हुये अनूप कुमार के एक पुत्र अभिषेक हुये। सुरेश चन्द्र का परिवार 117/एल/261 नवीन नगर काकादेव कानपुर में रहता है। रमेश चन्द्र के तीन पुत्र विवेक कुमार मनोज कुमार और अलोक कुमार हुये। विवेक कुमार आविवाहित रहे। मनोज कुमार के एक

पुत्र अनुज कुमार हुये। अलोक कुमार के एक पुत्र नवनीत कुमार हुये। रमेश चन्द्र का ये परिवार राम नगर, मंधना, कानपुर नगर में रहता है। ठाकुर प्रसाद के चतुर्थ पुत्र आनन्दी दीन के दो पुत्र शिवमंगल और शिवराखन हुये। शिवमंगल के पुत्र भगवती प्रसाद का परिवार नहीं चला। शिवराखन का भी परिवार नहीं चला। यह परिवार भी चैनपुर में रहता था। ठाकुर प्रसाद के पंचम पुत्र प्रयाग दत्त जो चैनपुर में रहते थे का परिवार नहीं चला। ठाकुर प्रसाद के छठवें पुत्र दुर्गा प्रसाद के तीन पुत्र रामरतन, शिव सागर और मनोहर हुये। रामरतन व शिवसागर अल्पायु हुये। मनोहर के दो पुत्र बद्री प्रसाद और केदार नाथ हुये। बद्री प्रसाद के तीन पुत्र महाबीर, गिरजा व शिवपूजन उपनाम छुन्नू हुये। महाबीर अविवाहित रहे। गिरजा का परिवार नहीं चला। शिव पूजन अविवाहित रहे। केदार नाथ का भी परिवार नहीं चला। मनोहर का भी परिवार चैनपुर जिला-उन्नाव में रहता है। केदार नाथ का परिवार नहीं चला। पीताम्बर लाल के तृतीय, चतुर्थ व पंचम पुत्र सुखराम, छोटे लाल और बाजी लाल तथा छठें पुत्र नाम अज्ञात का पता नहीं लगा।

मुरलीधर के तृतीय पुत्र सुधऊ के एक पुत्र गया प्रसाद हुये। गया प्रसाद सैदापुर जिला रायबरेली में रहते थे किन्तु इनका परिवार नहीं चला।

मुरलीधर के चतुर्थ पुत्र भानुदत्त के तीन पुत्र सदल, बदल और हीरालाल हुये। सदल के एक पुत्र शीतल हुये। शीतल के चार पुत्र रामदीन, सीतराम, भवानी दीन और लाला हुये। रामदीन के तीन पुत्र गनेशी, भोला और प्रभु हुये। गनेशी के दो पुत्र अयोध्या प्रसाद और मातादीन हुये। अयोध्या प्रसाद के एक पुत्र बेनी माधव हुये। बेनी माधव के तीन पुत्र बिन्देश्वर, शिव शरण और शिव कुमार हुये। बिन्देश्वर के

दो पुत्र संकठा प्रसाद और अशोक कुमार हुये। संकठा प्रसाद के एक पुत्र विपुल हुये। विपुल के एक पुत्र प्रांजल हुये। अशोक कुमार के चार पुत्र सोनू, मोनू, गोपी चन्द्र और सत्यम हुये। सोनू के अभी पुत्र नहीं। मोनू के एक पुत्र देव हुये। गोपी चन्द्र के एक पुत्र कार्तिक हुये। शिव शरण के चार पुत्र ओम प्रकाश, श्रीप्रकाश, राम प्रकाश और विश्व प्रकाश हुये। शिव शरण के तीन पुत्र ओम प्रकाश, राम प्रकाश विश्व प्रकाश तीनों भाईयों का परिवार नहीं चला। श्री प्रकाश दो पुत्र परम प्रकाश और नारायण दत्त हुये। शिव कुमार के चार पुत्र दिवाकर प्रकाश, सुधाकर प्रकाश, अश्वनी कुमार और प्रभाकर प्रकाश हुये। दिवाकर प्रकाश के तीन पुत्र ऋषि कुमार, कमला कान्त और विशाल हुये। सुधाकर प्रकाश के दो पुत्र हर्ष और सुजल हुये। अश्वनी कुमार के दो पुत्र शिवाकान्त और बाल गोविन्द हुये। प्रभाकर प्रकाश के तीन पुत्र राहुल, राज और रितिक हुये। बेनी माधव का परिवार ग्राम बीहट बीरम पोस्ट मछरे हट्टा जिला सीतापुर में रहता था। वर्तमान में ये परिवार ग्राम व पोस्ट भट्टपुर, जिला-हरदोई में रहता है। गनेशी के द्वितीय पुत्र मातादीन के तीन पुत्र नाम अज्ञात हुये। किन्तु इन तीनों का परिवार नहीं चला। रामदीन के द्वितीय पुत्र भोला के चार पुत्र कालिका, वंशी, रामनाथ और देवीदीन हुये। कालिका का परिवार नहीं चला। वंशी के एक पुत्र कन्हैया लाल हुये। कन्हैया लाल के एक पुत्र बलदेव प्रसाद हुये। जो बहुत ही प्रतिभाशाली व्यक्ति रहे तथा जिला पंचातय अध्यक्ष सीतापुर में रहे इनका सीतापुर राजनैतिक जीवन में अच्छी पहचान थी। इनके एक पुत्र कैलाशनाथ के तीन पुत्र राकेश कुमार, राजीव लोचन और राहुल कुमार हुये। राकेश कुमार के एक पुत्र क्षितिज हुये। राजीव लोचन का परिवार नहीं चला। राहुल कुमार का भी परिवार नहीं चला। कैलाश नाथ का परिवार

सीतापुर में रहता था। वर्तमान में कैलाश के बड़े पुत्र राकेश कुमार 610/996ए केशव नगर निकट-नूतन योग केन्द्र, सीतापुर रोड, लखनऊ में रहता है। रामनाथ का परिवार नहीं चला। देवीदीन के दो पुत्र रामदुलारे और ब्रह्मादीन हुये। रामदुलारे का परिवार नहीं चला। ब्रह्मादीन के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से संकठा प्रसाद तथा द्वितीय स्त्री से परमेश्वर दयाल और शंकर दयाल हुये। संकठा प्रसाद के एक पुत्र रामनरेश हुये। रामनरेश के तीन पुत्र रामचन्द्र, प्रेमचन्द (गोटई) और केशवराम हुये। रामचन्द्र के चार पुत्र मनोज कुमार, राज कुमार, कृष्ण कुमार, शिव कुमार उपनाम शिवा, हुये। मनोज कुमार के तीन पुत्र अनुराग, अंश और आयुष हुये। राज कुमार का परिवार नहीं चला। कृष्ण कुमार के एक पुत्र सौरभ हुये। शिव कुमार के अभी पुत्र नहीं है। रामचन्द्र का परिवार मुकाम सीहामऊ, पोस्ट भैसुरिया जिला-बाराबंकी में रहता है तथा शिव कुमार का परिवार फज्जुलागंज, लखनऊ में रहता ह। प्रेमचन्द्र उपनाम गोटाई के एक पुत्र रामानन्द शास्त्री उपनाम पम्मू हुये। रामानन्द शास्त्री के दो पुत्र सुब्रत और सिद्धार्थ शंकर हुये। यह परिवार मुकाम चैनपुरवा, पो० अजयपुर, जिला-सीतापुर में रहता था। वर्तमान में रामधाम आश्रम ब्रह्म नगर बिठूर, कानपुर नगर में रहता है। केशवराम के एक पुत्र विजय के एक पुत्र पियुष हुये। ब्रह्मदीन के द्वितीय पुत्र रामेश्वर दयाल के तीन पुत्र दयाराम, रामराज और मंशाराम हुये। दयाराम के दो पुत्र भैरव और श्रीधर हुये। भैरव के दो पुत्र करन और नितिन हुये। रामराज के दो पुत्र सोमनाथ उपनाम पप्पू और विवेक कुमार हुये। सोमनाथ के एक पुत्र शिब्बू हुये। मंशाराम के दो पुत्र नैमिष और शिवाकर हुये। नैमिष के दो पुत्र कृष्णा और मोहन हुये। ब्रह्मदीन के तीसरे शंकरदयाल के दो पुत्र देवा नन्द और संजय हुये। देवानन्द के दो पुत्र मंयक और शिवम हुये। संजय के दो पुत्र

सचिन और हर्षित हुये। केशवराम, परमेश्वर दयाल और शंकर दयाल का परिवार मु० व पोस्ट राममन्डई, थाना मोहम्मदपुर तहसील फतेहपुर, जिला-बाराबंकी में रहता है। परमेश्वर दयाल उपनाम बाउर के तीन पुत्र दयाराम, रामराज और मंशाराम हुये। दयाराम के दो पुत्र भैरव और श्रीधर हुये। भैरव के दो पुत्र करण और नितिन हुये। रामराज के दो पुत्र सोमनाथ उपनाम पप्पू और विवेक कुमार हुये। सोमनाथ के एक पुत्र शिब्बू हुये। मंशाराम के दो पुत्र नैमिष और शिवाकर हुये। नैमिष के दो पुत्र कृष्णा और मोहन हुये। शंकर दयाल के दो पुत्र देवा नन्दन और संजय हुये। देवानन्दन के दो मयंक और शिवम हुये। संजय के दो पुत्र सचिन और हर्षित हुये। केशवराम, परेश्वर दयाल और शंकर दयाल का परिवार मुकाम व पोस्ट राममन्डई थाना मोहम्मपुर तहसील फतेहपुर जिला बाराबंकी में रहता है। रामदीन के तृतीय पुत्र प्रभू के एक पुत्र भगवान दीन हुये। यह प्रसिद्ध पुरुष थे। भगवानदीन के तीन पुत्र बैजनाथ, देवी सहाय और सरयू प्रसाद हुये। बैजनाथ के दो पुत्र मेड़ी लाल और हरि प्रसाद हुये। मेड़ी लाल के तीन पुत्र सुरेश चन्द्र, उमाशंकर और उमादत्त हुये। सुरेश चन्द्र और उमाशंकर दोनों भाईयों का परिवार नहीं चला। उमादत्त के एक पुत्र वंश हुये। हरि प्रसाद के एक पुत्र सतीश के दो पुत्र राज और रतन हुये। बैजनाथ का परिवार ग्राम व पोस्ट भट्टपुर जिला हरदोई में रहता है। भगवान दीन के द्वितीय पुत्र देवी सहाय का परिवार नहीं चला। भगवान दीन के तृतीय पुत्र सरयू प्रसाद के एक पुत्र तपेश्वर दयाल उपनाम लल्लू हुये। तपेश्वर दयाल के दो पुत्र राज किशोर और प्रेम किशोर हुये। राज किशोर के तीन पुत्र सुशांत, हर्षित राज और सौन्दर्य हुये। प्रेम किशोर अविवाहित रहे। तपेश्वर दयाल का परिवार पहले सीतापुर में रहता था। वर्तमान में यह परिवार प्लाट नं० 22 भारत

एकाडमी स्कूल के पास पुराना तोपखाना बालागंज, लखनऊ में रहता है।

शीतल के द्वितीय पुत्र सीताराम के तीन पुत्र मुन्नी लाल, बद्री और शंकर हुये। मुन्नी लाल के दो पुत्र तुलसी प्रसाद और राम सहाय हुये। तुलसी प्रसाद के एक पुत्र बालादीन हुये। बालादीन के दो पुत्र कैलाश और श्याम सुन्दर हुये। कैलाश का परिवार नहीं चला। श्याम सुन्दर के तीन पुत्र लल्लन, फुल्लन और भुल्लन हुये। लल्लन के पाँच पुत्र कमलकिशोर, नवल किशोर, जुगुल किशोर, विपुल किशोर हुये। कमलकिशोर के एक पुत्र सूर्यांश हुये। विमल किशोर के एक पुत्र मृदुल किशोर हुये। नवल किशोर के तीन पुत्र उत्कर्ष, हर्ष और आयुष हुये। जुगुल किशोर के एक पुत्र सौर्य हुये। विपुल किशोर के अभी पुत्र नहीं है। फुल्लन के छः पुत्र सुधाकर, रमाकर, दिवाकर, उमाकर, रविशंकर, और प्रेम शंकर हुये। सुधाकर के दो पुत्र अभिनव और अर्थव हुये। रमाकर के एक पुत्र कुनाल हुये। दिवाकर के अभी पुत्र नहीं है उमाकर के दो पुत्र प्रथम और प्रज्ञान हुये। रविशंकर के एक पुत्र प्रणव हुये। भुल्लन का परिवार नहीं चला। तुलसी प्रसाद का परिवार बेडसा, जिला सीतापुर में रहता है। राम सहाय के एक पुत्र चक्रधर हुये। चक्रधर के तीन पुत्र जगन्नाथ, रामनाथ और विश्वनाथ हुये। जगन्नाथ का परिवार नहीं चला। रामनाथ के तीन पुत्र राम कुमार, रामसेवक और राकेश हुये। रामकुमार के दो पुत्र अनिल कुमार और अनूप हुये। राम सेवक के दो पुत्र लवकेश और दिनेश हुये लवकेश के दो पुत्र रूद्ध और अनुरूद्ध हुये। राकेश के तीन पुत्र राम दुलारे, आशीष और आदर्श हुये। विश्वनाथ के दो पुत्र शिव कुमार और रामशरण हुये। शिव कुमार के तीन पुत्र ज्ञानेन्द्र, धीरेन्द्र और दीपू हुये। ज्ञानेन्द्र के दो पुत्र शिवांश और केशव हुये। धीरेन्द्र के एक पुत्र अक्षय हुये। दीपू के एक पुत्र स्कंद हुये। राम शरण के दो

पुत्र दिनेश कुमार और राम गोपाल हुये। दिनेश कुमार का परिवार नहीं चला। राम गोपाल के दो पुत्र अंश और चुन्नू हुये। चक्रधर और तुलसी प्रसाद का परिवार बेडसा जिला सीतापुर में रहता है। सीताराम के द्वितीय पुत्र बद्री का वंश नहीं चला। सीताराम के तृतीय पुत्र शंकर के एक पुत्र छिद्दू हुये। छिद्दू के तीन पुत्र रघुपति, ऋषिनाथ और लल्ला हुये। रघुपति के एक पुत्र काशीनाथ हुये। काशीनाथ के एक पुत्र घनश्याम के पाँच पुत्र नीरज कुमार, पंकज कुमार, अजय कुमार, संजय कुमार और प्रफुल्ल कुमार हुये। नीरज कुमार के एक पुत्र शान्तनु हुये। पंकज कुमार के एक पुत्र शुभम् हुये। अजय कुमार के एक पुत्र सुयस हुये। संजय कुमार के दो पुत्र कुशाग्र और अथर्व हुये। प्रफुल्ल कुमार के एक पुत्र पार्थ हुये। पहले यह परिवार पुरनियाँ बाराबंकी में रहता था। किन्तु अब ये परिवार मुकाम अशोकपुर पोस्ट बुढ़वल शुगर मिल जिला बाराबंकी में रहता है। घनश्याम के चार पुत्र 67ए सर्वोदय नगर लखनऊ में रहता है एवं अजय कुमार का परिवार अशोकपुर पोस्ट बुढवल जिला बाराबंकी में रहता है। ऋषिनाथ का वंश नहीं चला। लल्ला के दो पुत्र जागेश्वर प्रसाद और दिवा प्रसाद हुये। जागेश्वर प्रसाद का परिवार नहीं चला। दिवा प्रसाद के दो पुत्र दीप और सौरभ हुये। दीप के दो पुत्र अथर्व और आर्यन हुये। सौरभ के दो पुत्र तरूश और कौशिक हुये। लल्ला का परिवार कुम्हावाँ पोस्ट इटौंजा जिला लखनऊ में रहता है। शीतल के तृतीय पुत्र भवानी दीन के बंशज ग्राम मटियारा के गुरु दयाल और रबीरका गाँव के राम सहाय, सोमेश्वर व लालता आदि हैं। इन्हें अपना सेजरा क्रमबद्ध नहीं मालूम है।

शीतल के चतुर्थ पुत्र लाला के एक पुत्र बाजी लाल हुये। बाजी लाल के एक पुत्र लाऊ हुये। लाऊ के दो पुत्र बहोरी लाल और चन्द्रिका

हुये। बहोरी लाल के तीन पुत्र रूद्रभाल, शीतला प्रसाद और राम प्यारे हुये। रूद्रभाल का परिवार नहीं चला। शीतला प्रसाद के पाँच पुत्र श्याम नारायण उपनाम छनऊ, राज नारायण उपनाम छुट्टन, जय नारायण उपनाम रमन, विजय कुमार उपनाम चमन, अतुल कुमार उपनान पवन हुये। श्याम नारायण के तीन पुत्र राजीव उपनाम सोनू, अभिषेक उपनाम मोनू, अनुराग उपनाम बबुआ हुये। राजीव का परिवार नहीं चला। अभिषेक के एक पुत्र शिवांश हुये। अनुराग के दो पुत्र सारश्वत और अथर्व हुये। राज नारायण का परिवार नहीं चला। जय नारायण के एक पुत्र जयवेद हुये। विजय कमार के दो पुत्र हर्ष और उत्कर्ष हुये। अतुल कुमार के दो पुत्र अभिराज और विराट हुये। राम प्यारे के छः पुत्र अशोक कुमार, विनोद कुमार, प्रमोद कुमार, संतोष कुमार, रजनी कुमार और अवनीश कुमार हुये। अशोक कुमार के दो पुत्र पंकज और संजय हुये। पंकज का परिवार नहीं चला। विनोद कुमार के एक पुत्र अंकित के एक पुत्र कनिष्ठ हुये। प्रमोद कुमार के तीन पुत्र राजीव, आशीष और पीयूष हुये। राजीव अल्पायु हुये। आशीष के एक पुत्र वीर हुये। पीयूष के अभी पुत्र नहीं है। संतोष कुमार के दो पुत्र रजत और नितिन हुये। रजत के दो पुत्र अर्पित और अर्नव हुये। नितिन के अभी पुत्र नहीं। रजनीश के तीन पुत्र अभय, आभाश और आकाश हुये। अवनीश के एक पुत्र आयुष हुये। चन्द्रिका के तीन पुत्र गुरू प्रसाद, सिद्धेश्वर और योगेश्वर हुयें । गुरू प्रसाद का परिवार नहीं चला। सिद्धेश्वर के एक पुत्र सुनील कुमार के तीन पुत्र अमन, प्रणय और प्रखर हुये। अमन के एक पुत्र द्विव्यम हुये। योगेश्वर के पाँच पुत्र प्रमोद, विनोद, संतोष, परितोष, आलोक हुये। प्रमोद का परिवार नहीं चला। विनोद के तीन पुत्र वैभव, अनुभव और अभिनव हुये। वैभव के एक पुत्र आद्विक हुये। संतोष अल्पायु हुये। परितोष के दो

पुत्र ईशान और अर्चित हुये। आलोक का परिवार नहीं चला। लाला का परिवार ग्राम तुर्की जो इटौंजा जिला लखनऊ के पास है में रहता है।

भानुदत्त के द्वितीय पुत्र बदल के तीन पुत्र रघुवंश, उदयनाथ और रघुनंदन हुये। रघुवंश के दो पुत्र मन्ना और रामचरण हुये। ये दोनों भाई कस्बा बांगरमऊ जिला उन्नाव में रहते थे किन्तु इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। बदल के द्वितीय पुत्र उदयनाथ के चार पुत्र लाला, बाजी लाल, कालिका प्रसाद और नेवाजी हुये। लाला का परिवार नहीं चला। बाजीलाल के एक पुत्र गोपाल हुये। गोपाल के एक पुत्र रामअधार हुये। रामअधार के एक पुत्र गुरु प्रसाद हुये। गुरु प्रसाद के तीन पुत्र अलोपी, भीमशंकर और ज्वाला प्रसाद हुये। अलोपी के एक पुत्र गंगादत्त हुये। गंगादत्त के पाँच पुत्र चन्द्रदत्त, राजेश कुमार, हरी, प्रमोद और विनोद हुये। चन्द्रदत्त के एक पुत्र दीपक हुये। भीमशंकर के दो पुत्र शंकर दत्त और शंकर प्रसाद हुये। शंकर दत्त के दो पुत्र कृष्ण कुमार और संतोष कुमार हुये। कृष्ण कुमार के तीन पुत्र रामजी, श्यामजी और गोपाल जी हुये। रामजी के अभी पुत्र नहीं है। श्याम जी एक पुत्र शिवम् हुये। गोपालजी अविवाहित है। कृष्ण कुमार का परिवार आई-3 अमलतास कालोनी फेस-1 ग्वालियर मध्य प्रदेश में रहता है। संतोष कुमार के एक पुत्र अंशुल हुये। यह परिवार बान्द्रा कुर्ला काम्पलेक्स मुम्बई-400051 में रहता है। शंकर प्रसाद के एक पुत्र अशोक कुमार के दो पुत्र आलोक कुमार और अर्पित कुमार हुये। आलोक कुमार के एक पुत्र भास्कर हुये। यह परिवार 191 पशुपति नगर कानपुर-11 में रहता है। कालिका प्रसाद के एक पुत्र गणपति हुये। गणपति का परिवार नहीं चला। नेवाजी का भी परिवार नहीं चला।

बदल के तीसरे पुत्र रघुनन्दन के एक पुत्र रामबक्स हुये। रामबक्स

के पाँच पुत्र प्रथम स्त्री से शिवदुलारे और जगन्नाथ हुये तथा द्वितीय स्त्री से गंगा प्रसाद, गंगा गुलाम और सालिगराम हुये। शिवदुलारे के एक पुत्र वैद्यनाथ हुये। वैद्यनाथ के एक पुत्र प्रसन्नी हुये। यह निसगर जिला रायबरेली में रहते थे पर इनका वंश नहीं चला। जगन्नाथ के दो पुत्र शिवरतन और शिवदर्शन हुये। शिवरतन के एक पुत्र शम्भू हुये। शम्भू के दो पुत्र दयाशंकर और शिव प्रसाद हुये। दयाशंकर का परिवार नहीं चला। शिवप्रसाद के चार पुत्र चन्द्रशेखर, शंकरदयाल, शिव शर्मा और शिवकुमार हुये। चन्द्रशेखर के दो पुत्र प्रेमशंकर और भीम शंकर हुये। प्रेम शंकर के तीन पुत्र दिनेश चन्द्र, उमेश चन्द्र और राकेश चन्द्र हुये। दिनेश चन्द्र के एक पुत्र आशीष हुये। आशीष के एक पुत्र निविद हुये। उमेशचन्द्र तीन पुत्र मनीष, योगेश व अतुल हुये। मनीष के एक पुत्र इरा हुये। योगेश के दो पुत्र विराट और सम्राट हुये। अतुल के एक पुत्र विवान हुये। राकेश चन्द्र के दो पुत्र विपुल और विकास हुये। विकास के एक पुत्र अर्णव हुये।भीम शंकर का परिवार नहीं चला। शंकर दयाल के एक पुत्र मृत्युंजय हुये। मृत्युंजय के चार पुत्र सतीश चन्द्र, विनोद, निखिल उपनाम संजय और शैलेश उपनाम सुधीर हुये। सतीश चन्द्र के एक पुत्र प्रियांक हुये। विनोद के दो पुत्र आदित्य व अनुराग हुये। निखिल के एक पुत्र आशुतोष हुये। शैलेश के दो पुत्र स्वस्ति और स्तुति हुये। शंकर दयाल का परिवार भोपाल मध्य प्रदेश में रहता है। शिव शर्मा के दो पुत्र प्रभा शंकर और प्रमोद शंकर हुये। प्रभा शंकर के एक पुत्र राजेश कुमार के एक पुत्र पृथु हुये। प्रभा शंकर का परिवार भाटापाड़ा छत्तीसगढ़ में रहता है। प्रमोद शंकर के एक पुत्र प्रियकर के एक पुत्र प्रान्श हुये। यह परिवार 1/107 रजनी खण्ड एल.डी.ए. कालोनी लखनऊ में रहता है। शिव कुमार के एक पुत्र सुरेश चन्द्र हुये सुरेश चन्द्र के पाँच पुत्र शिवभूषण,

आनन्द शंकर, शिवाकांत, देवेश कुमार और विष्णु शंकर हुये। शिव भूषण के एक पुत्र वेदांत हुये। आनन्द शंकर के दो पुत्र उपेन्द्र व वरूण हुये। शिवाकांत के दो पुत्र वैभव और ऐश्वर्य हुये। देवेश कुमार के एक पुत्र सिद्धांत हुये। विष्णु शंकर के दो पुत्र उत्कर्ष और पार्थ हुये। शिव कुमार का परिवार निसगर जिला रायबरेली में रहता था जो वर्तमान में इटारसी मध्य प्रदेश में रहता है। जगन्नाथ के द्वितीय पुत्र शिवदर्शन के एक पुत्र सत्य नारायण हुये। सत्य नारायण के एक पुत्र शिवलाल हुये। शिव लाल के तीन पुत्र केदार नाथ उपनाम रज्जू, ब्रजनाथ उपनाम लल्लू और अमरनाथ हुये। केदारनाथ के एक पुत्र पप्पू हुये। यह हरियाणा में रहते हैं। ब्रजनाथ अल्पायु हुये। अमरनाथ के एक पुत्र देवेश हुये। अमरनाथ 105/298 श्रीनगर कानपुर में रहते थे। वर्तमान में यह परिवार वहां नहीं रहता है। गंगाबक्स उपनाम गंगा प्रसाद के एक पुत्र गौरी शंकर हुये। गौरी शंकर के एक पुत्र नाम अज्ञात अल्पायु हुये। गंगा गुलाम के एक पुत्र शिवनी हुये। शिवनी के दो पुत्र रामशंकर और शिवराम हुये। रामशंकर के एक पुत्र महबीर उपनाम मन्नू हुये किन्तु इनका परिवार नहीं चला। ये निसगर में रहते थे। शिवराम का भी परिवार नहीं चला। सालिगराम का भी परिवार नहीं चला।

भानुदत्त के तीसरे पुत्र हीरालाल के तीन पुत्र शिव लाल, सुखनन्दन उपनाम सुखानन्द और शिवराम हुये। शिव लाल के चार पुत्र रामलाल, श्यामलाल, गंगादीन और समाधान हुये। रामलाल के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से रामबक्स और शिवबक्स तथा द्वितीय स्त्री से रामदयाल हुये। रामबक्स के एक पुत्र बस्तीलाल हुये। बस्ती लाल के एक पुत्र हरिशंकर हुये। यह दक्षिण जाकर वापस नहीं लौटे। शिवबक्स के एक पुत्र मानकोर रानीगंज पश्चिम बंगाल जाकर वापस नहीं लौटे। रामदयाल के दो पुत्र प्रथम स्त्री

से जगन्नाथ व द्वितीय स्त्री से बलभद्र हुये। जगन्नाथ का परिवार नहीं चला। बलभद्र के दो पुत्र शीतला सहाय और देवी चरण हुये। शीतला सहाय के एक पुत्र मोहिनी शंकर हुये। मोहिनी शंकर के तीन पुत्र सुधीर, सुनील और संजीव उपनाम बबलू हुये। सुधीर का परिवार नहीं चला। सुनील के दो पुत्र प्रख्यात और उद्घोष हुये। संजीव उपनाम बबलू के एक पुत्र अपूर्व हुये। यह परिवार भोपाल में रहता है। देवीचरण के एक पुत्र दुर्गा शंकर और दुर्गा शंकर के चार पुत्र आशीष कुमार, मनीष कुमार, शिरीष कुमार और गिरीश कुमार हुये। आशीष के एक पुत्र शुभ हुये। मनीष कुमार के एक पुत्र ओजस हुये। शिरीष कुमार के एक पुत्र लक्ष्य हुये। गिरीश कुमार के एक पुत्र शिवाय हुये। दुर्गा शंकर का परिवार ग्राम बहुराजमऊ जिला उन्नाव में रहता है। शिवलाल के दूसरे पुत्र श्याम लाल के दो पुत्र भवानी प्रसाद और दूसरे का नाम अज्ञात हुये। अज्ञात नामधारी दक्षिण हैदराबाद निजाम में रहे और प्रथम पुत्र भवानी प्रसाद क्या दक्षिण ही गये निश्चित नहीं कहा जा सका। शिवलाल के तृतीय पुत्र गंगादीन के चार पुत्र ईश्वरी प्रसाद, परमेश्वरी प्रसाद, शीतला प्रसाद और मतोले हुये। ईश्वरी प्रसाद के एक पुत्र भगवान दीन हुये। भगवान दीन का परिवार नहीं चला। परमेश्वरी प्रसाद और शीतल प्रसाद का भी परिवार नहीं चला। मतोले के एक पुत्र शिवशंकर के दो पुत्र रामेश्वर और रत्नेश्वर हुये। इनका परिवार हरदोई में रहता है। शिवलाल के चतुर्थ पुत्र समाधान के एक पुत्र केवली हुये। कवेली के एक पुत्र देवकी नन्दन हुये। देवकी नन्दन के दो पुत्र वंशीधर और राधाकृष्ण हुये। वंशीधर के दो पुत्र सुरेश चन्द्र और रमेश चन्द्र हुये। सुरेश चन्द्र के चार पुत्र ब्रजेन्द्र कुमार, नरेन्द्र कुमार, योगेन्द्र कुमार और सत्येन्द्र कुमार हुये। ब्रजेन्द्र कुमार के दो पुत्र सिद्धांत और वेद रत्न हुये। सिद्धांत के दो पुत्र रिषभ कुमार और

अमृत कुमार हुये। वेद रत्न के एक पुत्र आर्यन हुये। नरेन्द्र कुमार के दो पुत्र श्लोक कुमार और स्वास्तिक हुये। श्लोक कुमार के एक पुत्र शिवा हुये। योगेन्द्र कुमार के एक पुत्र नवनीत कुमार के एक पुत्र विधान हुये। सत्येन्द्र कुमार के एक पुत्र यशार्थ हुये। यह परिवार मु० व पो० भरावन जिला हरदोई में रहता है। रमेश चन्द्र के तीन पुत्र नेमेन्द्र कुमार, राजेश कुमार और राकेश कुमार हुये। नेमेन्द्र कुमार के एक पुत्र अरविन्द कुमार उपनाम पिंकू के एक पुत्र अतुल्य प्रताप हुये। राजेश कुमार के दो पुत्र नितीश और आकाश हुये। नितिश के अभी पुत्र नहीं। आकाश के एक पुत्र शिवेन्द्र हुये। राकेश कुमार के एक पुत्र रवि के एक पुत्र शिवम् हुये। राधा कृष्ण के दो पुत्र राजेन्द्र कुमार और वीरेन्द्र कुमार हुये। राजेन्द्र कुमार का परिवार नहीं चला। वीरेन्द्र कुमार के एक पुत्र प्रदीप कुमार के एक पुत्र शानू हुये। यह परिवार मु० व पो० महोली जिला सीतापुर में रहता है।

हीरा लाल के दूसरे पुत्र सुखनंदन उपनाम सुखानंद के तीन पुत्र रामजन, लल्लू और संकठादीन हुये। रामजन के आठ पुत्र प्रथम स्त्री से सालिग और शिवदीन हुये तथा द्वितीय स्त्री से मन्नू, नारायण, मैकू, बोड़ी, सदाशिव और साँवली हुये। सालिग के एक पुत्र केवल हुये। केवल के दो पुत्र गोकर्ण नाथ और मनीराम हुये। गोकर्ण नाथ के दो पुत्र शिवरतन और लक्ष्मी प्रसाद हुये। शिवरतन के एक पुत्र शिवभजन हुये। शिवभजन के चार पुत्र दयाशंकर, सदाशंकर, बचनी उपनाम भीमशंकर और मनबोधन हुये। दयाशंकर के एक पुत्र धर्म शंकर हुये। धर्म शंकर के एक पुत्र शारदा शंकर हुये। यह परिवार शुक्लागंज उन्नाव में रहता है। सदा शंकर के दो पुत्र कमला शंकर और रवि शंकर हुये। कमला शंकर के दो पुत्र उदय शंकर और अजय शंकर हुये। उदय शंकर के एक पुत्र

रामजी अल्पायु हुये। उदयशंकर का परिवार बेथर जिला उन्नाव में रहता है। अजय शंकर के एक पुत्र प्रवीण हुये। यह परिवार नवभारत अपार्टमेन्ट 3ए/246 आजाद नगर, कानपुर में रहता है। रवि शंकर के दो पुत्र लक्ष्मी शंकर और आनन्द शंकर हुये। लक्ष्मी शंकर के एक पुत्र प्रतीक शंकर हुये। यह परिवार गाँधी नगर, पोनी रोड, शुक्लागंज, जिला उन्नाव में रहता है। आनन्द शंकर के एक पुत्र धैर्य हुये। यह परिवार 74/4 साइड नं०1 किदवई नगर , कानपुर में रहता है। भीम शंकर के दो पुत्र लाल जी और विजय शंकर हुये। लाल जी का परिवार नहीं चला। विजय शंकर के दो पुत्र शैलेन्द्र शंकर और ओम शंकर हुये। शैलेन्द्र शंकर के एक पुत्र सौर्य हुये। ओम शंकर के एक पुत्र वंश हुये। विजय शंकर का परिवार काँथा जिला उन्नाव में रहता है। मनबोधन अल्पायु हुये। लक्ष्मी प्रसाद के दो पुत्र शिवशंकर और रामशंकर हुये। शिवशंकर का परिवार नहीं चला। रामशंकर अल्पायु हुये। यह परिवार कान्हपुर जिला उन्नाव में रहता था। केवल के द्वितीय पुत्र मनीराम के एक पुत्र गया प्रसाद अल्पायु हुये। रामजन के द्वितीय पुत्र शिवदीन के दो पुत्र चन्दी प्रसाद और देवी प्रसाद हुये। चन्दी प्रसाद के दो पुत्र शिव सेवक और गंगा सेवक हुये। शिव सेवक का परिवार नहीं चला। गंगा सेवक के एक पुत्र सविता प्रसाद हुये। यह सुयोग्य पुरुष थे। सविता प्रसाद के एक पुत्र जगत नारायण हुये। जगत नारायण का परिवार नहीं चला। यह गेगासों खास में रहते थे। देवी प्रसाद के एक पुत्र बेनी प्रसाद हुये। बेनी प्रसाद के दो पुत्र आदित्य प्रसाद और सूर्य प्रसाद हुये। आदित्य प्रसाद के एक पुत्र अयोध्या प्रसाद अल्पायु हुये। सूर्य प्रसाद के एक पुत्र रघुनाथ प्रसाद हुये। रघुनाथ प्रसाद के चार पुत्र प्रथम स्त्री से बालकृष्ण व द्वितीय स्त्री से देवकृष्ण, हरिकृष्ण और गोपाल कृष्ण हुये। बाल कृष्ण के दो पुत्र गंगा प्रसाद और प्रकाश हुये।

गंगा प्रसाद के एक पुत्र अभिषेक हुये। प्रकाश पाण्डेय ने ही षष्टम् संस्करण प्रकाशित कराया है। प्रकाश के एक पुत्र आकाश जो टोरेन्टों कनाडा में रहते है। प्रकाश का परिवार 46, गोलाघाटा रोड कोलकता-700048 में रहता है। देव कृष्ण अल्पायु हुये। सूर्य प्रसाद का परिवार कोलकता और कानपुर में रहता है। रामजन के तीसरे पुत्र मन्नू का वंश नहीं चला। रामजन के चौथे पुत्र नारायण के एक पुत्र गणेशी हुये। किन्तु गणेशी का भी परिवार नहीं चला। रामजन के पाँचवे पुत्र मैकू के एक पुत्र विष्णू हुये। विष्णू के दो पुत्र प्रथम स्त्री से हरिवंश लाल उपनाम छानू और द्वितीय स्त्री से शिव दुलारे हुये। हरिवंश के दो पुत्र दयाशंकर और जयराम हुये। दया शंकर के दो पुत्र सूर्य प्रसाद और देवी गुलाम हुये। सूर्य प्रसाद के एक पुत्र शिव दर्शन का का परिवार नहीं चला। देवी गुलाम के दो पुत्र रामशंकर और गिरजाशंकर हुये। रामशंकर के तीन पुत्र करुणा शंकर, ओम प्रकाश और कमल हुये। करूणा शंकर के एक पुत्र अभिषेक हुये। ओम प्रकाश के चार पुत्र अनुज उपनाम मयंक, अंकित, अभिषेक और अनुराग हुये। कमल के दो पुत्र अंश और आयुष हुये। गिरजा शंकर के तीन पुत्र रमेश कुमार, पंकज कुमार और नीरज कुमार हुये। रमेश कुमार के एक पुत्र वैभव हुये। पंकज कुमार के एक पुत्र दीप हुये। नीरज के दो पुत्र युगुल और राघव हुये। देवी गुलाम का परिवार पसन खेड़ा ग्राम जिला रायबरेली में रहता है। जैराम के दो पुत्र दुर्गा प्रसाद और भवानी शंकर हुये। दुर्गा प्रसाद के दो पुत्र अश्वनी कुमार और कृष्ण कुमार हुये। अश्वनी कुमार के एक पुत्र आशीष अल्पायु हुये। कृष्ण कुमार के तीन पुत्र दीपक, जितिन और लवकुश हुये। भावनी शंकर के एक पुत्र अशोक कुमार के दो पुत्र हिमांशु और प्रियांशु हुये। जैराम का परिवार ग्राम नारायण का पुरवा, पोस्ट सेमरपट्टा जिला रायबरेली में रहता

है। विष्णू के द्वितीय पुत्र शिव दुलारे के एक पुत्र गया प्रसाद अल्पायु हुये। रामजन के छठवे पुत्र बोड़ी का परिवार नहीं चला। रामजन के सातवें पुत्र सदाशिव के एक पुत्र विश्वेश्वर हुये। यह सब्जी मण्डी लखनऊ में रहते थे किन्तु अब इनका कोई पता नहीं है। रामजन के आठवें पुत्र सांवली के एक पुत्र बिन्दा प्रसाद हुये। बिन्दा प्रसाद के एक पुत्र रामअधार हुये। रामअधार के एक पुत्र शिवराम हुये। शिवराम के एक पुत्र रूप नारायण हुये। रूप नारायण ने शिव सुन्दर लाल जी सोठियाँय के मिश्र के पुत्र को गोद लेकर नाम राजेन्द्र प्रसाद रखा। अब तक उसके भी परिवार नहीं चला। यह 408/24 पाण्डेय बीथिक खेत गली लखनऊ 3 में रहते हैं।

हमीर गाँव जिला रायबरेली

सुखनंदन उपनाम सुखानन्द के द्वितीय पुत्र लल्लू के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से शिव सहाय और द्वितीय स्त्री से रामसहाय और शीतल हुये। शिव सहाय के चार पुत्र भोला, शिवराखन और शेष दो पुत्रों के नाम अज्ञात हुये। भोला के चार पुत्र प्रथम स्त्री से अधार और वंशी तथा द्वितीय स्त्री से शिव गोविन्द और रामभद्र हुये। अधार के एक पुत्र शिवराज हुये। शिवराज के एक पुत्र काली चरण हुये। काली चरन के एक पुत्र शिव शंकर हुये। शिवशंकर के दो पुत्र विष्णु शंकर और ओम शंकर हुये। विष्णु शंकर के तीन पुत्र दुर्गेश कुमार, महेश कुमार और पारसनाथ हुये। दुर्गेश कुमार के दो पुत्र सत्यम और सुन्दरम हुये। यह परिवार लालगंज जिला रायबरेली में रहता है। महेश कुमार के एक पुत्र प्रियांशू हुये। यह परिवार रायबरेली में रहता है। पारसनाथ के दो पुत्र हिमांशु और प्रिन्स हुये। ओम शंकर के चार पुत्र उमेश, दिनेश, अतुल और योगेन्द्र हुये। विष्णु शंकर पूरे मले सुल्तान, हलियापुर जिला फैजाबाद में रहते हैं। वंशी के दो पुत्र इन्द्रबली और रघुवर दयाल हुये। इन्द्रबली के

एक पुत्र शिव नारायण एवना बन्नादीनशाह गौरा जिला-रायबरेली में रहते थे। रघुवर दयाल का परिवार नहीं चला। शिव गोविन्द के एक पुत्र श्रीकृष्णी हुये। श्रीकृष्णी के दो पुत्र देवकी नन्दन और सिद्धिनाथ हुये। देवकी नन्दन के दो पुत्र अमरनाथ और रवीन्द्र नाथ हुये। अमरनाथ के दो पुत्र ओम नारायण और जगदीश नारायण हुये। ओम नारायण के एक पुत्र अंकित के दो पुत्र आर्थिक और वैदिक हुये। ओम नारायण का परिवार 3/33 एल०आई०जी० बर्रा-6, कानपुर में रहता है। जगदीश नारायण के दो पुत्र मयंक और विभू हुये। रवीन्द्र नाथ के दो पुत्र आलोक कुमार और आशीष हुये। आलोक कुमार के एक पुत्र हर्षित हुये। आशीष का परिवार नहीं चला। रवीन्द्र नाथ का परिवार 276/31 राजेन्द्र नगर , लखनऊ में रहता है। सिद्धिनाथ के एक पुत्र छन्नू लाल हुये। छन्नू लाल के तीन पुत्र राजेश कुमार, राकेश कुमार और ब्रजेश कुमार हुये। राजेश कुमार के दो पुत्र गौरव और सौरभ हुये। राकेश कुमार का परिवार नहीं चला। ब्रजेश कुमार के दो पुत्र प्रिन्स और सूयस हुये। छन्नूलाल का परिवार मुकाम गोपालपुर पो० साढ़, कानपुर में रहता है। भोला के चतुर्थ पुत्र रामचन्द्र के चार पुत्र सूर्य प्रसाद, गुरु प्रसाद, महावीर और जय गोपाल हुये। सूर्य प्रसाद के एक पुत्र शम्भू नाथ और शम्भू नाथ के दो पुत्र शिव प्रसाद और रामबाबू हुये। शिव प्रसाद का परिवार नहीं चला। रामबाबू के एक पुत्र प्रांजुल हुये। यह परिवार अलीगंज लखनऊ में रहता है। गुरु प्रसाद के एक पुत्र शिव सेवक के दो पुत्र सत्येन्द्र कुमार और हृदयेश कुमार हुये। सत्येन्द्र कुमार के एक पुत्र अभिषेक कुमार हुये। हृदयेश कुमार के एक पुत्र शशांक कुमार हुये। शिव सेवक का परिवार नावाहाता, तमलकुंज जिला-पलामू डाल्टनगंज झारखण्ड-822101 में रहता है। महाबीर के एक पुत्र वासुदेव हुये किन्तु वासुदेव अल्पायु हुये। जय

गोपाल के एक पुत्र उमाशंकर हुये। उमाशंकर के एक पुत्र दुर्गा शरण हुये। शिव सहाय के द्वितीय पुत्र शिवराखन का परिवार नहीं चला। शिव सहाय की द्वितीय स्त्री से तृतीय और चतुर्थ पुत्र नाम अज्ञात अल्पायु हुये।

लल्लू के द्वितीय पुत्र राम सहाय के पाँच पुत्र प्रसन्नी, गौरी शंकर, लालू, जदुनाथ और गदाधर हुये। प्रसन्नी के तीन पुत्र राम अधीन, शिवमगन और रामदुलारे उपनाम दुल्ला हुये। रामअधीन के एक पुत्र प्रयाग दत्त हुये। प्रयाग दत्त का एक पुत्र नाम अज्ञात अल्पायु हुए। शिवमगन के एक पुत्र शिव राम हुये। शिव राम के दो पुत्र ब्रह्मदत्त और यज्ञदत्त हुये। ब्रह्म दत्त के छै पुत्र प्रेम शंकर, गंगा शंकर, रवि शंकर, दुर्गा शंकर, देव शंकर और विनय शंकर हुये। प्रेम शंकर का परिवार नहीं चला। गंगा शंकर के दो पुत्र अवनीश और रजनीश हुये। अवनीश के अभी पुत्र नहीं। रजनीश का परिवार नहीं चला। रवि शंकर के दो पुत्र मनीष और आशीष हुये। मनीष और आशीष दोनों भइयों के अभी पुत्र नहीं। दुर्गा शंकर का परिवार नहीं चला। देव शंकर के तीन पुत्र अंशुल, अंकुर और अंकित हुये। अंशुल के एक पुत्र वंश हुये। विनय शंकर के एक पुत्र साक्षी गोपाल हुये। ब्रह्मदत्त का परिवार 104/408 बी सीसामऊ, कानपुर में रहता है। यज्ञदत्त के चार पुत्र प्रथम स्त्री से गिरजा शंकर व द्वितीय स्त्री से दयाशंकर, देवी शंकर और रमाशंकर हुये। गिरिजा शंकर के चार पुत्र शैलेन्द्र, रमेन्द्र, धर्मेन्द्र और गुड्डू हुये। शैलेन्द्र के एक पुत्र रवीन्द्रनाथ हुये। रवीन्द्रनाथ के एक पुत्र शान्तनू हुये। रमेन्द्र कुमार के एक पुत्र निधीश का परिवार नहीं चला। धर्मेन्द्र कुमार का परिवार नहीं चला। योगेश कुमार के एक पुत्र निशांत हुये। दयाशंकर के दो पुत्र राजेश और राकेश हुये। राकेश के तीन पुत्र नितिन, सचिन, अतिन हुये। नितिन के एक पुत्र स्वार्णिम हुये। सचिन के अभी पुत्र नहीं अतिन के एक पुत्र

आलिक हुये। राजेश के एक पुत्र शोभित हुये। देवी शंकर के एक पुत्र मुकेश का परिवार नहीं चला। रमाशंकर का भी परिवार नहीं चला। यह परिवार जी-597 आवास विकास कल्याणपुर कानपुर में रहता है। देवी शंकर के एक पुत्र मुकेश हुये। प्रसन्नी के तृतीय पुत्र रामदुलारे उपनाम दुल्ला हुये। रामदुलारे के तीन पुत्र रामभरोसे, शिवबालक और रामकृष्ण हुये। रामभरोसे के दो पुत्र लालता प्रसाद और शारदा प्रसाद हुये। लालता प्रसाद के दो पुत्र कृपाशंकर और रमाशंकर हुये। कृपाशंकर के एक पुत्र अनिल कुमार हुये। अनिल कुमार के दो पुत्र राज कमल और विपुल हुये। राज कमल के एक पुत्र शास्वत हुये। रमाशंकर के दो पुत्र राजेश और रानू हुये। राजेश के एक पुत्र आदर्श के एक पुत्र ब्रजेश कुमार हुये। ब्रजेश कुमार के दो पुत्र यथार्थ और निवान हुये। रानू के एक पुत्र शैलेन्द्र हुये। शारदा प्रसाद का परिवार नहीं चला। शिवबालक के एक पुत्र लक्ष्मी नारायण हुये। लक्ष्मी नारायण के तीन पुत्र बलदेव, माता प्रसाद और राम औतार हुये। बलदेव के दो पुत्र कृष्ण कुमार और श्याम लाल हुये। कृष्ण कुमार के तीन पुत्र मनोज कुमार, संजय कुमार और सुशील कुमार हुये। मनोज कुमार का परिवार नहीं चला। संजय कुमार के एक पुत्र आशुतोष हुये। सुशील कुमार के एक पुत्र धैर्य हुये। श्याम लाल के दो पुत्र संतोष कुमार और कुलदीप हुये। संतोष कुमार के दो पुत्र विवेक और जयदीप हुये। कुलदीप के एक पुत्र शिवाय हुये। लक्ष्मी नारायण का परिवार मु० पो० सिन्धन कला जिला बाँदा में रहता है। माता प्रसाद के सात पुत्र शिव प्रसाद, शिवगुलाम, रामगुलाम, शिवशंकर, राज बहादुर, मुन्ना और शिवसेवक लाल हुये। शिव प्रसाद के एक पुत्र राजेश और राजेश के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। शिव गुलाम के दो पुत्र संदीप और सतीश हुये। संदीप के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। राम गुलाम के दो पुत्र गौरव और

पवन हुये। शिवशंकर के एक पुत्र उज्जवल हुये। राजबहादुर के दो पुत्र दीपक और दिव्यांश हुये। मुन्ना अल्पायु हुये। शिव सेवक लाल के तीन पुत्र मोनू, मोहित और रोहित हुये। माता प्रसाद का परिवार मु० पो० करतल जिला बाँदा में रहता है। राम औतार के तीन पुत्र बद्री विशाल, दिनेश कुमार और महेश कुमार हुये। बद्री विशाल के एक पुत्र रवि कुमार के एक पुत्र का नाम अज्ञात हुये। दिनेश कुमार के दो पुत्र मनीष और अभिषेक हुये। महेश कुमार का परिवार नहीं चला। रामकृष्ण के एक पुत्र राम मनोहर हुये। राम मनोहर के पाँच पुत्र नरेन्द्र कुमार, राजेन्द्र कुमार, वीरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार और रवीन्द्र कुमार हुये। नरेन्द्र कुमार के एक पुत्र धर्मेन्द्र कुमार के एक पुत्र कन्हैया हुये। राजेन्द्र कुमार के एक पुत्र मनीष के एक पुत्र अथर्व उपनाम वेदांत कुमार हुये। वीरेन्द्र कुमार के एक पुत्र वैभव कुमार हुये। सुरेन्द्र कुमार का परिवार नहीं चला। रवीन्द्र कुमार के एक पुत्र विवेक कुमार हुये। राम मनोहर का परिवार 100/535 कर्नलगंज कानपुर में रहता है। रामसहाय के द्वितीय और तृतीय पुत्र गौरीशंकर और लालू का परिवार नहीं चला। रामसहाय के चतुर्थ पुत्र यदुनाथ के एक पुत्र बद्रीनाथ हुये। बद्रीनाथ के एक पुत्र गोकर्ण हुये। गोकर्ण के पाँच पुत्र शिव कुमार, बागेश्वर, कृष्ण कुमार, राज कुमार और अश्वनी कुमार हुये। शिवकुमार के दो पुत्र रामकिशोर और लक्ष्मी शंकर हुये। राम किशोर के एक पुत्र संतोष कुमार हुये। लक्ष्मी शंकर के एक पुत्र सरोज कुमार हुये। बागेश्वर और कृष्ण कुमार का परिवार नहीं चला। राज कुमार के दो पुत्र शिव किशोर और विमल किशोर हुये। शिव किशोर के दो पुत्र शशी कुमार उपनाम शांशक कुमार और देवेन्द्र कुमार उपनाम रमन कुमार हुये। शशी कुमार के एक पुत्र योगेन्द्र हुये। विमल कुमार के दो पुत्र ललित कुमार और सुमित कुमार हुये। ललित कुमार के

एक पुत्र कर्तिकेय हुये। सुमित अल्पायु हुये तथा अश्वनी कुमार भी अल्पायु हुये। रामसहाय के पंचम पुत्र गदाधर के एक पुत्र शिवदत्त हुये। शिवदत्त के दो पुत्र जगन्नाथ और ब्रह्मादीन हुये। जगन्नाथ का परिवार नहीं चला। ब्रह्मादीन के दो पुत्र अनन्दीदीन और भीम शंकर हुये। आनन्दीदीन के पाँच पुत्र राजेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार, सुशील कुमार, नरेन्द्र कुमार और शेष नारायण हुये। राजेन्द्र कुमार का परिवार नहीं चला। सुरेन्द्र कुमार के तीन पुत्र सर्वेश कुमार, राजेश कुमार और अभिषेक कुमार हुये। सर्वेश कुमार के एक पुत्र अमरनाथ हुये। सुशील कुमार के एक पुत्र अंकुर हुये। नरेन्द्र कुमार का एक पुत्र अनुज कुमार के एक पुत्र शरद नारायण हुये। शेष नारायण के एक पुत्र विशाल के एक पुत्र रूद्र नारायण हुये। भीम शंकर के दो पुत्र गोपाल कृष्ण और श्याम कृष्ण हुये। इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। आनन्दीदीन का परिवार पहले 65/232 मोती मोहाल, कानपुर में रहता था। वर्तमान में यह परिवार 128/524 के ब्लाक किदवई नगर, कानपुर-11 में रहता है।

लल्लू के तृतीय पुत्र शीतल के एक पुत्र बैजनाथ हुये। बैजनाथ के एक पुत्र पतिराखन हुये। पतिराखन का परिवार नहीं चला।

सुखनन्दन के तीसरे पुत्र संकठादीन के तीन पुत्र दादा भाई, कुंजबिहारी और कुमार हुये। दादा भाई के तीन पुत्र भवानी सेवक, लालता प्रसाद और बाँकेलाल हुये। भवानी सेवक के दो पुत्र गंगा गुलाम और शिव प्रसाद हुये। गंगा गुलाम का परिवार नहीं चला। शिव प्रसाद के दो पुत्र छेदा प्रसाद और लक्ष्मी चन्द हुये। छेदा प्रसाद के एक पुत्र वेदनाथ हुये। वेदनाथ के तीन पुत्र विनोद कुमार, अरुण कुमार और वरूण कुमार हुये। विनोद कुमार का परिवार नहीं चला। अरूण कुमार का परिवार नहीं चला। वरुण कुमार के दो पुत्र अमन और गर्व हुये।

लक्ष्मी चन्द्र के एक पुत्र गुरु प्रसाद हुये। गुरु प्रसाद के दो पुत्र बिन्दा प्रसाद और कामख्यी कुमार उपनाम माता प्रसाद हुये। बिन्द्रा प्रसाद के एक पुत्र अखिल हुये। कामाख्यी कुमार उपनाम माता प्रसाद अविवाहित एवं इनका स्वर्गवास हो गया। शिव प्रसाद का परिवार पहले ग्राम शिखइया पोस्ट कंचनपुर जिला उन्नाव में रहता था। अब बिन्दाप्रसाद का परिवार 5/67 रजनी खण्ड, एल.डी.ए. कालोनी लखनऊ में रहता है। कुंज बिहारी के एक पुत्र मुन्नी हुये। मुन्नी के दो पुत्र श्री कृष्णी और वंशगोपाल हुये। श्री कृष्णी के दो पुत्र गंगा दयाल उपनाम राजा और दूसरे का नाम अज्ञात हुये। वंश गोपाल के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये।

संकठादीन के तृतीय पुत्र कुमार के पाँच पुत्र शिवचरण लाल, मथुरा प्रसाद, कालीचरण, अयोध्या प्रसाद और रामप्रसाद उपनाम दुलारे हुये। शिवचरण लाल के तीन पुत्र दीनबन्धु, राम अधीन और रामरतन हुये। दीनबन्धु तथा रामअधीन का परिवार नहीं चला। रामरतन के दो पुत्र लोकनाथ और गिरजा शंकर हुये। लोकनाथ का परिवार नहीं चला। गिरजा शंकर के एक पुत्र राजेन्द्र प्रसाद हुये। राजेन्द्र प्रसाद के एक पुत्र हिमांशु हुये। राजेन्द्र प्रसाद 395/270 अशर्फाबाद लखनऊ में रहते थे। वर्तमान में यह परिवार वहां नहीं रहता है। मथुरा प्रसाद के दो पुत्र बेनी माधव और दूसरे का नाम अज्ञात हुये। यह गोसाई खेरा जिला उन्नाव में रहते थे। कुमार के तृतीय पुत्र कालीचरण का परिवार नहीं चला। कुमार के चतुर्थ पुत्र अयोध्या प्रसाद के तीन पुत्र हनुमान प्रसाद, राम नारायण और रामदुलारे हुये। हनुमान प्रसाद के एक पुत्र चन्द्रभाल हुये। चन्द्रभाल का परिवार नहीं चला। राम नारायण के दो पुत्र महादेव प्रसाद और जनार्दन हुये। महादेव प्रसाद के सात पुत्र प्रथम स्त्री से राजेन्द्र प्रसाद व चन्द्र भूषण द्वितीय स्त्री से प्रभा शंकर, शशिनाथ, राकेश प्रसाद, अशोक

कुमार तथा ज्ञान प्रकाश हुये। राजेन्द्र प्रसाद अल्पायु हुये। चन्द्र भूषण का परिवार नहीं चला। प्रभा शंकर के दो पुत्र कृष्ण देव और मनीष हुये। कृष्ण देव अल्पायु हुये। मनीष के एक पुत्र अभ्योदय हुये। शशिनाथ के एक पुत्र नरेन्द्र के एक पुत्र रूद्र हुये। राकेश कुमार का परिवार नहीं चला। अशोक कुमार के एक पुत्र अभिषेक के एक पुत्र आरुष हुये। ज्ञान प्रकाश के दो पुत्र शशांक और चिन्तन हुये। मनीष व नरेन्द्र का परिवार भैसउरा गाम, पोस्ट आशाखेड़ा जिला उन्नाव में रहता है। जनार्दन के एक पुत्र प्रेम कुमार हुये। प्रेम कुमार के तीन पुत्र शरद कुमार, धर्मेन्द्र कुमार और राहुल हुये। शरद कुमार के दो पुत्र सौरभ और आशुतोष हुये। धर्मेन्द्र कुमार अविवाहित रहे एवं इनकी मृत्यु हो गयी है। राहुल के एक पुत्र अक्ष हुये। प्रेम कुमार का परिवार भैसउरा ग्राम, पोस्ट आशाखेड़ा जिला उन्नाव में रहता है। रामदुलारे के परिवार नहीं चला। अयोध्या प्रसाद का परिवार भैसउरा ग्राम, पोस्ट आशाखेड़ा जिला उन्नाव में रहता है। कुमार के पंचम पुत्र रामप्रसाद के परिवार नहीं चला।

हीरालाल के तृतीय पुत्र शिवराम के दो पुत्र दुनारे लाल और मनारे लाल हुये। दुनारे लाल के पाँच पुत्र प्रथम स्त्री से छोटू लाल, द्वारिका प्रसाद और काशी प्रसाद तथा द्वितीय स्त्री से ठाकुर प्रसाद और तृतीय स्त्री से केदारनाथ हुये। छोटू लाल के चार पुत्र प्रथम स्त्री से वंशीधर और बाजी लाल तथा द्वितीय स्त्री से राम प्रसाद और राधा मोहन हुये। वंशीधर के एक पुत्र प्रयाग दत्त हुये। यह भीतरगाँव जिला रायबरेली में रहते थे। इनके परिवार नहीं चला। बाजीलाल, रामप्रसाद और राधा मोहन का परिवार नहीं चला। दुनारे लाल के पुत्र द्वारिका प्रसाद, काशी प्रसाद, ठाकुर प्रसाद और केदार नाथ चारों भाईयों के परिवार नहीं चला। मनारे लाल के दो पुत्र औसेरी और गौरी हुये। औसेरी के दो पुत्र नन्द

किशोर और जानकी हुये। नन्द किशोर का परिवार नहीं चला। जानकी रंजीत पुरवा जिला उन्नाव में रहते थे। गौरी जो जोगापुर बरिगाँव में रहते थे जिनका निश्चय ही परिवार नहीं चला।

हरकिसुन खेड़ा जिला रायबरेली

वीर के द्वितीय पुत्र हरिदत्त का परिवार चला या नहीं पता नहीं चला। वीर के तृतीय पुत्र गोपीदत्त के एक पुत्र गंगाजन हुये। गंगाजन के एक पुत्र रामनेवाज हुये। रामनेवाज के दो पुत्र शिवा और गंगा विष्णु हुये। शिवा के एक पुत्र गोबरे हुये। गोबरे के तीन पुत्र रामचरण, मुन्ना लाल और लल्लू हुये। रामचरण के दो पुत्र सिद्धेश्वर और रामप्रताप हुये। सिद्धेश्वर और रामप्रताप का परिवार नहीं चला। मुन्ना लाल का भी परिवार नहीं चला। गोबरे के तृतीय पुत्र लल्लू के एक पुत्र दयाशंकर हुये। किन्तु इनका भी परिवार नहीं चला।

रामनेवाज के द्वितीय पुत्र गंगा विष्णु के एक पुत्र दशादीन हुये। दशादीन के दो पुत्र शिव नारायण और मनियॉ हुये। शिव नारायण के चार पुत्र विश्वेश्वर, सदासुख, रामशंकर और शिव शंकर हुये। विश्वेश्वर के दो पुत्र गंगा सागर और शम्भू दयाल हुये। गंगा सागर के एक पुत्र आशा प्रसाद हुये। आशा प्रसाद के पाँच पुत्र कृष्णदत्त, विष्णुदत्त, शिवदत्त, प्रेमदत्त और रमेश दत्त हुये। कृष्णदत्त के दो पुत्र जगदीश कुमार और सतीश कुमार हुये। जगदीश कुमार का परिवार नहीं चला। सतीश कुमार के दो पुत्र शिवम् और गोपाल हुये। विष्णु दत्त के एक पुत्र सुशील कुमार के एक पुत्र शुभम हुये। शिवदत्त के एक पुत्र विनोद कुमार के एक पुत्र कमल हुये। प्रेमदत्त के दो पुत्र संजय कुमार और विनय कुमार हुये। विनय कुमार का एक पुत्र अविरल हुये। रमेश दत्त के एक पुत्र विशाल

हुये। शम्भू दयाल के दो पुत्र शिवबोधन उपनाम सूर्य कुमार और कृष्ण कुमार हुये। शिवबोधन के पाँच पुत्र ओम प्रकाश, शिव प्रकाश, रामप्रकाश, सूर्य प्रकाश और जय प्रकाश हुये। ओम प्रकाश के तीन पुत्र अनूप, अमित और अनुज हुये। अनूप के एक पुत्र अंश हुये। अमित के एक पुत्र आयुष हुये। अनुज के एक पुत्र अनुभव हुये। शिव प्रकाश के दो पुत्र मनोज और आशीष हुये। मनोज के एक पुत्र कनिष्ठ और आशीष के एक पुत्र कार्तिक हुये। राम प्रकाश का परिवार नहीं चला। सूर्य प्रकाश के दो पुत्र विकास और आकाश हुये। जय प्रकाश के दो पुत्र सत्यम और अनुराग हुये। कृष्ण कुमार के दो पुत्र दुर्गेश प्रकाश और ब्रजेश हुये। दुर्गेश प्रकाश के एक पुत्र गोविन्द हुये। सदाशिव का परिवार नहीं चला। राम शंकर के दो पुत्र महादेव और शिव प्रसाद हुये। महादेव के छै पुत्र काली किशोर, नन्द किशोर, राम मनोहर, शिव मनोहर, श्रीकृष्ण और हरिकृष्ण हुये। काली किशोर का परिवार नहीं चला। नन्द किशोर के तीन पुत्र सूर्यकांत, श्रीकांत और जटा शंकर हुये। सूर्यकांत के दो पुत्र सोमेश्वर एवं सिद्धेश्वर हुये। सोमेश्वर के एक पुत्र अभिजात हुये। श्रीकांत के दो पुत्र सुन्दर लाल और शोभित हुये। जटाशंकर के दो पुत्र अंकित और विनायक हुये। राम मनोहर के चार पुत्र रमाकांत, शशीकांत, मन्नीलाल उपनाम उमाकांत और सतीश हुये। रमाकांत के एक पुत्र रोहित हुये। शशिकांत के एक पुत्र देवेन्द्र हुये। उमाकांत के एक पुत्र राहुल हुये। सतीश के दो पुत्र अंश और शौर्य हुये। शिव मनोहर के दो पुत्र संगम लाल और सर्वेश कुमार हुये। संगमलाल के एक पुत्र आशुतोष हुये।श्रीकृष्ण के तीन पुत्र मदन लाल, ज्ञान शंकर उपनाम राजेश और राकेश हुये। मदन लाल के एक पुत्र हर्षित हुये। ज्ञान शंकर उपनाम राजेश के दो पुत्र सिद्धार्थ और अभिषेक हुये। राकेश के दो पुत्र ओंकार और स्पर्श हुये। हरी कृष्ण के

तीन पुत्र बच्चा उपनाम अमित कुमार, द्वारिका प्रसाद और अशोक कुमार हुये। द्वारिका प्रसाद के एक पुत्र बच्चा हुये। अशोक कुमार के एक पुत्र शौर्य हुये। शिव प्रसाद के तीन पुत्र काली शंकर, उमा शंकर और गंगा शंकर हुये। काली शंकर के एक पुत्र संतोष कुमार हुये। संतोष कुमार के एक पुत्र जय प्रकाश हुये। उमा शंकर के चार पुत्र अम्बिका प्रसाद, संकठा प्रसाद, दुर्गा प्रसाद और गंगा प्रसाद हुये। अम्बिका प्रसाद का परिवार नहीं चला। संकठा प्रसाद के एक पुत्र शिखर हुये। दुर्गा प्रसाद के दो पुत्र आशीष कुमार और मृदुल कुमार हुये। गंगा प्रसाद के दो पुत्र अंकुर और पुन्नू हुये। गंगा शंकर के दो पुत्र रमेश चन्द्र और सतीश चन्द्र उपनाम महेश चन्द्र हुये। रमेश चन्द्र के चार पुत्र गंगा सहाय, यमुना सहाय, अंकित कुमार और अनुज कुमार हुये। सतीश चन्द्र उपनाम महेश चन्द्र के एक पुत्र विवेक कुमार हुये। शिव शंकर के एक पुत्र राम औतार हुये। राम औतार अल्पायु हुये। दशादीन के द्वितीय पुत्र मनियां अल्पायु हुये।

(वीर वंश वर्णन समाप्त)

हरिनाथ वंश वर्णन

परमू के चतुर्थ पुत्र हंसराज हुये। हंसराज के दो पुत्र हरिनाथ और मनीराम हुये। हरिनाथ जी बड़े ही चतुर और विद्वान पुरुष थे। इन्होंने अपने भाइयों से अलग होकर गर्गाश्रम के समीप ही एक पुरवा बसाया जिसका नाम छोटा गर्गाश्रम रखा जो आज छोटा गेगासों से प्रसिद्ध है। हरिनाथ के छै पुत्र दयानिधि, रघुनाथ, बेनीदत्त, कृष्णदत्त, हीरादत्त और जीव राखन उपनाम जीवा हुये। हरिनाथ जी से जो वंश चला वे सब हरिनाथ के असामी कहाये। दयानिधि और रघुनाथ अल्पायु हुये।

बेनी दत्त के तीन पुत्र नन्दा, वृन्दा और प्रयाग हुये। नन्दा का वंश बाबूखेरा जिला उन्नाव में रहता है।

बाबूखेरा जिला उन्नाव

नन्दा के एक पुत्र देवान हुये। देवान के एक पुत्र इच्छा राम हुये। इच्छाराम के तीन पुत्र ठाकुर प्रसाद, सीताराम और गंगासेवक हुये। ठाकुर प्रसाद के दो पुत्र गुरुबक्स और गोवर्धन हुये। गुरुबक्स के एक पुत्र लालमणि हुये। लालमणि के तीन पुत्र लक्ष्मण, हरिकृष्ण और मथुरा प्रसाद हुये। लक्ष्मण के एक पुत्र जयकृष्ण हुये। जयकृष्ण के एक पुत्र यदुनन्दन हुये। यदुनन्दन के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से गंगाचरण व द्वितीय स्त्री से गोपी चरण और गोमती प्रसाद हुये। गंगा चरण के एक पुत्र दुर्गा प्रसाद हुये। दुर्गा प्रसाद के तीन पुत्र गिरजाशंकर, डा० मदन मोहन और ब्रज मोहन उपनाम बिरजू हुये। गिरजाशंकर के एक पुत्र चन्द्रमौलि उपनाम दीपक के एक पुत्र तेजस हुये। डा० मदन मोहन के एक पुत्र गौरव

के एक पुत्र कबीर हुये। बृजमोहन उपनाम बिरजू के एक पुत्र अंकित अल्पायु हुये। दुर्गा प्रसाद का परिवार सी-1041/2 इन्द्रा नगर लखनऊ में रहता है। गोपीचरण के तीन पुत्र दुर्गा शंकर, दुर्गा चरण और सोमेश्वर हुये। दुर्गा शंकर के एक पुत्र राजेन्द्र प्रसाद हुये। राजेन्द्र प्रसाद के दो पुत्र अमित और अनुज हुये। अमित के दो पुत्र प्रखर और विराट हुये। अनुज के अभी पुत्र नहीं है। दुर्गा चरण के चार पुत्र बसंत कुमार, संत कुमार, अनंत कुमार और राज कुमार हुये। बंसत कुमार के दो पुत्र आशुतोष और ओम हुये। ओम के एक पुत्र राधव हुये। बंसत कुमार का परिवार बनारस में रहता है। संत कुमार के दो पुत्र शोभित और उत्कर्ष हुये। सोभित के एक पुत्र रिती हुये। संत कुमार का परिवार बाबूखेड़ा जिला उन्नाव में रहता है। अनंत कुमार के दो पुत्र सत्यम और उत्तम हुये। राज कुमार का एक पुत्र जैत हुये। अनंत कुमार और राज कुमार इन दोनो भाइयों का परिवार इन्द्रा नगर लखनऊ में रहता है। सोमेश्वर के एक पुत्र नागेन्द्र उपनाम मोनू हुये सोमेश्वर का परिवार बाबूखेड़ा जिला उन्नाव में रहता है। गोमती प्रसाद अल्पायु हुये। लालमणि के द्वितीय पुत्र हरिकृष्ण का परिवार नहीं चला। लालमणि के तृतीय पुत्र मथुरा प्रसाद के दो पुत्र किशोर और रघुनन्दन हुये। किशोर का परिवार नहीं चला। रघुनन्दन के एक पुत्र जयदयाल उपनाम ललऊ हुये। जयदयाल के सात पुत्र हरिप्रसाद, भगवती प्रसाद, प्रकाश नारायण, प्रताप नारायण, स्वरूप नारायण, रवीन्द्र नाथ और प्रमोद नारायण हुये। हरि प्रसाद के तीन पुत्र ओम प्रकाश, श्री प्रकाश और प्रेम प्रकाश हुये। ओम प्रकाश के तीन पुत्र विकास, विवेक और विनीस हुये। विकास के एक पुत्र निवास हुये। विवेक के दो पुत्र आराध्य और अग्रीम हुये। विनीस के एक पुत्र वेदांश हुये। श्री प्रकाश के एक पुत्र अभिनव हुये। भगवती प्रसाद के दो पुत्र सतीश चन्द्र और

सुशील चन्द्र हुये। सतीश चन्द्र के दो पुत्र हिमांशु और दीपांशु हुये। सुशील चन्द के दो पुत्र मयंक और क्षतिज हुये। प्रकाश नारायण के तीन पुत्र अजय कुमार, विजय कुमार और विनय कुमार हुये। अजय के तीन पुत्र अमित, सचिन और शक्ति हुये। अमित के दो पुत्र प्रयन्त और प्रथम हुये। सचिन के एक पुत्र रूद्रायत हुये। शक्ति के एक पुत्र आरव हुये। विजय के एक पुत्र हर्षित हुये। विनय के एक पुत्र शुभम हुये। प्रताप नारायण के तीन पुत्र प्रभात कुमार, विनोद कुमार और संतोष कुमार हुये। प्रभात के एक पुत्र पवन हुये। स्वरूप नारायण के एक पुत्र मनोज के एक पुत्र अक्षत हुये। रवीन्द्र नाथ के दो पुत्र अरविन्द और मनीष हुये। अरविन्द के एक पुत्र वेदांश हुये। मनीष के एक पुत्र शौर्य हुये। प्रमोद नारायण के दो पुत्र पवन और पारस हुये। पवन के एक पुत्र रूद्रांश हुये। पारस के दो पुत्र हार्दिक और कार्तिक हुये। जयदयाल का परिवार पहले मौरावाँ जिला उन्नाव में रहता था। वर्तमान में ये परिवार 112/368 ई स्वरूप नगर कानपुर में रहता है।

ठाकुर प्रसाद के द्वितीय पुत्र गोवर्धन के एक पुत्र अनंतराम हुये। अनन्त राम के तीन पुत्र रामकृष्ण, प्रयाग और कामता प्रसाद हुये। रामकृष्ण के तीन पुत्र राम नारायण, लक्ष्मी नारायण और चण्डी सहाय हुये। राम नारायण के एक पुत्र बैजनाथ का परिवार नहीं चला। लक्ष्मी नारायण के दो पुत्र दया शंकर और प्रेम शंकर हुये। दया शंकर के पांच पुत्र विद्या शंकर, करूणा शंकर, रूप नारायण, हरी शंकर और सूरज शंकर हुये। विद्या शंकर का परिवार नहीं चला। करूणा शंकर के दो पुत्र ब्रह्म शंकर उपनाम पुत्तन और रवि शंकर उपनाम गोपाल हुये। ब्रह्मशंकर का परिवार नहीं चला। रवि शंकर के एक पुत्र अनुभव उपनाम मेहुल हुये। रवि शंकर उपनाम गोपाल का परिवार 144/3 बाबू पुरवा कालोनी

किदवई नगर, कानपुर में रहता है। रूप नारायण के तीन पुत्र विष्णु शंकर, महेश शंकर, और बलराम हुये। विष्णु शंकर के एक पुत्र पारू हुये। हरी शंकर के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। सूरज शंकर अविवाहित रहे। चण्डी सहाय का परिवार नहीं चला। प्रेम शंकर अल्पायु हुये। प्रयाग के एक पुत्र राम सेवक हुये। राम सेवक के दो पुत्र परशुराम और रामेश्वर प्रसाद हुये। परशुराम के पाँच पुत्र सूर्य कुमार उपनाम बड़े बबुआ, राम कुमार उपनाम छोटे बबुआ, शिव कुमार उपनाम मुन्ना, अशोक कुमार और अनिल कुमार हुये। सूर्य कुमार उपनाम बड़े बबुआ के तीन पुत्र श्रीकान्त उपनाम भूनी, रमाकान्त और अरूण कान्त उपनाम गुड्डू हुये। श्रीकान्त उपनाम भूनी के एक पुत्र शिवम् हुये। शिवम् के अभी पुत्र नहीं है। रमाकान्त का परिवार नहीं चला। अरूण कान्त उपनाम गुड्डू के एक पुत्र सनत हुये। सनत के एक पुत्र प्रभाशंकर उपनाम शौर्य हुये। सूर्य कुमार का यह परिवार 128/36 एच-1 ब्लाक किदवई नगर, कानपुर-11 में रहता है। राम कुमार उपनाम छोटे बबुआ के दो पुत्र शिवकान्त उपनाम पप्पू और रवीन्द्रकांत उपनाम बवुआ हुये। शिवकान्त के एक पुत्र रोहन हुये। रवीन्द्रकान्त अमेरिका में रहते है। इनके एक पुत्र रेवांत हुये। राम कुमार का यह परिवार 128/169/6 के० ब्लाक किदवई नगर कानपुर-11 में रहता है। शिव कुमार उपनाम मुन्ना के दो पुत्र लक्ष्मी कान्त (एडवोकेट) उपनाम बबलू और विष्णुकान्त उपनाम गोपाल हुये। लक्ष्मीकान्त के एक पुत्र वैभव हुये। विष्णुकान्त पूना में रहते है। इनके अभी पुत्र नहीं है। शिव कुमार का यह परिवार 128/270 के० ब्लाक पुलिया नं० 14 यशोदा नगर कानपुर-11 में रहता है। (नोट-परशुराम के द्वितीय एवं तृतीय पुत्र राम कुमार और शिव कुमार, यह दोनों संग्रहकर्ता हम आप सब भाइयों की कृपा से यह परिवार विवरण जहां तक पूर्ण रूप से संग्रह कर सका हूँ

किया है और सब परिवार प्रेमी भाईयों से प्रार्थना करता हूँ कि जहां तक हो सके परिवार का सिलसिलेवार ब्यौरेवार आप सभी बढ़ाते जाये अगर इतना न हो सके तो कम से कम अपने आंक और शाख का ब्यौरा लिखकर छपाते जाये।) अशोक कुमार के एक पुत्र गौरव हुये। गौरव के एक पुत्र विवान हुये। अशोक कुमार का ये परिवार 329 ई.डब्लू.एस. खाड़ेपुर कालोनी, नौबस्ता, कानपुर-21 में रहता है। अनिल कुमार के एक पुत्र विपुल हुये। विपुल के अभी पुत्र नहीं है।अनिल कुमार का यह परिवार 45 योगेन्द्र विहार, खाड़ेपुर, नौबस्ता, कानपुर-21 में रहता है। रामेश्वर प्रसाद का परिवार नहीं चला। कामता प्रसाद का भी परिवार नहीं चला।

इच्छाराम के दूसरे पुत्र सीताराम के तीन पुत्र सूर्य प्रसाद, शिव सहाय और भवानी प्रसाद हुये। सूर्य प्रसाद के तीन पुत्र ब्रह्मानन्द, रामदुलारे और शिव दुलारे हुये। ब्रह्मानन्द का परिवार नहीं चला। राम दुलारे के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से मन्नालाल व हीरालाल तथा द्वितीय स्त्री से सत्य नारायण हुये। मन्नालाल के दो पुत्र देवी प्रसाद और बोड़े लाल हुये। इन दोनों भाइयों का परविार नहीं चला। हीरालाल के तीन पुत्र दुर्गा चरण, गया चरण और गार्गी प्रसाद हुये। इन तीनों भाइयों के परिवार नहीं चला। यह भंडारा मध्य प्रदेश में रहते थे। सत्य नारायण के एक पुत्र दुर्गा चरण हुये। सूर्य प्रसाद के तृतीय पुत्र शिव दुलारे के एक पुत्र राम नारायण हुये। राम नारायण के दो पुत्र जगदीश नारायण और शिव नारायण हुये। जगदीश नारायण के दो पुत्र ज्वाला प्रसाद और ऋषि प्रसाद हुये। ज्वाला प्रसाद के एक पुत्र देवी प्रसाद हुये। ऋषि प्रसाद के चार पुत्र नाम अज्ञात खजुरिया तहसील हैदरगढ़ जिला बाराबंकी में रहते हैं। शिव नारायण के तीन पुत्र कमल नारायण, विमल नारायण और विजय नारायण हुये।

कमल नारायण के दो पुत्र राकेश नारायण और राजेश नारायण हुये। विमल नारायण के दो पुत्र अशोक कुमार और अनूप कुमार हुये। विजय नारायण के तीन पुत्र दीप नारायण, प्रदीप नारायण और दिलीप नारायण हुये। यह वंश कानपुर में रहता है।

सीताराम के द्वितीय पुत्र शिव सहाय के दो पुत्र प्रथम स्त्री से परमेश्वर दीन और द्वितीय स्त्री से दुर्गा प्रसाद हुये। इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला।

सीताराम के तृतीय पुत्र भवानी प्रसाद के दो पुत्र हरि चरण और लालता प्रसाद हुये। हरिचरण के पाँच पुत्र रामसहाय, मंगल प्रसाद, सिद्धि गोपाल, शिवनन्दन और निजानन्द हुये। रामसहाय के एक पुत्र श्याम लाल हुये। श्याम लाल के एक पुत्र लोचन हुये। लोचन का परिवार नहीं चला। मंगल प्रसाद के दो पुत्र प्रथम स्त्री से गंगा नारायण और द्वितीय स्त्री से गंगा शंकर हुये। गंगा नारायण के एक पुत्र राज किशोर हुये। राज किशोर के चार पुत्र जैशंकर, गिरजा शंकर, करुणा शंकर और कमलेश कुमार हुये। जैशंकर के दो पुत्र प्रदीप कुमार और अशोक कुमार हुये। प्रदीप कुमार के पुत्र नहीं हुये। अशोक के एक पुत्र आशीष कुमार हुये। गिरजा शंकर के दो पुत्र राजेन्द्र कुमार और जितेन्द्र कुमार हुये। राजेन्द्र कुमार के एक पुत्र पुनीत हुये। जितेन्द्र कुमार के दो पुत्र मनीष और रौनक हुये। करुणा शंकर के दो पुत्र सौरभ और गौरव हुये। सौरभ के दो पुत्र ईशान और शिवा हुये। कमेलश कुमार के एक पुत्र दीप हुये। जैशंकर का यह परिवार 101-बी स्टेट बैंक के ऊपर विकास नगर कानपुर में रहता है। कमलेश कुमार का परिवार रतनलाल नगर कानपुर में रहता है। गंगा शंकर के तीन पुत्र उमाशंकर, रमा शंकर और शिव शंकर हुये। रमा शंकर के दो पुत्र मनोज कुमार और धीरज कुमार हुये। धीरज कुमार के

एक पुत्र प्रतीक कुमार हुये। मंगल प्रसाद का परिवार 111-ए/333 अशोक नगर में रहता था जो अब नहीं रहता है। हरि चरण के तृतीय पुत्र सिद्धि गोपाल के एक पुत्र गंगा कृष्ण हुये। गंगा कृष्ण के एक पुत्र गया चरण के परिवार नहीं चला। हरि चरण के चतुर्थ पुत्र शिव नन्दन के एक पुत्र गया प्रसाद के परिवार नहीं चला। हरि चरण के पंचम पुत्र निजानन्द का भी परिवार नहीं चला। भवानी प्रसाद के द्वितीय पुत्र लालता प्रसाद के एक पुत्र देव कृष्ण हुये। देव कृष्ण के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से वंशीधर व काली चरण तथा द्वितीय स्त्री से मुरलीधर हुये।

वंशीधर के एक पुत्र लक्ष्मीधर हुये। लक्ष्मीधर के एक पुत्र विद्या शंकर हुये। विद्या शंकर के तीन पुत्र हरीश कुमार, गिरीश कुमार और रंजन कुमार हुये। हरीश कुमार के तीन पुत्र अनुराग, आदित्य और जर्नादन हुये। रज्जन कुमार के अभी पुत्र नहीं। काली चरण का परिवार नहीं चला। मुरलीधर अल्पायु हुये।

इच्छाराम के तीसरे पुत्र गंगासेवक के तीन पुत्र साँवले, अयोध्या और बलभद्र हुये। साँवले के तीन पुत्र जगन्नाथ, सुखदेव और भवानी दीन हुये। जगन्नाथ के पाँच पुत्र रामसेवक, बनवारी, सदानंद, गंगा नारायण और ब्रजभूषण हुये। रामसेवक, बनवारी और सदानंद का परिवार नहीं चला। गंगा नारायण के एक पुत्र भोला हुये। भोला के एक पुत्र नन्हें हुये। नन्हें के तीन पुत्र आनन्द माधव, जगत नारायण व जग मोहन हुये। आनन्द माधव के परिवार नहीं चला है। जगत नारायण के तीन पुत्र दुर्गा कुमार, श्रवण कुमार और देवेन्द्र कुमार हुये। दुर्गा कुमार के दो पुत्र अजय कुमार और मुनीष कुमार हुये। अजय कुमार के एक पुत्र पदम हुये। मुनीष कुमार के एक पुत्र का नाम अज्ञात जो अल्पायु हुये। श्रवण कुमार के चार पुत्र नारायण दत्त, कैलाश नाथ, अमर नाथ और गणेश हुये। नारायण दत्त

के एक पुत्र अमन हुये। कैलाश नाथ के दो पुत्र कार्तिकेय और कुशांग्र हुये। अमर नाथ और गणेश इन दोनो भाइयों के अभी पुत्र नहीं है।। देवेन्द्र कुमार के दो पुत्र गोपाल और हरि ओम् हुये। गोपाल के दो पुत्र मृदुल और रितुल हुये। हरिओम अल्पायु हुये। नन्हें का परिवार गहलो जिला कानपुर में रहता है। कैलाश नाथ का परिवार 62/150 लोकमन मोहाल कानपुर में रहता है। जगन्नाथ के पाँचवें पुत्र ब्रजभूषण के एक पुत्र नन्द कुमार हुये। नन्द कुमार का वंश नहीं चला। सांवले के द्वितीय पुत्र सुखदेव के एक पुत्र राधेलाल हुये। राधेलाल के एक पुत्र युगुल किशोर हुये। युगुल किशोर के एक पुत्र गोकर्ण का परिवार नहीं चला।

सांवले के तीसरे पुत्र भवानी दीन के दो पुत्र प्राणनाथ और देवीदयाल हुये। प्राणनाथ का परिवार नहीं चला। देवीदयाल के एक पुत्र शिवकर्ण हुये। शिवकर्ण के दो पुत्र श्याम मनोहर और गणेश प्रसाद हुये। श्याम मनोहर अल्पायु हुए। गणेश प्रसाद के दो पुत्र अनिल कुमार और सुनील कुमार हुये। अनिल कुमार का परिवार नहीं चला। सुनील कुमार के एक पुत्र गोलू उपनाम गौरव हुये। गणेश प्रसाद का परिवार पहले 21/12 चटाई मोहाल कानपुर में रहता था। वर्तमान में यह परिवार 4 एन ब्लाक, यशोदा नगर कानपुर में रहता है।

गंगा सेवक के दूसरे पुत्र अयोध्या प्रसाद के दो पुत्र बाल गोविन्द और गंगा सहाय हुये। गदाधर के तीन पुत्र ब्रज बिहारी, शिव विहारी और राम विहारी हुये। ब्रज बिहारी के एक पुत्र देवकी नंदन हुये। देवकी नंदन का वंश नहीं चला। यह पाली जिला हरदोई में रहते थे। शिव बिहारी का भी परिवार नहीं चला। राम विहारी के तीन पुत्र अद्या शंकर, गिरजा शंकर और राम शंकर हुये। अद्या शंकर के चार पुत्र करुणा शंकर, प्रेम शंकर, सतीश कुमार और विजय कुमार हुए। करुणा शंकर के दो पुत्र

विपिन कुमार उपनाम पूनम और विनय कुमार हुये। विपिन कुमार के दो पुत्र सत्यम और प्रियंम हुये। यह परिवार गड़रिया मोहाल लखनऊ फाटक के पास कानपुर में रहता है। प्रेम शंकर के दो पुत्र शरद कुमार और शिशिर कुमार हुये। प्रेम शंकर का परिवार प्रेम नगर रोड शुक्लागंज उन्नाव में रहता है। सतीश कुमार के एक पुत्र अभिषेक हुये। यह परिवार ऋषि नगर शुक्लागंज, उन्नाव में रहता है। विजय कुमार के दो पुत्र सार्थक और हर्ष हुये। गिरजा शंकर का परिवार नहीं चला। गिरजा शंकर का परिवार दौलतपुर जिला रायबरेली में रहता है। राम शंकर के एक पुत्र मृदुल कुमार उपनाम राजू के एक पुत्र शुभम हुये। राम शंकर का परिवार पाली जिला हरदोई में रहता है। गंगा सहाय का परिवार नहीं चला।

गंगा सेवक के तीसरे पुत्र बलभद्र के तीन पुत्र रामेश्वर, बद्री प्रसाद और केदार नाथ हुए। रामेश्वर के दो पुत्र विष्णु दत्त और शिव सेवक हुए। विष्णु दत्त के तीन पुत्र राम मनोहर, भगवती प्रसाद और जगदेव नारायण हुए। राम मनोहर अल्पायु हुये। भगवती प्रसाद के चार पुत्र परमानंद, कृष्ण लाल, कृष्ण प्रसाद और कृष्णा नंद हुये। परमानंद का परिवार नहीं चला। कृष्ण लाल के तीन पुत्र निराशू, प्रकाश चन्द्र व प्रशान्त हुये। निराशू के पुत्र चित्रांश हुये। और चन्द्र प्रकाश के एक पुत्र अभी हुये। प्रशांत का परिवार नहीं चला। कृष्णा प्रसाद के दो पुत्र काली शंकर और आशु हुए। आशु के दो पुत्र मानस व पारस हुये। कृष्णानन्द के दो पुत्र कुणाल और कौशल हुये। कुणाल के एक पुत्र ध्रुव हुये। कौशल के एक पुत्र अर्थव हुये। यह परिवार बाबूखेड़ा जिला उन्नाव में रहता है। जगदेव नारायण का वंश नहीं चला। विष्णु दत्त का परिवार बाबूखेरा जिला उन्नाव में रहता है। शिव सेवक के चार पुत्र प्रथम स्त्री से राम कुमार, कृष्ण कुमार और गुरु प्रसाद हुये तथा द्वितीय स्त्री से गयादत्त

हुये। राम कुमार अल्पायु हुये। कृष्ण कुमार के एक पुत्र भूप नारायण हुये। भूप नारायण के तीन पुत्र कृष्ण चंद, कृष्ण दत्त और कृष्ण प्यारे हुये। कृष्णचंद का परिवार नहीं चला। कृष्ण दत्त के पांच पुत्र प्रभाषचन्द्र, शरदचन्द्र, अभयचन्द्र, ओमचन्द्र और वैंक्टेशचन्द्र हुये। प्रभाषचन्द्र के एक पुत्र अखण्ड हुये। शरदचन्द्र के एक पुत्र अक्षत हुये। अभयचन्द्र के दो पुत्र वर्णएम और अर्पित हुये। ओमचन्द्र के एक पुत्र अभि हुये। वैंक्टेश के दो पुत्र कान्हा और सियान हुये। कृष्ण प्यारे के दो पुत्र अनुपम और आलोक हुये। अनुपम के एक पुत्र परीक्षित हुये। आलोक के अभी पुत्र नहीं ये परिवार बाबू खेड़ा जिला उन्नाव में रहता है। गुरु प्रसाद का परिवार नहीं चला। गयादत्त अल्पायु हुये। बलभद्र के द्वितीय पुत्र बद्री प्रसाद का परिवार नहीं चला। बलभद्र के तृतीय पुत्र केदार नाथ के दो पुत्र चन्द्र मौलि व दूसरे का नाम अज्ञात हुये। चन्द्र मौलि के दो पुत्र हृदय नारायण और आनंद नारायण हुये। हृदय नारायण के एक पुत्र राकेशरंजन के दो पुत्र शिशिर और समीर हुये। शिशिर के पुत्र नहीं व समीर अल्पायु हुये। दोनो भाईयों का परिवार नहीं चला। हृदय नारायण का परिवार गांधी नगर, कानपुर नगर में रहता है। आनन्द नारायण के एक पुत्र अजय कृष्ण हुये। अजय कृष्ण के दो पुत्र मयंक व शशांक हुये। मयंक के एक पुत्र हरी हुये। आनन्द नारायण का परिवार 124/ए/226 ब्लाक-11 गोविन्द्र नगर कानपुर में रहता है। केदारनाथ का परिवार पाली जिला हरदोई में रहता है। बेनी दत्त प्रथम पुत्र नंदा बाबूखेरा का परिवार वर्णन समाप्त। बेनीदत्त के द्वितीय पुत्र वृन्दा का परिवार नहीं चला।

बेनी दत्त के तीसरे पुत्र प्रयाग के तीन पुत्र दीनानाथ, बैजनाथ और वंशीधर हुये। दीनानाथ के एक पुत्र रामप्रसाद हुये। रामप्रसाद के एक पुत्र भवानीदीन हुये। भवानीदीन के एक पुत्र इन्द्रमणि हुये। इन्द्रमणि

के दो पुत्र कालिका प्रसाद और विश्वनाथ हुये। कालिका प्रसाद का परिवार नहीं चला। कालिका प्रसाद का स्वर्गवास जब (क्यैटा) में भूकम्प आया था तो वहीं हो गया था। विश्वनाथ के एक पुत्र शिवनाथ हुये। शिवनाथ का परिवार नहीं चला। यह सुमेरपुर जिला उन्नाव में दीक्षितों के यहाँ ब्याहे थे। इनकी स्त्री अब तक जीवित है। इन्द्रमणि के परिवार की जानकारी मनक्कू पांडे खोर वालों के द्वारा असनी से मिली थी। प्रयाग के द्वितीय पुत्र बैजनाथ के दो पुत्र शिवदीन और शिवराम हुये। शिवदीन के दो पुत्र गणेशीदीन और शीतलदीन हुये। गणेशीदीन के दो पुत्र कर्ता और रामचन्द्र हुये। कर्ता का परिवार नहीं चला। रामचन्द्र के एक पुत्र छन्नू लाल हुये। छन्नू लाल के दो पुत्र भवानी शंकर और ज्वाला प्रसाद उपनाम माना हुये। भवानी शंकर उपनाम अनन्देश्वर के एक पुत्र बद्री विशाल हुये। ज्वाला प्रसाद के दो पुत्र रामकिशोर उपनाम जगन्नाथ और राजकिशोर हुये। छन्नू लाल का परिवार पाल्हेपुर जिला कानपुर में रहता था। वर्तमान में यह परिवार नहीं रहता है। शिवदीन के द्वितीय पुत्र शीतल के एक पुत्र मदारी हुये। मदारी के संतान न थी और आज दिन इनका पता नहीं है। संभवत: परिवार नहीं चला। यह पन्ना मध्य प्रदेश में रहते थे। बैजनाथ के दूसरे पुत्र शिवराम के एक पुत्र शिव नारायण हुये। शिव नारायण के एक पुत्र शिव किशोर हुये। शिव किशोर के एक पुत्र शिव दुलारे हुये। शिव दुलारे के दो पुत्र शिव प्यारे और शिव बालक हुये। शिव प्यारे के एक पुत्र शिवानंद हुये। शिवानंद का परिवार नहीं चला। शिव बालक के दो पुत्र बैजनाथ व दूसरे का नाम अज्ञात हुये। शिव बालक का परिवार बरिगंवाँ जिला फतेहपुर में रहता है। प्रयाग के तीसरे पुत्र वंशीधर के तीन पुत्र गंगा प्रसाद, सूर्य प्रसाद और वृन्दावन हुये। गंगा प्रसाद और सूर्य प्रसाद का परिवार नहीं चला। वृन्दावन के

एक पुत्र चन्द्रिका उपनाम बच्चा हुये। चन्द्रिका भी पन्ना मध्य प्रदेश में रहते थे। किन्तु इसी परिवार के श्री सूर्य नारायण अमरावती विदर्भ निवासी ने इनका बड़ा पता किया। किन्तु इनका कोई पता नहीं चला।

हरिनाथ के चतुर्थ पुत्र कृष्ण दत्त के एक पुत्र रामू हुये। रामू के तीन पुत्र भयऊ, बद्रीनाथ और गुरुदत्त हुये। भयऊ के तीन पुत्र माखन, अजबी और छोटू हुये। माखन के दो पुत्र शिवदयाल और मोती हुये। शिव दयाल के दो पुत्र सुखदेव और मथुरा प्रसाद हुये। सुखदेव के एक पुत्र सेवकराम हुये। सेवकराम का परिवार नहीं चला। मथुरा प्रसाद के एक पुत्र अयोध्या प्रसाद हुये। अयोध्या प्रसाद के एक पुत्र उदित नारायण हुये। उदित नारायण का परिवार नहीं चला। यह असनी जिला फतेहपुर में रहते थे। माखन के द्वितीय पुत्र मोती के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से रामदुलारे और इछऊ हुये तथा द्वितीय स्त्री से आशाराम हुये। रामदुलारे का परिवार नहीं चला। इछऊ के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से रामसेवक और द्वितीय स्त्री से रामदयाल और गंगासेवक हुये। रामसेवक के एक पुत्र भवानी प्रसाद हुये। भवानी प्रसाद के छै पुत्र बैजनाथ, जवाहर लाल, मनीराम, नारायण प्रसाद, बलदेव प्रसाद और शिवसागर लाल हुये। बैजनाथ का परिवार नहीं चला। जवाहर लाल के एक पुत्र जागेश्वर के दो पुत्र देवदत्त और यज्ञदत्त हुये। देवदत्त का परिवार नहीं चला। यज्ञदत्त के तीन पुत्र रज्जन उर्फ सदाशिव, शिव स्वरूप और शिवरूप हुए। रज्जन उर्फ सदाशिव के तीन पुत्र जय शिव, ओम् शिव और योगेश कुमार हुये। शिव स्वरूप के तीन पुत्र विष्णुकांत, श्रीकांत और श्रवण कुमार हुए। विष्णुकांत को उनके मौसा उमादत्त अवस्थी ने गोद ले लिया। श्रीकांत के दो पुत्र अक्षय कुमार और अभय कुमार हुये। श्रवण कुमार एक पुत्र कृष्ण हुये। शिव स्वरूप के दो पुत्र ओम प्रकाश और शिव प्रकाश हुए। ओम प्रकाश के

एक पुत्र नारायण हुये। शिव प्रकाश के एक पुत्र अनुभव हुये। भवानी प्रसाद के तृतीय पुत्र मनीराम के दो पुत्र देवकृष्ण और परमेश्वर दीन हुए। देवकृष्ण साधू हो गए और परमेश्वर दीन के पाँच पुत्र शिवचरण लाल, शिव प्रसाद, राजाराम, राममनोहर और श्याम सुन्दर हुये। शिव चरण लाल के दो पुत्र हंसराज और भोला नाथ हुये। हंसराज के दो पुत्र जगत नारायण और राम नारायण हुए। राम नारायण के चार पुत्र अरविन्द कुमार ननकऊ, पूतू और पुतनू हुये। अरविन्द कुमार के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। ननकऊ के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। जगत नारायण के दो पुत्र वीरेन्द्र कुमार और जीतेन्द्र कुमार हुए। वीरेन्द्र कुमार के दो पुत्र पावन कुमार और नवल कुमार हुये। जीतेन्द्र कुमार का एक पुत्र सचिन हुये। भोला नाथ के चार पुत्र सुरेन्द्र कुमार, वीरेन्द्र कुमार, देवेन्द्र कुमार, सूर्य कुमार हुये। सुरेन्द्र कुमार के दो पुत्र अमित कुमार और सुमित कुमार हुये। अमित के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। वीरेन्द्र कुमार के तीन पुत्र अंकू, तंनू और सन्जू हुये। देवेन्द्र कुमार का एक पुत्र आश्रय हुये। सूर्य कुमार के एक पुत्र राम जी हुये। शिव प्रसाद के एक पुत्र गिरिजा शंकर के दो पुत्र रमेशचन्द्र और दिनेश चन्द्र हुए। रमेश चन्द्र के दो पुत्र सुधीर कुमार और अनुज कुमार हुये। दिनेश चन्द्र के एक पुत्र अनूप कुमार हुये। सुधीर कुमार के एक पुत्र शरद कुमार हुये। अनुज कुमार के एक पुत्र उदित कुमार हुये। राजाराम के दो पुत्र शिवपूजन और देवीशंकर हुए। शिवपूजन का परिवार नही चला हैं। देवी शंकर के दो पुत्र मनीष कुमार और अवनीश कुमार हुये। मनीष कुमार के एक पुत्र प्रतीक हुये। अवनीश कुमार अल्पायु हुये। राम मनोहर का परिवार नहीं चला। श्याम सुन्दर के दो पुत्र भैरो प्रसाद और महेश प्रसाद हुये। भैरों प्रसाद के पाँच पुत्र लखन प्रसाद, पप्पू, सुभाष चन्द, छोट्टन और ओम प्रकाश हुए। लखन प्रसाद के

तीन पुत्र विनोद, विनय, रजोली हुये। विनोद के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। विनय के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। पप्पू के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। सुभाष चन्द्र के दो पुत्र अंकुश और अनुरूद्ध हुये। अंकुश के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। छोट्टन अल्पायु हुये। ओम प्रकाश के दो पुत्र दीपू और एक नाम अज्ञात हुये। महेश प्रसाद के दो पुत्र विपिन कुमार और नितिन कुमार हुये। विपिन कुमार के दो पुत्र शानू और दूसरा नाम अज्ञात हुये। नितिन कुमार के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। भवानी प्रसाद के चतुर्थ पुत्र नारायण प्रसाद के एक पुत्र संकठा प्रसाद का परिवार नहीं चला। यह पसनखेरा जिला रायबरेली में रहते थे। भवानी प्रसाद के पाँचवे पुत्र बलदेव प्रसाद के एक पुत्र अम्बिका दत्त हुये। अम्बिका दत्त के दो पुत्र सोमदत्त और आशादत्त हुये। सोमदत्त के पाँच पुत्र कृष्णदत्त, इन्द्रदत्त, उमा शंकर, चन्द्र दत्त और सुशील कुमार हुये। कृष्ण दत्त के तीन पुत्र वीरेन्द्र कुमार, दिनेश कुमार और विनीत कुमार हुये। वीरेन्द्र कुमार व दिनेश कुमार इन दोनो भाइयों का परिवार नहीं चला। विनीत के एक पुत्र रौनक हुये। इन्द्रदत्त के दो पुत्र गौर और अंकित हुये। उमाशंकर के एक पुत्र अमित कुमार के एक पुत्र अभि हुये। चन्द्रदत्त के दो पुत्र राहुल और सौरभ हुये। सुशील कुमार का परिवार नहीं चला। आशादत्त के दो पुत्र ब्रह्मदत्त और आनन्द कुमार हुये। ब्रह्मदत्त के दो पुत्र मनोज कुमार और नीरज कुमार हुये। मनोज कुमार का एक पुत्र हरिओम हुये। नीरज कुमार के एक पुत्र शिव ओम हुये। आनन्द कुमार के एक पुत्र राजन हुये। भैरव प्रसाद का ये परिवार ग्राम व पोस्ट पुगरी (नहरी) जिला बाँदा में रहता है। महेश प्रसाद का परिवार नैनी प्रयागराज में रहता है। राम नारायण व जगत नारायण का परिवार रिठवाँ (भैरवाँ) जिला फतेहपुर मे रहता है। रज्जन उपनाम सदाशिव का परिवार दबौली कानपुर नगर में रहता है।

देवी शंकर और शिवरूप इन दोनों का परिवार तारापुर (भिटौरा) जिला फतेहपुर में रहता है। राधाकृष्ण के दो पुत्र विष्णुदत्त और विकास चन्द हुये। भवानी प्रसाद के छठवें पुत्र शिवसागर लाल के दो पुत्र नन्देश्वर और गंगा गुलाम हुये। नन्देश्वर का परिवार नहीं चला। गंगा गुलाम के पाँच पुत्र अमरनाथ, राजाराम, चुन्नीलाल, पन्ना लाल और देवी प्रसाद हुये। अमरनाथ पुराना फीलखाना लल्लू बाबू का हाता शहर कानपुर में रहते थे अब वहां कोई नहीं रहता।

इछऊ के द्वितीय पुत्र रामदयाल का परिवार नहीं चला। ये गोपालीखेड़ा जिला रायबरेली में रहते थे। इछऊ के तृतीय पुत्र गंगा सेवक के एक पुत्र गंगा दयाल हुये। गंगा दयाल के दो पुत्र मनीराम और बब्बू हुये। गंगा दयाल गहलो जिला कानपुर में रहते हैं।

मोती के तृतीय पुत्र आशाराम के एक पुत्र जगन्नाथ हुये। जगन्नाथ के दो पुत्र बलभद्र उपनाम मन्नू और बलराम उपनाम बच्चू हुये। बलभद्र के दो पुत्र विजय शंकर और दया शंकर हुये। विजय शंकर अल्पायु हुये। दयाशंकर के तीन पुत्र लक्ष्मी शंकर, बद्री विशाल और ओम शंकर हुये। लक्ष्मी शंकर का परिवार नहीं चला। बद्री विशाल के दो पुत्र रोहित और अवनीत हुये। ओम शंकर अविवाहित रहे। बद्री विशाल जी का परिवार ग्राम–गंगागंज, हरिशचन्द्रपुर, पो० चौहनिया, जिला–रायबरेली–229303 मेंनिवास करता है। दयाशंकर नम्बर 16 मनिहारी पट्टी बड़ा बाजार कलकत्ता में रहते हैं। बलराम उपनाम बच्चू के एक पुत्र गिरजा शंकर हुये। गिरजा शंकर के एक पुत्र ब्रह्म नारायण उपनाम छेद्दू का परिवार नहीं चला। यह बीघापुर जिला उन्नाव में रहते हैं।

भयऊ के द्वितीय पुत्र अजबी के सात पुत्र प्रथम स्त्री से हीरालाल, श्रीकृष्ण और द्वितीय स्त्री से तुलसीराम, रामदीन, रामप्रसाद, लक्ष्मण

और शीतल हुये। हीरालाल का परिवार नहीं चला। श्रीकृष्ण के एक पुत्र रामदेव हुये। रामदेव के एक पुत्र राजाराम हुये। राजाराम के एक पुत्र शिव विनायक हुये। शिव विनायक का परिवार नहीं चला। यह हाजीपुर जिला फतेहपुर में रहते थे। तुलसीराम, रामदीन और रामप्रसाद इन तीनों भाइयों का परिवार नहीं चला। लक्ष्मण प्रसाद के पुत्र रामअधार हुये। रामअधार के दो पुत्र बद्री प्रसाद व श्रीनाथ हुये। बद्री प्रसाद के तीन पुत्र शिवकुमार, चन्द्र कुमार और रुद्र कुमार हुये। बद्री प्रसाद का परिवार कानपुर में रहता है। श्रीनाथ का परिवार नहीं चला। अजवी के सातवें पुत्र शीतल के एक पुत्र शिवानंद हुये। शिवानन्द के एक पुत्र सुखलाल हुये। सुखलाल हाजीपुर जिला फतेहपुर में रहते थे। पर इनका परिवार नहीं चला। भयऊ के तृतीय पुत्र छोटू का भी परिवार नहीं चला।

रामू के द्वितीय पुत्र बद्रीनाथ के एक पुत्र आत्माराम हुये। आत्माराम के दो पुत्र संहाय और संकठादीन हुये। संहाय के एक पुत्र माना उर्फ मनराखन हुये, परन्तु इनका परिवार नहीं चला। संकठादीन के दो पुत्र हजारी और बेनीमाधव हुये। हजारी के तीन पुत्र रामगोपाल, सुरजू और हनूमान हुये। रामगोपाल के एक पुत्र गदाधर उपनाम नन्हां हुये किन्तु गदाधर का परिवार नहीं चला। सुरजू के दो पुत्र सिद्धनाथ और शिवनाथ उपनाम घिया हुये। सिद्धनाथ के एक पुत्र चन्द्रिका प्रसाद उपनाम भिखारी हुए। चन्द्रिका प्रसाद के दो पुत्र जगदीश प्रसाद और राधेश्याम हुए। जगदीश प्रसाद विदेश जाकर वापस नहीं लौटे। राधेश्याम का मस्तिष्क खराब था इनका भी पता नहीं लगा। शिवनाथ उपनाम घिया के दो पुत्र कालिका प्रसाद और प्रहलाद दास हुए। कालिका प्रसाद के दो पुत्र भगवती प्रसाद और जगत नारायण हुए। भगवती प्रसाद के एक पुत्र पंकज हुए। पंकज के एक पुत्र अंकुर हुये। यह परिवार जानकीपुरम्, लखनऊ

में रहता है। जगत नारायण के एक पुत्र अजय कुमार के एक पुत्र नाम अज्ञात हुए। यह परिवार मुम्बई में रहता है। प्रहलाद दास के एक पुत्र प्रेम नारायण हुए। प्रेम नारायण के तीन पुत्र राजेन्द्र कुमार, उमेश चन्द्र और संजय कुमार हुये। राजेन्द्र कुमार के एक पुत्र शैलेन्द्र कुमार हुये। शैलेन्द्र कुमार के एक पुत्र यशु हुये। यह परिवार एल.डी.ए. कालोनी, लखनऊ में रहता है। उमेश चन्द्र के दो पुत्र सुचित और रचित हुये। सुचित के अभी पुत्र नहीं है। और रचित के एक पुत्र रियांश हुये। संजय कुमार के एक पुत्र मलय हुये। उमेश और संजय का परिवार 47 प्रहलाद निकेतन आर्य नगर लखनऊ 4 में रहता है। हजारी के तृतीय पुत्र हनूमान का परिवार नहीं चला। संकठादीन के द्वितीय पुत्र बेनीमाधो के एक पुत्र वासुदेव हुए। वासुदेव के एक पुत्र शिवबालक हुये किन्तु शिवबालक अल्पायु हुये।

रामू के तृतीय पुत्र गुरुदत्त के दो पुत्र गंगा और बचरी हुये। गंगा के तीन पुत्र रघुनाथ, यदुनाथ और अमरनाथ हुये किन्तु इन तीनों भाईयों का परिवार नहीं चला। बचरी का भी परिवार नहीं चला।

हरिनाथ के पंचम पुत्र हीरादत्त के दो पुत्र सुरजा और हुलासी हुये। सुरजा के एक पुत्र सबमुख हुये। सबमुख के चार पुत्र प्रथम स्त्री से गुलाल और वाजीलाल तथा द्वितीय स्त्री से अधार और वेदमणि हुये। गुलाल के एक पुत्र भोगमणि उपनाम बोड़ी हुये। भोगमणि के दो पुत्र शिव चरण और शिवराखन हुये। शिवचरण के एक पुत्र शीतला प्रसाद हुये किन्तु शीतला प्रसाद का परिवार नहीं चला। शिवराखन के चार पुत्र भवानी प्रसाद, देवी प्रसाद, नन्द किशोर और युगुल किशोर हुये। भवानी प्रसाद और देवी प्रसाद इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। नन्द किशोर के पुत्र सुरजू हुये किन्तु इनका भी परिवार नहीं चला। युगुल किशोर बड़े ही प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित पुरुष हुये। इनके दो पुत्र गोकर्ण

और शिवबली हुए। गोकर्ण के तीन पुत्र शिवलाल, रामलाल और उजागर लाल उपनाम झूरी हुये। शिवलाल अल्पायु हुये। रामलाल के एक पुत्र रूप नारायण हुये। रूप नारायण के एक पुत्र कालीशंकर हुये। काली शंकर के चार पुत्र मूल प्रकाश, अनिल प्रकाश, संजय प्रकाश और राजन प्रकाश हुये। मूल प्रकाश के एक पुत्र निखिल उपनाम शिखर हुये। दुर्गा प्रसाद उपनाम अनिल प्रकाश का परिवार नहीं चला। संजय प्रकाश के दो पुत्र प्रान्जुल और और दिव्यांश हुए। राजन प्रकाश के एक पुत्र विराट हुये। काली शंकर का परिवार 4/24 ढकना पुरवा कानपुर में रहता था। अब यह परिवार छोटा गेगासों जिला रायबरेली में रहता है। उजागर लाल के चार पुत्र प्रथम स्त्री से बृजमोहन, मदनमोहन, राज मोहन और द्वितीय स्त्री से मूलचन्द्र उपनाम मल्लू हुये। बृजमोहन के एक पुत्र शारदा प्रसाद हुए। शारदा प्रसाद के एक पुत्र नाम अज्ञात अल्पायु हुये। शारदा प्रसाद 17/1 हलवासिया रोड लाल माधव मुखर्जी लेन कोलकत्ता-700007 में रहते हैं। मदन मोहन का परिवार नहीं चला। राजमोहन के एक पुत्र आशाराम हुए किन्तु आशाराम अल्पायु हुये। मूलचन्द्र के चार पुत्र प्रथम स्त्री से ओम प्रकाश उपनाम मनक्की व द्वितीय स्त्री से रामप्रकाश उपनाम बच्चऊ, शिव प्रकाश उपनाम बच्चा और चन्द्र प्रकाश उपनाम गुड्डू हुये। ओम प्रकाश उपनाम मनक्की का परिवार नहीं चला। ओम प्रकाश उपनाम मनक्की छोटा गेंगासौं जिला रायबरेली में रहते है। राम प्रकाश के दो पुत्र हरिओम और शिवओम हुये। हरिओम के एक पुत्र समर्थ हुये। शिव ओम के एक पुत्र रेवांश हुये। राम प्रकाश का परिवार पाण्डेय मेडिकल स्टोर डलमऊ रोड, लालगंज, जिला-रायबरेली में रहता है। शिव प्रकाश के दो पुत्र प्रियंम और शुभम हुये। चन्द्र प्रकाश के एक पुत्र प्रखर हुये। मूलचन्द्र जी एक सुयोग्य वैद्य थे इनके तृतीय पुत्र

शिव प्रकाश तथा चतुर्थ पुत्र चन्द्र प्रकाश दोनो भाइयों का परिवार तिकोना पार्क लालगंज जिला-रायबरेली में रहता है। उजागर लाल का शेष परिवार गर्गाश्रम (गेगासों) जिला रायबरेली में रहता है। युगुल किशोर के द्वितीय पुत्र शिवबली के एक पुत्र महावीर हुए। महावीर के एक पुत्र जगमोहन हुये। जगमोहन के एक पुत्र भगवती प्रसाद उपनाम पुत्तू हुये। भगवती प्रसाद के चार पुत्र राकेश कुमार, कमलेश कुमार, सुनील कुमार और सुधीर कुमार हुये। राकेश कुमार के एक पुत्र विकास उपनाम सांप्रत के एक पुत्र शुभ हुये। कमलेश कुमार के एक पुत्र आशीष हुये। सुनील कुमार के एक पुत्र प्रभात हुये। सुधीर कुमार के एक पुत्र शिवम हुये। भगवती प्रसाद का परिवार झींझक जिला कानपुर में रहता है।

सबसुख के द्वितीय पुत्र बाजीलाल के चार पुत्र बलभद्र, औसेरी, बाल गोविन्द और नन्दी लाल हुये। बलभद्र का परिवार नहीं चला। औसेरी के दो पुत्र रामसहाय उपनाम गुरऊ और रामप्रसाद हुये। रामसहाय के तीन पुत्र मनऊ, कामता प्रसाद और लालता प्रसाद हुये। मनऊ का परिवार नहीं चला। कामता प्रसाद के एक पुत्र बिल्लेश्वर हुये। बिल्लेश्वर के चार पुत्र गंगा प्रसाद,बद्री विशाल, सत्य नारायण और कृपाशंकर हुये। गंगा प्रसाद का वंश नहीं चला। बद्री विशाल के दो पुत्र रमेश शंकर व करुणा शंकर हुये। रमेश शंकर के तीन पुत्र राकेश कुमार, सर्वेश कुमार और हिमांशु हुए। राकेश कुमार के दो पुत्र प्रशांत और निशांत हुये। सर्वेश कुमार के दो पुत्र ऋषि और शनि हुये। हिमांशू के दो पुत्र नारायण और दूसरा नाम अज्ञात हुये। करुणा शंकर के एक पुत्र दिनेश चन्द्र के एक पुत्र तनमय हुये। सत्य नारायण और कृपा शंकर इन दोनों भाईयों का परिवार नहीं चला। बिल्लेश्वर का परिवार पुरवा जिला उन्नाव में रहता है।

लालता प्रसाद के एक पुत्र शम्भू दयाल हुये। शम्भू दयाल के

तीन पुत्र कैलाश शंकर, लक्ष्मी शंकर और प्रेम शंकर हुये। कैलाश शंकर के एक पुत्र विद्या शंकर के एक पुत्र आलोक के एक पुत्र आद्विक हुये। वर्तमान में विद्याशंकर एडवोकेट पुरवा तहसील एवं निवास पुरवा उन्नाव में रहते है। लक्ष्मी शंकर के दो पुत्र सुशील चन्द्र व विमल चन्द्र हुए। सुशील चन्द्र के दो पुत्र प्रशांत और सौरभ हुये। विमल चन्द्र के दो पुत्र नितिन और गोलू हुये। प्रेम शंकर के पाँच पुत्र विनोद शंकर, प्रफुल्ल शंकर, ज्ञानेन्द्र शंकर, पूर्णेन्द्र शंकर, सर्वशक्तिमान शंकर उपनाम राजेन्द्र शंकर हुये। विनोद शंकर के एक पुत्र धीरज शंकर हुये। प्रफुल्ल शंकर के एक पुत्र गौरव हुये। ज्ञानेन्द्र शंकर के एक पुत्र वासू हुये। पूर्णेन्द्र शंकर के एक पुत्र प्रियांशु हुये। सर्वशक्तिमान शंकर उपनाम राजेन्द्र शंकर के अभी पुत्र नहीं है। यह परिवार कस्टोलवा पुरवा, पुरवा जिला उन्नाव में रहता है। प्रेम शंकर व लक्ष्मीशंकर का परिवार 551/क/319 साकेतपुरी ओम नगर लखनऊ में रहता है। औसेरी के दूसरे पुत्र रामप्रसाद का परिवार नहीं चला। बाजी लाल के तीसरे पुत्र बाल गोविन्द के दो पुत्र माधव और मदन गोपाल हुए। माधव के एक पुत्र सदैया उपनाम सदासुख हुये। सदासुख के एक पुत्र श्याम लाल का परिवार नहीं चला। मदन गोपाल के चार पुत्र प्रथम स्त्री से शीतलदीन तथा द्वितीय स्त्री से तीन पुत्र नाम अज्ञात हुये। शीतल दीन व शेष तीनों भाइयों का परिवार नहीं चला। बाजीलाल के चतुर्थ पुत्र नन्दी लाल के दो पुत्र ढाकन और श्रीकांत हुये। ढाकन के तीन पुत्र राम अधीन, रामलाल और अवध बिहारी हुये। रामअधीन के एक पुत्र गदाधर हुये किन्तु गदाधर अल्पायु हुये। रामलाल के तीन पुत्र रामदयाल, रामशंकर और महावीर हुये। रामदयाल के दो पुत्र रामसेवक और रामसागर हुये। रामसेवक के एक पुत्र महेन्द्र हुये। रामसागर के दो पुत्र तारक नाथ और त्रिलोकी नाथ हुये। तारक नाथ के दो पुत्र पप्पू

और दूसरे का नाम अज्ञात हुये। रामशंकर के दो पुत्र राम स्वरूप और रवीन्द्र नाथ हुये। राम स्वरूप के तीन पुत्र रमाकांत, लक्ष्मी कांत और कृष्ण कांत हुये। लक्ष्मी कांत और कृष्ण कांत के एक एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। रवीन्द्र नाथ के तीन पुत्र संतोष कुमार, ओम प्रकाश और जय प्रकाश हुये। महावीर बड़े सुयोग्य और वीर पुरुष हुये। यह प्रान्तीय सरकार के गणमान्य सदस्य रहे। महाबीर के दो पुत्र विजय कुमार और स्वतंत्र कुमार हुये। विजय कुमार के दो पुत्र अरूण कुमार और मानवेन्द्र नाथ हुये। अरूण कुमार के एक पुत्र मंयक हुये। मानवेन्द्रनाथ के एक पुत्र मानवादित्य हुये। स्वतंत्र कुमार के दो पुत्र अनुरुद्ध कुमार और अवधेश कुमार उपनाम राजू हुये। अनुरूद्ध कुमार के एक पुत्र मानस हुये। अवधेश कुमार के अभी पुत्र नहीं है। महावीर का परिवार महावीर हाइट्स नई बाजार, लालगंज, जिला-रायबरेली में रहता है। ढाकन के तृतीय पुत्र अवध विहारी का परिवार नहीं चला। ढाकन का परिवार ग्राम ऐहार जिला रायबरेली में रहता है। नन्दी लाल के द्वितीय पुत्र श्रीकान्त के चार पुत्र शिवलाल, शिव भजन, शम्भू नाथ और शिव नारायण हुये। शिवलाल के पुत्र नहीं हैं। शिव भजन के एक पुत्र शिव मंगल हुये। शम्भू नाथ के एक पुत्र सिद्धेश्वर का परिवार नहीं चला। शिव नारायण के एक पुत्र शंकर दयाल हुये। शंकर दयाल के सात पुत्र मुरलीधर, बलराम, कैलाश नाथ, अमर नाथ, ओंकार नाथ, गोकर्ण नाथ और भोला नाथ हुये। मुरलीधर के तीन पुत्र सन्तोष, अरुण और वंशीधर हुये। सन्तोष और अरुण अल्पायु हुये। वंशीधर के दो पुत्र सचिन और प्रवीन हुये। सचिन के एक पुत्र रजत हुये। प्रवीन के एक पुत्र मधुकर हुये। बलराम का परिवार नहीं चला। कैलाश नाथ के दो पुत्र सुशील कुमार और अनिल कुमार हुये। सुशील कुमार के दो पुत्र पुनीत और विनीत हुये। अनिल के

एक पुत्र अभिषेक हुये। अमरनाथ का परिवार नहीं चला। ओंकार नाथ के दो पुत्र महेश कुमार और विनोद कुमार उपनाम मंगेश हुये। महेश का परिवार नहीं चला विनोद कुमार उपनाम मंगेश के दो पुत्र शेखर और यश हुये। गोकर्ण नाथ के पांच पुत्र विमल, प्रमोद, सुबोध, गोपाल, गोविन्द्र और चन्द्र शेखर हुये। विमल के एक पुत्र सूर्याश हुये। प्रमोद व सुबोध अल्पायु हुये। गोपाल, गोविन्द और चन्द्रशेखर तीनों का परिवार नहीं चला। भोलानाथ के दो पुत्र आशुतोष और बेनीराम हुये। अनिल का परिवार 128/22 एफ ब्लाक किदवई नगर कानपुर में रहता है।

सबसुख के तीसरे पुत्र अधार के एक पुत्र जानकी प्रसाद हुये। जानकी प्रसाद के एक पुत्र ठाकुर प्रसाद हुये। ठाकुर प्रसाद के तीन पुत्र काशी प्रसाद, कालिका प्रसाद और हरि नारायण हुये। काशी प्रसाद और कालिका प्रसाद का परिवार नहीं चला। हरि नारायण के तीन पुत्र शिवबक्स, बेनी प्रसाद और बद्रीनाथ हुये। शिवबक्स के दो पुत्र रामशंकर और सुन्दर लाल हुये। रामशंकर और सुन्दरलाल दोनों भाई अल्पायु हुये। बेनी प्रसाद के एक पुत्र रवि चरण भी अल्पायु हुये। बद्रीनाथ का परिवार नहीं चला। सबसुख के चतुर्थ पुत्र वेदमणि के एक पुत्र गौरीशंकर हुये। गौरीशंकर के तीन पुत्र शिवनाथ, जागेश्वर और बागेश्वर उपनाम राघव प्रसाद हुये। विश्वनाथ के एक पुत्र काली रत्न हुये। कालीरत्न अल्पायु हुये। जागेश्वर का परिवार नहीं चला। बागेश्वर जी बड़े तपस्वी और ओजस्वी व्यक्ति हुये। इनके एक पुत्र रघुबर दयाल हुये। रघुबर दयाल के दो पुत्र रमेश चन्द्र उपनाम रामचन्द्र और लक्ष्मण प्रसाद हुये। रमेश चन्द्र का परिवार नहीं चला। लक्ष्मण प्रसाद जी बड़े ही योग्य पुरुष हुये। इनके दो पुत्र नागेन्द्र दत्त व सूर्य नारायण हुये। नागेन्द्र दत्त के तीन पुत्र रवीन्द्र कुमार, राजेन्द्र कुमार और महेश दत्त उपनाम पुरुषोत्तम हुये। सूर्य नारायण

के एक पुत्र अम्बिका चरण उपनाम संकठा चरण हुये। श्री सूर्य नारायण के अथक परिश्रम से हमने दक्षिण भारतवासी तमाम पुज्जराज बन्धुओं की जानकारी प्राप्त की है। हम हृदय से इनके आभारी हैं। सूर्य नारायण जी एम.ए.बी.टी., विशारद शारदा भवन मिश्रा लाइन, अचलपुर कैम्प (विदर्भ) जिला अमरावती महाराष्ट्र (पिन नम्बर - 444 805) में निवास करते हैं। हीरादत्त के तृतीय पुत्र हुलासी के एक पुत्र मायाराम हुये। मायाराम के एक पुत्र अभिमान हुये। अभिमान के एक पुत्र गंगादीन हुये। गंगादीन का परिवार नहीं चला।

जगतपुर भिचकौरा जिला रायबरेली

हरिनाथ के छठवें पुत्र जिवराखन उपनाम जीवा हुये। जिवराखन के दो पुत्र लक्ष्मण और रामनेवाज हुये। चतुर्थ संस्करण पुज्जराम वंश वर्णन में लक्ष्मण के पुत्र व वंशजो के देवरी रामपुर टेढ़ा मुहम्मदपुर में होने का विवरण छापा गया है किन्तु इनके साधु हो जाने और परिवार न चलने की बात इनके परिवार में हरि नारायण की लड़की उम्र 80 वर्ष ने पुष्टि की है। जीवा के तृतीय पुत्र रामनेवाज उपनाम नेवाज के पाँच पुत्र प्रथम स्त्री से शिवबक्स, सदानन्द तथा तृतीय स्त्री से नयन, महासुख और दत्ती हुये। शिवबक्स के एक पुत्र लोकनाथ हुये। लोकनाथ के एक पुत्र रामदयाल हुये। रामदयाल का परिवार नहीं चला। सदानन्द के तीन पुत्र माधव प्रसाद, रामदत्त और अयोध्या प्रसाद हुये। माधव प्रसाद के तीन पुत्र बेनी प्रसाद, मंहगू और शिवानन्द हुये। बेनी प्रसाद के तीन पुत्र रघुनंदन उपनाम ललऊ, मुरलीधर और महानन्द हुये। रघुनन्दन के एक पुत्र देवी गुलाम हुये किन्तु इनका परिवार नहीं चला। मुरलीधर के एक पुत्र नन्दराम हुये। नन्दराम के तीन पुत्र ब्रह्म नारायण, बृजकिशोर और

चन्द्र किशोर हुये। ब्रह्म नारायण के दो पुत्र मनोहर लाल और महेन्द्र लाल हुये। ब्रह्म नारायण खेमराज मेन्सन खेतबाड़ी, सातवीं गली बम्बई 4 में रहते हैं। बृज किशोर के पुत्र नहीं हैं। चन्द्र किशोर के दो पुत्र सतीश कुमार और शैलेन्द्र कुमार हुये। महानन्द के पाँच पुत्र झुलऊ, बिहारी लाल, शिवदर्शन, शिवबालक और शिवदुलारे हुये। झुलऊ के तीन पुत्र शिव नारायण राजदुलारे और प्रयाग नारायण हुये। शिव नारायण और राज दुलारे का परिवार नहीं चला। प्रयाग नारायण के एक पुत्र जय नारायण हुये। जय नारायण के दो पुत्र प्रमोद कुमार व दूसरे का नाम अज्ञात हुये। प्रयाग नारायण का परिवार कानपुर में रहता है। महानंद के दूसरे और तीसरे पुत्र बिहारीलाल और शिवदर्शन का परिवार नहीं चला। शिवबालक के दो पुत्र राज नारायण और काली प्रसाद हुये। राज नारायण के पाँच पुत्र प्रेम नारायण, देव नारायण, सूर्य नारायण, प्रकाश नारायण और रामदास हुये। प्रेम नारायण के तीन पुत्र नाम अज्ञात हुये। देव नारायण का परिवार नहीं चला। सूर्य नारायण के अभी पुत्र नहीं है। रामदास के सात पुत्र नाम अज्ञात हुये। रामदास तथा प्रेम नारायण 26 नम्बर रिपन स्ट्रीट कोलकत्ता 16 में रहते हैं। काली प्रसाद के तीन पुत्र अवध नारायण, अवधेश नारायण और मुन्नू हुये। शिव दुलारे का परिवार नहीं चला। माधव प्रसाद के द्वितीय पुत्र मंहगू के एक पुत्र ब्रह्मानन्द हुये। ब्रह्मानन्द का परिवार नहीं चला। माधव प्रसाद के तृतीय पुत्र शिवानन्द के दो पुत्र गंगा सागर और शिव सागर हुये। गंगा सागर का परिवार नहीं चला। शिवसागर के तीन पुत्र गुरुचरण, गुरुप्रसाद और गुरुशंकर हुये। गुरुचरण के तीन पुत्र पप्पू, हरिशंकर और बीनू हुये। गुरु प्रसाद के दो पुत्र गोपाल और गोपाल दयाल हुये। गुरुशंकर के दो पुत्र दुर्गा शंकर और पप्पू हुये। सांवले के दो पुत्र नागेश्वर और जागेश्वर हुये। नागेश्वर के पुत्र नहीं

हैं। जागेश्वर के एक पुत्र देवीचरण हुये। देवीचरण का परिवार नहीं चला। सदानंद के द्वितीय पुत्र रामदत्त के दो पुत्र शिव सहाय और शिव शंकर हुये। शिव सहाय के दो पुत्र मातादीन और ठाकुर प्रसाद हुये। मातादीन के एक पुत्र रामस्वरूप हुये। रामस्वरूप के दो पुत्र प्रयागदत्त और काशीदत्त हुये। प्रयाग दत्त के चार पुत्र भालचन्द्र, लालचन्द्र, जयचन्द्र और कृष्ण चन्द्र हुये। भालचन्द्र का वंश नहीं चला। लाल चन्द्र अल्पायु हुये। जयचन्द्र के दो पुत्र चन्द्र प्रकाश और हरीश चन्द्र हुये। चन्द्र प्रकाश के चार पुत्र आशुतोष, अमिताभ, अरविन्द उपनाम अनुराग और अंतरिक्ष हुये। आशुतोष के एक पुत्र आयुष हुये। आशुतोष का परिवार आनन्द नगर, लालगंज, जिला रायबरेली में रहता है। अमिताभ के दो पुत्र अपूर्व और अत्यंत हुये। अरविन्द उपनाम अनुराग के दो पुत्र सुपर्थ राज और अलौकिक राज हुये। सुपर्थराज अल्पायु हुये। अरविन्द उपनाम अनुराग का परिवार हरिचन्द्रपुर, जिला-रायबरेली में रहता है। अंतरिक्ष के अभी पुत्र नहीं है। अंतरिक्ष का परिवार मौरावॉ जिला-उन्नाव में रहता है। हरीश चन्द्र के एक पुत्र अनुपम हुये। अनुपम के एक पुत्र कार्तिकेय हुये। हरीश चन्द्र का परिवार 208 एन-ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर-11 में रहता है। कृष्ण चन्द्र अल्पायु हुये। काशी दत्त का परिवार नहीं चला। शिव सहाय के पुत्र ठाकुर प्रसाद अल्पायु हुये। रामदत्त के द्वितीय पुत्र शिव शंकर के तीन पुत्र देव कृष्ण, हरि नारायण और केदार नाथ हुये। देव कृष्ण के एक पुत्र चन्द्रशेखर हुये। चन्द्र शेखर के तीन पुत्र रामदुलारे, रामसेवक और रामेश्वर हुये। रामदुलारे के एक पुत्र सिद्धिनाथ हुये। सिद्धिनाथ के तीन पुत्र भीम शंकर, लक्ष्मी शंकर और भवानी शंकर हुए। भीमशंकर के तीन पुत्र रमाकांत, शिवाकांत और श्रीकांत हुये। रमाकांत और शिवाकांत का परिवार नहीं चला। श्रीकांत अविवाहित रहे। लक्ष्मी

शंकर के दो पुत्र अमित और सौरभ हुये। अमित के एक पुत्र प्रियम हुये। सौरभ के एक पुत्र गर्व हुये। भवानी शंकर के एक पुत्र सुधीर कुमार हुये। जो नोयडा में रहते है। रामसेवक का परिवार नहीं चला। रामेश्वर के एक पुत्र रामनाथ हुये। रामनाथ के दो पुत्र चन्द्रनाथ और विश्वनाथ हुये। चन्द्रनाथ का परिवार नहीं चला। विश्वनाथ के दो पुत्र हरि शंकर और शिव शंकर हुये। हरि शंकर के एक पुत्र जय शंकर हुये। जय शंकर के एक पुत्र शौर्य हुये। यह परिवार मुम्बई में रहता है। शिव शंकर के एक पुत्र आशुतोष हुये। हरि नारायण के दो पुत्र कृष्ण कुमार और शम्भू नाथ हुये। कृष्ण कुमार के एक पुत्र हरि केशव हुये किन्तु हरि केशव अल्पायु हुये। शम्भूनाथ का परिवार नहीं चला। शिवशंकर के तृतीय पुत्र केदार नाथ के दो पुत्र गोपीनाथ और रामरतन हुये किन्तु इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। सदानन्द के तीसरे पुत्र अयोध्या प्रसाद के एक पुत्र बाचा प्रसाद उपनाम बचई हुये। बाचा प्रसाद के दो पुत्र गंगा गुलाम और देवी दयाल हुये। गंगा गुलाम के दो पुत्र काली शंकर और काली चरण हुये। काली शंकर का परिवार नहीं चला। काली चरण के एक पुत्र मूलचन्द्र हुये। मूलचन्द्र के तीन पुत्र बद्री प्रसाद, हरि प्रसाद और गणेश प्रसाद हुये। बद्री प्रसाद के एक पुत्र पंकजेश्वर हुये। पंकजेश्वर का परिवार नहीं चला। हरी प्रसाद के दो पुत्र मनीष और आशीष हुये। यह परिवार रायबरेली में रहता है। गणेश प्रसाद का परिवार नहीं चला। देवीदयाल अल्पायु हुये।

नेवाज के तीसरे पुत्र नयन के तीन पुत्र ललतू, बिन्दादीन उपनाम काशी प्रसाद और मदारी हुये। ललतू और बिन्दादीन का परिवार नहीं चला। मदारी के एक पुत्र बद्री हुये। बद्री का भी परिवार नहीं चला। नेवाज के चौथे पुत्र महासुख के दो पुत्र दुर्गा प्रसाद और काशी प्रसाद

हुये। दुर्गा प्रसाद के एक पुत्र गंगा प्रसाद हुये किन्तु गंगा प्रसाद का परिवार नहीं चला। काशी प्रसाद का भी वंश नहीं चला। नेवाज के पांचवे पुत्र दत्ती का भी परिवार नहीं चला।

(हरिनाथ वंश वर्णन समाप्त)

अथ मनीराम वंश वर्णन प्रारम्भ

परम तेजस्वी और प्रतापवान् परमू के चतुर्थ पुत्र हंसराम जी के तृतीय पुत्र मनीराम जी हुये। मनीराम के एक पुत्र विद्याधर हुये। विद्याधर के दो पुत्र धर्मदत्त उपनाम धम्मा और लोकनाथ उपनाम लोकई हुये। धर्मदत्त और लोकनाथ इन दोनों भाइयों से जो परिवार चला वे सब मनीराम के असामी कहाये।

धर्मदत्त के तीन पुत्र तारानाथ, शिवगोविन्द और बुद्धि हुये। तारानाथ के तीन पुत्र निहाल, कुमार और मान्धाता हुये। निहाल के एक पुत्र भवानी प्रसाद हुये। भवानी प्रसाद के पाँच पुत्र प्रथम स्त्री से देवी प्रसाद, हरिप्रसाद और ठाकुर प्रसाद तथा द्वितीय स्त्री से गयाप्रसाद और केदारनाथ हुये। देवी प्रसाद के दो पुत्र काशीनाथ और रामराखन हुये। काशीनाथ के दो पुत्र शिवदयाल और हरदयाल हुये। शिवदयाल के एक पुत्र परमानन्द हुये। परमानन्द के दो पुत्र शिवानन्द और शिवाधार हुये। शिवानन्द के चार पुत्र विश्वनाथ, चन्द्र किशोर, कैलाश चन्द्र और ओंकार नाथ हुये। विश्वनाथ अल्पायु हुये। चन्द्र किशोर के तीन पुत्र चन्द्र मोहन, विवेक और संजय हुये। चन्द्र मोहन के तीन पुत्र हिमांशु, पियूष और अंकित हुये। हिमांशु के एक पुत्र अनर्व हुये। विवेक के एक पुत्र प्रसून हुये। संजय का परिवार नहीं चला। कैलाश चन्द्र के एक पुत्र संदीप हुये। संदीप के दो पुत्र कुशाग्र और उत्कर्ष हुये। ओंकार नाथ के एक पुत्र उदीप हुये। शिवानन्द का परिवार मुकाम व पोस्ट कोठी जिला-सतना में रहता था। परमानन्द के दूसरे पुत्र शिवाधार के चार पुत्र सोम शंकर, राम

कुमार, शिव कुमार और प्रभाशंकर हुये। सोम शंकर के दो पुत्र प्रकाश नारायण और विनोद शंकर हुये। प्रकाश नारायण के एक पुत्र प्रशांत हुये। और विनोद शंकर के एक पुत्र क्षितिज हुये। राम कुमार के तीन पुत्र सुरेन्द्र कुमार, महेन्द्र कमार और वीरेन्द्र कुमार हुये। सुरेन्द्र कुमार के दो पुत्र शैलेन्द्र कुमार और जितेन्द्र कुमार हुये। शैलेन्द्र कुमार के एक पुत्र आस्तिक हुये। जितेन्द्र कुमार के एक पुत्र आदित्य हुये। महेन्द्र कुमार एक पुत्र अभिषेक हुये। वीरेन्द्र कुमार के एक पुत्र प्रतीक हुये। शिव कुमार के चार पुत्र नरेन्द्र कुमार, अरुण कुमार, करुणा शंकर और अनिल कुमार हुये। नरेन्द्र कुमार के एक पुत्र शुभम हुये। अरूण कुमार के एक पुत्र काव्य हुये। करूणाशंकर का परिवार नहीं चला। अनिल कुमार के एक पुत्र आयुष हुये। शिवाधार के पुत्रों का परिवार मुकाम गंगापुर पोस्ट डिहिया जिला-रीवा म०प्र० में रहता है। शिवाधार के चतुर्थ पुत्र प्रभा शंकर के तीन पुत्र सुधीर कुमार, सुनील कुमार और सुबोध कुमार हुये। इन तीनो भइयों का परिवार नहीं चला और यह परिवार भोपाल म० प्र० में रहता है। शिवानन्द के चारो पुत्र मुहल्ला पोस्ट कोठी जिला सतना मध्य प्रदेश में रहते हैं। काशीनाथ के द्वितीय पुत्र हरदयाल के पुत्र महेशानन्द का परिवार नहीं चला। देवी प्रसाद के द्वितीय पुत्र रामराखन के एक पुत्र नाम अज्ञात अल्पायु हुये।

भवानी प्रसाद के द्वितीय पुत्र हरि प्रसाद के एक पुत्र मंगल हुये। मंगल के एक पुत्र रघुनाथ हुये। रघुनाथ के एक पुत्र यदुनंदन हुये। किन्तु यदुनंदन का परिवार नहीं चला। यह अकलतारा जिला विलासपुर छत्तीसगढ़ में रहते थे। भवानी प्रसाद के तृतीय पुत्र ठाकुर प्रसाद के एक पुत्र बद्री नाथ के चार पुत्र शिव नारायण, हरि नारायण, राम नारायण और रामचरण हुये। शिव नारायण का परिवार नहीं चला। हरि नारायण के एक पुत्र

यमुना प्रसाद हुये किन्तु यमुना प्रसाद का परिवार नहीं चला। राम नारायण और रामचरन के भी परिवार नहीं चला। भवानी प्रसाद के पंचम पुत्र केदार नाथ के पाँच पुत्र प्रथम स्त्री से शम्भू नाथ व द्वितीय स्त्री से भोलानाथ, चन्द्रधर, चन्द्रशेखर और चन्द्रमौलि हुये। शम्भू नाथ के तीन पुत्र शिव सागर, महेश्वर और शिव शंकर हुये। शिव सागर के छै पुत्र प्रथम स्त्री से गंगा सागर, रामरतन व द्वितीय स्त्री से विश्वनाथ, काशीनाथ, श्रीनाथ और शशिनाथ हुये। गंगा सागर अल्पायु हुये। रामरतन के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से ओंकारनाथ व गोकर्ण नाथ तथा द्वितीय स्त्री से सिद्ध नाथ हुये। ओंकारनाथ के दो पुत्र अखिलेश कुमार और सुशील कुमार हुये। अखिलेश कुमार के दो पुत्र विनय और जय प्रकाश हुये। विनय के दो पुत्र अनिल कुमार और कुंसू हुये। जय प्रकाश का परिवार नहीं चला। गोकर्ण नाथ के तीन पुत्र गोविन्द नारायण, मुकुन्द नारायाण और गोपाल नारायण हुये। गोविन्द नारायण के एक पुत्र सिद्धार्थ हुये। मुकुन्द नारायण के एक पुत्र नितिन हुये। गोपाल नारायण के एक पुत्र केवल हुये। राम रतन के तृतीय पुत्र सिद्धनाथ हुये। सिद्धनाथ के पाँच पुत्र राकेश कुमार, हितेश कुमार, राजेश कुमार, प्रफुल्ल कुमार और प्रदीप कुमार हुये। राकेश कुमार के एक पुत्र शुभम् हुये। हितेश कुमार के एक पुत्र हिमांशु हुये। राजेश कुमार के एक पुत्र निमिश हुये। प्रफुल्ल कुमार के एक पुत्र शशांक हुये। प्रदीप कुमार के एक पुत्र शाश्वत हुये। सिद्धनाथ भारत बुक डिपो बिलासपुर के मालिक है। यह परिवार बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में रहता है। शिव सागर के तृतीय पुत्र विश्वनाथ के एक पुत्र श्याम नाथ हुये। श्यामनाथ के दो पुत्र यतीन्द्र कुमार और नीरज कुमार हुये। यतीन्द्र कुमार के एक पुत्र दिव्यांशु हुये। नीरज कुमार का परिवार नहीं चला। शिव सागर के चतुर्थ पुत्र काशीनाथ के पाँच पुत्र रामनाथ उपनाम

रमानाथ, गोपी नाथ, अरूण कुमार, गिरिश कुमार और दिनेश कुमार हुये। रामनाथ के पाँच पुत्र राजेन्द्र कुमार संजीव कुमार, तरूण कुमार, अजय कुमार और मनीष कुमार हुये। राजेन्द्र कुमार के एक पुत्र ऋषभ हुये। संजीव कुमार के एक पुत्र प्रभव हुये। तरूण कुमार का परिवार नहीं चला। अजय कुमार के एक पुत्र शिवांश हुये। अजय कुमार का परिवार विलासपुर, छत्तीसगढ़ में रहता है। मनीष कुमार के एक पुत्र सौम्य हुये। यह परिवार नागपुर महाराष्ट्र में रहता है। गोपी नाथ के चार पुत्र राजेन्द्र कुमार, सत्येन्द्र कुमार, विकास और परिवेश कुमार हुये। राजेन्द्र कुमार का परिवार नहीं चला। सत्येन्द्र कुमार के एक पुत्र सचिन हुये। विकास और परिवेश कुमार दोनों भाईयों का परिवार नहीं चला। गोपी नाथ का परिवार जगदलपुर, जिला-बस्तर छत्तीसगढ़ में रहता है। अरूण कुमार के एक पुत्र दीपक हुये। दीपक के एक पुत्र सजल कुमार हुये। गिरीश कुमार के दो पुत्र अमित और सुमित हुये। यह परिवार बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में रहता है। दिनेश कुमार के एक पुत्र अतुल हुये। दिनेश कुमार का परिवार बिलासपुर छत्तीगढ़ में रहता है। शिव सागर के पंचम पुत्र श्रीनाथ अल्पायु हुये। शिव सागर के छटवें पुत्र शशीनाथ का परिवार नहीं चला। इस शाख का पता राम रतन जी द्वारा तेलीपारा मु० पोस्ट बिलासपुर जिला बिलासपुर द्वारा प्राप्त हुआ है। शम्भू नाथ के द्वितीय पुत्र महेश्वर के एक पुत्र शंकर प्रसाद हुये। किन्तु शंकर प्रसाद का परिवार नहीं चला। शम्भू नाथ के तृतीय पुत्र शिव शंकर अल्पायु हुये।

केदारनाथ के द्वितीय पुत्र भोलानाथ के सात पुत्र प्रथम स्त्री से पशुपति नाथ और नागेन्द्र नाथ तथा द्वितीय स्त्री से रवीन्द्र नाथ, वीरेन्द्र नाथ, अखिलेन्द्र नाथ, सुरेन्द्र नाथ तथा महेन्द्र नाथ हुए। पशुपति नाथ के तीन पुत्र राजेन्द्र नाथ उपनाम धुन्नू, प्रेमनाथ उपनाथ मुन्नी लाल और

विश्वम्भर नाथ हुए। राजेन्द्र नाथ के पाँच पुत्र अखिलेश कुमार, महेश कुमार, गणेश कुमार, रमेश कुमार और दिनेश कुमार हुए। अखिलेन्द्र कुमार के दो पुत्र धीरेन्द्र कुमार और अनिल कुमार हुये। धीरेन्द्र कुमार के एक पुत्र प्रियांशु हुये। महेश कुमार के एक पुत्र नितिन हुये। गणेश कुमार के दो पुत्र सत्यम और शिवम् हुये। रमेश कुमार के एक पुत्र हर्षित हुये। दिनेश कुमार अल्पायु हुये। राजेन्द्र नाथ का परिवार क्वाँती कला जिला फतेहपुर में रहते हैं। प्रेमनाथ के एक पुत्र राज कुमार के एक पुत्र आशीष हुये। प्रेम नाथ का परिवार बर्रा-7 कानपुर में रहता है। विश्वम्भर नाथ के दो पुत्र अमरनाथ और धीरेन्द्र नाथ हुये।अमरनाथ के एक पुत्र प्रखर हुये। तथा धीरेन्द्र नाथ के अभी पुत्र नहीं है। विश्वम्भर नाथ का परिवार 557 विराट नगर, अहिरवाँ, कानपुर नगर में रहता है। भोलानाथ के द्वितीय पुत्र नागेन्द्र नाथ अल्पायु हुये। भोलानाथ के तृतीय पुत्र रवीन्द्रनाथ का परिवार नहीं चला। वीरेन्द्र नाथ के एक पुत्र दीपक उपनाम त्रिलोकी नाथ हुए। त्रिलोकी नाथ के एक पुत्र संकल्प हुये। वीरेन्द्र नाथ का परिवार 10 प्रकाश नगर, इन्दौर मध्य प्रदेश में रहता है। अखिलेन्द्र नाथ के तीन पुत्र अरविन्द नाथ, राजेन्द्र नाथ और पुष्पेन्द्र नाथ हुये। अरविन्द नाथ के दो पुत्र शैलेन्द्र और विकास हुये। शैलेन्द्र के दो पुत्र रिशित और सौरीश हुये। यह परिवार 10 प्रकाश नगर, नौ लक्खा इन्दौर मध्य प्रदेश में रहता है। राजेन्द्र नाथ के एक पुत्र विशाल हुये। विशाल के एक पुत्र राधिक हुये। पुष्पेन्द्र नाथ के एक पुत्र श्रेयांश हुये। यह परिवार पाण्डेय कुंज 22/2, ऊषागंज छावनी इंदौर मध्य प्रदेश में रहते हैं। सुरेन्द्र नाथ के एक पुत्र जुगुल किशोर उपनाम योगेन्द्र नाथ हुए। योगेन्द्र नाथ के एक पुत्र अक्षय हुये। महेन्द्र नाथ के तीन पुत्र जगदीश कुमार, सुनील उपनाम छुन्नू लाल और श्याम लाल हुए। जगदीश कुमार के एक

पुत्र शुभम् हुये। शुभम के एक पुत्र अभिराज हुये सुनील के एक पुत्र आदित्य हुये। श्यामलाल के एक पुत्र रूद्रनाथ हुये। सुरेन्द्र नाथ एवं महेन्द्र नाथ दोनों भाइयों का परिवार 76 श्रद्धानन्द पार्क इन्दौर मध्य प्रदेश में रहता है। केदारनाथ के तृतीय पुत्र चंद्रधर का परिवार नहीं चला। केदारनाथ के चौथे व पाँचवे पुत्र चन्द्रशेखर व चन्द्रमौलि अल्पायु हुये।

तारानाथ के द्वितीय पुत्र कुमार बड़े वीर पुरुष हुए। इन्होंने महाराज बलवंत राव खींचीं के यहाँ निज बाहुबल से मस्त हाथी को बीच सभा में पछाड़ा था। कुमार के एक पुत्र सदासुख हुये। सदासुख के एक पुत्र महासुख हुए। महासुख का परिवार नहीं चला। ये ऊंगू के पास दरौली जिला उन्नाव में रहते थे। तारानाथ के तृतीय पुत्र मान्धाता के दो पुत्र गोपीनाथ और शिव गुलाम हुये। गोपीनाथ के दो पुत्र मथुरा प्रसाद और बेनी माधव हुये। मथुरा प्रसाद के एक पुत्र अयोध्या प्रसाद हुये। अयोध्या प्रसाद के चार पुत्र प्राणिनाथ, महाराज, ईश्वरी प्रसाद और हर सहाय हुये। प्राणिनाथ के एक पुत्र रामसेवक हुये। रामसेवक के दो पुत्र स्वामी दयाल और गुरु प्रसाद हुये। स्वामी दयाल के तीन पुत्र महेश प्रसाद, गंगा नारायण और जमुना नारायण हुये। महेश प्रसाद अल्पायु हुये। गंगा नारायण के दो पुत्र हरिश्चन्द्र और भोला नाथ हुये। हरिश्चन्द्र के दो पुत्र कृष्ण कुमार और राम कुमार हुये। कृष्ण कुमार के दो पुत्र योगेन्द्र कुमार और सतेन्द्र कुमार हुये। योगेन्द्र कुमार के एक पुत्र ईशू हुये। राम कुमार के दो पुत्र ललित मोहन और अमित कुमार हुये। ललित मोहन के एक पुत्र सार्थक हुये। हरिश्चन्द्र का परिवार खोर खजुरिया पोस्ट ददरौली भवानीपुर जिला-बाराबंकी में रहते है। भोलानाथ के एक पुत्र शंकरदीन हुये। शंकरदीन के चार पुत्र अनिल, सुनील, सुशील और सुधीर हुये। अनिल के एक पुत्र दिव्यांश हुये। जमुना नारायण के दो पुत्र अवधेश

कुमार और ज्वाला प्रसाद हुये। अवधेश कुमार के दो पुत्र जय कुमार और शिव कुमार हुये। जय कुमार के एक पुत्र रिंकू हुये। शिव कुमार के दो पुत्र प्रभात और प्रशान्त हुये। अवधेश कुमार का परिवार ग्राम बजेहरा पोस्ट भुड़कुड़ा जिला-सीतापुर में रहते है। ज्वाला प्रसाद के एक पुत्र श्रवण कुमार के एक पुत्र ओम हुये। ज्वाला प्रसाद का परिवार भिकइपुरवा पोस्ट मरौचा जिला बहराइच में रहते है। अयोध्या प्रसाद के तृतीय पुत्र ईश्वरी प्रसाद के दो पुत्र कृष्ण सेवक और विष्णु सेवक उपनाम मन्ना हुये। कृष्ण सेवक के तीन पुत्र देवी गुलाम, राम गुलाम और मंगला प्रसाद हुये। देवी गुलाम के चार पुत्र प्रथम स्त्री से चन्द्र बिहारी व द्वितीय स्त्री से सरयू प्रसाद, बद्री प्रसाद और श्याम सुन्दर हुये। चन्द्र बिहारी और सरयू प्रसाद अल्पायु हुये। राम गुलाम के तीन पुत्र श्री नारायण, अनुसुइया चरण और पुरुषोत्तम नारायण हुये। श्री नारायण के सात पुत्र प्रकाश नारायण, पद्म नारायण, प्रेम नारायण, सतीश नारायण, गिरीश नारायण, अरुण नारायण और सुधीर नारायण हुये। प्रकाश नारायण के दो पुत्र शैलन्द्र और जितेन्द्र हुये। पद्म नारायण के एक पुत्र आशुतोष हुये। प्रेम नारायण के एक पुत्र प्रशान्त नारायण हुये। प्रकाश नारायण शास्त्री नगर कानपुर में रहते हैं। प्रेम नारायण जी शेष भाइयों सहित बरेली में कटरा मुहल्ले में रहते हैं। अनुसुइया चरण 51/1(अ) कृष्णा नगर गाँधी ग्राम कानपुर में रहते थे जो अब वहां नहीं रहते है। पुरुषोत्तम नारायण के पुत्र नहीं है। मंगला प्रसाद का परिवार नहीं चला। विष्णु सेवक के एक पुत्र शिव शंकर हुये। शिव शंकर का परिवार नहीं चला। अयोध्या प्रसाद के चतुर्थ पुत्र हर सहाय के एक पुत्र भवानी प्रसाद हुये। भवानी प्रसाद के दो पुत्र जय किशोर उपनाम मन्नू और विभूत प्रसाद हुये। विभूति प्रसाद के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। भवानी प्रसाद का परिवार इलाहाबाद अतरसुइया में रहता है।

गोपीनाथ के द्वितीय पुत्र बेनी माधव के चार पुत्र माधव प्रसाद, जगन्नाथ, हरि गोविन्द और जय गोविन्द हुये। माधव प्रसाद का वंश नहीं चला। जगन्नाथ के दो पुत्र शिव सेवक और देवीदत्त हुये। शिव सेवक के दो पुत्र देवी चरण और देवी सहाय हुये। देवी चरण के एक पुत्र दयाशंकर हुये। दयाशंकर के एक पुत्र जगदीश नारायण उपनाम हीरालाल हुये। जगदीश नारायण के तीन पुत्र कृपा शंकर, शिव शंकर और गणेश शंकर हुये। कृपाशंकर के चार पुत्र दिलीप कुमार, संदीप कुमार, मनीष कुमार और आशीष कुमार हुये। दिलीप कुमार के एक पुत्र आदर्श हुये। दिलीप कुमार का परिवार सुलेम सराय प्रयागराज में रहता है। संदीप कुमार के एक पुत्र प्रखर हुये। मनीश कुमार के एक पुत्र अर्जुन हुये। आशीष कुमार के एक पुत्र हार्दिक हुये। जगदीश नारायण के दूसरे पुत्र शिवशंकर का परिवार नहीं चला। गणेश शंकर के एक पुत्र मयंक हुये। जगदीश नारायण का परिवार मु० बेरुई पोस्ट असोथर जिला फतेहपुर में रहते हैं। देवी सहाय का परिवार नहीं चला। बेनी माधव के तृतीय पुत्र हरि गोविन्द का भी परिवार नहीं चला। बेनी माधव के चतुर्थ पुत्र जय गोविन्द के एक पुत्र भैया हुये। भैया का परिवार नहीं चला। मन्धाता के द्वितीय पुत्र शिव गुलाम के चार पुत्र प्रथम स्त्री से रामनाथ, रामदत्त और रामप्रसाद तथा द्वितीय स्त्री से हरि कृष्ण हुये। रामप्रसाद के तीन पुत्र केशव, मनराखन और जीव राखन हुये। केशव के एक पुत्र सरयू प्रसाद हुये। सरयू प्रसाद के एक पुत्र वैद्यनाथ हुये। वैद्यनाथ के एक पुत्र कैलाश नाथ हुये। कैलाश नाथ के चार पुत्र रंगनाथ, चन्द्रनाथ, अमर नाथ और सिद्धनाथ हुये। रंगनाथ का परिवार नहीं चला। चन्द्र नाथ के एक पुत्र प्रसून हुये। अमरनाथ के एक पुत्र आरव हुये। सिद्धनाथ के दो पुत्र आर्यव और अद्वैत हुये। यह परिवार ग्राम सतगढ़ तहसील व थाना रायपुर कचुलियान जिला

रीवाँ मध्य प्रदेश में रहता है। मनराखन के एक पुत्र मुण्डमालेश्वर हुये। मुण्डमालेश्वर का परिवार नहीं चला। जीव राखन के दो पुत्र जागेश्वर और सिद्धेश्वर उपनाम बुद्धन हुये। जागेश्वर के एक पुत्र शिव शंकर उपनाम शंकर प्रसाद हुये। शंकर प्रसाद के चार पुत्र शिव किशोर, गजाधर प्रसाद, अभिलाष और राजन हुये। शिव किशोर के एक पुत्र सतीश कुमार हुए। सतीश कुमार के एक पुत्र शलभ हुये।शलभ के एक पुत्र शिवांग हुये। शिव किशोर जी का परिवार 128/550 वाई ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर-11 में रहता है। गजाधर प्रसाद अविवाहित रहे। अभिलाष के दो पुत्र अभिषेक और विवेक हुये। अभिलाष का परिवार 3ए/325 आवास विकास हंसपुरम नौबस्ता, कानपुर-21 में रहता है। राजन के दो पुत्र विष्णु और गोपाल हुये। राजन का परिवार 840 जे विश्वबैंक बर्रा, कानपुर में रहता है। बुद्धन उपनाम सिद्धेश्वर के एक पुत्र लक्ष्मी प्रसाद हुये। लक्ष्मी प्रसाद का परिवार नहीं चला। शिव गुलाम की द्वितीय स्त्री के चतुर्थ पुत्र हरिकृष्ण का भी परिवार नहीं चला। धर्मदत्त के द्वितीय पुत्र शिव गोविन्द का भी परिवार नहीं चला।

बाजपेई खेड़ा जिला रायबरेली

धर्मदत्त के तृतीय पुत्र बुद्धि के चार पुत्र टीकाराम, मिश्री लाल, बहोरी लाल और छनई हुये। टीकाराम के तीन पुत्र वैद्यनाथ, छोटे लाल और मन्ना लाल हुये। वैद्यनाथ के दो पुत्र मिट्ठन लाल और खुशाल हुये। मिट्ठन लाल का परिवार नहीं चला। खुशाल के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से राम सहाय व द्वितीय स्त्री से विलास और विश्वनाथ हुये। रामसहाय के एक पुत्र राम जियावन हुये। राम जियावन के तीन पुत्र मदन गोपाल, राम गोपाल और हरि गोपाल हुये। मदन गोपाल, राम गोपाल और हरि गोपाल

इन तीनों भाइयों का परिवार नहीं चला। खुशाल के दूसरे व तीसरे पुत्र विलास और विश्व नाथ के भी परिवार नहीं चला।

टीकाराम के द्वितीय पुत्र छोटे लाल के तीन पुत्र मल्ही, शिव सहाय और सुखबासी हुये। मल्ही के चार पुत्र प्रथम स्त्री से कुंज बिहारी व द्वितीय स्त्री से अवध विहारी, शिवनाथ, और लाल विहारी हुये। कुंज विहारी के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से बेनी प्रसाद और द्वितीय स्त्री से रामदयाल और चन्द्र भूषण हुये। बेनी प्रसाद के एक पुत्र रामभरोसे हुए। राम भरोसे के तीन पुत्र मारकन्डेय, नारायण दीन और रामशंकर हुए। मारकन्डेय के चार पुत्र गऊ प्रसाद, सूर्य प्रसाद, सूर्य कुमार और सूर्य पुराण हुये। गऊ प्रसाद के एक पुत्र विश्वनाथ के एक पुत्र सुनील कुमार के एक पुत्र अंशुमान हुये। सूर्य प्रसाद और सूर्य कुमार दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। सूर्य पुराण के पाँच पुत्र शोभनाथ, सिद्धिनाथ, इन्द्र नाथ, श्रीनाथ व संतोष कुमार हुए। शोभनाथ के दो पुत्र विकास कुमार और विवेक कुमार हुये। विकास के दो पुत्र केशव और कुंज हुये। विवेक के अभी पुत्र नहीं है। सिद्धनाथ और इन्द्रनाथ का परिवार नहीं चला। श्री नाथ के दो पुत्र आदर्श और अंश हुये। संतोष कुमार के एक पुत्र शशांक हुये। नारायण दीन का भी परिवार नहीं चला। राम शंकर के चार पुत्र हरि शंकर, गुरु शंकर, उमाशंकर और प्रेम शंकर हुये। हरि शंकर के एक पुत्र ललित कुमार हुये। गुरू शंकर के एक पुत्र हेमन्त कुमार हुये। उमाशंकर के एक पुत्र रवी कुमार के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। प्रेम शंकर के एक पुत्र अनमोल हुये। प्रेम शंकर का परिवार केसरबाग लखनऊ में रहता है। गुरु शंकर व उमा शंकर दोनो भाइयों का परिवार मोखी गुजरात में रहता है। सूर्य पुराण का परिवार सिंधौर तारा जिला रायबरेली में रहता है। हरि शंकर के एक पुत्र ललित कुमार के एक पुत्र आर्यन हुये। यह परिवार

तिरूखा मुराईबाग जिला रायबरेली में रहता है। कुंज बिहारी के द्वितीय पुत्र रामदयाल का परिवार नहीं चला। कुंज बिहारी के तृतीय पुत्र चन्द्र भूषण के एक पुत्र कृष्ण बिहारी हुये। कृष्ण बिहारी के चार पुत्र राम कुमार, शिव कुमार, राम कृष्ण और शिव कृष्ण हुये। राम कुमार के एक पुत्र राम प्रसाद हुये। रामप्रसाद के दो पुत्र शिव गोपाल और हरी गोपाल हुये। शिव गोपाल के एक पुत्र उत्कर्ष हुये। शिव कुमार का परिवार नहीं चला। राम कृष्ण के एक पुत्र राम गोपाल हुये। राम गोपाल के चार पुत्र रवि, उमंग, सत्यम और शिवम् हुये। शिव कृष्ण के चार पुत्र हंस कुमार, हंस प्रकाश, हंस प्रवेश और हंस प्रभात हुये। हंस कुमार के एक पुत्र सत्येन्द्र कुमार हुये। हंस प्रकाश के तीन पुत्र सत्य प्रकाश, ओम प्रकाश और राम प्रकाश हुये। हंस प्रवेश के अभी पुत्र नहीं है। हंस प्रभात के एक पुत्र चन्द्र प्रभात हुयें। कृष्ण बिहारी का परिवार छोटा गेंगासौं जिला रायबरेली में रहता है। मल्ही के द्वितीय पुत्र अवध बिहारी के एक पुत्र जगरूप हुये। जगरूप के एक पुत्र जगदेव हुये किन्तु जगदेव का परिवार नहीं चला। मल्ही के तृतीय पुत्र शिव नारायण के तीन पुत्र जगमोहन, मनमोहन और राम अधार हुये। जगमोहन और मनमोहन का परिवार नहीं चला। राम अधार के एक पुत्र नरेन्द्र कुमार हुये। नरेन्द्र कुमार के तीन पुत्र मदन मोहन, चन्द्र मोहन और सरोज हुये। मदन मोहन के दो पुत्र शिव सहाय और शीतला सहाय हुये। शिव सहाय के एक पुत्र अनुनय हुये। शीतला सहाय के दो पुत्र अभिनव और अक्षय हुये। अभिनव के एक पुत्र अथर्व हुये। चन्द्र मोहन के चार पुत्र राजेन्द्र कुमार, परमहंस, केशवानन्द और राजेश कुमार हुये। राजेन्द्र के दो पुत्र कौशल किशोर और ब्रजेश हुये। कौशल किशोर के एक पुत्र अनर्व हुये। परमहंस का परिवार नहीं चला। यह परिवार हरदासपुर गढ़ी रायबरेली में रहता है। अरूण कुमार

अविवाहित रहे। राजेश कुमार के दो पुत्र यश और हर्ष हुये। यह परिवार जानकीपुरम् लखनऊ में निवास करता है। सरोज के एक पुत्र दीपक हुये। दीपक के अभी तक पुत्र नहीं है। यह भोपाल मध्य प्रदेश में रहते है। मल्ही के चतुर्थ पुत्र लाल बिहारी के दो पुत्र शिवपाल और देवता हुये। शिवपाल के दो पुत्र हरिवंश और रघुनाथ प्रसाद हुये। हरिवंश के एक पुत्र शंकर सहाय हुय। शंकर सहाय के दो पुत्र सुशील कुमार और सुनील कुमार हुये। सुशील कुमार के एक पुत्र निशान्त हुये। सुनील कुमार के एक पुत्र नीलेश हुये। इनका परिवार म०नं० 72 प्रतापगढ़ सदर में रहता है। रघुनाथ प्रसाद के एक पुत्र विष्णु सहाय हुये। विष्णु सहाय के दो पुत्र अजय कुमार और अभय कुमार हुये। अजय कुमार के दो पुत्र कुशाग्र और प्रखर हुये। अभय कुमार के एक पुत्र विनायक हुये। लाल बिहारी के द्वितीय पुत्र देवता का परिवार नहीं चला।

छोटे लाल के द्वितीय पुत्र शिवसहाय के चार पुत्र गंगा विष्णु, बालकराम, केवल कृष्ण और केशव हुये। गंगा विष्णु के दो पुत्र शिव बोधन और शिव कुमार हुये। शिव बोधन के एक पुत्र सोमेश्वर हुये। सोमेश्वर के एक पुत्र राजकुमार हुये। राजकुमार के तीन पुत्र सुरेश चन्द्र, संजीव और अनूप हुये। सुरेश चन्द्र के दो पुत्र अनुराग और अभिषेक हुये। (नोट-सुरेशचन्द्र के पुत्र अनुराग ने अपने अथक परिश्रम से वंश का विवरण संकलित करके मुझे सहयोग किया। हम इनके बहुत ही आभारी है।) अनुराग के एक पुत्र अनुकल्प हुये। संजीव के दो पुत्र आनंद और आदर्श हुये। अनूप के अभी पुत्र नहीं है। शिव कुमार के एक पुत्र सोमदत्त हुये। सोमदत्त के एक पुत्र शिव प्रसाद हुये। शिव प्रसाद के दो पुत्र कृष्ण कुमार और विमल कुमार हुये। बालक राम के एक पुत्र गौरीपति हुये। गौरीपति का परिवार नहीं चला। केवल कृष्ण के तीन पुत्र लक्ष्मीधर,

वंशीधर और चन्द्रिका प्रसाद हुये। लक्ष्मीधर के एक पुत्र रामेश्वर हुये। रामेश्वर के तीन पुत्र राजेश्वर, कमलेश्वर और पद्म शंकर हुये। राजेश्वर के दो पुत्र अशोक कुमार और निर्मल कुमार हुये। अशोक कुमार के एक पुत्र आशीष हुये। आशीष के एक पुत्र रूद्राक्ष हुये। निर्मल कुमार के एक पुत्र अंकित हुये। यह परिवार सीतापुर में निवास करता है। कमलेश्वर का परिवार नहीं चला। पद्म शंकर के दो पुत्र आशीष और अंशुल हुये। यह परिवार लखनऊ में निवास कर रहा है। बंशीधर और चन्द्रिका प्रसाद का परिवार नहीं चला। शिव सहाय के चतुर्थ पुत्र केशव के एक पुत्र स्वयंवर नाथ हुये किन्तु स्वयंवर नाथ का परिवार नहीं चला। छोटेलाल के तृतीय पुत्र सुखबासी का भी परिवार नहीं चला।

टीकाराम के तृतीय पुत्र मुन्नालाल के दो पुत्र प्रथम स्त्री से शिवदास और द्वितीय स्त्री से तुलसी हुये। शिवदास के दो पुत्र बद्रीनाथ और बनवारी हुये। बद्रीनाथ का परिवार नहीं चला। बनवारी के दो पुत्र सदाशिव और मुरली मनोहर हुये। सदाशिव और मुरली मनोहर इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। मुन्ना लाल के तृतीय पुत्र तुलसी के चार पुत्र प्रथम स्त्री से गंगाधर व द्वितीय स्त्री से ककउवा, शीतला दीन और रज्जन हुये। गंगाधर का परिवार नहीं चला। ककउवा के एक पुत्र सूर्यमणि के तीन पुत्र राज नारायण, बिन्दादीन और श्याम नारायण हुये। राज नारायण के तीन पुत्र विनोद कुमार, राजेश कुमार और रवीन्द्र कुमार हुये। विनोद कुमार के एक पुत्र रित्विक हुये। राजेश कुमार और रवीन्द्र कुमार का परिवार नहीं चला। यह परिवार दिल्ली में रहता है। श्याम नारायण के दो पुत्र अरविन्द और अमित हुये। अरविन्द के एक पुत्र आर्यन हुये। बिन्दा दीन के एक पुत्र अंश हुये। अंश का परिवार नहीं चला। तुलसी के तृतीय पुत्र शीतला दीन के पुत्र सिद्धि गोपाल हुये।

सिद्धि गोपाल के तीन पुत्र लक्ष्मीकांत, श्रीकांत और शिवकांत हुये। लक्ष्मी कांत के दो पुत्र विनोद कुमार और सुशील कुमार हुये। विनोद कुमार के दो पुत्र सचिन और नितिन हुये। सचिन के एक पुत्र वेदांश हुये। सुशील कुमार के एक पुत्र आयुष हुये। श्रीकांत के दो पुत्र अशोक कुमार और दिनेश कुमार हुये। अशोक कुमार का परिवार नहीं चला। दिनेश कुमार के अभी पुत्र नहीं है। शिवाकान्त का परिवार नहीं चला। तुलसी के चतुर्थ पुत्र रज्जन के एक पुत्र गहरेश्वर हुये। गहरेश्वर अल्पायु हुये। बुद्धि के द्वितीय पुत्र मिश्री लाल का परिवार नहीं चला।

कठारा जिला कानपुर नगर

बुद्धि के तृतीय पुत्र बहोरी लाल के एक पुत्र बसावन लाल हुये। बसावन लाल के पाँच पुत्र देवीदीन, लाला, चन्दीदीन, मदारी लाल और अधारी लाल हुये। देवीदीन के चार पुत्र कालिका प्रसाद, सदासुख, शिव नारायण और मनीराम हुये। कालिका प्रसाद के तीन पुत्र महादेव, रामदयाल और शिवदर्शन हुये। महादेव के दो पुत्र प्रथम स्त्री से शिवसागर लाल व द्वितीय स्त्री से मनराखन लाल हुये। शिवसागर लाल के एक पुत्र प्रभूशंकर उपनाम छेदनी हुये। प्रभू शंकर के अभी परिवार नहीं है। मनराखन लाल के एक पुत्र विष्णु दत्त हुये। विष्णु दत्त के चार पुत्र राजेन्द्र प्रसाद, अशोक कुमार, अरुण कुमार और अनूप कुमार हुये। राजेन्द्र प्रसाद के दो पुत्र सुधांशु और गौरव हुये। अशोक कुमार के दो पुत्र मानस और विराट हुये। अरूण कुमार के एक पुत्र शुभांकर हुये। अनूप कुमार का परिवार नहीं चला। अशोक कुमार और अरूण कुमार दोनो भाइयों का परिवार 128/926 वाई ब्लाक किदवई नगर, कानपुर-11 में रहता है। राजेन्द्र प्रसाद का परिवार 35/131 इटावा बाजार, कानपुर में रहता है। रामदयाल

अल्पायु हुये। शिवदर्शन के तीन पुत्र ब्रजभूषण, जगन्नाथ और बैजनाथ हुये। ब्रजभूषण के दो पुत्र त्रिभुवन दत्त और रवीन्द्र उननाम मुनार हुये। त्रिभुवन दत्त का परिवार नहीं चला। रवीन्द्र के एक पुत्र पंकज के एक पुत्र प्रेषक हुयें रवीन्द्र का परिवार 12/46 ग्वालटोली कानपुर में रहता है। जगन्नाथ के दो पुत्र सरयू प्रसाद एवं यमुना प्रसाद हुये। सरयू प्रसाद के तीन पुत्र सुरेश चन्द्र, रमेश चन्द्र और महेश चन्द्र हुये। सुरेश चन्द्र के एक पुत्र अतुल हुये। रमेश चन्द्र का परिवार नहीं चला। महेश चन्द्र के एक पुत्र देवांश हुये। यह परिवार सुशीला सदन रोडवेज बस स्टैण्ड के पीछे सरायमीरा, जिला-कन्नौज में रहता है। जगन्नाथ के द्वितीय पुत्र यमुना प्रसाद के एक पुत्र ललित कुमार हुये। ललित कुमार के दो पुत्र आनन्द और वीरन्द्र हुये। आनन्द के एक पुत्र काव्यांश हुये। ललित कुमार का परिवार वर्तमान में 106/51 ए गांधी नगर कानपुर नगर में रहता है। बैजनाथ का परिवार नहीं चला। देवीदीन के तृतीय पुत्र सदासुख के एक पुत्र युगुल किशोर हुये। युगुल किशोर के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से गंगासागर व द्वितीय स्त्री से शिवनंदन लाल और श्याम सुन्दर हुये। गंगासागर के एक पुत्र रामनिधि हुये। रामनिधि के तीन पुत्र शम्भूनाथ, महेशनाथ और रुद्र नारायण हुये। महेश नाथ के एक पुत्र पिंटू हुये। रुद्र नारायण का परिवार नहीं चला। शिवनंदन लाल के दो पुत्र आनन्देश्वर और चन्द्रशेखर हुये। आनन्देश्वर के तीन पुत्र सुरेश नारायण, रमेश चन्द्र और दिनेश कुमार हुये। सुरेश नारायण के एक पुत्र आशीष हुये। सुरेश नारायण का परिवार बक्तौरीपुरवा, नौबस्ता, कानपुर में रहता है। रमेश चन्द्र के दो पुत्र अभिषेक और अंकित हुये। रमेश चन्द्र का परिवार दतिया गेट बाहर झांसी में रहता है। दिनेश कुमार के एक पुत्र कुनाल हुये। दिनेश कुमार का परिवार रामादेवी कानपुर में रहता है। चन्द्रेश्वर अल्पायु हुये। श्याम

सुन्दर के तीन पुत्र श्रीकृष्ण नारायण, ब्रज नारायण और श्रीनारायण हुये। श्रीकृष्ण नारायण के एक पुत्र श्याम नारायण हुये। श्याम नारायण के दो पुत्र शशि शेखर और सुधांशु शेखर हुये। ब्रज नारायण के तीन पुत्र विनोद कुमार, योगेश कुमार और राकेश कुमार हुये। विनोद कुमार के एक पुत्र गौरव हुये। योगेश कुमार के एक पुत्र आशीष हुये। राकेश कुमार के अभी पुत्र नहीं। ब्रज नारायण का परिवार 39/17 मेस्टन रोड कानपुर में रहता है। श्याम सुन्दर के तृतीय पुत्र श्रीनारायण के एक पुत्र राजू के एक पुत्र दिवस हुये। देवीदीन के तृतीय पुत्र शिव नारायण का परिवार नहीं चला। देवीदीन के चतुर्थ पुत्र मनीराम के एक पुत्र रघुनन्दन लाल हुये। रघुनन्दन लाल के एक पुत्र छोटे लाल हुये। छोटेलाल के तीन पुत्र गिरजा शंकर, काली शंकर उपनाम बब्बू और गणेश शंकर उपनाम राजा हुये। गिरजा शंकर का परिवार नहीं चला। काली शंकर के दो पुत्र राहुल और गोविन्द हुये। गणेश शंकर अविवाहित रहे। काली शंकर का परिवार मकान नं० 160 ग्राम व पोस्ट कठारा कानपुर नगर में रहते है। इस शाख का पता राम नारायण पाण्डेय चौक सर्राफा कानपुर द्वारा प्राप्त हुआ था।

बसावन लाल के द्वितीय पुत्र लाला के तीन पुत्र दुर्गा प्रसाद, मंगली प्रसाद, मनीराम उपनाम मन्ना लाल हुये। दुर्गा प्रसाद के दो पुत्र गंगासेवक और शिवचरण हुये। गंगा सेवक बड़े वीर और योग्य पुरुष हुये। ब्रिटिश सरकार से इन्हें सूबेदार मेजर बहादुर ओ.बी.ई. की उपाधि प्राप्त हुई। इनको ब्रिटिश सरकार से छै सौ बीघा ज़मीन मिली हुई थी। यह पड़री जिला उन्नाव में रहे और वहाँ पर इनके बनवाये शिवाला और चौरासी आदि दार्शनिक स्थान हैं। सूबेदार गंगा सेवक के एक पुत्र शिवदयाल हुये। शिवदयाल के तीन पुत्र जगन्नाथ, बद्री प्रसाद और विश्वनाथ हुये। जगन्नाथ के चार पुत्र जगत नारायण, श्रीनारायण, इंद्र

नारायण और कृष्ण नारायण हुये। जगत नारायण के पाँच पुत्र विनोद कुमार, अशोक कुमार, दिनेश कुमार, महेश कुमार और विमलेश कुमार हुये। विनोद कुमार के दो पुत्र नीरज और मग्गू हुये। नीरज के दो पुत्र छुटकू और बड़कू हुये। मग्गू के एक पुत्र शिवम हुये। अशोक कुमार के चार पुत्र अभिषेक, विवेक, ज्ञानेन्द्र और आयुष हुये। दिनेश कुमार के दो पुत्र अंशु और अमित हुये। महेश कुमार के दो पुत्र आनन्द व अंकुर हुये। आनन्द अल्पायु हुये। विमलेश कुमार के एक पुत्र शोभित हुये। ब्रदी प्रसाद का परिवार नहीं चला। विश्वनाथ के एक पुत्र सत्य नारायण हुये। सत्य नारायण के चार पुत्र विनय कुमार, अरूण कुमार, राहुल और आकाश हुये। विनय कुमार के एक पुत्र अनुभव हुये। अरूण कुमार के एक पुत्र मनु हुये। राहुल के एक पुत्र राघव हुये। श्रीनारायण का परिवार नहीं चला। यह परिवार मुकाम सूबेदार खेड़ा पोस्ट कांथा जिला उन्नाव में रहता हैं। इन्द्र नारायण के पाँच पुत्र संतोष कुमार, उमेश कुमार, राजेन्द्र कुमार, कमलेश कुमार व एक नाम अज्ञात हुये। संतोष कुमार और उमेश कुमार दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। राजेन्द्र कुमार के एक पुत्र अंश हुये। कमलेश कुमार के दो पुत्र मक्कू और कृष्णा हुये। इन्द्र नारायण का परिवार 269/72 बिरहाना पाण्ड़ेगंज लखनऊ में रहते हैं। कृष्ण नारायण के दो पुत्र मनोज कुमार और सुनील कुमार हुये। मनोज कुमार के दो पुत्र अमित और सुमित हुये। सुनील कुमार के दो पुत्र शिवा व आर्दश हुये। यह परिवार सुबेदार खेड़ा पो0 कांथा जिला उन्नाव में रहते है। शिव दयाल के द्वितीय पुत्र बद्री प्रसाद का परिवार नहीं चला। शिवदयाल के तृतीय पुत्र विश्वनाथ के एक पुत्र सत्य नारायण हुये। सत्य नारायण के दो पुत्र संजय कुमार और श्याम कुमार हुये। दुर्गा प्रसाद के द्वितीय पुत्र शिवचरण का परिवार नहीं चला। लाला के द्वितीय पुत्र

मंगली प्रसाद के दो पुत्र आनन्दी दीन और दयाशंकर हुये। आनन्दी दीन के एक पुत्र चन्द्रशेखर हुये। चन्द्रशेखर के एक पुत्र विद्या भूषण हुये। विद्या भूषण के दो पुत्र दया नारायण और हृदय नारायण हुये। दया नारायण का परिवार नहीं चला हैं। हृदय नारायण के दो पुत्र अश्वनी कुमार उपनाम लल्लन और अनिल कुमार उपनाम पुतन्नी हुये। अश्वनी कुमार के तीन पुत्र राहुल कुमार शुभम् और रितेष हुये। राहुल कुमार के तीन पुत्र अनिकेत अनमोल और रिषि हुये। शुभम के एक पुत्र कार्तिक हुये। अनिल कुमार उपनाम पुतन्नी अल्पायु हुये। अश्वनी कुमार का परिवार पड़रीकला, जिला-उन्नाव में रहता है। दयाशंकर के एक पुत्र ब्रजबिहारी लाल हुये। ब्रजबिहारी लाल के दो पुत्र वंशीधर और देवी शंकर हुये। बंशीधर के तीन पुत्र जगदीश नारायण, अलख नारायण और देव नारायण हुये। जगदीश नारायण के एक पुत्र महेन्द्र कुमार और महेन्द्र कुमार के दो पुत्र अमित और सुमित हुये। अमित के एक पुत्र वन्दनीय हुये। सुमित के एक पुत्र उत्कर्ष हुये। अलख नारायण के तीन पुत्र अवधेश कुमार, सुरेन्द्र कुमार और राजेन्द्र कुमार हुये। अवधेश कुमार के दो पुत्र विपिन कुमार और जीतेन्द्र हुये। विपिन के दो पुत्र आयुष और पीयूष हुये। जीतेन्द्र के एक पुत्र श्रीहरि हुये। सुरेन्द्र कुमार के दो पुत्र सचिन व नितिन हुये। सचिन के एक पुत्र प्रत्यूष हुये। नितिन के एक पुत्र श्रीहरि हुये। महेन्द्र कुमार का परिवार 250 सी-ब्लाक श्याम नगर कानपुर में रहता है। देव नारायण के दो पुत्र राकेश कुमार और अनिल कुमार हुये। देवीशंकर के दो पुत्र चन्द्र नारायण और गोविन्द नारायण हुये। चन्द्र नारायण अविवाहित रहे। गोविन्द नारायण के छै पुत्र वीरेन्द्र कुमार, सर्वेश, गंगा नारायण, संजय, दिलीप कुमार और ओम प्रकाश हुये। वीरेन्द्र कुमार के एक पुत्र शिवम् हुये। सर्वेश के एक पुत्र मानस

हुये। गंगा नारायण के तीन पुत्र अनुराग, अनुज और अमन हुये। संजय के तीन पुत्र सोम, आकाश और हरिओम हुये। दिलीप के अभी पुत्र नहीं। ओम प्रकाश के एक पुत्र कृष्णा हुये। संजय का परिवार पड़रीकला जिला उन्नाव में रहता है। लाला के तृतीय पुत्र मन्नालाल के एक पुत्र प्रेम शंकर हुये। प्रेम शंकर के एक पुत्र शिव गोविन्द हुये किन्तु शिवगोविन्द का परिवार नहीं चला। बसावन लाल के तृतीय पुत्र चन्दीदीन का भी परिवार नहीं चला।

बसावन लाल के चतुर्थ पुत्र मदारी लाल के दो पुत्र सूर्य प्रसाद और द्वारिका प्रसाद उपनाम कुंजी लाल हुए। सूर्य प्रसाद के तीन पुत्र गया प्रसाद, शिव शंकर और रघुवर दयाल हुये। गया प्रसाद के दो पुत्र मन्नू लाल और राजाराम हुये। मन्नू लाल के एक पुत्र बलदेव प्रसाद हुये। बलदेव प्रसाद के दो पुत्र करुणा शंकर और रामशंकर हुये। करुणा शंकर के दो पुत्र गिरीश कुमार और ज्ञानेन्द्र कुमार हुए। गिरीश कुमार का एक पुत्र रवीश हुये। रमाशंकर अविवाहित रहे। करूणा शंकर का परिवार कठारा जिला-कानपुर में रहता है। राजाराम के एक पुत्र जगत नारायण हुए। जगत नारायण के एक पुत्र रामआसरे हुए। राम आसरे के एक पुत्र राजेश कुमार हुये। राजेश कुमार के दो पुत्र आशीष और अभिषेक हुये। राम आसरे का परिवार 116/600 आनन्द नगर, रावतपुर गाँव कानपुर नगर में रहता है। सूर्य प्रसाद के द्वितीय पुत्र शिव शंकर के दो पुत्र लक्ष्मी नारायण और कैलाश नारायण हुये। लक्ष्मी नारायण का परिवार नहीं चला। कैलाश नारायण के दो पुत्र रूप नारायण और रमेश कुमार हुये। रूप नारायण के चार पुत्र आशुतोष, प्रशांत, राहुल और अमित हुये। रमेश कुमार के दो पुत्र नीलेश और नितेश हुये। नीलेश के अभी पुत्र नहीं। नितेश के एक पुत्र त्रिशिव हुये। कैलाश नारायण का परिवार 223/1

नरोत्तम नागर वेल हनुमान रखियाल रोड अहमदाबाद-380023 गुजरात में रहता है। रघुवर दयाल के एक पुत्र राम नारायण हुये। बसावन लाल के पंचम पुत्र अधारी लाल के एक पुत्र लल्लू हुये। लल्लू के चार पुत्र प्रथम स्त्री से शिव दुलारे व द्वितीय स्त्री से शिवमंगल, शिवभजन और रामसेवक हुये। शिवदुलारे के एक पुत्र प्रयाग दत्त उपनाम मनियां हुयें। प्रयाग दत्त के तीन पुत्र गिरजा, गौरी व एक पुत्र का नाम अज्ञात हुये। प्रयाग दत्त दुगवां सफीपुर के पास जिला उन्नाव में रहते हैं। शिव मंगल के एक पुत्र रामचरन का परिवार नहीं चला। शिवभजन के चार पुत्र प्रथम स्त्री से राम नारायण और द्वितीय स्त्री से रामकिशोर, रामकुमार और शिव कुमार हुये। राम नारायण के एक पुत्र महाबीर हुये। महाबीर के दो पुत्र सिद्धिनाथ और बिटक्कू हुये। रामकिशोर के दो पुत्र राजेन्द्र कुमार और रावेन्द्र कुमार हुये। राजेन्द्र कुमार के तीन पुत्र शैलेन्द्र कुमार विपिन कुमार और अवनेन्द कुमार हुये। शैलेन्द्र कुमार के एक पुत्र शिब्बू हुये। विपिन कुमार के एक पुत्र तनय हुये। अवनेन्द्र कुमार के एक पुत्र वेद हुये। रामकुमार के तीन पुत्र दिलीप कुमार, अशु और गुड्डी हुये। शिव कुमार के तीन पुत्र अजय कुमार, विनोद कुमार और अजीत कुमार उपनाम बिन्नू हुये। अजय कुमार के एक पुत्र प्रशांत हुये। अवधेश के एक पुत्र मुन्ना हुये। बिन्नू का परिवार नहीं चला। रामेन्द्र कुमार का भी परिवार नहीं चला। रामसेवक का परिवार नहीं चला। लल्लू का शेष परिवार चमरौली जिला उन्नाव में रहता है।

बुद्धि के चतुर्थ पुत्र छनई के दो पुत्र माखन और गोबरे लाल हुये। माखन का परिवार नहीं चला। गोबरे लाल के तीन पुत्र जगन्नाथ, बृजलाल और शंकर लाल हुये। जगन्नाथ के एक पुत्र शिव नारायण हुये। शिव नारायण के एक पुत्र राम बिहारी हुये। राम बिहारी घाटमपुर जिला उन्नाव

में पूर्व वर्णित संस्करण में रहते थे किन्तु घाटमपुर में शिव नारायण के पुत्र राम बिहारी का कोई पता नहीं लगा। सम्भवत: उक्त परिवार नहीं चला।

गोबरे लाल के द्वितीय पुत्र बृजलाल का परिवार नहीं चला। गोबरे लाल के तृतीय पुत्र शंकर लाल के एक पुत्र बटुक बिहारी हुये। बटुक बिहारी का परिवार नहीं चला।

विद्याधर के द्वितीय पुत्र लोकनाथ उपनाम लोकई के वंश का भी कोई सूत्र पता नहीं लगा सम्भवत: यह परिवार भी पूर्व संस्करणों को देखते हुये परिवार न चलने का ही अनुमान है।

(इति मनीराम वंश वर्णन समाप्त)

अथ गिरधर वंश वर्णन प्रारम्भ

श्री परमू जी के पंचम पुत्र घनश्याम बड़े ही सुयोग्य और प्रतापी पुरुष हुये। इनके दो पुत्र गिरधर और गंगाराम हुये। गिरधर अत्यन्त पराक्रमी और विद्वान सभा चतुर हुये। इनसे जो वंश चला वे सब गिरधर के आसामी कहाये।

गिरधर के एक पुत्र परशुराम हुये। परशुराम के दो पुत्र मार्कन्डेय और धीर हुये। मार्कन्डेय के दो पुत्र हरिकृष्ण उपनाम परम कृष्ण और बाल कृष्ण हुये। हरिकृष्ण के एक पुत्र अमृत लाल हुये अमृत लाल के एक पुत्र शीतल प्रसाद हुये। शीतल प्रसाद के एक पुत्र तुलाराम हुये। तुलाराम के दो पुत्र कुंज बिहारी और बछऊ लाल हुये। कुंज बिहारी के एक पुत्र साधोराम हुये। साधोराम के चार पुत्र रामसहाय, सालिकराम, सीतराम और रामप्रसाद हुये किन्तु इन चारों भाइयों का परिवार नहीं चला। तुलाराम के द्वितीय पुत्र बछऊ लाल जी व्याकरण साहित्य वेद तथा वेदान्त के प्रवीण पंडित थे इनके एक पुत्र जवाहर लाल हुये यह दुबेपुर जिला उन्नाव में सपरिवार रहे। जवाहर लाल जी बड़े योग्य और सभा चतुर पुरुष हुये। जवाहर लाल के एक पुत्र वंश गोपाल हुये। वंश गोपाल के एक पुत्र गुरदीन लाल हुये। गुरदीन लाल के पाँच पुत्र गंगा प्रसाद उपनाम मनोहर लाल, मदारी लाल, बलभद्र प्रसाद, राधाकृष्ण और भगवत दत्त हुये। मनोहर लाल के दो पुत्र यज्ञदत्त और उमादत्त हुये। यज्ञदत्त के तीन पुत्र शिव बिहारी, श्याम बिहारी और कैलाश बिहारी हुये। शिव बिहारी के दो पुत्र प्रकाश चन्द्र और रमेश चन्द्र हुये। प्रकाश चन्द्र के तीन पुत्र प्रफुल्ल चन्द्र अमेरिका में हैं, सुनील गुजरात में एस. पी.

हैं और दयाशंकर उर्फ टोनी नरही में एम.बी.बी.एस. डॉक्टर हैं। रमेश चन्द्र के एक पुत्र मोहिनी उन्नाव में रहते हैं। श्याम बिहारी अल्पायु हुये। कैलाश बिहारी के दो पुत्र कृष्ण चन्द्र उपनाम बब्बू और दूसरे का नाम अज्ञात हुये। उमादत्त बड़े ही स्वाभिमानी और वीर पुरुष हुये इन्होंने उन्नीस सौ चौदह की लड़ाई में कर्नल को गोलीमार कर आत्महत्या कर ली थी। इनका परिवार नहीं चला।

गुरुदीन के द्वितीय पुत्र मदारी लाल के दो पुत्र ब्रह्मदत्त और शिवदत्त हुये। ब्रह्मदत्त के एक पुत्र काली प्रसाद हुये। काली प्रसाद के दो पुत्र वेद प्रकाश और ओम प्रकाश हुये। वेद प्रकाश के दो पुत्र राजेश और उमेश हुये। राजेश का परिवार नहीं चला। उमेश के दो पुत्र वत्सल और विधिज्ञ हुये। ओम प्रकाश के दो पुत्र संजय और विपिन हुये। संजय के एक पुत्र शिवम् हुये। विपिन के एक पुत्र राघव हुये। वेद प्रकाश जी मु० देवीपुर पोस्ट कांथा जिला उन्नाव में रहते हैं। ओम प्रकाश के एक पुत्र संजय दुबेपुर जिला उन्नाव में रहते हैं। मदारी के द्वितीय पुत्र शिवदत्त का परिवार नहीं चला। गुरुदीन लाल के तृतीय पुत्र बलभद्र प्रसाद के एक पुत्र रुद्रदत्त हुये किन्तु रुद्रदत्त अल्पायु हुये। गुरुदीन लाल के चतुर्थ पुत्र राधा कृष्ण के एक पुत्र भौमदत्त भी अल्पायु हुये। गुरुदीन लाल के पंचम पुत्र भगवत दत्त के एक पुत्र गणेश दत्त हुये। गणेश दत्त के एक पुत्र शीतला प्रसाद हुये। शीतला प्रसाद के तीन पुत्र सुभाष चन्द्र, शरद चन्द्र और ज्ञान चन्द्र हुये। सुभाष चन्द्र के दो पुत्र मनीष और विजय हुये। शरदचन्द्र के एक पुत्र आशीष हुये। ज्ञान चन्द्र के एक पुत्र अभय हुये। शीतला प्रसाद का परिवार दुबेपुर भैसंई के पास जिला उन्नाव में रहता है।

मारकंडेय के द्वितीय पुत्र बालकृष्ण के चार पुत्र प्रथम स्त्री से गुणाकर और बेनीजन तथा द्वितीय स्त्री से शीतल बक्स और गंगादीन

हुये। गुणाकर के दो पुत्र मुन्ना लाल उपनाम लोधई और गयादत्त हुये। मुन्ना लाल उपनाम लोधई के तीन पुत्र अयोध्या प्रसाद, संकठा प्रसाद और रमेश हुये। अयोध्या प्रसाद के तीन पुत्र सीताराम, दुर्गा प्रसाद और ब्रह्मदत्त उपनाम गुमान हुये। सीताराम के एक पुत्र भवदत्त हुये। भवदत्त का परिवार नहीं चला। दुर्गा प्रसाद के एक पुत्र बद्रीनाथ उपनाम बदली हुये। बद्रीनाथ उपनाम बदली के चार पुत्र प्रथम स्त्री से रामचरण और राम भजन तथा द्वितीय स्त्री से रामदयाल और रामरतन हुये। रामचरण का परिवार नहीं चला। रामभजन के दो पुत्र जानकी प्रसाद और लक्ष्मी नारायण हुये। जानकी प्रसाद के दो पुत्र मुरली मनोहर और श्याम मनोहर हुये। मुरली मनोहर के पाँच पुत्र कृष्ण मनोहर, राम मनोहर, लाल मनोहर, कैलाश मनोहर और शिव मनोहर हुये। कृष्ण मनोहर के तीन पुत्र संतोष कुमार, सुशील कुमार और कौशल कुमार हुये। संतोष कुमार के एक पुत्र अभिषेक हुये। यह परिवार इटारसी मध्य प्रदेश में रहते है। सुशील कुमार के एक पुत्र युग हुये। कौशल कुमार के एक पुत्र कार्तिकेय हुये। सुशील कुमार व कौशल कुमार दोनों भाइयों का परिवार दीनशाह गौरा जिला-रायबरेली में रहता है। राम मनोहर के तीन पुत्र शशीकान्त, कमलकांत और रविकांत हुये। शशिकान्त के एक पुत्र शिवांश हुये। लाल मनोहर के चार पुत्र अभिषेक, अभिलेख, अमितेश और अजितेश हुये। अभिषेक के एक पुत्र अंकित हुये। अभिलेख एक पुत्र श्रेयश हुये। अमितेश के एक पुत्र अभ्युउदय हुये। अजितेश के दो पुत्र आर्य और अथर्व हुये। शिव मनोहर के एक पुत्र उपमन्य के पुत्र अक्षय हुये। कैलाश मनोहर और श्याम मनोहर का परिवार नहीं चला। लाल मनोहर का परिवार भिलाई छत्तीसगढ़ में रहता है। राम मनोहर और शिव मनोहर जो कि पत्रकार है। आचार्य द्विवेदी नगर जेल रोड रायबरेली में रहते है। राम

मनोहर के द्वितीय पुत्र कमलकान्त का परिवार मुकाम व पोस्ट कुरावली जिला-मैनपुरी में रहते है।

लक्ष्मी नारायण के तीन पुत्र श्रीनारायण, देवी नारायण और त्रिलोकी नारायण हुये। श्रीनारायण के एक पुत्र चक्रनारायण हुये। चक्रनारायण के तीन पुत्र सच्चिदानन्द, सर्वदानन्द और सम्पूर्णानन्द हुये। सच्चिदानन्द के दो पुत्र आनन्द और शिवानन्द हुये। सर्वदानन्द के दो पुत्र सौरभ और ऋषभ हुये। सम्पूर्णानन्द के एक पुत्र आयुष हुये। देवी नारायण के परिवार नहीं चला। त्रिलोकी नारायण के तीन पुत्र रवि नारायण, राज नारायण और शशि नारायण हुये। रवि नारायण के तीन पुत्र गिरजेश कुमार, दिनेश कुमार और विनोद कुमार हुये। विनोद के एक पुत्र विवेक हुये। राज नारायाण के दो पुत्र शिव नारायण व सत्य नारायण हुये। शशिनारायण के दो पुत्र हरिओम और ओम हुये। सच्चिदानन्द व सर्वदानन्द दोनो भाईयों का परिवार रायबरेली शहर में रहता है। चक्र नारायण और सम्पूर्णानन्द का परिवार मुहल्ला पोस्ट दीनशाह गौरा जिला रायबेरली में निवास करता है।

बद्रीनाथ उपनाम बदली के द्वितीय स्त्री के तृतीय पुत्र रामदयाल के एक पुत्र परमेश्वर हुये। रामेश्वर का परिवार नहीं चला यह अप्सरी जिला रायबेरली में रहते थे। बद्रीनाथ के चतुर्थ पत्र रामरतन के दो पुत्र रामराखन और गोपेश्वर हुये। रामराखन अल्पायु हुये। गोपेश्वर के तीन पुत्र शंकर विशाल, जालिया प्रसाद और लक्ष्मी शंकर हुये। शंकर विशाल के दो पुत्र श्याम नारायण और प्रेम शंकर हुये। श्याम नारायण के एक पुत्र मनीष हुये। प्रेम शंकर के एक पुत्र प्रियांशु हुये। जालिया प्रसाद के एक पुत्र रामबाबू हुये। रामबाबू के दो पुत्र अभिलाष कुमार और आशुतोष हुये। लक्ष्मी शंकर के परिवार नहीं चला। गोपेश्वर का

परिवार अप्सरी जिला रायबरेली में रहता है।

अयोध्या प्रसाद के तृतीय पुत्र ब्रह्मदत्त उपनाम गुमान के तीन पुत्र गंगा सेवक उपनाम बाबूराम, गया सहाय उपनाम लाला और रामसहाय हुये। गंगासेवक उपनाम बाबूराम के एक पुत्र रामप्रसाद हुये। रामप्रसाद के परिवार नहीं चला। गया सहाय उपनाम लाला के एक पुत्र रामसेवक हुये। रामसेवक का भी परिवार नहीं चला। रामसहाय के तीन पुत्र रामरतन, रामअधार और राम अधीन हुये। रामरतन के दो पुत्र रामविलास और रामशंकर हुये। रामविलास के एक पुत्र रामभरोसे हुये। रामभरोसे का परिवार नहीं चला। रामशंकर का भी परिवार नहीं चला। रामसहाय के दूसरे पुत्र रामअधार के एक पुत्र रामबिहारी हुये। राम बिहारी अल्पायु हुये। रामसहाय के तृतीय पुत्र राम अधीन के तीन पुत्र रामचन्द्र, रामकुमार और रामलाल हुये। रामचन्द्र के दो पुत्र रामेन्द्र नाथ और राजेन्द्र नाथ हुये। राजेन्द्र नाथ के दो पुत्र दीपराज और विनय राज हुये। रामकुमार का परिवार नहीं चला। रामलाल के अभी पुत्र नहीं हैं। रामअधीन का परिवार नम्बर 9 प्रताप घोष लेन सिंघी बगान दू. नं. 165 कलकत्ता में रहते हैं। मुन्नालाल उपनाम लोधई के दूसरे पुत्र संकठा प्रसाद के एक पुत्र प्राणिनाथ हुये। प्राणिनाथ के दो पुत्र बलभद्र प्रसाद और शिवसेवक हुये। बलभद्र प्रसाद के दो पुत्र विद्याधर और मनराखन हुये। विद्याधर के एक पुत्र गिरजापति हुये। गिरजापति के दो पुत्र चन्द्रशेखर और चन्द्रभूषण हुये। चन्द्रशेखर के एक पुत्र सूर्य नारायण हुये। सूर्य नारायण के चार पुत्र अदित्य नारायण, जगदीश नारायण उपनाम अतुल नारायण, अरविन्द नारायण और अखिलेश नारायण हुये। आदित्य नारायण के एक पुत्र सास्वत हुये। जगदीश नारायण अविवाहित रहे। अरविन्द नारायण के एक पुत्र शिवांश हुये। अखिलेश नारायण के अभी पुत्र नहीं है। चन्द्रभूषण

के अभी परिवार नहीं है। सूर्य नारायण का समस्त परिवार 109/355 चन्द्र सदन, रामकृष्ण नगर कानपुर 12 में निवास करते हैं। बलभद्र के द्वितीय पुत्र मनराखन के दो पुत्र भगवती प्रसाद और शीतल प्रसाद हुये। भगवती प्रसाद के दो पुत्र दुर्गा प्रसाद और देवी प्रसाद हुये। दुर्गा प्रसाद जी के अभी पुत्र नहीं। यह कार्यकारी अभियन्ता रायपुर छत्तीसगढ़ में सेवारत थे। देवी प्रसाद के एक पुत्र आशुतोष हुये। शीतल प्रसाद के अभी पुत्र नहीं है। शीतल प्रसाद जी मुहल्ला पोस्ट गोड़पारा जिला विलासपुर छत्तीगढ़ में निवास करते हैं। प्राणिनाथ के द्वितीय पुत्र शिवसेवक के एक पुत्र देवीदत्त हुये। देवीदत्त के दो पुत्र शिवसागर और रामरतन हुये। शिवसागर का परिवार नहीं चला। रामरतन के एक पुत्र रामशंकर हुये। देवीदत्त का समस्त परिवार साहिला जिला उन्नाव में रहता है।

मुन्नालाल उपनाम लोधई के तृतीय पुत्र परमेश के एक पुत्र हरिदत्त उपनाम सुमान हुए। हरिदत्त के एक पुत्र भगवानदीन हुये। भगवानदीन के दो पुत्र महादेव और कन्हैया लाल हुये। महादेव पुराने रकाबगंज लखनऊ में रहते थे, पर अब किसी सूत्र का पता नहीं है। पूर्व संस्करण में उनके एक पुत्र होने का भी वृत्तान्त है किन्तु उसका नाम अज्ञात था। कन्हैया प्रसाद का परिवार नहीं चला।

गुणाकर के द्वितीय पुत्र गयादत्त के पाँच पुत्र मंगल प्रसाद, रामदयाल, महाप्रसाद उपनाम खुद्दू, तुलसीराम और अम्बिका प्रसाद हुये। मंगल प्रसाद का परिवार नहीं चला। रामदयाल के दो पुत्र लक्ष्मी नारायण और जानकी प्रसाद हुये। लक्ष्मी नारायण के चार पुत्र वेणी माधो, वेणी सहाय, वेणी सेवक उपनाम साधोराम और वेणी चरण उपनाम माधो राम हुए। वेणी माधो के एक पुत्र प्रयाग दत्त हुए। प्रयाग दत्त के एक पुत्र परमेश्वर दयाल के चार पुत्र परमानन्द, नित्यानन्द, सच्चिदानन्द और

आत्मानन्द हुये। परमानन्द का परिवार नहीं चला। नित्यानन्द के एक पुत्र रमेश चन्द्र हुये। यह परिवार गोला गोकरन नाथ जिला-लखीमपुर खीरी में रहता है। सच्चिानन्द के छः पुत्र अनिल कुमार, आदर्श कुमार, दिलीप कुमार, प्रदीप कुमार, सुनील कुमार और डा० राजीव कुमार हुये। अनिल कुमार के दो पुत्र अनुज और अमित हुये। अनुज के एक पुत्र अनीष हुये। अमित के दो पुत्र आदित्य और अमोघ हुये । आदर्श कुमार के एक पुत्र पीयूष के एक पुत्र स्वेताँक हुये। डा० दिलीप कुमार के दो पुत्र अनुराग और अभिषेक हुये। अनुराग के एक पुत्र प्रियांश हुये। ये परिवार उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड के रहता है। प्रदीप कुमार का परिवार नहीं चला तथा सुनील कुमार का भी परिवार नहीं चला। डा० राजीव कुमार के एक पुत्र डा० सिद्धार्थ हुये। ये परिवार पुवावाँ जिला शाहजहाँपुर में रहता है। आत्मानन्द के दो पुत्र आलोक राज और देवेश राज हुये। आलोकराज और देवेशराज इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। आलोक राज और देवेश राज का परिवार तीरथ नगर, लखीमपुर खीरी में रहता है। लक्ष्मी नाथ के दूसरे पुत्र बेनीसहॉय का परिवार नहीं चला। बेणीसेवक उपनाम साधूराम के दो पुत्र महादेव प्रसाद और अयोध्या प्रसाद हुये। महादेव प्रसाद के एक पुत्र बृजराम हुये। अयोध्या प्रसाद के तीन पुत्र जगन्नाथ प्रसाद, कमलाकांत और रमाकांत हुये। जगन्नाथ प्रसाद के दो पुत्र रामबाबू और श्याम बाबू हुये। रामबाबू के दो पुत्र विजुल कुमार और विमल कुमार हुये। विजुल कुमार के दो पुत्र विवेक कुमार और अभिषेक कुमार हुये। विमल कुमार के एक पुत्र रितिक हुये। श्याम बाबू के चार पुत्र लखपति राम, रामानन्द, श्यामनन्द और कृष्णनन्द हुये। लखपति राम के दो पुत्र संजीव कुमार और अजीत कुमार हुये। संजीव कुमार के दो पुत्र राज और लक्ष्य हुये। रामानन्द के एक पुत्र

आशीष हुये। श्यामनन्द के एक पुत्र सचिन हुये। कृष्णनन्द के एक पुत्र अनुराग हुये। कमलाकांत का परिवार नहीं चला। रमाकांत के छः पुत्र उमाकान्त, लक्ष्मीकांत, हृदयकांत, हरिकृष्ण कांत, सूर्यकांत और ऋषिकांत हुये। उमाकांत के दो पुत्र देवकांत और शिवकांत हुये। लक्ष्मीकांत के छः पुत्र अवश्नी, सोमेश, रवि, अनुराग, अमर और शान्तुन हुये। हृदयकांत के दो पुत्र अमितकांत और अभय कान्त हुये। हरिकृष्ण कांत के एक पुत्र आयुष हुये। सूर्यकांत के एक पुत्र रूद्र हुये। ऋषिकांत के एक पुत्र आदित्य हुये। माधव राम के दो पुत्र शम्भूदयाल और गिरिजा दयाल हुये। शम्भूदयाल के दो पुत्र कृष्णानन्द और हरिनन्द हुये। कृष्णानन्द का परिवार नहीं चला। हरीनन्द के तीन पुत्र सतीशचन्द्र, मनोज कुमार और विनय कुमार हुये। सतीश चन्द्र का परिवार नहीं चला। मनोज कुमार के एक पुत्र रिषव हुये। विनय कुमार अल्पायु हुये। गिरिजा दयाल के एक पुत्र सुन्दर लाल हुये। सुन्दरलाल के एक पुत्र सुरेशचन्द्र हुये। सुरेशचन्द्र के तीन पुत्र पवन, अवधेश और वीरेन हुये। पवन के एक पुत्र आदित्य हुये जो कस्टम सेन्ट्रल एक्साइज निरीक्षक के पद पर बरेली में तैनात है। अवधेश के एक पुत्र अनुरूद्ध हुये। वीरेन के एक पुत्र आराध्य हुये। लक्ष्मीनाथ के पुत्रों का परिवार ग्राम पुवावाँ, जिला शाहजहाँपुर में रहता है। रामदयाल के द्वितीय पुत्र जानकी प्रसाद का परिवार नहीं चला। महाप्रसाद उपनाम खुद्दू का भी परिवार नहीं चला। तुलसीराम के एक पुत्र मथुरा प्रसाद हुये। मथुरा प्रसाद के दो पुत्र द्वारिका प्रसाद और वीरभद्र हुये। द्वारिका प्रसाद के एक पुत्र वंश गोपाल हुये। वंश गोपाल भी पुवावां जिला शाहजहाँपुर में रहते हैं। वीरभद्र का परिवार नहीं चला। अम्बिका प्रसाद के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से कामता प्रसाद तथा द्वितीय स्त्री से शिव सहाय और गुरु सहाय हुए। कामता प्रसाद के एक पुत्र अनन्दी दीन हुए।

अनन्दी दीन का परिवार नहीं चला। शिवसंहाय के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से शिवनाथ और द्वितीय स्त्री से ब्रह्मानन्द तथा सदानन्द हुये। शिवसंहाय के तीनों पुत्र अल्पायु हुए। गुरुसंहाय के दो पुत्र रामकृष्ण और राम किशोर हुए। रामकृष्ण के एक पुत्र गंगाचरण हुये। गंगाचरण अल्पायु हुये। राम किशोर का परिवार नहीं चला।

बालकृष्ण की प्रथम स्त्री के द्वितीय पुत्र बेनीजन के तीन पुत्र तेजी लाल-गदाधर लाल और उजागर लाल हुये। तेजी लाल के एक पुत्र हरिशंकर हुये। हरिशंकर का परिवार नहीं चला। गदाधर लाल के तीन पुत्र शिव प्रसाद, सदाशिव और सदानन्द हुए। शिव प्रसाद के एक पुत्र चन्द्रशेखर उपनाम बचऊ हुये। चन्द्र शेखर के दो पुत्र प्रथम स्त्री से महादेव और द्वितीय स्त्री से शिवगोपाल हुये। महादेव का परिवार नहीं चला। शिव गोपाल के एक पुत्र कृष्ण किशोर हुये। कृष्ण किशोर के एक पुत्र केदारनाथ हुये। केदार नाथ के तीन पुत्र सिद्धेश्वर, गंगा प्रसाद उपनाम लालू और ओंकारेश्वर हुये। सिद्धेश्वर के तीन पुत्र सुरेन्द्र कुमार, राकेश कुमार और सर्वेश कुमार हुये। सुरेन्द्र कुमार के एक पुत्र दीपक हुये। राकेश कुमार के चार पुत्र नाम अज्ञात हुये। सर्वेश कुमार के अभी पुत्र नहीं है। राकेश कुमार का परिवार उन्नाव में रहता है। गंगा प्रसाद उपनाम लालू के एक पुत्र अटल बिहारी हुये। अटल बिहारी के एक पुत्र अंकित हुये। गंगाप्रसाद का परिवार ग्राम मजगई पोस्ट नवीची जिला शाहजहाँपुर में रहता है। ओंकारेश्वर के चार पुत्र अवधेश कुमार, नागेन्द्र कुमार, राजेश कुमार और दीप कुमार हुये। अवधेश कुमार के दो पुत्र विजय कुमार और विजय शंकर हुये। विजय शंकर के दो पुत्र आरव और अरनव हुये। राजेश कुमार के दो पुत्र शरद कुमार और शशांक हुये। नागेन्द्र के एक पुत्र मानस हुये। दीप कुमार के परिवार का पता नहीं

चला। ओंकारेश्वर का परिवार रिषी नगर शुक्लागंज, उन्नाव में रहता है। विजय कुमार के दो पुत्र छोटू और बड़े हुये। नागेन्द्र कुमार के एक पुत्र मन्सू हुये। राजेश कुमार के दो पुत्र शरद और शशांक हुये। सदाशिव के एक पुत्र त्रिलोचन हुये। त्रिलोचन के एक पुत्र शिवरतन हुये। शिवरतन का परिवार नहीं चला। सदानन्द का भी परिवार नहीं चला। बेनीजन के तृतीय पुत्र उजागर लाल के दो पुत्र विनायक प्रसाद और शिव नारायण हुये। विनायक प्रसाद का परिवार नहीं चला। शिव नारायण के दो पुत्र चन्द्र मौलि और शंकर प्रसाद हुये। चन्द्र मौलि के सात पुत्र प्रथम स्त्री से शिवराम, राघव प्रसाद, राम किशोर, राम गोपाल, रामभद्र तथा द्वितीय स्त्री से जगदीश शरण और वैदेही प्रसाद हुये। शिवराम के दो पुत्र कृष्ण कुमार और नन्द कुमार हुये। कृष्ण कुमार के परिवार नहीं चला। नन्द कुमार के एक पुत्र सुभाष चन्द्र के एक पुत्र प्रशांत हुये। प्रशांत के एक पुत्र शशांक हुये। यह परिवार ए.बी नगर उन्नाव में रहते है। राघव प्रसाद के एक पुत्र राम कुमार हुये। रामकुमार के चार पुत्र सुरेन्द्र नाथ, देवेन्द्र नाथ, नागेन्द्र नाथ और राजेन्द्र नाथ हुये। सुरेन्द्र नाथ के एक पुत्र बबलू हुये। देवेन्द्र नाथ के दो पुत्र नाम अज्ञात हुये। नागेन्द्र नाथ के दो पुत्र राजीव और संजीव हुये, राम किशोर और रामगोपाल अल्पायु हुये। रामभद्र का परिवार नहीं चला। जगदीश शरण और वैदेही प्रसाद भी अल्पायु हुये। चन्द्र मौलि का परिवार सुमेरपुर जिला उन्नाव में रहता है। शंकर प्रसाद का परिवार नहीं चला।

बाल कृष्ण की द्वितीय स्त्री से शीतल बक्स के तीन पुत्र गोपाल कृष्ण, राधे कृष्ण और उदय कृष्ण हुये। गोपाल कृष्ण के एक पुत्र बाजी लाल हुये। बाजी लाल का परिवार नहीं चला। राधे कृष्ण के एक पुत्र जय गोविन्द हुये। जय गोविन्द के पुत्र शम्भू नाथ हुये। शम्भू नाथ के दो पुत्र

शिवदुलारे उपनाम लल्लू और रामनाथ हुये। शिव दुलारे के दो पुत्र गंगादीन और कालिका प्रसाद उपनाम भागवत प्रसाद हुये। गंगादीन के पाँच पुत्र प्रथम स्त्री से श्याम सुन्दर, सोमेश्वर व द्वितीय स्त्री से रामप्रसाद उपनाम मुन्नू, शिवभूषण और शिव नारायण हुये, श्याम सुन्दर के दो पुत्र बद्री विशाल और जगन्नाथ हुये। ब्रदी विशाल के तीन पुत्र लक्ष्मी कान्त, श्रीकांत और कमलाकांत हुये। लक्ष्मीकांत के दो पुत्र अक्षय व राजन हुये। श्रीकांत का परिवार नहीं चला। कमलाकांत के एक पुत्र पीयूष हुये। कमलाकांत का परिवार पॉलीटेक्निक चौराहे के पास आजमगढ़ में रहता है। जगन्नाथ के तीन पुत्र राजीव लोचन, कमल लोचन और विमल लोचन हुये। राजीव लोचन का परिवार नहीं चला। कमल लोचन के दो पुत्र अंकित और हर्षित हुये। विमल लोचन के एक पुत्र उदित हयु। कमल लोचन का परिवार 224 सेक्टर-5 वृन्दावन कालोनी लखनऊ में रहता है। सोमेश्वर के एक पुत्र हरि नारायण हुये। रामप्रसाद उपनाम मुन्नू के एक पुत्र शिवनाथ हुये। शिव नारायण का परिवार नहीं चला। कालिका प्रसाद उपनाम भगवत प्रसाद के दो पुत्र श्याम मनोहर उपनाम लल्लू और गंगा शंकर हुये। श्याम मनोहर उपनाम लल्लू के तीन पुत्र चन्द्र किशोर, वंशीधर और कृष्ण किशोर हुये। चन्द्र किशोर के तीन पुत्र सुधीर कुमार, प्रदीप कुमार, दिलीप कुमार हुये। सुधीर कुमार के दो पुत्र शरद और रितेश हुये। दिलीप कुमार के एक पुत्र आरव हुये। चन्द्र किशोर का परिवार पोनी रोड, शुक्लागंज उन्नाव में रहता है। वंशीधर के दो पुत्र अखिलेश और आशीष हुये यह परिवार 42/1 बाबूपुरवा कालोनी कानपुर में रहता है। कृष्ण किशोर के तीन पुत्र तुषार, स्वदेश और हितेश हुये। गंगा शंकर के दो पुत्र अनंत शंकर और विजय शंकर हुये। अनंत शंकर के दो पुत्र अजेय शंकर और अज्ञेय शंकर हुये। विजय शंकर अविवाहित

रहे। अजय शंकर के एक पुत्र शंकरादित्य हुये। अज्ञेय शंकर के एक पुत्र सार्थक हुये। कृष्ण किशोर और गंगा शंकर का परिवार सुरजूपुर रायबरेली खास में रहता है। शीतल बक्स के तृतीय पुत्र उदय कृष्ण के एक पुत्र रघुबर हुये। रघुबर के तीन पुत्र देवकी नंदन, रामचरण और देव नारायण हुये। देवकी नंदन और रामचरण अल्पायु हुये। देव नारायण के एक पुत्र शिवनाथ हुये। शिवनाथ भी अल्पायु हुये।

बालकृष्ण की द्वितीय स्त्री के पुत्र गंगादीन के तीन पुत्र विष्णु दत्त, रामदत्त और कृष्ण दत्त हुये। विष्णु दत्त का परिवार नहीं चला। रामदत्त के पाँच पुत्र रघुनंदन, श्रीनिवास, हरि नारायण, पद्मनाभ और प्रभुदत्त हुये। रघुनंदन के दो पुत्र लालता प्रसाद और बद्री विशाल हुये। लालता प्रसाद के एक पुत्र जगदीश नारायण हुये। जगदीश नारायण के एक पुत्र शम्भू रतन हुये। शम्भू रतन के चार पुत्र देवराज, हनुमान शरण, भगवती शरण और गंगा शरण हुये। देवराज के दो पुत्र रमाकांत और श्रीकांत हुये थे। रमाकांत के एक पुत्र विशाल हुये। श्रीकांत के दो पुत्र सुबोध उपनाम गोलू और ऐश्वर्य हुये। सुबोध के एक पुत्र शरद हुये। देवराज का परिवार 128/4 सी-ब्लाक किदवई नगर कानपुर-11 में रहता है। हनुमान शरण के चार पुत्र सुरेश चन्द्र, रमेश चन्द्र, दिनेश चन्द्र और योगेश चन्द्र हुये। सुरेश चन्द्र के एक पुत्र यशष्वी हुये। रमेश चन्द्र के एक पुत्र रजत हुये। दिनेश चन्द्र के एक पुत्र तेजस हुये। योगेश चन्द्र के एक पुत्र निखलेश हुये। हनुमान शरण का परिवार 106/ 75 गांधी नगर कानपुर- में रहता है। भगवती शरण के दो पुत्र मनीष कुमार और आशीष कुमार हुये। मनीष के दो पुत्र सानिध्य और सात्विक हुये। आशीष के अभी पुत्र नहीं है। भगवती शरण का परिवार 128/273 एच-ब्लाक किदवई नगर, कानपुर-11 में रहता है। गंगा शरण के एक

पुत्र कमल हुये। कमल के अभी पुत्र नहीं है। गंगा शरण का परिवार बेग्लुरू कर्नाटक में रहता है। बद्री विशाल के दो पुत्र जय नारायण और लक्ष्मी नारायण हुये। जय नारायण का परिवार नहीं चला। लक्ष्मी नारायण के एक पुत्र गायत्री प्रसाद हुये। गायत्री प्रसाद का परिवार नहीं चला। रामदत्त के द्वितीय पुत्र श्रीनिवास के दो पुत्र मिश्रीलाल और बाँके बिहारी हुये। मिश्री लाल के दो पुत्र देवी दयाल और कपिल मुनि हुये। देवीदयाल के एक पुत्र रामशरण हुये। रामशरण के दो पुत्र शिव शंकर और कृपाशंकर हुये। शिव शंकर के दो पुत्र सुधाकर और अशोक कुमार हुए। सुधाकर के एक पुत्र अजीत कुमार हुये। कृपा शंकर के एक पुत्र संतोष कुमार हुये। संतोष कुमार के तीन पुत्र विजय कुमार, अजय कुमार और संजय कुमार हुये। कृपा शंकर का परिवार 116 नम्बर घसियारी मण्डी लखनऊ में निवास करता था। जो अब यहां नहीं रहता। कपिल मुनि के एक पुत्र रोहिणी शरण हुए। रोहिणी शरण का परिवार नहीं चला। श्रीनिवास के द्वितीय पुत्र बाँके बिहारी के दो पुत्र जयदेव और जय कुमार हुये। जयदेव के दो पुत्र श्याम सुन्दर और राधा रमन हुये। श्याम सुन्दर अल्पायु हुये। राधा रमण के एक पुत्र कृष्ण कान्त हुये। कृष्ण कान्त के एक पुत्र असीम हुये। राधा रमण का परिवार 21 नम्बर ग्रेन मार्केट गनेशगंज लखनऊ में रहता था वर्तमान में कोई पता नही चला। जय कुमार के एक पुत्र रेवा प्रसाद हुये। रेवा प्रसाद का परिवार नहीं चला। रामदत्त के तृतीय पुत्र हरि नारायण के दो पुत्र कुंज बिहारी और अवध बिहारी उपनाम दुलारे हुये। कुंज बिहारी और अवध बिहारी दोनों का परिवार नहीं चला। रामदत्त के चतुर्थ पुत्र पद्मनाथ के एक पुत्र केशव प्रसाद हुये। केशव प्रसाद के एक पुत्र महाबीर प्रसाद उपनाम मुन्नी लाल हुये, यह कानपुर में रहते हैं। रामदत्त के पंचम पुत्र प्रभुदत्त का परिवार नहीं

चला। गंगादीन के तृतीय पुत्र कृष्ण दत्त के तीन पुत्र चक्रपाणि वंशलाल और श्रीधर उपनाम सविता प्रसाद हुये। चक्रपाणि का परिवार नहीं चला। वंशलाल के दो पुत्र प्रथम स्त्री से श्रीकांत व द्वितीय स्त्री से तुंगनाथ हुए। श्रीकान्त के एक पुत्र सती प्रसाद हुये। सती प्रसाद के चार पुत्र दण्डपाणि, रामेश्वर, श्रीकृष्ण चन्द्र और सत्या शरण हुए। दण्डपाणि के दो पुत्र प्रथम स्त्री से चन्द्रशेखर व द्वितीय स्त्री से कमलाकर हुये। रामेश्वर के एक पुत्र रमाकांत हुये। तुंगनाथ के एक पुत्र धनंजय प्रसाद हुये। वंशलाल का परिवार पंडित का पुरवा संडीला हरदोई में निवास करता है। कृष्ण कांत के तृतीय पुत्र श्रीधर उपनाम सविता प्रसाद के तीन पुत्र कमला कांत, श्रीहर्ष और श्रीपति हुये। कमला कांत के एक पुत्र बल्देव प्रसाद हुये। बल्देव प्रसाद के तीन पुत्र दुर्गा प्रसाद, जगदम्बा प्रसाद और अनत प्रसाद हुये। दुर्गा प्रसाद के छः पुत्र प्रथम स्त्री से सर्वेश्वर प्रसाद व द्वितीय स्त्री से सोमेश्वर, अचिलेश्वर, रत्नेश प्रसाद, ओंकारेश्वर प्रसाद और सुधीर हुये। सर्वेश्वर प्रसाद के दो पुत्र दिनेश और राकेश हुये। राकेश के एक पुत्र ऋषभ हुये। ये परिवार इन्दौर मध्य प्रदेश में रहता है। सोमेश्वर के दो पुत्र संजय और रजत हुये। संजय के एक पुत्र गौरांग हुये। रजन के दो पुत्र शिवांग और आरूष हुये। संजय का परिवार गंगा बिरला अपार्टमेंट केशव नगर कानपुर में रहता है। रजत का परिवार 183 श्याम विहार दामोदर नगर कानपुर में रहता है। अचलेश्वर के तीन पुत्र विजय कुमार, धीरज और नीरज हुये। विजय के एक पुत्र अंश हुये धीरज और नीरज दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। यह परिवार 104ए/207 रामबाग कानपुर में रहता है। रत्नेश प्रसाद के एक पुत्र सचिन के एक पुत्र अग्रिम हुये। यह परिवार 104ए/207 रामबाग कानपुर में रहता है। ओंकारेश्वर के तीन पुत्र अंकुर, गौरव और पुनीत हुये। अंकुर व पुनीत दोनो भाइयों

का परिवार नहीं चला। यह परिवार दिल्ली में रहता है। सुधीर के एक पुत्र सास्वत हुये। यह परिवार 104ए/207 रामबाग कानपुर में रहता है। जगदम्बा प्रसाद के चार पुत्र श्याम बिहारी, धुनारी, मोहन लाल और मुरारी हुये। श्याम बिहारी के दो पुत्र पवन और शैलेन्द्र हुये। पवन के एक पुत्र करन हुये। शैलेन्द्र के अभी पुत्र नहीं है। धुनारी अल्पायु हुये। मोहन लाल के चार पुत्र रिग्गू, कल्लू, छुन्नी अनिल इन चारों भाइयों का परिवार नहीं चला। मुरारी लाल के दो पुत्र अतुल और मुकेश हुये। अतुल का परिवार नहीं चला। मुकेश के दो पुत्र अभिजीत और अर्जुन हुये। आनन्त प्रकाश का परिवार नहीं चला। श्याम विहारी के बड़े पुत्र का परिवार सुमेरपुर जिला-उन्नाव में रहता है। श्याम बिहारी के छोटे पुत्र शैलेन्द्र का परिवार गोरखपुर में रहता है। अनन्त प्रसाद का परिवार नहीं चला। सविता प्रसाद के द्वितीय पुत्र श्रीहर्ष के दो पुत्र शिव देव और गजानन हुये। शिवदेव का परिवार नहीं चला। गजानन के एक पुत्र शीतला प्रसाद हुये। शीतला प्रसाद उपनाम मन्ना लाल का परिवार नहीं चला, किन्तु इन्होंने बाजपेई वंश का पुत्र मोतीलाल उपनाम गोपाल को गोद लिया। सविता प्रसाद के तृतीय पुत्र श्रीपति के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से मुरली मनोहर व चन्द्र माधव और द्वितीय स्त्री से गंगाधर हुये। मुरली मनोहर के एक पुत्र नागेश्वर प्रसाद उपनाम मुन्नू हुये। नागेश्वर प्रसाद के दो पुत्र नाम अज्ञात हुये। नागेश्वर प्रसाद इलाहाबाद कचहरी के पास निवास करते हैं। चन्द्र माधव के तीन पुत्र अम्बिका प्रसाद, चन्द्रिका प्रसाद और हरि प्रसाद हुये। अम्बिका प्रसाद के दो पुत्र विद्यापति और शिव प्रसाद हुये। चन्द्रिका प्रसाद के एक पुत्र सरयू प्रसाद हुये। सरयू प्रसाद के चार पुत्र अशोक कुमार, नरेन्द्र कुमार, महेश कुमार और वीरेन्द्र कुमार हुये। अम्बिका प्रसाद का परिवार जबलपुर में और सरयू प्रसाद का परिवार 66/247

कछियाना मोहाल, कानपुर में रहता था। वर्तमान में यहां नहीं रहता। हरि प्रसाद का परिवार नहीं चला। गंगाधर का भी परिवार नहीं चला।

परशुराम के दूसरे पुत्र धीरेश्वर उपनाम धीर के चार पुत्र छीटन, शीतल, भवन, सिदोही हुये। छीटन के चार पुत्र मनसा राम, धर्मदत्त, भैयालाल और गुमान हुये। मनसा राम के तीन पुत्र मिहीलाल, गंगाप्रसाद और जवाहर लाल हुये। मिहीलाल के पाँच पुत्र ईश्वरी प्रसाद, भवानी दीन उपनाम लाला, शिवदत्त, भवानी प्रसाद और हीरा उपनाम छविनाथ हुये। ईश्वरी प्रसाद के एक पुत्र रामदयाल हुये। रामदयाल के तीन पुत्र रघुवर दयाल, शिवबालक और सुखनन्दन प्रसाद हुये। रघुवर दयाल का परिवार नहीं चला। शिव बालक के दो पुत्र बेनीमाधौ और गजाधर लाल हुये। बेनीमाधौ का परिवार नहीं चला। गजाधर लाल के पाँच पुत्र शिव गोपाल, शिव नारायण, शिव प्रसाद, शिव कुमार और सत्य नारायण हुये। शिव गोपाल के एक पुत्र विनोद कुमार हुये। विनोद कुमार के दो पुत्र शिखर और प्रखर हुये। शिव नारायण के दो पुत्र लव कुमार और संतोष कुमार हुये। लव कुमार के एक पुत्र प्रियम हुये। शिव प्रसाद के दो पुत्र नितिन और सचिन हुये। नितिन के एक पुत्र शुभांग हुये। सचिन के एक पुत्र मानस हुये। शिव कुमार के एक पुत्र निशांत हुये। सत्य नारायण के एक पुत्र अभिलाष हुये। गजाधर लाल का परिवार ग्राम-जैराजमऊ पोस्ट रायपुर (वारा) जिला उन्नाव में निवास करता है। सुखनंदन प्रसाद का परिवार नहीं चला। भगवान दीन उपनाम लाला के एक पुत्र संकठा प्रसाद हुये। संकठा प्रसाद के दो पुत्र देवी चरण और कालीचरण हुये। देवी चरण और कालीचरन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। शिवदत्त के चार पुत्र विनायक प्रसाद, दामोदर प्रसाद, शालिगराम और बेनी प्रसाद हुये। विनायक प्रसाद के तीन पुत्र ज्योति प्रसाद, महादेव और मन्नू लाल हुये।

ज्योति प्रसाद का परिवार नहीं चला। महादेव के एक पुत्र रामलाल हुये। रामलाल का परिवार नहीं चला। मन्नूलाल के तीन पुत्र सूधूलाल, जय गोपाल और कृपाशंकर हुये। सूधूलाल के चार पुत्र लक्ष्मी नारायण, श्रीनारायण, राज नारायण और लल्लू हुये। लक्ष्मी नारायण के चार पुत्र दयाशंकर, रमाशंकर, ज्ञान शंकर और दिनेश हुये। दयाशंकर के तीन पुत्र संजय, विजय और अनुपम हुये। रमाशंकर के तीन पुत्र श्याम शंकर, गोपाल शंकर और शिव शंकर हुये। ज्ञान शंकर के एक पुत्र सुबोध कुमार हुये। दिनेश के एक पुत्र संदीप कुमार हुये। श्रीनारायण के अभी पुत्र नहीं हैं। राज नारायण के एक पुत्र सुरेन्द्र कुमार हुये। लल्लू अल्पायु हुये। सुधूलाल का परिवार मुहल्ला पोस्ट गौर जिला कानपुर में निवास करता है। जय गोपाल का परिवार नहीं चला। कृपाशंकर के एक पुत्र भुवनेश्वर हुये। भुवनेश्वर के दो पुत्र अखिलेश और अवधेश हुये। अखिलेश के दो पुत्र आयुष और पीयूष हुये। अवधेश के अभी पुत्र नहीं है। यह परिवार बहालोलपुर मंधना जिला कानपुर नगर में रहते हैं। दामोदर प्रसाद के तीन पुत्र चिन्तामणि, शम्भू दयाल और लक्ष्मण प्रसाद हुये। चिन्तामणि के दो पुत्र श्याम सुन्दर और मूल चन्द्र हुये। श्याम सुन्दर के एक पुत्र विश्वम्भर नाथ हुये। विश्वम्भर नाथ के एक पुत्र रामआसरे हुये। रामआसरे के दो पुत्र राकेश कुमार और राजेश कुमार हुये। राकेश कुमार अविवाहित रहे। राजेश कुमार के दो पुत्र शिवम् और अभिषेक हुये। शिवम के दो पुत्र तेजस और आद्विक हुये। अभिषेक के एक पुत्र आविक हुये। यह परिवार बहलोलपुर मंधना जिला कानपुर नगर में रहते हैं। मूलचन्द्र के तीन पुत्र जगदम्बा प्रसाद, शशि भूषण और रघुनाथ प्रसाद हुये। जगदम्बा प्रसाद के दो पुत्र मुन्नू उपनाम प्रभाकर और सुधाकर हुये। प्रभाकर के एक पुत्र आनन्द हुये। शशिभूषण के एक पुत्र दिवाकर हुये। रघुनाथ प्रसाद के दो

पुत्र मधुकर और गोपाल जी हुये। रघुनाथ प्रसाद 49/75 महेश प्रेस, नौघड़ा, कानपुर में निवास करते थे । वर्तमान में यहा कोई परिवार नहीं रहता है। शम्भू दयाल और लक्ष्मण प्रसाद इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। शालिगराम के दो पुत्र बाजीलाल और रामचन्द्र हुये। बाजीलाल के दो पुत्र गया प्रसाद और कृष्ण दत्त हुये। गया प्रसाद और कृष्ण दत्त इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। रामचन्द्र के तीन पुत्र सोमदत्त उपनाम गोमती प्रसाद, कांति चन्द्र और द्विजेन्द्र नाथ हुये। इन तीनों भाइयों गोमती प्रसाद, कांति चन्द्र और द्विजेन्द्र नाथ के परिवार नहीं चले किन्तु द्विजेन्द्र नाथ ने एक पुत्र नाम अज्ञात गोद लिया है। बेनी प्रसाद का भी परिवार नहीं चला। मिहीलाल के चौथे पुत्र भवानी प्रसाद उपनाम सहांय के चार पुत्र रामधनी, रामभरोसे, रामेश्वर और विद्याधर हुये। रामधनी के एक पुत्र सांवले प्रसाद हुये। सांवले प्रसाद के दो पुत्र सत्य नारायण और युमना नारायण हुये। इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। रामभरोसे के एक पुत्र गंगा नारायण हुये। गंगा नारायण के एक पुत्र संतोष कुमार हुये। ये चमनगंज (घोसियाना) कानपुर में रहते हैं। भवानी प्रसाद के तृतीय पुत्र रामेश्वर का परिवार नहीं चला। विद्याधर के एक पुत्र महादेव प्रसाद हुये। महादेव प्रसाद के दो पुत्र महेन्द्रदत्त और सुरेन्द्रदत्त हुये। महेन्द्रदत्त तीन पुत्र श्याम प्रकाश, चन्द्र प्रकाश और वेद प्रकाश हुये। श्याम प्रकाश के दो पुत्र नवीन प्रकाश, और प्रवीण हुये। नवीन प्रकाश के चार पुत्र अभय, अनुराग, विवेक और कन्हेया हुये। महेन्द्र दत्त का परिवार मु० बिलौटा पोस्ट कुरारा जिला हमीरपुर में रहते हैं। सुरेन्द्रदत्त के दो पुत्र राम प्रकाश और अन्नत प्रकाश हुये। राम प्रकाश के दो पुत्र प्रभात चन्द्र और कृष्ण चन्द्र हुये। राम प्रकाश का परिवार गुरूग्राम हरियाणा में रहता है। अन्नत प्रकाश के दो पुत्र सुभाष और उज्जवल हुये। सुभाष के एक पुत्र भरत

हुये। सुरेन्द्र दत्त का परिवार वार्ड नं0 7 खान मोहल्ला मु० व पो० कुरारा जिला-हमीरपुर में रहता है। मिहीलाल के पंचम पुत्र हीरा उपनाम छविनाथ के एक पुत्र गौरीशंकर हुये। गौरीशंकर के दो पुत्र मानिक चन्द्र और माधव प्रसाद हुये। मानिक चन्द्र के दो पुत्र सरस्वती नारायण और गणेश प्रसाद हुये। सरस्वती नारायण के तीन पुत्र देवी प्रसाद, देवी चरण और देवी शंकर हुये। देवी प्रसाद के दो पुत्र पारसनाथ और विश्वनाथ हुये। पारसनाथ के तीन पुत्र पुष्पेन्द्र, पूरेन्द्र और कुलदीप हुये। विश्वनाथ के एक पुत्र विपुल हुये। देवी चरण के चार पुत्र रामकृष्ण, बालकृष्ण, देवकृष्ण और हरि कृष्ण उपनाम दीपक हुये। इन चारों भाइयों का परिवार नहीं चला। देवी शंकर के दो पुत्र अरविन्द कुमार, आशीष कुमार हुये। यह परिवार बहलोलपुर मंधना, कानपुर नगर में रहता है। अरविन्द कुमार के एक पुत्र मानस हुये। आशीष कुमार के अभी पुत्र नहीं है। यह परिवार स्वरूप नगर कानपुर नगर में निवास करता है। गणेश प्रसाद के दो पुत्र ज्ञानेन्द्र नाथ, वीरेन्द्र नाथ हुये। ज्ञानेन्द्र नाथ के तीन पुत्र निरंकार, संजय और शशांक हुये। निरंकार के एक पुत्र राघव हुये। संजय के दो पुत्र रजत और मोहित हुये। शशांक के एक पुत्र शुशांक हुये। वीरेन्द्र नाथ के दो पुत्र ओंकारनाथ और अजय कुमार हुये। ओंकार नाथ के एक पुत्र उत्कर्ष हुये। अजय कुमार के दो पुत्र शिवम एवं मनीष हुये। शिवम के एक पुत्र विराज हुये। गणेश प्रसाद 104/262 सीसामऊ, कानपुर में रहते हैं। माधव प्रसाद के तीन पुत्र सच्चिदानन्द, गोविन्द प्रसाद और राजेश्वर प्रसाद हुये। सच्चिदानन्द के दो पुत्र अरुण प्रकाश और कीर्ति प्रकाश हुये। अरूण प्रकाश के एक पुत्र लक्ष्य हुये। कीर्ति प्रकाश के एक पुत्र मलय हुये। गोविन्द प्रसाद का परिवार नहीं चला हैं। राजेश्वर प्रसाद के दो पुत्र रंगित प्रियकर और रागर्शि प्रियकर हुये। रंगित प्रियकर के एक

पुत्र प्रगल्भ प्रियकर हुये। रागर्शि प्रियकर अविवाहित रहे। माधो प्रसाद का परिवार साढ़ गोपालपुर, कानपुर नगर में रहता था। वर्तमान में 111/100 अशोक नगर, कानपुर में रहता है।

मनसा राम के द्वितीय पुत्र गंगा प्रसाद के एक पुत्र बाजीलाल हुये। बाजीलाल का परिवार नहीं चला। मनसा राम के तृतीय पुत्र जवाहर लाल के दो पुत्र मदारी लाल और बाल गोविन्द हुये। यह किर्ती के पुरवा, जिला-रायबरेली में निवास करते हैं।

छीटन के द्वितीय पुत्र धर्म दत्त के चार पुत्र सुखलाल, ठाकुर प्रसाद, काशी प्रसाद और बहोरी लाल हुये। सुखलाल के चार पुत्र मन्नी लाल उपनाम रामबक्स, रामप्रसाद, हरि प्रसाद और देवी प्रसाद हुए। मन्नी लाल के चार पुत्र संकठा प्रसाद, जानकी प्रसाद, बिहारी लाल और गिरधारी लाल हुये। संकठा प्रसाद के एक पुत्र शिव प्रसाद हुए। शिव प्रसाद के दो पुत्र नाम अज्ञात कठारा गाँव जिला-कानपुर नगर में रहे। जानकी प्रसाद के चार पुत्र राम नारायण, शिव नारायण, प्रयाग नारायण और चौथे पुत्र का नाम अज्ञात हुए। बिहारी लाल का परिवार नहीं चला। गिरधारी लाल के एक पुत्र अयोध्या प्रसाद हुये। राम प्रसाद के एक पुत्र मंहगू लाल हुये। हरि प्रसाद के चार पुत्र गणेश प्रसाद, लक्ष्मण प्रसाद, शोभा प्रसाद और मथुरा प्रसाद हुये। गणेश प्रसाद का परिवार नहीं चला। मथुरा प्रसाद के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। देवी प्रसाद के दो पुत्र ऋषि नाथ और बाजीलाल हुये। सुखलाल का वंश डिलवर, पुरावली, इस्कीपुर और कठारा गाँव में रहा। ठाकुर प्रसाद के दो पुत्र सूर्य मणि और भवानी दीन हुये। सूर्यमणि के चार पुत्र मनीराम, गणेश प्रसाद, शिव प्रसाद और राजाराम हुये। मनीराम का परिवार नहीं चला। गणेश प्रसाद के एक पुत्र रघुनाथ हुये। शिव प्रसाद के दो पुत्र कामता प्रसाद और पुष्कर प्रसाद

हुये। कामता प्रसाद का परिवार नहीं चला। पुष्कर प्रसाद के पाँच पुत्र बन्दीदीन, जगन्नाथ, भगवानदीन, सूधीलाल और मंगल हुये। बन्दीदीन के एक पुत्र जुराखन हुये। जुराखन के दो पुत्र लक्ष्मी नारायण और प्रेम नारायण हुये। लक्ष्मी नारायण के पाँच पुत्र रमेश कुमार, सुरेश चन्द्र, अवधेश, दिनेश चन्द उपनाम मुन्ना और राकेश कुमार उपनाम राजू हुये। रमेश कुमार के दो पुत्र प्रभात और प्रवीण हुये। प्रभात के एक पुत्र रूद्रांश हुये। प्रवीण के एक पुत्र गर्भित हुये। सुरेश चन्द्र के एक पुत्र अंकित हुये। अवधेश के एक पुत्र प्रान्जुल हुये। दिनेश चन्द्र के दो पुत्र प्रभात और प्रशांत हुये। राकेश कुमार के दो पुत्र अतुल और आर्यन हुये। लक्ष्मी नारायण का समस्त परिवार शीशूपुर नौगवां, कानपुर नगर में रहता है। प्रेम नारायण संत हो गये। जगन्नाथ के तीन पुत्र रामशंकर, गंगाधर और पन्ना लाल हुये। रामशंकर के पाँच पुत्र हीरालाल, शम्भूदयाल, ओंकारनाथ, रामनाथ और बैजनाथ हुये। हीरा लाल के चार पुत्र राज नारायण, जय शंकर, प्रेम शंकर और रवि शंकर हुये। राज नारायण के एक पुत्र अमित हुये। जय शंकर के दो पुत्र विकास और विशाल हुये। प्रेम शंकर के दो पुत्र वरूण और मयंक हुये। रवि शंकर के एक पुत्र रजत हुये। शम्भू दयाल के तीन पुत्र शेष नारायण, हरिनारायण और देव नारायण हुये। शेष नारायण के एक पुत्र आशीष हुये। हरिनारायण के एक पुत्र अमित हुये। देव नारायण के एक पुत्र अर्चित उपनाम आनन्द हुये। ओंकारनाथ के चार पुत्र शारदा प्रसाद, डा० शरद कुमार, अश्वनी कुमार और अनिल कुमार हुये। शारदा प्रसाद के एक पुत्र वैभव के दो पुत्र शांदुल और अभिराम हुये। डा० शरद कुमार के एक पुत्र डा० प्रखर हुये। अश्वनी कुमार के एक पुत्र पवन कुमार हुये। अनिल कुमार का परिवार नहीं चला। ओंकारनाथ का परिवार 87 पशुपति नगर, कानपुर में रहते है।

रामनाथ के एक पुत्र शैलेन्द्र के दो पुत्र अनुराग और अनुभव हुये। बैजनाथ के दो पुत्र अशोक कुमार और मनोज कुमार हुये। अशोक कुमार के दो पुत्र अचल और वियान हुये। मनोज कुमार के एक पुत्र अचिन्य हुये। गंगाधर के दो पुत्र श्रीकांत और लक्ष्मीकांत हुये। श्रीकांत का परिवार नहीं चला। लक्ष्मीकांत के तीन पुत्र राकेश, राजेश और बृजेश हुये। राकेश के एक पुत्र अमनदीप उपनाम तरूण हुये। राजेश के एक पुत्र मंजेश उपनाम अंकुर हुये। बृजेश के अभी पुत्र नहीं है। गंगाधर का परिवार गौरीलक्खा चौबेपुर से बेला रोड कानपुर नगर में रहते है। पन्नालाल के छः पुत्र सत्य प्रकाश, राजेन्द्र प्रसाद, वीरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार, कृष्ण कुमार और योगेन्द्र कुमार हुये। सत्य प्रकाश के चार पुत्र संजय, अजय, विनय और विनीत हुये। संजय के एक पुत्र अभय हुये। अजय के एक पुत्र पार्थ हुये। विनीत के एक पुत्र ओम हुये। विनय अल्पायु हुये। राजेन्द्र प्रसाद के दो पुत्र राहुल और छोटू हुये। राहुल के एक पुत्र हार्दिक हुये। वीरेन्द्र कुमार एक पुत्र मोहित हुये। सुरेन्द्र कुमार अविवाहित रहे। कृष्ण कुमार के दो पुत्र शिवम और विन्शू हुये। योगेन्द्र कुमार के एक पुत्र शोभित हुये। भगवानदीन के छः पुत्र कन्हैयालाल, बृजमोहन, सोहनलाल, शिव कुमार, राम कुमार और जुगुल किशोर हुये। कहैन्यालाल के छः पुत्र राम किशोर, वासुदेव, गंगाप्रसाद, दिनेश कुमार, रमेश और बाबूलाल हुये। राम किशोर के एक पुत्र नाथराम कामत हुये। वासुदेव के दो पुत्र रमेश और सुरेश हुये। गंगाप्रसाद के एक पुत्र दिवाकर हुयें। दिनेश कुमार एक पुत्र हरि हुये। रमेश के एक पुत्र विष्णु हुयें। बाबूलाल के एक पुत्र हरीलाल हुये। यह सभी भाई रामझरिया सतना मध्य प्रदेश में रहते है। बृजमोहन के एक पुत्र रमाकान्त के दो पुत्र अशोक और संतोष हुये। अशोक के एक पुत्र अमन हुये। संतोष के एक पुत्र

विवेक हुये। सोहनलाल के तीन पुत्र त्रिवेणी शंकर, गंगा प्रसाद, कृष्ण कुमार हुये। त्रिवेणी शंकर के दो पुत्र राजन और सत्य नारायण हुये। गंगा प्रसाद के एक पुत्र नागेन्द्र के एक पुत्र वैभव हुये। कृष्ण कुमार के दो पुत्र अजय और संजय हुये। अजय के एक पुत्र ओमी कान्हा हुये। संजय के एक पुत्र रामजी हुये। शिव कुमार का परिवार नहीं चला। राम कुमार के दो पुत्र श्याम बिहारी, सत्य नारायण हुये। श्याम बिहार के तीन पुत्र मनोज, प्रमोद और कृष्ण कुमार हुये। मनोज कुमार दो के पुत्र आर्दश और अनिकेत हुये। प्रमोद के एक पुत्र अम्बुज हुये। कृष्ण कुमार के एक पुत्र अनुज हुये। सत्य नारायण के दो पुत्र सूर्य कुमार और चन्द्र प्रकाश हुये। सूर्य कुमार के एक पुत्र कार्तिक हुये। चन्द्र प्रकाश के एक पुत्र अबिक हुये। जुगुल किशोर के तीन पुत्र परसुराम, श्रीराम, और सीताराम हुये। परसुराम के एक पुत्र नीरज घोर हुये। श्रीराम के एक पुत्र चकी हुये। सीतराम के एक पुत्र मोहन हुये। भगवानदीन का परिवार करबिगवाँ रेलवे स्टेशन के पास निवास करता है। सूधी और मंगल का परिवार नहीं चला। राजाराम के तीन पुत्र देवीचरण, भद्दी और मातादीन हुये। देवी चरण के दो पुत्र रामेश्वर और धुल्लन हुये। धुल्लन के दो पुत्र मुन्ना और जगदीश हुये। भद्दी के एक पुत्र सीताराम के एक पुत्र जगदम्बा प्रसाद हुये। जगदम्बा प्रसाद के चार पुत्र देव नारायण, प्रेम नारायण, राम नारायण और विजय नारायण हुये। देव नारायण का परिवार नहीं चला। देव नारायण ग्राम उमरी भीतर गाँव कानपुर नगर में रहता है। प्रेम नारायण के दो पुत्र डा० आशीष कुमार और अखिलेश कुमार हुये। डा० आशीष जो वैज्ञानिक इसरो श्रीहरि कोटा आन्ध्र प्रदेश में रहते है। इनके एक पुत्र शिवाय हुये। अखिलेश कुमार के अभी पुत्र नहीं है। प्रेम नारायण का परिवार बर्रा-भाग जे-1/1 बर्रा भाग 1 कानपुर में रहते है। राम नारायण

के एक पुत्र शिवम के एक पुत्र शुभांक हुये। राम नारायण का परिवार डब्लू-45 एमआईजी केशव नगर कानपुर में रहता है। विजय नारायण के एक पुत्र आशुतोष हुये। विजय नारायण का परिवार 2 सी 610, 611 आवास विकास हंसपुरम नौबस्ता कानपुर में रहता है। मातादीन के दो पुत्र बाला प्रसाद और भगवती प्रसाद हुये। बाला प्रसाद के एक पुत्र स्वामी प्रसाद अविवाहित रहे। भगवती प्रसाद का परिवार नहीं चला। धर्मदत्त के चतुर्थ पुत्र काशी प्रसाद के तीन पुत्र अजगर, शिवदीन और गंगू हुये। अजगर के एक पुत्र कालिका प्रसाद हुये। कालिका प्रसाद के दो पुत्र जगन्नाथ और दूसरे का नाम अज्ञात हुये। शिवदीन के एक पुत्र रामदयाल हुये। काशी प्रसाद का परिवार सिसोलर जिला हमीरपुर में रहता था जिसका वर्तमान में कोई पता नहीं चला। धर्मदत्त के चतुर्थ पुत्र बहोरी लाल का परिवार नहीं चला।

बिजदवाँ जिला जालौन

छीटन के तृतीय पुत्र भैया लाल के एक पुत्र शिवप्रसाद हुये। शिवप्रसाद के चार पुत्र अच्छे लाल, बच्छे लाल, भैरव प्रसाद और शंकर प्रसाद हुये। अच्छे लाल के एक पुत्र शिव सहाय हुये। शिव सहाय के तीन पुत्र बिहारी लाल, हरि प्रसाद और रामाधीन हुये। बिहारी लाल के दो पुत्र कालीचरण और वृन्दावन हुये। कालीचरण के एक पुत्र शुकदेव प्रसाद हुये। शुकदेव प्रसाद के एक पुत्र श्याम बाबू हुये। श्याम बाबू के तीन पुत्र बृजेश कुमार, आदित्य कुमार और मुकेश कुमार हुये। वृन्दाबन को शंकर प्रसाद ने गोद लिया। हरि प्रसाद के चार पुत्र रघुबर दयाल, राज नारायण, हरि नारायण और शिव नारायण हुये। किन्तु इन चारो भाइयों के परिवार नहीं चले। राम अधीन के एक पुत्र प्रयाग नारायण हुये। प्रयाग नारायण

के एक पुत्र शान्ती स्वरूप हुये। शान्ती स्वरूप के तीन पुत्र राजकुमार, नरेन्द्र कुमार और यज्ञ कुमार हुये। राज कुमार के दो पुत्र पुनीत कुमार और वैभव कुमार हुये। नरेन्द्र कुमार के दो पुत्र अरूण कुमार और वरूण कुमार हुये। यज्ञ कुमार के दो पुत्र कार्तिकेय कुमार और आयुष कुमार हुये। यज्ञ कुमार का परिवार बिजदवाँ जिला जालौन में रहता है। शिव प्रसाद के द्वितीय पुत्र बच्छे लाल के दो पुत्र शिवदयाल और बलदेव प्रसाद हुये। शिवदयाल के एक पुत्र रामसहांय हुये। रामसहांय का परिवार नहीं चला। बलदेव प्रसाद के दो पुत्र मनराखन लाल और रामचरण लाल हुये। मनराखन लाल का परिवार नहीं चला। रामचरण लाल के तीन पुत्र गंगाचरण, रामेश्वर दयाल और सतीदीन हुये। गंगा चरण के एक पुत्र जगदम्बा प्रसाद हुये। जगदम्बा प्रसाद के तीन पुत्र राधेश्याम, विनोद कुमार और प्रमोद कुमार हुये। राधे श्याम का परिवार नहीं चला। विनोद कुमार के दो पुत्र विपुल और अभि हुये। प्रमोद कुमार के दो पुत्र अमित कुमार और गौरव कुमार हुये। रामेश्वर दयाल के तीन पुत्र रघुबीर सहांय, बद्री विशाल और त्रिवेणी सहांय हुये। रघुवीर सहांय के छै पुत्र अश्वनी कुमार, राजेन्द्र कुमार, शिव कुमार, राम कुमार, देवीशरण और महेश कुमार हुये। अश्वनी कुमार का परिवार नहीं चला। राजेन्द्र कुमार के एक पुत्र राजू के एक पुत्र अम्बुनिधी हुये। शिव कुमार के दो पुत्र दीपू कुमार और पुष्पेन्द्र कुमार हुये। राम कुमार के एक पुत्र राघवेन्द्र के एक पुत्र पंकज हुये। देवी शरण के एक पुत्र ज्योती कुमार हुये। महेश कुमार के एक पुत्र प्रवीण के एक पुत्र गोविन्द हुये। बद्री विशाल का परिवार नहीं चला। त्रिवेणी सहांय के एक पुत्र कैलाश नारायण हुये। कैलाश नारायण के दो पुत्र अमरनाथ और अंश हुये। सतीदीन के एक पुत्र भास्कर हुये। भास्कर के एक पुत्र नीरज कुमार उपनाम रामू हुये। नीरज कुमार के एक

पुत्र आनन्द हुये।भैरों प्रसाद का परिवार नहीं चला। शंकर प्रसाद राज्य ग्वालियर इलाके भेलसा में सूबा कलेक्टर रहे हैं। इन्होंने ग्राम बिजदवाँ परगना जालौन में ठाकुर द्वारा, शिवाला, धर्मशाला, तालाब आदि सार्वजनिक स्थलों का निर्माण कराया। ये बड़े ही योग्य वंश प्रेमी और धार्मिक व्यक्ति थे। बड़े खेद की बात है कि शंकर प्रसाद के पुत्र नहीं हुआ, किन्तु शंकर प्रसाद ने बिहारी लाल के द्वितीय पुत्र वृन्दावन को गोद लिया और इनका नाम भइया राम रखा। भइया राम के एक पुत्र कृष्ण प्रसाद हुये। कृष्ण प्रसाद के चार पुत्र विष्णु शर्मा, शिव शर्मा, देव शर्मा और राम शर्मा हुये। विष्णु शर्मा के दो पुत्र राजेन्द्र कुमार और वीरेन्द्र कुमार हुये। राजेन्द्र कुमार के चार पुत्र आलोक कुमार, अरविन्द कुमार, आशीष कुमार और अनुराग कुमार हुये। आलोक कुमार के एक पुत्र आयुष्मान हुये। अरविन्द कुमार के अभी पुत्र नहीं है। आशीष कुमार के दो पुत्र आशुतोष और अनुरूद्ध प्रताप हुये। अनुराग के अभी पुत्र नहीं है। शिव शर्मा के एक पुत्र राजेश कुमार हुये। राजेश कुमार के तीन पुत्र चेतन कुमार, चंचल कुमार और कपिल कुमार हुये। देव शर्मा ने अपने बड़े भाई शिव शर्मा के पुत्र राजेश कुमार के द्वितीय पुत्र चंचल कुमार को गोद लिया और उनका नाम मित्रावरूण रख दिया। राम शर्मा के एक पुत्र सुनील कुमार हुये। सुनील कुमार के एक पुत्र अक्षय कुमार हुये। राजेन्द्र कुमार का परिवार 10 ए हरिओम कालोनी मुरार, ग्वालियर मध्य प्रदेश में रहता है।

छीटन के चतुर्थ पुत्र गुमान के एक पुत्र माखन लाल हुये। माखन लाल के पाँच पुत्र मन्नीलाल, भुगनी लाल, पुत्ती लाल, मिट्ठू लाल और बच्चू लाल हुये। मुन्नी लाल के एक पुत्र हजारी लाल हुये। हजारी लाल का परिवार नहीं चला। भुगनी लाल के दो पुत्र भवानी दीन और पति राखन हुये। भवानी दीन का परिवार नहीं चला। पतिराखन का भी

परिवार नहीं चला। पुत्तीलाल के दो पुत्र महराज सहांय और अम्बिका सहांय हुये। महराज सहांय के एक पुत्र मंगली हुये। मंगली का परिवार नही चला। अम्बिका सहांय के चार पुत्र रामाधार, गया प्रसाद, रामेश्वर और जागेश्वर हुये। रामाधार के तीन पुत्र कुंजी लाल, राम नारायण और सुखदेव हुये। कुंजी लाल के एक पुत्र भिखारी लाल हुये। भिखारी लाल के छै पुत्र प्रथम स्त्री से कृष्ण कांत और द्वितीय स्त्री से श्रीकांत, उमा कांत, विजय कांत, कमला कांत और सुशील कांत हुये। कृष्ण कांत के एक पुत्र दिनेश चन्द्र हुये। दिनेश चन्द्र के दो पुत्र सुधांशु और हिमांशु हुये। सुधांशु के एक पुत्र प्रारब्ध हुये। हिमांशु के एक पुत्र अनय हुये। श्रीकांत के एक पुत्र उमेश चन्द्र के एक पुत्र आयुष हुये। उमाकांत के तीन पुत्र अजय कुमार, नीरज कुमार और पंकज कुमार हुये। अजय के एक पुत्र सुयश हुये। नीरज कुमार के एक पुत्र हर्षित हुये।पंकज कुमार के दो पुत्र अर्पित कुमार और अनन्त हुये । विजयकांत के एक पुत्र अनुराग कुमार हुये। अनुराग कुमार के एक पुत्र अथर्व हुये। विजयकांत का परिवार 1/177 ई डब्लू एस स्वर्ण जयंती विहार, कोयला नगर, कानपुर में रहता है। कमलाकांत का परिवार नहीं चला। सुशीलकांत के एक पुत्र सौरभ हुये। सौरभ के दो पुत्र अरून्य और रूद्र हुये। राम नारायण के एक पुत्र शिव भजन लाल हुये। शिव भजन लाल के दो पुत्र कृष्ण कुमार और सूर्य कुमार हुये। सूर्य कुमार के एक पुत्र संजय कुमार उपनाम राजकिशोर के एक पुत्र आरोहन हुये। अम्बिका संहाय का समस्त परिवार ग्राम-शिवगंज पोस्ट चौराई जिला-कानपुर नगर में रहता है। सुखदेव के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये किन्तु यह अल्पायु हुये। अम्बिका सहांय के द्वितीय पुत्र गया प्रसाद के एक पुत्र भगवान दीन हुये। भगवान दीन के चार पुत्र शिवशंकर, रामशंकर, काली शंकर और हरी शंकर हुये। शिवशंकर के एक पुत्र

महेश नारायण हुये। महेश नारायण के दो पुत्र श्याम किशोर और अमर नाथ हुये। रामशंकर के चार पुत्र शिव कुमार, राज कुमार, ज्ञान कुमार और श्रवण कुमार हुये। शिव कुमार के तीन पुत्र श्रीमन् नारायण, हृदय नारायण और शेष नारायण हुये। श्रीमन् नारायण का परिवार नहीं चला। हृदय नारायण के एक पुत्र चिराग हुये। हृदय नारायण का परिवार एलआईजी 155 कोटरा सुल्तानाबाद भोपाल मध्य प्रदेश में रहता है। शेष नारायण के दो पुत्र सौरभ और शशांक हुये। राज कुमार के दो पुत्र सारस्वत और अंजनी कुमार हुये। सारस्वत के एक पुत्र यथार्थ हुये। अंजनी कुमार का परिवार नहीं चला। राज कुमार का परिवार 29 अनुपम नगर ग्वालियर मध्य प्रदेश में रहता है। ज्ञान कुमार के एक पुत्र राहुल हुये। राहुल के एक पुत्र रोहन हुये। ज्ञान कुमार का परिवार 80 मयूर मार्केट ग्वालियर मध्य प्रदेश में रहता है। श्रवण कुमार का परिवार नहीं चला। श्रवण कुमार 50 मयूर मार्केट ग्वालियर मध्य प्रदेश में रहता है। काली शंकर के चार पुत्र लक्ष्मी नारायण, प्रताप नारायण, अरुण कुमार और अजय कुमार हुये। लक्ष्मी नारायण के एक पुत्र मुनेश्वर हुये। प्रताप नारायण के दो पुत्र विजय कुमार और जय हुये। अरूण कुमार के एक पुत्र आशीष हुये। विजय कुमार के एक पुत्र हिमांशु हुये। हरिशंकर के तीन पुत्र ललित कुमार, आनन्द कुमार और अरविन्द कुमार उपनाम गगन हैं। ललित कुमार के दो पुत्र निखिल और हार्षित हुये। आनन्द कुमार के एक पुत्र प्रसून हुये। अरविन्द कुमार उपनाम गगन का परिवार नहीं चला। हरिशंकर का परिवार श्री सिद्धनाथ मन्दिर जेर खिड़की उन्नाव में रहता है। रामेश्वर के एक पुत्र चन्दिका प्रसाद हुये। चन्दिका प्रसाद का परिवार नहीं चला। अम्बिका सहांय के चतुर्थ पुत्र जागेश्वर का परिवार नहीं चला। अम्बिका सहांय का समस्त परिवार ग्राम शिवगंज पोस्ट चौराई

जिला कानपुर में निवास करता है।

माखन लाल के चतुर्थ पुत्र मिट्ठू लाल के चार पुत्र मनीराम, वेणी प्रसाद, हरदेव और द्वारिका प्रसाद हुये। मनीराम के दो पुत्र मेवा लाल और गुरु प्रसाद हुये। मेवा लाल के एक पुत्र साधूराम हुये। साधूराम का परिवार नहीं चला। गुरु प्रसाद के दो पुत्र गंगा सहाय और गंगा सेवक हुये। मनीराम का परिवार नरवल जिला कानपुर में रहता था वर्तमान में यह परिवार नहीं रहता है। वेणी प्रसाद के एक पुत्र लक्ष्मीधर हुये। यह चन्दनपुर में रहते हैं। हरदेव के दो पुत्र गोविन्द प्रसाद और दुर्गा प्रसाद हुये। गोविन्द प्रसाद के दो पुत्र आशादीन और सुखनन्दन हुये। यह भी चन्दनपुर में रहे। मिट्ठू लाल के चतुर्थ पुत्र द्वारिका प्रसाद के तीन पुत्र उमाशंकर, कालीचरण उपनाम कोटा और मुन्ना लाल हुये। उमाशंकर के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। द्वारिका प्रसाद का वंश मुहल्ला पोस्ट जगदलपुर बस्तर स्टेट जिला रायपुर छत्तीसगढ़ में रहा।

माखन लाल के पंचम पुत्र बच्चू लाल के दो पुत्र बलदेव प्रसाद उपनाम ओझा और रामदेव हुये। बलदेव प्रसाद के एक पुत्र शिव बालक हुये। शिव बालक के चार पुत्र शंकर प्रसाद, महाबीर, शीतल प्रसाद और गौरी शंकर हुये। शंकर प्रसाद के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। किन्तु यह अल्पायु हुये। महावीर भी अल्पायु हुये। शीतल प्रसाद के दो पुत्र कैलाश और रज्जू उपनाम चुन्नी लाल हुये। गौरी शंकर के दो पुत्र कन्हैया लाल और लवकुश हैं यह नौघड़ा, कानपुर में रहता था अब नहीं रहता।

शीतल, भवन और सिदोही इन तीनों वंश का विवरण समुचित वंशक्रम में प्राप्त न होने के कारण वंशावली के पूर्व संस्करणों में नहीं लिखा गया। शीतल और भवन इन दो भाईयों का परिवार पूर्व वर्णित क्रमानुसार यह घाटमपुर पुराने बक्सर इत्यादि गाँवों में है किन्तु इसका पता

सिलसिलेवार न होने से यह वंधित नहीं हो सके। धीरेश्वर के चतुर्थ पुत्र सिदोही के वंशज सचेंडी जो कानपुर के पास है में रहता है किन्तु इनके मुताबिक जो पूर्व संस्करण में वर्णित है वह निम्न प्रकार है।

सिदोही के वंश में कान्ही प्रसाद हुये। कान्ही प्रसाद के पुत्र बेनी प्रसाद हुये। बेनी प्रसाद के पुत्र शिव गुलाम हुये। शिव गुलाम के पुत्र जोधी प्रसाद हुये। जोधी प्रसाद के पुत्र शिवदीन हुये। शिवदीन के दो पुत्र सीताराम और श्रीकृष्णी हुये। सीताराम के दो पुत्र बलदेव प्रसाद और मन्नूलाल हुये। किन्तु इन दोनों भाईयों का वंश नहीं चला। श्रीकृष्णी के एक पुत्र भगवानदीन हुये। भगवानदीन के चार पुत्र प्रथम स्त्री से शिवशंकर और द्वितीय स्त्री से गंगा विष्णु, हीरालाल और बेनी प्रसाद हुये। शिवशंकर के दो पुत्र काशी प्रसाद और मंगली प्रसाद हुये। काशी प्रसाद के एक पुत्र बब्बू लाल हुये। बब्बू लाल के एक पुत्र छन्नू लाल हुये। मंगली प्रसाद का वंश नहीं चला। गंगा विष्णु के पुत्र नहीं है। हीरालाल के चार पुत्र शिव अधार, राज नारायण, सुरेन्द्र नाथ उपनाम राजा और वीरेन्द्र नाथ उपनाम सहिबी हुये। शिव अधार के दो पुत्र प्राण अधार उपनाम रज्जू और प्रकाश चन्द्र उपनाम मन्नू हुये। वेणी प्रसाद के चार पुत्र सुखदत्त, ब्रह्मदत्त उपनाम नन्हें, शिवदत्त और वेदवंत हुये। वेणी प्रसाद के पुत्र सुखदत्त एक पुत्र का नाम अज्ञात हुये और वेणी प्रसाद के दूसरे पुत्र घाटमपुर में रहते हैं। उन लोगों का नाम सिलसिलेवार नहीं है। उन्हीं लोगों में से ये लोग रामदीन के पुत्र लक्ष्मण प्रसाद और लक्ष्मण प्रसाद के पुत्र मुरलीधर हैं और भी तीन लड़के थे। इन लोगों का सही व्योरा ग्रंथकर्ता को नहीं मिला।

(गिरधर वंश वर्णन समाप्त)

अथ श्री गंगाराम वंश प्रारम्भ

परम प्रतापवान परमू के पंचम पुत्र घनश्याम जो बड़े ही प्रतापी और वीर पुरुष हुये। इनके द्वितीय पुत्र पंडित कुलभूषण गंगाराम रत्न स्वरूप उत्पन्न हुये। पंडित गंगाराम जी स्वजाति प्रेमपालक, सत्संग प्रिय, जितेन्द्रिय और सत्यनिष्ठ पुरुष हुये। इनको सर्व सन्तापनाशिनी कलिमल धारिणी पतितपावनी श्री गंगा जी का परम इष्ट था। प्राचीन लोगों द्वारा सुना गया है कि इनको गंगा जी ने साक्षात् दर्शन दिये थे। श्री गंगाराम जी के छै पुत्र गुलाल, काशीनाथ, देवनाथ, सर्वेश्वर, रघुनाथ और विश्वनाथ हुये। इनसे जो वंश चला वे सब गंगाराम के असामी कहाये।

गुलाल के एक पुत्र लोचन हुये। लोचन के एक पुत्र रामदेव हुये। रामदेव के एक पुत्र देवीदत्त हुये। देवीदत्त के एक पुत्र सूर्य प्रताप हुये। सूर्य प्रताप के एक पुत्र राखन हुये। राखन के तीन पुत्र गोकर्ण, साधु उपनाम सोमेश्वर और सिद्धा हुये। गोकर्ण के एक पुत्र रामरतन हुये। राम रतन के एक पुत्र शिवबली हुये। साधू के दो पुत्र गंगा रतन और लक्ष्मी नारायण हुये। गंगा रतन के एक पुत्र रामभरोसे हुये। रामभरोसे के पाँच पुत्र चन्द्र कुमार, शिव कुमार, गिरधारी लाल, राधेश्याम और घनश्याम हुये। चन्द्र कुमार के चार पुत्र वीरेन्द्र, विमल, राजेन्द्र और संजय कुमार हुये। वीरेन्द्र के दो पुत्र हिमांशू अमेरिका में रहते है। वीरेन्द्र के दूसरे पुत्र बलराम इंजीनियर स्वटिजरलैण्ड में रहते है। विमल का परिवार नहीं चला। राजेन्द्र के एक पुत्र शुभम हुये। शुभम के एक पुत्र अरमान हुये। संजय का परिवार नहीं चला। शिव कुमार के चार पुत्र अंजनी कुमार, श्याम कुमार, अवश्नी कुमार और विवेक कुमार हुये। अंजनी कुमार के

दो पुत्र अमित कुमार और मोहित कुमार हुये। अमित कुमार के एक पुत्र सिद्धान्त हुये। मोहित कुमार के दो पुत्र हार्दिक और श्रीयांश हुये। श्याम कुमार के एक पुत्र सौरभ हुये। सौरभ के एक पुत्र आराध्य हुये। अश्वनी कुमार का परिवार नहीं चला। विवेक कुमार के तीन पुत्र सौभाग्य, वैभव और अनुभव हुये। गिरधारी लाल के दो पुत्र अजीत कुमार और अजय कुमार हुये। अजीत के एक पुत्र पवन हुये। अजय के एक पुत्र हर्ष हुये। राधे श्याम के एक पुत्र पंकज अविवाहित है। घनश्याम के एक पुत्र आशुतोष हुये। आशुतोष का परिवार नहीं चला। लक्ष्मी नारायण के एक पुत्र काली प्रसाद हुये। काली प्रसाद के दो पुत्र राजेन्द्र कुमार और ज्ञानेन्द्र कुमार हुये। राखन के तृतीय पुत्र सिद्धा का पूर्व से ही पता नहीं है शायद इनका परिवार नहीं चला। यह परिवार जहाँगीराबाद तहसील घाटमपुर जिला कानपुर में रहता है। राखन के समस्त परिवार की जानकारी गिरध ारी लाल और विवेक कुमार जहाँगीराबाद, घाटमपुर, कानपुर नगर के द्वारा प्राप्त हुआ।

शिवपुरी जिला रायबरेली

गंगाराम के द्वितीय पुत्र काशीनाथ के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से नन्द किशोर व द्वितीय स्त्री से शीतल और श्रीकृष्णी हुये। नन्द किशोर के दो पुत्र बाबूलाल और प्रसाद हुये। बाबू लाल का परिवार नहीं चला। प्रसाद के दो पुत्र मनसा राम और सतकी हुये। मनसा राम का परिवार नहीं चला। सतकी के पाँच पुत्र प्रथम स्त्री से रामदीन, नेवाज और नन्दन तथा द्वितीय स्त्री से लल्लू और फेरू हुये। रामदीन का परिवार नहीं चला। नेवाज के चार पुत्र प्रथम स्त्री से शिवबक्स, शंकर और सेवकराम तथा द्वितीय स्त्री से शीतलदीन हुये। शिवबक्स के एक पुत्र राम नारायण हुये।

राम नारायण के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से शिव प्रसाद और द्वितीय स्त्री से मनराखन और देवी गुलाम हुये। शिव प्रसाद के चार पुत्र शिव गोपाल उपनाम ललऊ, शिवराज उपनाम राजू, शिवबली उपनाम बब्बू और सदाशिव हुये। शिव गोपाल के चार पुत्र प्रथम स्त्री से शिव भजन, सूर्य कुमार और लक्ष्मीधर तथा द्वितीय स्त्री से लक्ष्मीकांत हुये। शिवभजन अल्पायु हुये। सूर्य कुमार उपनाम दिनेश के पाँच पुत्र विनोद कुमार, प्रभात कुमार, दिवाकर, रत्नाकर और सुधाकर हुये। विनोद कुमार के पुत्र नहीं हैं। प्रभात कुमार के दो पुत्र अनिल कुमार और सुधीर कुमार हुये। अनिल कुमार के एक पुत्र अभिषेक के एक पुत्र वरदांश हुये। अनिल परिवार के साथ आस्ट्रेलिया में रहते है। सुधीर कुमार के एक पुत्र समीर हुये। सुधीर का परिवार सी-1/176 एम विनीतखण्ड गोमती नगर लखनऊ-10 में रहता है। दिवाकर के एक पुत्र करुणाकर हुये। करूणाकर के दो पुत्र मानस और तेजस हुये। करूणाकर का परिवार बी-1/30 रेल विहार कालोनी आशियाना लखनऊ में रहता है। रत्नाकर के दो पुत्र आशुतोष और आयुष्मान हुये। आशुतोष के एक पुत्र अयन हुये। आयुष्मान का परिवार नहीं चला। आशुतोष का परिवार एल.आई.जी. 2 हर्षवर्धन नगर माता मन्दिर के पास चर्च के पीछे भोपाल-462003 में रहता है। सुध ाकर अल्पायु हुये। लक्ष्मीधर के दो पुत्र रजोली उपनाम राजेन्द्र और प्रभाकर हुये। रजोली उपनाम राजेन्द्र के चार पुत्र धीरेन्द्र, शैलेन्द्र, ज्ञानेन्द्र और उपेन्द्र हुये। धीरेन्द्र के एक पुत्र राजा हुये। प्रभाकर के एक पुत्र पद्माकर उपनाम भास्कर का परिवार नहीं चला। यह परिवार कृष्णापुरम जी०टी० रोड, कानपुर में रहता है। लक्ष्मीकांत का परिवार नहीं चला। शिवगोपाल का समस्त परिवार एफ/38 शान्ती नगर, कानपुर में रहता है। शिव प्रसाद के द्वितीय पुत्र शिवराज उपनाम राजू के दो पुत्र रामचन्द्र और

रामेश्वर उपनाम रामरतन हुये। किन्तु इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। शिव प्रसाद के तृतीय पुत्र शिवबली उपनाम बब्बू के दो पुत्र कमलाकांत और रमाकांत हुये। कमलाकांत के पाँच पुत्र रमेश चन्द्र, सुरेश चन्द्र, महेश चन्द्र, करुणेश और मिथलेश हुये। रमेश चन्द्र के पाँच पुत्र आलोक, अनुपम, आनन्द, अर्पित और अमित हुये। आलोक का परिवार नहीं चला। अनुपम के एक पुत्र आदित्य देव हुये। आनन्द के एक पुत्र आकाश चन्द्र हुये। अर्पित के एक पुत्र जयान हुये। अमित के एक पुत्र श्रेयश हुये। अमित का परिवार सीतापुर रोड लखनऊ में रहता है। रमेश चन्द्र का परिवार उर्हट नियर दैनिक जागरण पोस्ट रीवा मध्य प्रदेश में रहता है। सुरेश चन्द्र के दो पुत्र आशीष और अंशुमान हुये। आशीष सिंगापुर में इंजीनियर के एक पुत्र आयुष हुये। अंशुमान के दो पुत्र अविघ्न एवं अब्यान हुये। आशीष का परिवार डी 185 गुलशन बेलीना ग्रेटर नोयडा गौतमबुद्ध नगर उ०प्र० में रहता है। सुरेशचन्द्र के दूसरे पुत्र अंशुमान का परिवार निम्बस सोसाइटी एक्सप्रेस पार्क व्यू नं० 1 चाई -5 टावर ए फ्लैट नं० ए 1301 ग्रेटर नोयडा गौतमबुद्ध नगर उ०प्र० में रहता है। सुरेश चन्द्र का परिवार 17/469 पाण्डेय सदन पुराना शिशु शिक्षा मन्दिर नरेन्द्र नगर जिला-रीवॉ, मध्य प्रदेश में रहता है। महेश प्रसाद के एक पुत्र अभिषेक हुये। महेश प्रसाद का परिवार वार्ड नं० 10 श्री यूत नगर आनन्तपुर हुजूर जिला-रीवा मध्य प्रदेश में रहता है। करूनेशचन्द्र के दो पुत्र शशांक और आकाश हुये। मिथलेश प्रसाद के दो पुत्र डा० अविरल और डा० अभिजीत हुये। मिथलेश प्रसाद का परिवार शिव नगर पालीटेक्निक कालेज, जिला-रीवॉ मध्य प्रदेश में रहता है। रमाकांत का परिवार नहीं चला। रमाकांत ग्राम शिवपुरी पोस्ट गेगासों जिला रायबरेली में रहता है। शिव प्रसाद के चौथे पुत्र सदाशिव के दो पुत्र नन्द

किशोर उपनाम कैलाश तथा नन्द कुमार हुये। नन्द किशोर के छै पुत्र प्रथम स्त्री से वृन्दावन बिहारी, अवध बिहारी तथा बृज बिहारी और द्वितीय स्त्री से शिव बिहारी, विपिन बिहारी और विमल बिहारी हुये। वृन्दावन बिहारी के परिवार नहीं चला। अवध बिहारी के एक पुत्र बद्री विशाल हुये। बद्री विशाल के दो पुत्र अखिलेश, अरूणेश हुये। अरूणेश के एक पुत्र अतिक्ष हुये। बृज बिहारी के दो पुत्र योगेन्द्र कुमार और विष्णु कुमार हुये। योगेन्द्र कुमार के एक पुत्र देवेन्द्र उपनाम शुभम हुये। विष्णु कुमार का परिवार नहीं चला। शिव बिहारी के पाँच पुत्र अशोक कुमार, शिव कुमार, सतीश कुमार, पवन कुमार और दीपू हुये। अशोक कुमार के एक पुत्र नीरज हुये। शिव कुमार के एक पुत्र पंकज हुये। सतीश का परिवार नहीं चला। पवन के तीन पुत्र सूरज, धीरज और देव हुये। दीपू के दो पुत्र राज और प्रिंस हुये। विपिन बिहारी के तीन पुत्र अनूप, अमित और अनुज हुये। अनूप के दो पुत्र आयुष और अमन हुये। अमित के एक पुत्र अभिनव उपनाम विकास हुये। अनुज के एक पुत्र मानस हुये। विमल बिहारी के दो पुत्र अतुल और अंश हुये। अतुल के एक पुत्र सिद्धान्त हुये। नन्द कुमार के एक पुत्र कृष्ण बिहारी हुये। कृष्ण बिहारी के दो पुत्र कमल बिहारी और जगदीश बिहारी हुये। जगदीश बिहारी के दो पुत्र ऐश्वर्य और श्रेय हुये।

राम नारायण के द्वितीय पुत्र मनराखन लाल के चार पुत्र गौरी शंकर, राधा मोहन, दुर्गा शंकर और राधा बिहारी हुये। गौरी शंकर का वंश नहीं चला। राधा मोहन के दो पुत्र राजा और उमानाथ हुये। राजा के एक पुत्र जगदीश शरण हुये। जगदीश शरण के दो पुत्र पीयूष और प्रत्यूष हुये। यह परिवार बाराबंकी में रहता है। उमाकांत के तीन पुत्र अशोक कुमार, देवेन्द्र कुमार और शैलेन्द्र कुमार हुये। अशोक कुमार के तीन पुत्र

सत्यम शिवम् और अभिषेक हुये। शिवम् के एक पुत्र श्रेयान हुये। सत्यम के अभी पुत्र नहीं और अभिषेक के भी अभी पुत्र नहीं। देवेन्द्र कुमार के एक पुत्र सुन्दरम् हुये। शैलेन्द्र कुमार के एक पुत्र देवाशीष हुये। ये परिवार आचार्य नगर लालगंज रायबेरली में रहता है। दुर्गा शंकर और राधा बिहारी का परिवार नहीं चला। राधा मोहन का परिवार लालगंज जिला रायबरेली में रहता है। राम नारायण के तृतीय पुत्र देवी गुलाम के पाँच पुत्र प्रथम स्त्री से शिव किशोर तथा द्वितीय स्त्री से मन्नू, झुन्नूलाल, श्रीराम और जसुदानन्दन हुये। शिव किशोर के दो पुत्र सुन्दर लाल और रामलाल हुये। सुन्दर लाल के चार पुत्र कृष्ण कुमार, वृजेन्द्र कुमार, राजकुमार और ज्ञानेन्द्र कुमार हुये। कृष्ण कुमार अल्पायु हुये। वृजेन्द्र कुमार के दो पुत्र महेश चन्द्र और सुरेश चन्द्र हुये। महेश चन्द्र के एक पुत्र अक्षय हुये। सुरेश चन्द्र के एक पुत्र प्रशांत हुये। राजकुमार के दो पुत्र रमेशचन्द्र और मनीष हुये। रमेशचन्द्र के एक पुत्र कृष्णा हुये। ज्ञानेन्द्र कुमार के छः पुत्र दिनेश चन्द्र, अनिल चन्द्र, शैलेश चन्द्र, प्रभात, संदीप और सुनील हुये। दिनेश चन्द्र के दो पुत्र शिवम और विवेक हुये। ज्ञानेन्द्र कुमार का परिवार बीघापुर जिला उन्नाव में रहता है। रामलाल के पाँच पुत्र सुरेन्द्र, धीरेन्द्र, राजेन्द्र, पुतानी और मुन्ना हुये। सुरेन्द्र राजेन्द्र पुतानी और मुन्ना चारों भाई अल्पायु हुये। धीरेन्द्र के एक पुत्र अभिषेक कुमार के एक पुत्र अक्षत कुमार हुये। शिव किशोर का परिवार स्टेशन रोड सिलचर नम्बर 3 असम में रहता था। यह परिवार असम से वापस आकर विभिन्न स्थानों में रहने लगे। वीरेन्द्र कुमार का परिवार शुक्लागंज जिला-उन्नाव में रहता है। राज कुमार का परिवार 4/389 अम्बेडरपुरम आवास विकास कल्यानपुर कानपुर में रहता है। धीरेन्द्र का परिवार 584 क /1 बंगला बाजार लखनऊ में रहता है। देवी गुलाम के दूसरे और तीसरे

पुत्र मन्नू और झुन्नूलाल अल्पायु हुये। देवी गुलाम के चौथे पुत्र श्रीराम के एक पुत्र गंगा सागर हुये। गंगासागर का परिवार नहीं चला। देवी गुलाम के पाँचवे पुत्र जसुदानन्दन का परिवार नहीं चला।

नेवाज के द्वितीय पुत्र शंकर को जमींदारी हक गेगासों में 200/- रुपया वार्षिक माफी मिलते थे। इनके चार पुत्र गया प्रसाद, विश्वनाथ, संकठा और धोखे हुये। गया प्रसाद के एक पुत्र दुर्गा प्रसाद हुये। दुर्गा प्रसाद का परिवार नहीं चला। विश्वनाथ के चार पुत्र शिव गणेश, शिवनाथ, शिव दुलारे और प्रभूदयाल हुये। शिव गणेश के तीन पुत्र चन्द्रभाल, तुंगनाथ और रामभरोसे हुये। चन्द्रभाल के एक पुत्र केशव प्रसाद हुये। केशव प्रसाद के दो पुत्र गंगा प्रसाद और गंगा सेवक हुये। गंगा प्रसाद के एक तीन पुत्र संतोष कुमार, पुनीत और विनीत हुये। संतोष के दो पुत्र प्रियांशु और आदित्य हुये। पुनीत के अभी पुत्र नहीं है। विनीत के एक पुत्र अक्षय हुये। गंगासेवक के दो पुत्र मोहित उपनाम कंचन और पुष्कर उपनाम चंदन हुये। मोहित उपनाम कंचन के एक पुत्र विनायक हुये। पुष्कर उपनाम चन्दन के एक पुत्र अनव उपनाम रघुनायक हुये। यह परिवार बी-1 नन्दग्राम गाजियाबाद उ०प्र० में रहता है। गंगाप्रसाद का परिवार कोलकता में रहता है। ऐसी जानकारी मिली। तुंगनाथ और रामभरोसे दोनों भाई अल्पायु हुये। शिवनाथ के दो पुत्र चन्द्र भूषण उपनाम लोटन और शिवनन्दन हुये। चन्द्रभूषण उपनाम लोटन के दो पुत्र लक्ष्मण प्रसाद और शीतला शंकर हुये। लक्ष्मण प्रसाद के तीन पुत्र नारायण प्रकाश, जय प्रकाश और संधन्ना हुये। नारायण प्रकाश के एक पुत्र शारदा प्रकाश हुये। जय प्रकाश के एक पुत्र शिखर हुये। संधन्ना के एक पुत्र प्रखर हुये। शिवनन्दन के दो पुत्र रवी शंकर और विधि शंकर हुये। रवी शंकर के तीन पुत्र मुन्ना, मनोज और मुकेश हुये। मुन्ना का परिवार नहीं

चला। मनोज अविवाहित है। मुकेश के एक पुत्र यश हुये। विधिशंकर के एक पुत्र राजू के दो पुत्र कार्तिकेय और हर्षित हुये। शिवदुलारे के चार पुत्र शिवप्यारे, शिव दर्शन, शिव आधार और शिव मगन हुये। शिवप्यारे के एक पुत्र चन्द्रिका प्रसाद हुये। चन्द्रिका प्रसाद के दो पुत्र संकठा प्रसाद और गिरजा शंकर हुये। संकठा प्रसाद अल्पायु हुये। गिरजा शंकर के एक पुत्र मनीष कुमार हुये। ऐसा पता चला है कि गिरिजा शंकर का परिवार दिल्ली में रहता है। शिवदर्शन के दो पुत्र गोकुल प्रसाद और राजकुमार हुये। गोकुल प्रसाद के एक पुत्र लालमणि हुये। लालमणि के एक पुत्र साश्वत हुये। गोकुल प्रसाद का परिवार लखनऊ में रहता है। राजकुमार के चार पुत्र बाबू उपनाम संतोष, पप्पू उपनाम मनीष (राजा), राम जी उपनाम अविनाश, गोपाल जी उपनाम हरीश हुये। बाबू उपनाम संतोष के एक पुत्र आदित्य हुये। पप्पू उपनाम मनीष (राजा) के दो पुत्र आदर्श और आदेश हुये। राम जी उपनाम अविनाश के दो पुत्र आलेख और अनन्त हुये। राजकुमार का परिवार शिवपुरी जिला रायबरेली में रहता है। शिव अधार और शिव मगन दोनो भाई अल्पायु हुये। विश्वनाथ के चौथे पुत्र प्रभू दयाल के छै पुत्र शिवमोहन, राममोहन, शिवदेव नारायण, राम परसन, श्रीकृष्ण और राम प्रसाद हुये। शिव मोहन और राममोहन इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। शिवदेव नारायण के तीन पुत्र धनराज, उमेश चन्द्र और श्रीधर हुये। धनराज के एक पुत्र किशोर कुमार के एक पुत्र गौरव हुये। उमेशचन्द्र का परिवार नहीं चला। श्रीधर के दो पुत्र सुमित और सौरभ हुये। राम परसन के तीन पुत्र अम्बिका प्रसाद, भगवती प्रसाद और करुणेन्द्र प्रसाद हुये। अम्बिका प्रसाद के दो पुत्र सतीश कुमार और मुन्ना हुये। भगवती का परिवार नहीं चला। करुणेन्द्र कुमार के तीन पुत्र पंकज, अनिल और सूरज हुये। पंकज के एक पुत्र

अभिनव हुये। अनिल के एक पुत्र अर्णव हुये। सूरज के एक पुत्र अहन हुये। पंकज का परिवार असम में रहता है। श्रीकृष्ण के सात पुत्र उमाकांत, दुर्गाकांत, अजयकांत, अशोक कुमार, संतोष कुमार, उत्तम कुमार और अनूप हुये। उमाकांत के दो पुत्र आलोक कुमार और आनन्द कुमार हुये। आलोक कुमार के एक पुत्र धीरज हुये। आनन्द कुमार के एक पुत्र सक्षम हुये। दुर्गाकान्त के तीन पुत्र अमर, सुमित और अमित हुये। अमर के एक पुत्र बाबू उपनाम अयम हुये। सुमित के एक पुत्र आरव हुये। अजयकांत के दो पुत्र दीपक और छोटू हुये। अशोक कुमार के एक पुत्र लक्की उपनाम प्रकाश हुये। संतोष कुमार, उत्तम कुमार और अनूप का परिवार नहीं चला। राम प्रसाद के पाँच पुत्र श्रीकांत, विजयकांत, ऋषिकांत, विनयकांत और प्रदीप हुये। श्रीकांत के दो पुत्र संदीप और मुकेश हुये। संदीप के एक पुत्र स्पर्श हुये। मुकेश के दो पुत्र शिखर और शिवांश हुये। विजयकांत के एक पुत्र सचिन हुये। सचिन के दो पुत्र रूद्र और शास्वत हुये। ऋषिकांत के एक पुत्र रजत के एक पुत्र आद्विक हुये। विनयकांत के एक पुत्र आशुतोष हुये। प्रदीप के दो पुत्र अभिषेक और छोटू उपनाम अनुराग हुये। शंकर के तृतीय पुत्र संकठा प्रसाद का परिवार नहीं चला। शीतल कुमार के चतुर्थ पुत्र धोखे के दो पुत्र सूर्यबली और पतिराखन उपनाम दुल्लू हुये। सूर्यबली का परिवार नहीं चला। पति राखन के एक पुत्र रामधनी हुये। रामधनी अल्पायु हुये।

नेवाज के तीसरे पुत्र सेवक राम के आठ पुत्र सूर्य प्रसाद, रामचरण, द्वारिका प्रसाद, दुर्गाचरण, गोपी चरण, पद्म प्रसाद, गौरी चरण और ठाकुर प्रसाद उपनाम बचनी हुये। सूर्य प्रसाद के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से लालू द्वितीय स्त्री से सोमेश्वर और वैद्यनाथ हुये। लालू का परिवार नहीं चला। सोमेश्वर का भी परिवार नहीं चला। वैद्यनाथ के दो पुत्र बद्री

प्रसाद और केदारनाथ हुये। बद्री प्रसाद के चार पुत्र रमाशंकर, प्रभाशंकर, चारुचन्द्र और चन्द्र भानु हुये। रमाशंकर के दो पुत्र गोविन्द प्रसाद और गोपाल प्रसाद हुये। गोविन्द के एक पुत्र नितिन अविवाहित है। गोपाल प्रसाद के दो पुत्र अंकित और रोहित हुये। प्रभाशंकर के तीन पुत्र राम नारायण, श्याम नारायण और राकेश हुये। राम नारायण का परिवार नहीं चला। श्याम नारायण के दो पुत्र दीपक और कुशाग्र हुये। दीपक के अभी पुत्र नहीं है। कुशाग्र के एक पुत्र लोकेश हुये। राकेश के एक पुत्र प्रशान्त हुये। चारुचन्द्र के एक पुत्र अरविन्द प्रसाद हुये। अरविन्द प्रसाद के दो पुत्र सितिज और आकाश हुये। सितिज के दो पुत्र अमोद और अविरल हुये। आकाश के दो पुत्र आद्विक व अगम्य हुये। चन्द्र भानु के तीन पुत्र किशन चन्द्र, दिनेश चन्द्र और राजेश हुये। राजेश अल्पायु हुये। किशन चन्द्र के एक पुत्र अमर हुये। दिनेशचन्द्र के दो पुत्र हिमांशु और सुधांशू हुये। हिमांशु के दो पुत्र यर्थाथ व शौनक हुये। सुधांशू के अभी पुत्र नहीं केदार नाथ के तीन पुत्र रमेश चन्द्र, सुरेश चन्द्र और सतीश चन्द्र हुये। रमेश चन्द्र के पाँच पुत्र निर्मल चन्द्र, ज्ञान चन्द्र, प्रेम चन्द्र, हरीश चन्द्र और कैलाश चन्द्र हुये। निर्मल चन्द्र के दो पुत्र संदीप और प्रदीप हुये। प्रदीप के एक पत्र राघव हुये। ज्ञान चन्द्र के एक पुत्र प्रफुल्ल चन्द्र उपनाम डब्बू के अभी पुत्र नहीं है। प्रेम चन्द्र के एक पुत्र रवीशचन्द्र हुये। रवीशचन्द्र के दो पुत्र सार्थक और आरूष हुये। हरिशचन्द्र के एक पुत्र आशुतोष हुये। आशुतोष के अभी पुत्र नहीं हैं। कैलाश चन्द्र के दो पुत्र विभोर और गौरव हुये। गौरव अविवाहित रहे। विभोर के एक पुत्र प्रबल प्रताप हुये। सुरेश चन्द्र उपनाम लोली के दो पुत्र सुनील और अनिल हुये। अनिल के दो पुत्र प्रतीक और निखिल हुये। निखिल के एक पुत्र अरव हुये। सुनील के एक पुत्र नीलेश हुये। निलेश के एक पुत्र नीलांश हुये। सतीशचन्द्र के

दो पुत्र ईश्वर चन्द्र और प्रकाश चन्द्र हुये। ईश्वरचन्द्र के एक पुत्र अनिरूद्ध हुये। प्रकाश चन्द्र के एक पुत्र सिद्धान्त हुये। प्रेम चन्द्र का परिवार केदार निकेतन 3/31 पशुपति नगर कानपुर में रहता है। वैद्यनाथ का यह महत परिवार कानपुर में निवास करता है। इनकी मशहूर शेर छाप तम्बाकू की दुकान कलक्टरगंज कानपुर में है। श्रीमान चारु चन्द्र जी पाण्डेय ने इस वंश संकलन के कार्य में हमें अपना अमूल्य समय और सहयोग कानपुर क्षेत्र से दिया है, इसके लिये हम पाण्डेय जी के आभारी हैं।

सेवक राम के द्वितीय पुत्र रामचरण के दो पुत्र शालिक राम और महादेव हुये। शालिक राम के एक पुत्र शिव दयाल हुये। शिव दयाल अल्पायु हुये। महादेव का वंश नहीं चला। सेवक राम के तृतीय पुत्र द्वारिका प्रसाद के दो पुत्र मुक्ता प्रसाद और सदानंद हुये। मुक्ता प्रमाद के तीन पुत्र शिवबली, मनोहर और वेणी प्रसाद हुये। शिवबली के तीन पुत्र केदार, चन्द्रिका और रामप्रसाद हुये। केदार और चन्द्रिका इन दोनों भाइयों का वंश नहीं चला। राम प्रसाद के चार पुत्र आनंद स्वरूप, यज्ञ स्वरूप, शान्ती स्वरूप और विष्णु स्वरूप हुये। आनंद स्वरूप के एक पुत्र अशोक कुमार हुये। अशोक कुमार का परिवार नहीं चला। यज्ञ स्वरूप के एक पुत्र रत्नेश कुमार हुये। रत्नेश कुमार के दो पुत्र आयुष और उमंग हुये। शान्ती स्वरूप का परिवार नहीं चला। विष्णु स्वरूप के एक पुत्र अनुपम हुये। राम प्रसाद का यह परिवार गोल बाजार खड़गपुर पश्चिम बंगाल में निवास करता है। मनोहर के एक पुत्र रघुबर दयाल हुये। रघुबर दयाल के दो पुत्र रवीन्द्र मोहन और सुरेन्द्र मोहन हुये। रवीन्द्र मोहन के एक पुत्र महेन्द्र के एक पुत्र अथर्व हुये। सुरेन्द्र मोहन का परिवार नहीं चला। रविन्द्र मोहन का परिवार 8/198 विकास नगर लखनऊ में

रहता है। वेणी प्रसाद अल्पायु हुये। सदानन्द का परिवार नहीं चला।

सेवक राम के चतुर्थ पुत्र दुर्गा चरण के एक पुत्र हनुमंत हुये। हनुमंत के एक पुत्र राम प्यारे हुये। राम प्यारे के तीन पुत्र चन्द्र भूषण, महाबीर और महानारायण हुये। चन्द्र भूषण के एक पुत्र शिव कुमार हुये। शिव कुमार के दो पुत्र सुरेन्द्र कुमार और संतोष कुमार हुये। सुरेन्द्र कुमार के तीन पुत्र विनय कुमार अतुल कुमार और अमित कुमार हुये। संतोष कुमार के एक पुत्र प्रदीप कुमार हुये। महाबीर के दो पुत्र हरि प्रसाद और राम कुमार हुये। हरि प्रसाद के एक पुत्र स्वप्न कुमार हुये। राम कुमार का परिवार नहीं चला। महानारायण के पुत्र शंकर दयाल हुये। शंकर दयाल के दो पुत्र काली प्रसाद और काली किशोर हुये। काली प्रसाद के दो पुत्र करूणाशंकर और रमाशंकर हुये। करूणा शंकर के दो पुत्र ओम और राम हुये। रमाशंकर के एक पुत्र जीत कुमार हुये। काली किशोर के एक पुत्र दीपक हुये। राम प्यारे का परिवार सैंबसी जिला रायबरेली में रहता है। सेवक राम के पंचम पुत्र गोपी चरण के दो पुत्र गंगा दयाल और गंगा सहांय हुये। गंगा दयाल के तीन पुत्र गंगा गुलाम, गंगा रतन और रामरतन हुये। गंगा गुलाम का परिवार नहीं चला। गंगा रतन के दो पुत्र प्रथम स्त्री से गंगा चरण और द्वितीय स्त्री से उमा चरण हुये। गंगा चरण के दो पुत्र अनुभव और अर्पण हुये। अनुभव के एक पुत्र श्रेष्ठ हुये। अर्पण के एक पुत्र हितार्थ हुये। उमा चरण के तीन पुत्र रमेश उपनाम शीलू, संतोष कुमार और संजू हुये। रमेश कुमार का परिवार नहीं चला। संतोष कुमार के एक पुत्र सुधांशु शेखर हुये। संजू के एक पुत्र लक्ष्य हुये। राम रतन के दो पुत्र जगदीश नारायण और अनिल कुमार हुये। जगदीश नारायण के एक पुत्र राजीव के एक पुत्र ईशान हुये। अनिल कुमार के एक पुत्र प्रखर हुये। वर्तमान में यह परिवार 126 के-ब्लाक, यशोदा नगर कानपुर-11 में रहता

है। गंगा सहांय के एक पुत्र संकठा प्रसाद हुये। संकठा प्रसाद के तीन पुत्र विजय कुमार, विनय कुमार और विनोद कुमार हुये। विजय कुमार के दो पुत्र अभिनव और सितांश हुये। विनय कुमार का परिवार नहीं चला। विनोद कुमार के एक पुत्र विनम्र हुये। गोपी चरण का यह परिवार अम्बारा जिला रायबरेली में रहता था। वर्तमान में यह परिवार 4/191 विवेक खण्ड, गोमती नगर लखनऊ में रहता है। सेवक राम के छठवें पुत्र पद्म प्रकाश इनको 50/- रुपया जमीदारी हक गेगासों में वार्षिक मिलता था इनके दो पुत्र वासुदेव और मुरलीधर हुये। वासुदेव के तीन पुत्र शिवशंकर, महादेव और गंगा प्रसाद हुये। शिवशंकर के दो पुत्र श्याम लाल और श्यामधर हुए। श्याम लाल के दो पुत्र राजू और राम हुए। यह परिवार मध्य प्रदेश में रहता है। श्यामधर के तीन पुत्र राकेश, विनय और राजेश हुये। राकेश के दो पुत्र अविरल और आर्यन हुये। विनय के एक पुत्र अंश हुये। राजेश के एक पुत्र आदर्श हुये। मुरलीधर का परिवार नहीं चला। सेवक राम के सातवें पुत्र गौरी चरण का परिवार नहीं चला। सेवक राम के आठवें पुत्र ठाकुर प्रसाद उपनाम बचनी के एक पुत्र राम अधीन हुये। रामअधीन का परिवार नहीं चला।

नेवाज के चतुर्थ पुत्र शीतलादीन के एक पुत्र शिवदास हुये। शिवदास के तीन पुत्र शिवलायक, शिवाधीन और शिवकरण हुए। शिवलायक के दो पुत्र शम्भू रतन और रामनाथ उपनाम लालु हुये। शम्भू रतन के पाँच पुत्र बटुकनाथ, भैरौनाथ, इन्द्र प्रकाश, भानु प्रकाश और प्रेम प्रकाश हुये। बटुकनाथ का परिवार नहीं हैं। भैरोनाथ के तीन पुत्र आदित्य नाथ, जगदीश और अमूल्य नाथ हुये। आदित्य नाथ के दो पुत्र अनिल कुमार और अजय कुमार हुये। अनिल कुमार के एक पुत्र धनराज हुये अजय के एक पुत्र विशेष हुये। अनिल और अजय का परिवार 590

के-ब्लाक यशोदा नगर कानपुर में रहता है। जगदीश के दो पुत्र जय प्रकाश और जलज हुये। जय प्रकाश के एक पुत्र कुशागं हुये। अमूलनाथ के दो पुत्र आशू और सोम उपनाम छोटू हुये। जगदीश का परिवार 128/66 डी-ब्लाक किदवई नगर, कानपुर में रहता है। इन्द्र प्रकाश के तीन पुत्र पुरषोत्तम, कैलाश और अविनाश हुये। पुरुषोत्तम का परिवार नहीं चला। कैलाश के एक पुत्र डोरियन हुये। अविनाश का परिवार नहीं चला। भानु प्रकाश के दो पुत्र आनन्द प्रकाश और सुशील कुमार हुए। आनन्द प्रकाश के तीन पुत्र अर्जित, कुशाग्र, तनमय हुये। आनन्द प्रकाश का परिवार वाई-ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर में रहता है। सुशील कुमार के एक पुत्र विवेक हुये। प्रेम प्रकाश अल्पायु हुये। इन्द्र प्रकाश जर्मनी में रहते हैं। इन्द्र प्रकाश के तीनों पुत्र अमेरिका में है। इनका खुद का मकान किदवई नगर, कानपुर में था किन्तु अब नहीं। शिव लायक के दूसरे पुत्र रामनाथ उपनाम लालू के एक पुत्र नरेश चन्द्र हुये। नरेश चन्द्र के तीन पुत्र महेशचन्द्र, अविनाश और राजीव हुये। महेशचन्द्र के दो पुत्र अभिलाष और वैभव हुये। अभिलाष के एक पुत्र आध्यान हुये। वैभव के एक पुत्र अदम्य हुये। अविनाश के एक पुत्र सास्वत हुये। राजीव के पुत्र नहीं है। नरेश चन्द्र का परिवार 117/479 पाण्डू नगर कानपुर में रहता है। शिवदास के द्वितीय पुत्र शिवाधीन का परिवार नहीं चला। शिवदास के तृतीय पुत्र शिवकरण के पाँच पुत्र प्रथम स्त्री से बृज मोहन, त्रिर्युगी नारायण और मनमोहन तथा द्वितीय स्त्री से शंकर सहांय और विन्दा प्रसाद हुये। बृज मोहन के चार पुत्र कृष्ण स्वरूप, ब्रह्म स्वरूप, गोपाल स्वरूप और ज्योति स्वरूप हुये। कृष्ण स्वरूप के एक पुत्र सुशील कुमार हुए। सुशील कुमार के दो पुत्र अंकुश और उत्कर्ष हुये। ब्रह्म स्वरूप के एक पुत्र सुधीर उपनाम माधो हुये। सुधीर के एक पुत्र

प्रणव हुये। यह परिवार लखनऊ में रहता है। गोपाल स्वरूप के दो पुत्र पंकज और मनोज हुए। पंकज के एक पुत्र नाम अज्ञात और मनोज के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। यह परिवार विकास नगर, लखनऊ में रहता है। ज्योति स्वरूप के तीन पुत्र बृजेश, बृजेन्द्र और वीरेन्द्र हुये। बृजेश के दो पुत्र पीयूष और आयुष हुये। बृजेन्द्र के दो पुत्र सजल और मधुर हुये। वीरेन्द्र के एक पुत्र शाश्वत हुये। यह परिवार 128/347 वाई ब्लाक किदवई नगर, कानपुर में रहता है। त्रिर्युगी नारायण के चार पुत्र तृप्ती नारायण, ओंकार नारायण, गिरीश नारायण और डा० महेश नारायण हुये। तृप्ती नारायण के एक पुत्र अविनाश हुए। ओंकार नारायण के एक पुत्र आशुतोष के दो पुत्र वैंक्टेश और शिवम् हुए। गिरीश नारायण जी भूतपूर्व कैबिनेट मंत्री उ०प्र० शासन में रहे जिनके तीन पुत्र अनिद्ध कुमार, अनन्त कुमार और अजय कुमार हुए। अनिद्ध का परिवार नहीं चला। अनंत कुमार के दो पुत्र विष्णुमूर्ति और सिद्धांत हुये। अजय कुमार के एक पुत्र रवीश हुये। गिरीश नारायण का परिवार लालगंज जिला रायबरेली में रहता है। डा० महेश नारायण के एक पुत्र डा०अविकीर्ण के एक पुत्र अर्जव हुये। डा० महेश नारायण का परिवार बी-185 सेक्टर 5 शुशांक सिटी मेरठ (उ०प्र०) में रहते है। शिवकरण के तृतीय पुत्र मनमोहन के चार पुत्र नन्द लाल, श्याम लाल, बनवारी लाल और विहारी लाल हुये। नन्द लाल के पाँच पुत्र राजेश कुमार, राकेश कुमार, दिनेश कुमार, कमलेश कुमार और सुरेश कुमार हुए। राजेश कुमार के दो पुत्र पुनीत और पुलक हुये। पुनीत के एक पुत्र वैंक्टेश हुये। पुलक के एक पुत्र पार्थ हुये। राकेश कुमार के एक पुत्र नवनीत हुये। दिनेश कुमार का परिवार नहीं चला। कमलेश कुमार के दो पुत्र निखिल उपनाम गोलू और नितिन हुये। सुरेश कुमार के एक पुत्र रिद्म हुये। श्याम लाल के दो पुत्र संजय

और विजय हुए। संजय के एक पुत्र प्रियंन और विजय के एक पुत्र प्रतीक हुये। बनवारी लाल के दो पुत्र शैलेश उपनाम पप्पू और धर्मेश उपनाम टिल्लू हुए। शैलेश का परिवार नहीं चला और धर्मेश के पुत्र अंकित हुये। बिहारी लाल के एक पुत्र राहुल हुये। शिवकर्ण के चतुर्थ पुत्र शंकर सहांय के एक पुत्र चन्द्र प्रकाश हुए। चन्द्र प्रकाश के चार पुत्र शीतला सहांय, शीतला सेवक, शीलता प्रसाद और शीतला कुमार हुये। शीतला सहायं के एक पुत्र संतोष कुमार के एक पुत्र कृष्णा हुये। शीतला सेवक के दो पुत्र दुर्गेश कुमार और ज्ञानेश कुमार हुये। दुर्गेश का परिवार नहीं चला। ज्ञानेश के एक पुत्र आर्यन हुये। शीतला प्रसाद के एक पुत्र अमित हुये। अमित के दो पुत्र माधव और कान्हा हुये। शीतला कुमार के एक पुत्र आदित्य हुये। विन्दा प्रसाद का परिवार नहीं चला। यह परिवार शिवपुरी रायबरेली में रहता है। राकेश कुमार का परिवार लालगंज जिला रायबरेली में रहता है।

सतकी के तृतीय पुत्र नन्दन बड़े वीर पुरुष हुए इनका तेगा जग जाहिर था इनके चार पुत्र शिवदत्त, राधेलाल, देवीदीन और युगल किशोर हुए। शिवदत्त के एक पुत्र ईश्वरी प्रसाद हुये ईश्वरी प्रसाद के चार पुत्र रामबक्स, भजन लाल, रघुनाथ प्रसाद और सिद्धिनाथ हुये। रामबक्स का वंश नहीं चला। भजन लाल के एक पुत्र विश्वेश्वर हुये। विश्वेश्वर के एक पुत्र यदुनन्दन के छै पुत्र उमाशंकर, गोकर्ण नाथ, कैलाश शंकर, भीम शंकर, धरम शंकर और करुणा शंकर हुये। उमा शंकर के तीन पुत्र कृपा शंकर, रामशंकर और मनोज कुमार हुए। कृपा शंकर के तीन पुत्र शिवशंकर, विजय शंकर, और रवि शंकर हुये। शिव शंकर के दो पुत्र अमित और सुमित हुये। विजय शंकर और रविशंकर दोनो भाई अविवाहित रहे। राम शंकर के एक पुत्र राहुल हुये। मनोज कुमार के दो पुत्र अंकुर

और प्रखर हुये। अंकुर के एक पुत्र अभिमन्यु हुये। गोकर्ण नाथ के एक पुत्र प्रभा शंकर हुये। प्रभा शंकर के दो पुत्र निर्मल कुमार और शरद कुमार हुये। निर्मल कुमार का परिवार नहीं चला। शरद कुमार के एक पुत्र आशुतोष हुये। यह परिवार पहले कठारा जिला कानपुर में रहता था। वर्तमान में हंसपुरम नौबस्ता, कानपुर एवं 124/126 सी-ब्लाक गोविन्द नगर कानपुर में रहता है। कैलाश शंकर के तीन पुत्र उमेश चन्द्र, दिनेश चन्द्र और नरेश चन्द्र हुये। उमेश चन्द्र के दो पुत्र राजेश कुमार और सुरेश कुमार हुये। राजेश कुमार अविवाहित रहे। सुरेश कुमार एक पुत्र तेजस हुये। दिनेश चन्द्र के एक पुत्र राकेश हुये। राकेश के एक पुत्र प्रसन्न हुये। नरेश चन्द्र के एक पुत्र अभिषेक हुये। अभिषेक के एक पुत्र पूरव हुये। भीम शंकर अल्पायु हुये। धर्म शंकर के चार पुत्र संजय कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार राजीव कुमार हुये। संजय कुमार के दो पुत्र कृष्ण गोपाल और सागर हुये। विजय कुमार के एक पुत्र अर्जुन हुये। अजय कुमार के एक पुत्र सारंग हुये। राजीव कुमार के अभी पुत्र नहीं। करुणा शंकर के तीन पुत्र राजेन्द्र कुमार, कमल कुमार और कृष्ण कुमार हुये। राजेन्द्र कुमार के एक पुत्र आशुतोष हुये। कमल कुमार और कृष्ण कुमार दोनों भाई अविवाहित रहे। यह परिवार पहले कठारा जिला कानपुर में रहता था। वर्तमान में बनारस में रहता है। ईश्वरी प्रसाद के तृतीय पुत्र रघुनाथ प्रसाद के आठ पुत्र लालता प्रसाद, दीनानाथ, शम्भूनाथ, चन्द्रनाथ, वंश गोपाल, आदिनाथ, महेन्द्र नाथ और सूर्य कांत हुये। लालता प्रसाद के एक पुत्र देव कृष्ण हुये। देव कृष्ण के चार पुत्र प्रथम स्त्री से बृजलाल, मोहन लाल, मदन लाल और द्वितीय स्त्री से मनबोधन हुये। बृजलाल के एक पुत्र काली प्रसाद अल्पायु हुये। मोहन लाल के एक पुत्र देवेन्द्र नारायण हुए। मदन लाल का परिवार नहीं चला। मनबोधन के चार पुत्र

आनन्द कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार और अनिल कुमार हुये। आनन्द कुमार के एक पुत्र विकास हुये। दीनानाथ का परिवार नहीं चला। शम्भू नाथ के दो पुत्र भगवान दीन और भगवती प्रसाद हुये। भगवान दीन के दो पुत्र कामांख्या प्रसाद और कल्लू हुये। कामांख्या प्रसाद का परिवार नहीं चला। कल्लू उपनाम शीतला प्रसाद के दो पुत्र दिनेश और पंकज हुए। भगवती प्रसाद के दो पुत्र राजेश कुमार उपनाम शरविन्दु और राजू उपनाम पूर्णेन्दु हुये। शम्भूनाथ का परिवार कानपुर में रहता है। रघुनाथ प्रसाद के चतुर्थ पुत्र चन्द्रनाथ अल्पायु हुए। रघुनाथ प्रसाद के पंचम पुत्र वंश गोपाल भी अल्पायु हुये। रघुनाथ प्रसाद के छठवें पुत्र आदिनाथ के एक पुत्र दुर्गा प्रसाद हुए। दुर्गा प्रसाद के एक पुत्र बबुआ हुए। रघुनाथ प्रसाद के सातवें पुत्र महेन्द्र नाथ के दो पुत्र देवी सहांय और शिव सहांय हुए। देवी सहांय के दो पुत्र लक्ष्मी शंकर और रुद्र शंकर हुए। लक्ष्मी शंकर के चार पुत्र नाम अज्ञात हुये। शिव सहांय के तीन पुत्र रमाशंकर, अरुण शंकर और विजय शंकर हुए। रामशंकर अल्पायु हुये। अरूण शंकर के एक पुत्र कमलेश के एक पुत्र शिवांश हुये। विजय शंकर के दो पुत्र गगन और मगन हुये। यह परिवार शिवपुरी जिला-रायबरेली में रहता है। रघुनाथ प्रसाद के अष्टम् पुत्र सूर्य कांत के दो पुत्र गंगा सहांय और गंगा शंकर हुये। ईश्वरी प्रसाद के चतुर्थ पुत्र सिद्धिनाथ के एक पुत्र काशी प्रसाद हुये। काशी प्रसाद का परिवार नहीं चला।

नन्दन के द्वितीय पुत्र राधेलाल के दो पुत्र परमेश्वर और गोकुल हुये। परमेश्वर के दो पुत्र रामगुलाम और वीरभद्र हुये। राम गुलाम के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से हीरालाल व द्वितीय स्त्री से महाबीर और चन्द्रभूषण हुये। हीरालाल के तीन पुत्र बलदेव प्रसाद, वृन्दावन और श्याम बिहारी हुये। बलदेव प्रसाद के दो पुत्र प्रथम स्त्री से श्रीकृष्ण बिहारी उपनाम मन्नू

और द्वितीय स्त्री से चन्द्र बिहारी हुये। श्रीकृष्ण बिहारी उपनाम मन्नू अल्पायु हुये। चन्द्र बिहारी भी अल्पायु हुये। वृन्दावन के दो पुत्र बृज बिहारी और सुधानी हुये। बृज बिहारी के चार पुत्र नाम अज्ञात हुये। सुधानी के तीन पुत्र नाम अज्ञात हुये। यह मेरठ में रहते हैं। श्याम बिहारी अल्पायु हुये। महाबीर के एक पुत्र प्रभूदयाल हुये। प्रभूदयाल के एक पुत्र शिवदुलारे हुये। शिवदुलारे के एक पुत्र चन्द्रशेखर हुये। चन्द्रशेखर के तीन पुत्र शशिकांत, श्रीकांत और विष्णुकांत हुये। शशिकांत के दो पुत्र निखिल और मुकुल हुये। यह परिवार लालगंज जिला रायबरेली में रहता है। श्रीकांत के दो पुत्र अजय और विजय हुये। यह परिवार ग्राम-अलीपुर, पोस्ट रायपुर जिला उन्नाव में रहता है। विष्णुकांत के एक पुत्र आदित्य हुये। यह परिवार कोलकाता में रहता है। चन्द्रभूषण के एक पुत्र श्याम सुन्दर उपनाम लल्लू हुये। लल्लू के एक पुत्र भैरो प्रसाद हुये। भैरो प्रसाद के दो पुत्र आशुतोष और मोहित उपनाम सोनू हुये। आशुतोष के दो पुत्र माघव और कार्तिक हुये। मोहित उपनाम सोनू के एक पुत्र स्कन्ध हुये। भैरो प्रसाद का परिवार 104-ए/218 रामबाग, कानपुर में रहता है। गोकुल के एक पुत्र चन्द्रचूड़ के एक पुत्र भगवती प्रसाद हुये। भगवती प्रसाद रायपुर छत्तीसगढ़ में रहते हैं।

नन्दन के तृतीय पुत्र देवीदीन के दो पुत्र गंगा प्रसाद और अयोध्या प्रसाद हुये। गंगा प्रसाद के एक पुत्र प्रयाग दत्त हुये। प्रयाग दत्त के एक पुत्र जगरूप उपनाम कामतानाथ हुए। जगरूप के तीन पुत्र विधि चन्द्र, हुकुम चन्द्र और हरिश्चन्द्र हुये। विधि चन्द्र के तीन पुत्र ललित कुमार, पप्पू और बबलू हुये। हुकुम चन्द्र के दो पुत्र नीरज कुमार और पंकज कुमार हुये। नीरज कुमार के एक पुत्र अनुभव हुये। पंकज कुमार एडवोकेट के एक पुत्र श्रेयज उपनाम सानिध्य हुये। पंकज कुमार

एडवोकेट का परिवार लालगंज जिला रायबरेली में रहते है और नीरज कुमार शिवपुरी जिला रायबरेली में रहते है। अयोध्या प्रसाद के दो पुत्र श्रीकृष्ण और शिवभूषण हुये। श्रीकृष्ण अल्पायु हुये। शिवभूषण के एक पुत्र सत्य नारायण उपनाम पन्नी हुये और इनका परिवार नहीं चला। नन्दन के चतुर्थ पुत्र युगल किशोर का परिवार नहीं चल सका। सतकी के चतुर्थ और पंचम पुत्र लल्लू और फेरू का परिवार नहीं चला।

(शिवपुरी वंश वर्णन समाप्त)

काशीनाथ के द्वितीय पुत्र शीतल के चार पुत्र संगम, मान, दास और परम सुख हुये। संगम के एक पुत्र जगन्नाथ हुये। जगन्नाथ के तीन पुत्र देवीलाल, श्याम लाल और मैकूलाल हुये। देवी लाल और श्याम लाल इन दोनों भाइयों के परिवार नहीं चला। मैकू लाल के एक पुत्र दुर्गा प्रसाद हुये। दुर्गा प्रसाद का परिवार नहीं चला। मान के पाँच पुत्र प्रथम स्त्री से नेवाजी लाल, बद्रीनाथ, शालिक राम और द्वितीय स्त्री से वंश गोपाल और शिवलाल हुये। नेवाजी लाल के एक पुत्र जीवराखन हुये। जीवराखन का परिवार नहीं चला। बद्रीनाथ के एक पुत्र शिव नारायण हुये। शिव नारायण का वंश नहीं चला। शालिक राम के एक पुत्र पदुम प्रसाद हुये। पदुम प्रसाद के चार पुत्र प्रथम स्त्री से केदारनाथ, देवीदीन व संकठा प्रसाद और द्वितीय स्त्री से शिवचरण हुये। केदारनाथ का परिवार नहीं चला। देवीदीन के दो पुत्र मन्नी और गंगू हुये। मन्नी के छै पुत्र मनोहर, गोबरे, दुर्गा प्रसाद, रघुनाथ, विश्वनाथ और रघुबर हुये। मनोहर के एक पुत्र जगदेव हुये। जगदेव अल्पायु हुये। गोबरे के एक पुत्र हरिवंश हुये। हरिवंश अल्पायु हुये। दुर्गा प्रसाद भी अल्पायु हुये। रघुनाथ के एक पुत्र रजऊ हुये। विश्वनाथ अल्पायु हुये। रघुबर भी अल्पायु हुये।

देवीदीन के द्वितीय पुत्र गंगू के दो पुत्र भगवानदीन और राम चरण हुये। किन्तु यह दोनों भाई अल्पायु हुये। पदुम प्रसाद के तृतीय पुत्र संकठा प्रसाद के एक पुत्र शिव दयाल हुये। शिव दयाल के तीन पुत्र काली शंकर, तुलसी राम, महादेव हुये। काली शंकर के एक पुत्र रामचन्द्र हुये। तुलसीराम के एक पुत्र रामकुमार हुये। महादेव अल्पायु हुये। पदुम प्रसाद के चतुर्थ पुत्र शिवचरण के दो पुत्र गोकरन प्रसाद और राधाकिशन हुये। गोकरन प्रसाद का परिवार नहीं चला। वे साधू हो गये और राधा कृष्ण अल्पायु हुये। मान के चतुर्थ पुत्र वंश गोपाल के दो पुत्र सीताराम और गणेश प्रसाद हुये। सीताराम के परिवार नहीं चला। गणेश प्रसाद के एक पुत्र चंद्रिका प्रसाद हुये। चंद्रिका प्रसाद के दो पुत्र बलदेव प्रसाद और लालमणि उपनाम लल्लू हुये। इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। मान के पंचम पुत्र शिवलाल के दो पुत्र राम नारायण और जानकी प्रसाद हुये। राम नारायण के चार पुत्र शिव प्रसाद, हरि प्रसाद दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। कामता प्रसाद के दो पुत्र रामरतन और लल्लू हुए। रामरतन के दो पुत्र रामनाथ और रमाशंकर हुये। रामनाथ अल्पायु हुये। रमाशंकर के एक पुत्र गोपाल कृष्ण का परिवार नहीं चला। लल्लू उपनाम रामचरण के चार पुत्र शिवदर्शन, शिवप्रसाद, शिवकण्ठ और शिवभाल हुये। इन चारों भाइयों का परिवार नहीं चला। राम नारायण के चतुर्थ पुत्र सुखनन्दन के एक पुत्र पंचानन हुए। पंचानन का परिवार नहीं चला। शिवलाल के द्वितीय पुत्र जानकी प्रसाद के चार पुत्र मन्नू, विश्वम्भर, सूधी और वैद्यनाथ हुए। मन्नू का परिवार नहीं चला। विश्वम्भर का भी परिवार नहीं चला। सूधी के एक पुत्र शिवसेवक हुये। शिवसेवक के एक पुत्र शंकर दयाल उपनाम गंगा रतन हुये। वैद्यनाथ का पता नहीं चला।

शीतल के तृतीय पुत्र दास के एक पुत्र माधोराम हुए। माधोराम

के तीन पुत्र कनौजी लाल, वृन्दावन और शिवराम हुये। कनौजी लाल के एक पुत्र नारायण दीन हुये। नारायण दीन के दो पुत्र कुंजन और सुन्दर हुये। कुंजन के एक पुत्र विश्वेश्वर हुए। विश्वेश्वर के एक पुत्र देवीजन के दो पुत्र बेनी प्रसाद और मथुरा प्रसाद हुये। बेनी प्रसाद के एक पुत्र कमलेश्वर हुये। मथुरा प्रसाद के एक पुत्र स्कन्ध कुमार हुए। स्कन्ध कुमार के दो पुत्र रवीन्द्र कुमार और अमित हुए। अयोध्या प्रसाद का परिवार नहीं चला। नारायण दीन के दूसरे पुत्र सुन्दर उपनाम श्याम सुन्दर के एक पुत्र रामरतन हुए। रामरतन के एक पुत्र आदित्य प्रसाद हुए। आदित्य प्रसाद के एक पुत्र शिव कुमार हुए। शिव कुमार के एक पुत्र अखिलेश्वर हुए। अखिलेश्वर के दो पुत्र कौशल किशोर और जनार्दन किशोर हुये। शिव कुमार का परिवार 118/373 कौशलपुरी कानपुर में निवास करता था। जो वर्तमान में नहीं रहते है। शिवकुमार ने गृहस्थाश्रम छोड़ सन्यस्थ धारण कर लिया है। माधोराम के द्वितीय पुत्र वृन्दावन का परिवार नहीं चला।

माधोराम के तृतीय पुत्र शिवराम के एक पुत्र काशी प्रसाद हुये। काशी प्रसाद के दो पुत्र धर्मदत्त और रामचरण हुये। धर्मदत्त के एक पुत्र रामशंकर हुये। रामशंकर का परिवार नहीं चला। रामचरण के दो पुत्र हर सहांय और हरसेवक हुये। हर सहांय के एक पुत्र नाम अज्ञात शहर मांडला ब्रह्म देश में रहे। हर सेवक अल्पायु हुये। शीतल के चतुर्थ पुत्र परम सुख का वंश पूर्व से ही स्पष्ट नहीं है कि चला या नहीं।

काशीनाथ के तृतीय पुत्र श्रीकृष्णी बड़े प्रतापी और प्रतिष्ठित हुये। इनके चार पुत्र महाराज, वेणी प्रसाद, गंजन और प्रयाग दत्त हये। महाराज के तीन पुत्र राम प्रसाद, देवदत्त और शिव गोविन्द हुये। राम प्रसाद के दो पुत्र गुरुदयाल और सहांय हुये। गुरुदयाल के दो पुत्र बस्ती

और काशी हुये। बस्ती का परिवार नहीं चला। काशी के तीन पुत्र शिवानन्द, शिव सागर और वासदेव हुये किन्तु ये तीनों भाई अल्पायु हुये। सहांय के दो पुत्र प्रथम स्त्री से गौरी और द्वितीय स्त्री से वृन्दा हुये। गौरी के पाँच पुत्र प्रथम स्त्री से विश्वेश्वर व गया प्रसाद तथा द्वितीय स्त्री से गंगा प्रसाद, जय गोपाल और चतुर्भुज हुये। विश्वेवर अल्पायु हुये। गया प्रसाद के एक पुत्र परम कृष्ण हुये। परम कृष्ण के एक पुत्र सत्य नारायण हुये। सत्य नारायण अल्पायु हुये। गंगा प्रसाद के एक पुत्र रामेश्वर हुए। रामेश्वर अल्पायु हुये। जय गोपाल के एक पुत्र रामशंकर भी अल्पायु हुये। चतुर्भुज के दो पुत्र कैलाश नाथ और शम्भू नाथ हुये। कैलाश नाथ के दो पुत्र प्रेमनाथ और घनश्याम नाथ हुये। प्रेमनाथ के एक पुत्र अल्पायु हुये। घनश्याम के एक पुत्र शिव विनायक भी अल्पायु हुये। प्रेमनाथ पांडे मुहल्ला पोस्ट मोहन लालगंज जिला लखनऊ में रहते थे जो वर्तमान में नहीं रहते है। शम्भूनाथ के तीन पुत्र विश्वम्भर नाथ, विश्वनाथ और शिवनाथ हुये। विश्वम्भर नाथ का परिवार नहीं चला। विश्वनाथ के एक पुत्र मदन मोहन हुये। मदन मोहन के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। शिवनाथ का परिवार नहीं चला। मदन मोहन जिला बाराबंकी खास में रहते हैं। सहांय के द्वितीय पुत्र वृन्दा का भी परिवार नहीं चला। महराज के द्वितीय पुत्र देवदत्त के एक पुत्र राधेलाल हुये। राधेलाल के दो पुत्र मुरली और गंगासागर हुये। मुरली के एक पुत्र शिवराम हुये। शिवराम के एक पुत्र चन्द्रमौलि उपनाम लल्लू हुये। चन्द्रमौलि के चार पुत्र प्रथम स्त्री से देवीदयाल व संकठा विनायक तथा द्वितीय स्त्री से संकठा दयाल और चतुर्थ पुत्र का नाम अज्ञात हुये। देवीदयाल और संकठा विनायक दोनों भाई अल्पायु हुये। संकठा दयाल के दो पुत्र जगन्नाथ प्रसाद और राम प्रसाद हुये। जगन्नाथ प्रसाद के दो पुत्र जय शंकर और छेदीलाल प्रसाद

हुये। जय शंकर प्रसाद के तीन पुत्र हरिशंकर प्रसाद, घनश्याम प्रसाद और हीरालाल प्रसाद हुये। छेदीलाल अभी तक अविवाहित हैं। यह दोनों भाई मुकाम कचान्दुर, पोस्ट गुन्डरदेही जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ में रहते हैं। राम प्रसाद का परिवार नहीं चला। चन्द्रमौलि के चतुर्थ पुत्र नाम अज्ञात अल्पायु हुये। राधेलाल के द्वितीय पुत्र गंगासागर के एक पुत्र शिवदयाल हुये। शिवदयाल के एक पुत्र कौशल किशोर हुये। कौशल किशोर के एक पुत्र विश्वम्भर नाथ हुये। विश्वम्भर नाथ कानपुर में रहते हैं। महराज के तृतीय पुत्र शिव गोविन्द के चार पुत्र शिवराखन, लक्ष्मण प्रसाद, देवी प्रसाद और द्वारिका प्रसाद हुये। शिवराखन का परिवार नहीं चला। लक्ष्मण प्रसाद के तीन पुत्र गंगासेवक, शिव नारायण और राम नारायण हुये। गंगासेवक के चार पुत्र राम प्रसाद, रामदीन उपनाम लउवा, पतिराखन और शिवरतन हुये। राम प्रसाद के एक पुत्र शम्भूनाथ हुये। शम्भू नाथ के एक पुत्र रामसेवक हुये। यह अर्जुनखेड़ा सतांव के पास रहते हैं। रामदीन उपनाम लउवा के तीन पुत्र सुखदेव, विश्वम्भर और सर्वानन्द हुये। सुखदेव के दो पुत्र जगत नारायण और शिवकंठ हुये। जगत नारायण के चार पुत्र गंगा प्रसाद, सूर्य प्रसाद, गणेश प्रसाद और दुर्गा प्रसाद हुये। गंगा प्रसाद के दो पुत्र भगौती प्रसाद और सुरेन्द्र कुमार हुये। सूर्य प्रसाद के तीन पुत्र वीरेन्द्र कुमार, गोपेन्द्र कुमार और गोविन्द प्रसाद हुये। वीरेन्द्र कुमार के एक पुत्र मोनू हुये। गणेश प्रसाद के एक पुत्र अरविन्द कुमार हुये। दुर्गा प्रसाद के एक पुत्र मनोज कुमार हुये। शिवकंठ के एक पुत्र देवी प्रसाद हुये। देवी प्रसाद के एक पुत्र विनय कुमार हुये। सुखदेव का यह परिवार कानपुर में निवास करता है। विश्वम्भर नाथ के दो पुत्र शिवशरण उपनाम बाबू और चतुर्भुज उपनाम धुन्नी हुये। शिवशरण के एक पुत्र चन्द्रभूषण हुये। चन्द्र भूषण के चार पुत्र राजेश, अनूज, तन्नू और दीपू हुये। चतुर्भुज

के एक पुत्र गणेश प्रसाद उपनाम पुनीत हुये। गणेश प्रसाद के एक पुत्र प्रदीप कुमार हुये। विश्वम्भर का परिवार भी कानपुर में ही रहता है। सर्वानन्द के दो पुत्र सोमेश्वर और शम्भू दयाल हुये। सोमेश्वर के दो पुत्र प्रेमशंकर और सतीश हुये। शम्भू दयाल के दो पुत्र विश्वनाथ और उमेश उपनाम पुल्लू हुये। विश्वनाथ के दो पुत्र नाम अज्ञात हुये। सर्वानन्द का यह परिवार कानपुर में रहता है। गंगासेवक के तीसरे पुत्र पतिराखन का परिवार नहीं चला। गंगासेवक के चतुर्थ पुत्र शिवरतन के एक पुत्र शिवबालक हुये। शिवबालक के एक पुत्र सूरज हुये। सूरज के अभी तक पुत्र नहीं हैं। लक्ष्मण प्रसाद के द्वितीय पुत्र शिव नारायण के दो पुत्र सोमेश्वर और रत्नेश्वर हुये। सोमेश्वर का परिवार नहीं चला। रत्नेश्वर अल्पायु हुये। लक्ष्मण प्रसाद के तृतीय पुत्र राम नारायण के एक पुत्र रामेश्वर हुये। रामेश्वर के तीन पुत्र रामशंकर, विष्णुशंकर और हरिबृह्मशंकर हुये। राम शंकर का परिवार नहीं चला विष्णुशंकर के दो पुत्र राम राजेन्द्र और देव राजेन्द्र हुये। राम राजेन्द्र के तीन पुत्र बृजराजचन्द्र उपनाम व्यास जी, रघुराजचन्द्र और यदुराजचन्द्र हुये। बृजराज चन्द्र उपनाम व्यास जी के एक पुत्र अष्टभुजा प्रसाद धरनीधर हुये। रघुराजचन्द्र के एक पुत्र अनूप कुमार हुये। यदुराजचन्द्र का परिवार नहीं चला। बृजराजचन्द्र का परिवार के. 61 पावर हाउस चौराहा, आशियाना थाना एल.डी.ए. कालोनी, लखनऊ में रहता है। देव राजेन्द्र के तीन पुत्र दिनेश नारायण सूर्य नारायाण और चन्द्र नारायण हुये। दिनेश नारायण के तीन पुत्र रवि आनन्द, अभिनव और कृष्ण हुये। सूर्य नारायण के एक पुत्र आदित्य हुये। चन्द्र नारायण के एक पुत्र अभिषेक हुये। देव राजेन्द्र का परिवार रामराधे वाटिका गेस्ट हाउस संजय गाँधी नगर, नौबस्ता, कानपुर नगर में रहता है। हरिबृह्मशंकर के चार पुत्र राव राजेन्द्र, कृष्ण चन्द्र

राजेन्द्र राघवेन्द्र और रवीन्द्र हुये। राव राजेन्द्र के दो पुत्र दिनेश और महेश हुये। दिनेश के दो पुत्र शुभम और राज हुये। महेश के अभी पुत्र नहीं है। कृष्ण चन्द्र राजेन्द्र के चार पुत्र दुर्गेश, युगेश, रमेश और अंकित हुये। दुर्गेश के दो पुत्र अंश और विद्वान हुये। राघवेन्द के तीन पुत्र संदीप, अनुज और विनय हुये। रवीन्द के तीन पुत्र सुमेश, शैलेन्द्र और शैलेश हुये। हरिब्रह्मशंकर का परिवार शेरगंज रायबरेली में रहता है।

शिव गोविन्द के तृतीय पुत्र देवी प्रसाद के एक पुत्र युगल किशोर हुये। युगुल किशोर के एक पुत्र शिव गोपाल हुए। शिव गोपाल के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से गिरजा शंकर, उमा शंकर और द्वितीय स्त्री से जयशंकर उपनाम बाबूलाल हुये। गिरजा शंकर और उमा शंकर का परिवार नहीं चला। जयशंकर के एक पुत्र सरोज हुये। सरोज अल्पायु हुये। शिव गोविन्द के चतुर्थ पुत्र द्वारिका प्रसाद के दो पुत्र कुंज बिहारी और महेश दत्त हुए। कुंज बिहारी के दो पुत्र राम शंकर और दया शंकर हुए। राम शंकर का परिवार नहीं चला। दया शंकर के दो पुत्र शिव दयाल और शिव मंगल हुए। शिव दयाल के एक पुत्र रामचन्द्र हुये। रामचन्द्र के दो पुत्र घनश्याम उपनाम सधनू और राधेश्याम हुये। घनश्याम और राधेश्याम इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। दया शंकर के द्वितीय पुत्र शिव मंगल का परिवार नहीं चला। महेश दत्त के एक पुत्र बद्री नारायण जी हुये। बद्री नारायण जी पुज्जराज वंश बान्धुओं की प्रतिष्ठा को प्रतिस्थापित रखने में प्राणपण से सतत प्रयत्नशील रहे। इन्होंने स्व. पूज्य सोमेश्वर जी पाण्डेय के सहयोग से अपना अमूल्य पुज्जराज वंशावली का प्रथम संस्करण चैत बदी तेरह वार चन्द्र सम्बत् 1957 में प्रकाशित किया था, तदुपरान्त इनका वंश प्रेम और कर्मठता, त्याग और लगन का ही प्रमाण इनके तीन अवशेष संस्करण थे। श्री बद्री नारायण जी के तीन

पुत्र प्रथम स्त्री से गौरीशंकर तथा द्वितीय स्त्री से गंगा शंकर और विजय शंकर हुए। गौरी शंकर अल्पायु हुये। गंगा शंकर के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से विष्णु शंकर तथा द्वितीय स्त्री से प्रेम शंकर और विनय शंकर हुए। विष्णु शंकर के दो पुत्र आनन्द शंकर और अरविन्द शंकर हुये। आनन्द शंकर के दो पुत्र अखिलेन्द्र शंकर और निखलेन्द्र शंकर हुये। इन दोनो के अभी पुत्र नहीं अरविन्द शंकर के एक पुत्र अमरेन्द्र शंकर हुये इनके भी पुत्र नहीं है।विष्णु शंकर का परिवार 185 रतन लाल नगर कानपुर में रहता है। प्रेम शंकर अल्पायु हुये। विनय शंकर के एक पुत्र तनय शंकर हुये। श्री बद्री नारायण जी का समस्त परिवार कानपुर में रहता है। विजय शंकर का परिवार नहीं चला। बद्री नारायण जी की कोठी अब भी गर्गाश्रम में बनी हुई है। नोट-श्रद्धेय श्री बद्री नारायण पाण्डेय जी के अथक परिश्रम एवं प्रयास से गेगासों के पाण्डेय की पुज्जराज वंशावली प्रथम संस्करण, द्वितीय संस्करण, तृतीय संस्करण और चतुर्थ संस्करण इन्हीं के द्वारा प्रकाशित किये गये है।

श्री कृष्ण जी के द्वितीय पुत्र वेणी प्रसाद के एक पुत्र छोटेलाल उपनाम छोटूलाल हुये। छोटूलाल के दो पुत्र शिवदीन और मुन्ना लाल हुये। शिवदीन के तीन पुत्र मदारी लाल, शिवराखन और लालता प्रसाद हुये। मदारी लाल के तीन पुत्र मन्नीलाल, गयादीन और देवी सहांय हुये। मन्नी लाल के एक पुत्र भगवानदीन हुये। भगवानदीन का परिवार नहीं चला। गयादीन के एक पुत्र यमुना प्रसाद हुये। यमुना प्रसाद के सात पुत्र प्रथम स्त्री से राम स्वरूप, कृष्ण स्वरूप उपनाम प्यारे तथा द्वितीय स्त्री से भरत स्वरूप, शिव स्वरूप, चन्द्र स्वरूप उपनाम सुन्दर लाल, श्याम स्वरूप और ब्रह्म स्वरूप हुये। राम स्वरूप के तीन पुत्र शान्ती स्वरूप, ज्योति स्वरूप और विष्णु स्वरूप हुये। शान्ती स्वरूप का परिवार नहीं चला।

ज्योति स्वरूप के एक पुत्र हिमांशु स्वरूप के एक पुत्र अनन्त स्वरूप हुये। विष्णु स्वरूप के दो पुत्र विजय स्वरूप और आनंद स्वरूप हुये। विजय स्वरूप के एक पुत्र शुभांकर स्वरूप हुये। ज्योति स्वरूप तथा विजय स्वरूप का परिवार रामकुटीर मोहल्ला राजगढ़ , लखीमपुर खीरी में रहता है। अजय स्वरूप के दो पुत्र शशांक और विराट स्वरूप हुये। शशांक दुबई में रहते है। अजय स्वरूप का परिवार ए-804 साया जियान ग्रेटर नोयडा वेस्ट गौर सिटी-1 जिला गौतमबुद्ध नगर में रहते है। कृष्ण स्वरूप के दो पुत्र ब्यास स्वरूप और आनन्द स्वरूप हुये इनकी आगे की जानकारी नहीं मिल सकी। यमुना प्रसाद के तीसरे पुत्र भरत स्वरूप अल्पायु हुये। यमुना प्रसाद के चतुर्थ पुत्र शिव स्वरूप के दो पुत्र आनन्द स्वरूप और प्रकाश स्वरूप हुये। आनन्द स्वरूप के दो पुत्र अखिलेश और निखलेश हुये। अखिलेश के दो पुत्र प्रथम और रूद्रांश हुये। निखलेश के एक पुत्र अनमोल हुये। आनन्द स्वरूप का परिवार 124/426 बी ब्लाक गोविन्द नगर कानपुर में रहता है। प्रकाश स्वरूप के एक पुत्र कमल स्वरूप हुये। यह परिवार लखनऊ में रहता है। यमुना प्रसाद के पाँचवें पुत्र चन्द्र स्वरूप उपनाम सुन्दरलाल के पाँच पुत्र मुरारी, नरेन्द्र स्वरूप, राजेन्द्र स्वरूप, सुरेन्द्र स्वरूप और महेन्द्र स्वरूप हुये। मुरारी अल्पायु हुये। नरेन्द्र स्वरूप के एक पुत्र संतोष के एक पुत्र वेदांश हुये। राजेन्द्र स्वरूप के एक पुत्र संजय हुये। संजय के एक पुत्र समृद्ध हुये। सुरेन्द्र स्वरूप के एक पुत्र सुनील हुये। सुनील के दो पुत्र रामांश और कार्तिकेय हुये। महेन्द्र स्वरूप के दो पुत्र समीर और पुष्कर हुये। समीर के एक पुत्र रोहतक हुये। पुष्कर के दो पुत्र ध्रुव और अदितेय हुये। राजेन्द्र स्वरूप का परिवार एमआईजी 196 सेक्टर 4 बर्रा-2, कानपुर नगर में रहता है। मदारी लाल के तृतीय पुत्र देवी सहाय का परिवार नहीं चला।

शिवदीन के द्वितीय पुत्र शिवराखन के तीन पुत्र गंगा सागर, मथुरा प्रसाद और हजारी लाल हुये। गंगा सागर के एक पुत्र राधा कृष्ण हुये। राधा कृष्ण के दो पुत्र लक्ष्मी नारायण और राम नारायण हुये। लक्ष्मी नारायण के चार पुत्र शम्भू नाथ, शंकर, शिवरतन और रामरतन उपनाम दुल्ली हुये। शम्भू नाथ के एक पुत्र संतोष कुमार उपनाम राजा हुये। श्री शम्भू नाथ जी नैनीताल जिले के खटीमा स्थान में सर्विस पेशे में रह रहे हैं। शंकर अल्पायु हुये। शिव रतन के सात पुत्र कृष्ण कुमार, राज कुमार, अनिल कुमार, रामू, संजय कुमार, राकेश कुमार और नवनीत कुमार हुये। कृष्ण कुमार के एक पुत्र नीरज हुये। राज कुमार के तीन पुत्र कुलदीप, संदीप और शिवम् हुये। अनिल कुमार अविवाहित रहे। रामू के एक पुत्र अभिनव हुये। संजय कुमार के एक पुत्र ऐश्वर्य हुये। राकेश कुमार के एक पुत्र आयुष्मान हुये। नवनीत कुमार के एक पुत्र विराट हुये। यह परिवार पीताम्बर खेड़ा आवास विकास ए ब्लाक रायबरेली क्रांसिग जिला उन्नाव में रहते हैं। रामरतन उपनाम दुल्ली के दो पुत्र अनिल कुमार और सुनील कुमार हुये। अनिल कुमार के दो पुत्र सौरभ और गौरव हुये। सुनील कुमार के दो पुत्र आशुतोष और पारितोष हुये। आशुतोष के एक पुत्र कौस्तुभ हुये। पारितोष एक पुत्र केशव हुये। दुल्ली का परिवार तेलीबाग के आगे मुहल्ला हैबतमऊ मवइया पोस्ट उतरठिया रायबरेली रोड, जिला लखनऊ में रहते हैं और इनका हैबतमऊ रायबरेली रोड लखनऊ में चित्रा एवं गणपति गेस्ट हाउस के मालिक हैं। राम नारायण का परिवार नही चला। शिवराखन के द्वितीय पुत्र मथुरा प्रसाद का भी परिवार नही चला। शिवराखन के तृतीय पुत्र हजारी लाल के दो पुत्र गणेश दत्त और गनपत प्रसाद हुये। गणेश दत्त अल्पायु हुये। गनपत प्रसाद

के पुत्र नहीं हैं। शिवदीन के तृतीय पुत्र लालता प्रसाद का परिवार नहीं चला।

छोटू लाल के द्वितीय पुत्र मुन्ना लाल के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से शिवनाथ और महादेव तथा द्वितीय स्त्री से देवीदीन हुये। शिवनाथ के एक पुत्र भोलानाथ हुये। भोलानाथ का परिवार नहीं चला। महादेव के दो पुत्र राजाराम और रामाधार हुये। राजाराम का परिवार नहीं चला। रामाधार का भी परिवार नहीं चला। देवीदीन के एक पुत्र कन्हैया लाल हुये। कन्हैया लाल के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से दया शंकर उपनाम नत्थू तथा द्वितीय स्त्री से सत्य नारायण और प्रेम नारायण हुये। दया शंकर का परिवार नहीं चला। सत्य नारायण अल्पायु हुये। प्रेम नारायण के चार पुत्र गिरीश चन्द्र, उमेश चन्द्र, नरेश चन्द्र और योगेश चन्द्र हुये। गिरीश चन्द्र के दो पुत्र विनय और अर्जित हुये। विनय के एक पुत्र विप्र हुये। उमेशचन्द्र के दो पुत्र शिवम और शोभित हुये। नरेशचन्द्र के एक पुत्र हर्षित हुये और योगेश चन्द्र के एक पुत्र यश हुये। प्रेम नारायण का परिवार 107/94 जवाहर नगर, कानपुर में रहता है। श्रीकृष्णी के तृतीय पुत्र गंजन का वंश नहीं चला। श्रीकृष्णी के चतुर्थ पुत्र प्रयाग दत्त के एक पुत्र बाजीलाल हुये।

भिटौंरा जिला फतेहपुर

बाजीलाल के चार पुत्र प्रथम स्त्री से दुर्गा प्रसाद, मुकुन्द व द्वितीय स्त्री से माधो और मोहन लाल हुए। दुर्गा प्रसाद के तीन पुत्र चंदी, देवकृष्ण और वंशलाल हुए। चंदी का परिवार नहीं चला। देवकृष्ण के तीन पुत्र सत्य नारायण, ब्रह्मानन्द और देवीदयाल हुए। सत्य नारायण के एक पुत्र विश्वेश्वर हुए। विश्वेश्वर के दो पुत्र राज किशोर और नवल

किशोर हुये। राज किशोर का परिवार नहीं चला। नवल किशोर के तीन पुत्र कौशल किशोर, हरि किशोर और मुन्नर हुये। कौशल किशोर के एक पुत्र लक्ष्मीकान्त उपनाम पप्पू अल्पायु हुये। हरि किशोर के दो पुत्र श्रीकांत और रविकांत हुये। श्रीकांत के एक पुत्र लोकेश अल्पायु हुये। रविकांत के एक पुत्र कुनाल हुये। नवल किशोर के तृतीय पुत्र मुन्नर अल्पायु हुये। नवल किशोर का परिवार डिप्टी पड़ाव, कानपुर में रहता था। वर्तमान में यह परिवार 156 शंकराचार्य नगर, यशोदा नगर कानपुर में रहता है। ब्रह्मानन्द के दो पुत्र बलभद्र और रामेश्वर हुये। बलभद्र के तीन पुत्र जय शंकर, अन्नदा शरण और मन्नदा शरण हुये। जय शंकर के एक पुत्र अम्बा शंकर हुये। अम्बा शंकर के एक पुत्र दुर्गा शंकर का परिवार नहीं चला। अम्बा शंकर का परिवार 258 पन्नालाल पार्क उन्नाव में रहता था। वर्तमान के यह परिवार हरिद्वार उत्तराखण्ड में रहता है। रामेश्वर के तीन पुत्र रमा शंकर, कृपा शंकर और उमा शंकर उपनाम पार्वती शंकर हुये। रमाशंकर के एक पुत्र शैलेन्द्र हुये। कृपा शंकर का परिवार नहीं चला। उमा शंकर के दो पुत्र प्रभाश और सुभाष हुये। प्रभाश के एक पुत्र विशु हुये। यह परिवार मुम्बई में रहता है। देवीदयाल का परिवार नहीं चला। दुर्गा प्रसाद के तृतीय पुत्र वंशलाल के एक पुत्र रामाधार हुए। रामाधार के एक पुत्र गिरजा शंकर हुये। गिरजा शंकर के दो पुत्र रवी शंकर और करुणा शंकर हुये। रवी शंकर के एक पुत्र यमुना शंकर हुये। यमुना शंकर के तीन पुत्र अभिनाश, अभिषेक और अभिलाष हुये। यमुना शंकर जी जो विशेष न्यायाधीश जिला सोनभद्र में है जिनका परिवार शताब्दीपुरम् जिला गाजियाबाद में रहता है। करुणा शंकर के एक पुत्र गंगा शंकर हुये। गंगाशंकर के दो पुत्र सत्यम व सुन्दरम् हुये। इनका परिवार शताब्दीपुरम् जिला गाजियाबाद में रहता है। बाजीलाल के

द्वितीय पुत्र मुकुन्द के दो पुत्र राम कृष्ण और रामदत्त हुये। रामकृष्ण के दो पुत्र श्याम सुन्दर और साँवले हुये। श्याम सुन्दर के चार पुत्र प्रथम स्त्री से केशव प्रसाद तथा द्वितीय स्त्री से सुखदेव, भगवती दत्त और शम्भू दयाल हुये। केशव प्रसाद का परिवार नहीं चला। सुखदेव के दो पुत्र हरि कुमार उपनाम मुन्नू और शिव कुमार हुये। हरि कुमार के दो पुत्र आशु कुमार और अशोक कुमार हुये। आशु के एक पुत्र आशीष के एक पुत्र अक्षत हुये। अशोक कुमार के दो पुत्र अमित और अतुल हुये। शिव कुमार के एक पुत्र हेरम्बकृष्ण उपनाम झब्बू के दो पुत्र अमिय कृष्ण उपनाम गुड्डू व अनूप उपनाम मान्टू हुये। अमिय कृष्ण का परिवार नहीं चला। भगवती दत्त का परिवार नहीं चला। अनूप का परिवार 127/413 डब्लू ब्लाक केशव नगर कानपुर में रहता है। अशोक कुमार और आशु कुमार के परिवार 157-159 शंकराचार्य नगर, यशोदा नगर कानपुर नगर में रहता है। अमिय कृष्ण का परिवार राम मोहन का हाता रामनारायण बाजार कानपुर में रहता है। शम्भू दयाल के एक पुत्र लक्ष्मी नारायण हुये। लक्ष्मी नारायण के एक पुत्र श्याम कुमार उपनाम रज्जन के दो पुत्र संतोष कुमार और राजेश कुमार हुये। संतोष कुमार के एक पुत्र शाश्वत हुये। राजेश के एक पुत्र सात्विक हुये। लक्ष्मी नारायण का परिवार पहले हूलागंज कानपुर में रहता था। वर्तमान में यह परिवार 758-सी ब्लाक सुजातगंज श्याम नगर, कानपुर में रहता है। सांवले का परिवार नहीं चला। रामदत्त के एक पुत्र चन्द्र किशोर हुये। चन्द्र किशोर का परिवार नहीं चला। बाजीलाल के तृतीय पुत्र माधो का भी परिवार नहीं चला। बाजीलाल के चतुर्थ पुत्र मोहन लाल के चार पुत्र संकठा, देवीचरण, कोके और दया शंकर हुये। किन्तु इन चारों भाइयों का परिवार नहीं चला। लघु पुत्र दया शंकर को श्रीयुत पाड़े विश्वेश्वर नाथ ने गोद लिया और पुनः

इनका नाम गौरी शंकर प्रकाशित किया।

भिटौंरा का वर्णन समाप्त

गंगा राम के तृतीय पुत्र देवनाथ के एक पुत्र केशव राम हुये। केशव राम के दो पुत्र मोतीलाल और बिहारी लाल हुए। मोतीलाल के एक पुत्र उजागर लाल हुये। उजागर लाल के आठ पुत्र प्रथम स्त्री से ठाकुर प्रसाद और बद्रीनाथ तथा द्वितीय स्त्री से बैजनाथ, कृष्ण दत्त और अयोध्या प्रसाद तथा तृतीय स्त्री से माधोराम, भगवान दीन और शिवसेवक हुये। ठाकुर प्रसाद के दो पुत्र शिवचरण और हरचरण हुये। शिव चरण के चार पुत्र प्रथम स्त्री से हरि सेवक, हरि दयाल और हरीलाल तथा द्वितीय स्त्री से पतिराखन हुये। हरि सेवक के एक पुत्र शिव गोपाल हुये। शिव गोपाल के चार पुत्र राम औतार, लालता प्रसाद, चन्द्रिका प्रसाद और अम्बिका प्रसाद हुये। राम औतार के दो पुत्र राम किशोर और ब्रिज किशोर हुये। राम किशोर के तीन पुत्र रंगनाथ, राजेन्द्र नाथ, रघुवंश कुमार हुये। रंगनाथ के एक पुत्र सुरेश कुमार हुये। सुरेश कुमार के एक पुत्र योगेश कुमार हुये। राजेन्द्र नाथ के पाँच पुत्र गिरजा शंकर, दिवावर प्रसाद, प्रभाकर प्रसाद, विनोद कुमार और प्रमोद कुमार हुये। गिरीजशंकर के एक पुत्र विनय कुमार हुये। विनय कुमार के एक पुत्र एकांश कुमार हुये। दिवाकर प्रसाद का परिवार नहीं चला। प्रभाकर प्रसाद के एक पुत्र आदित्य कुमार हुये। विनोद कुमार के एक पुत्र शिवा हुये। प्रमोद कुमार के एक पुत्र शान्तनु कुमार हुये। रघुवंश कुमार के एक पुत्र संतोष कुमार हुये। संतोष कुमार के एक पुत्र अनिरूद्ध कुमार हुये। ब्रिज किशोर का परिवार नहीं चला। शिव गोपाल के द्वितीय पुत्र लालता प्रसाद और तृतीय पुत्र चन्द्रिका प्रसाद इन दोनो भइयों का परिवार नहीं चला। शिव गोपाल

के चतुर्थ पुत्र अम्बिका प्रसाद के एक पुत्र राम दयाल अल्पायु हुये। शिव गोपाल का समस्त परिवार मुकाम व पोस्ट देहली जिला-रायबरेली में रहता है। हरि नारायण के चार पुत्र प्रथम स्त्री से दयाशंकर और वेणीमाधो तथा द्वितीय स्त्री से सरयू और श्याम हुये। दया शंकर के एक पुत्र शम्भू दयाल हुये। शम्भू दयाल का परिवार नहीं चला। वेणी माधो उपनाम शास्त्री के चार पुत्र कामता प्रसाद उपनाम बाबू, गंगा प्रसाद, लाल बिहारी उपनाम शिव नारायण और लक्ष्मी नारायण हुये। कामता प्रसाद के एक पुत्र शम्भू रतन हुये। शम्भू रतन के एक पुत्र आशुतोष उपनाम करुणा शंकर उर्फ अमरनाथ हुये। आशुतोष के दो पुत्र वीरेन्द्र नाथ उपनाम सुबोध और विनय कुमार उपनाम प्रमोद हुये। वीरेन्द्र नाथ के एक पुत्र अमित्र हुये। आशुतोष कलकत्ता में रहते हैं। गंगा प्रसाद के दो पुत्र शिवनन्दन और पुरुषोत्तम हुये। शिव नन्दन के तीन पुत्र नाम अज्ञात हुये। पुरुषोत्तम के पाँच पुत्र नाम अज्ञात हुए। लाल विहारी उपनाम शिव नारायण के दो पुत्र बनवारी लाल व रघुनन्दन हुये। बनवारी लाल के एक पुत्र पुन्नू हुये। रघुनन्दन के एक पुत्र हरिनन्दन हुये। हरि नन्दन के पाँच पुत्र त्रिलोकी, मथुरा, विजय कुमार, अरुण कुमार व पाचवें पुत्र का नाम अज्ञात हुये। लक्ष्मी नारायण के दो पुत्र चन्द्रभाल और कैलाश चन्द्र हुये। चन्द्रभाल के एक पुत्र ओम प्रकाश हुये। ओम प्रकाश मथुरा में रहते हैं। कैलाश चन्द्र अल्पायु हुये। हर नारायण के तृतीय पुत्र सरयू का परिवार नहीं चला। हर नारायण के चतुर्थ पुत्र श्याम का भी परिवार नहीं चला।

शिव चरण के तृतीय पुत्र हरदयाल के एक पुत्र गंगाधर हुये। गंगाधर के तीन पुत्र रामभद्र, रामसेवक उपनाम बचनू और देवीचरण उपनाम अम्बा दत्त हुये। रामभद्र के चार पुत्र प्रथम स्त्री से राम नारायण उपनाम पुतानि व द्वितीय स्त्री से राम अधार, राम गोपाल और तृतीय स्त्री

से काली प्रसाद हुये। राम नारायण के तीन पुत्र कालिका प्रसाद, देवी सेवक और सुरेश चन्द्र हुये। कालिका प्रसाद का परिवार नहीं चला। देवी सेवक का भी परिवार नहीं चला। सुरेश चन्द्र उपनाम बबुआ के दो पुत्र शैल कुमार उपनाम सुभाष चन्द्र और सर्वेश चन्द्र हुये। शैल कुमार के तीन पुत्र आदर्श, आदित्य और अभय हुये। राज नारायण का परिवार घाटमपुर कलॉ जिला उन्नाव में रहता है। राम अधार के एक पुत्र राम किशोर हुये। राम गोपाल के तीन पुत्र राम मोहन, कृष्ण मोहन और राकेश हुये। राम मोहन के एक पुत्र राजू हुये। राजू के एक पुत्र सार्थक हुये। कृष्ण मोहन का परिवार नहीं चला। राकेश के एक पुत्र बोनी हुये। काली प्रसाद के दो पुत्र संजय और अजय हुये। संजय का परिवार नहीं चला। संजय फतेहगढ़ में रहते है। अजय का भी परिवार नहीं चला। अजय कछियाना मोहाल कानपुर में रहते है। रामभद्र का परिवार शिवपुरी जिला रायबरेली में रहता है किन्तु प्रथम पुत्र राम नारायण का परिवार घाटमपुर जिला उन्नाव में रहता है। रामसेवक उपनाम बचनू उर्फ जुगुल सरकार के एक पुत्र प्रमोद कुमार हुये। प्रमोद कुमार के चार पुत्र मनोज, विनय, पुरुषोत्तम और प्रदीप हुये। मनोज अल्पायु हुये। विनय के एक पुत्र अभय हुये। पुरूषोत्तम का परिवार नहीं चला। प्रदीप अविवाहित रहे। प्रमोद कुमार का परिवार 66/80 कछियाना मोहान कानपुर में रहता है। देवीचरण अल्पायु हुये। शिवचरण के चतुर्थ पुत्र हरलाल का परिवार नहीं चला। शिवचरण के पंचम पुत्र पतिराखन के एक पुत्र आशादत्त हुये। आशादत्त अल्पायु हुये।

ठाकुर प्रसाद के द्वितीय पुत्र हरचरण के पाँच पुत्र प्रथम स्त्री से सूर्यप्रसाद, हरिभान, दुर्गा और रामकुमार तथा द्वितीय स्त्री से शिवसागर हुये। सूर्य प्रसाद का परिवार नहीं चला। हरिभान के एक पुत्र रघुनन्दन

हुये। रघुनन्दन का परिवार नहीं चला। दुर्गा के एक पुत्र कैलाश पति हुये। कैलाश पति मुक्ताकाछा नसीराबाद पं० बंगाल में रहे। पूज्य राम कुमार जो व्याकरण और काव्य शास्त्र के पण्डितवर थे। समस्त प्राचीन वंशावली का वृत्तान्त इन्हीं के द्वारा पूज्य बद्री नारायण को प्राप्त हुआ था। हमारा पुञ्जराज वंश इनके प्रति आभारी है। राम कुमार के एक पुत्र कामता प्रसाद हुये। कामता प्रसाद के दो पुत्र त्रिलोचन और भालचन्द्र हुये। त्रिलोचन अल्पायु हुये। भालचन्द्र का परिवार नहीं चला। शिवसागर का भी परिवार नहीं चला।

बद्रीनाथ उपनाम बदली नाथ के दो पुत्र रामनाथ और राम सहांय हुये। रामनाथ के एक पुत्र शिवतरन हुये। शिवरतन के तीन पुत्र जागेश्वर, वृन्दावन और रामकृष्ण हुये। जागेश्वर के एक पुत्र दीनदयाल हुये। दीनदयाल के दो पुत्र गुरुचरण और हरि प्रसाद हुये। गुरु चरण का परिवार नहीं चला। हरि प्रसाद अल्पायु हुये। वृन्दावन और रामकृष्ण इन दोनों भाइयों का भी परिवार नहीं चला। बद्रीनाथ के द्वितीय पुत्र राम सहांय के तीन पुत्र शिवनाथ, बागेश्वर और मंगल हुये। शिवनाथ के दो पुत्र नन्द किशोर और देवी दयाल हुये। नन्द किशोर का परिवार नहीं चला। देवीदयाल के एक पुत्र शिव नारायण अल्पायु हुये। बागेश्वर के दो पुत्र सालिक राम और रामदत्त हुये। सालिक राम का परिवार नहीं चला। रामदत्त के एक पुत्र लक्ष्मी नारायण हुये। लक्ष्मी नारायण के एक पुत्र नाम अज्ञात अल्पायु हुये। राम सहांय के तृतीय पुत्र मंगल का परिवार नहीं चला।

उजागर लाल के तृतीय पुत्र बैजनाथ के पाँच पुत्र प्रथम स्त्री से लाला, रामसेवक उपनाम बच्चू, राम रतन, सीताराम और द्वितीय स्त्री से गनेशी लाल हुये। लाला के एक पुत्र भवानी प्रसाद हुये। भवानी प्रसाद

के तीन पुत्र महाबीर, रामेश्वर और केदारनाथ हुये। महाबीर के एक पुत्र शिवबालक हुए। शिवबालक के दो पुत्र बमशंकर और गौरी शंकर हुये। बम शंकर के दो पुत्र राजेन्द्र कुमार और संजय हुये। गौरी शंकर के एक पुत्र सोनू के दो पुत्र अनुराग और कार्तिक हुये। शिव बालक का परिवार बैरूआ (पंडिताही)अठुलिया जिला रायबरेली में रहता है। रामेश्वर के एक पुत्र शिव दर्शन हुये। शिव दशर्न के पाँच पुत्र अम्बिका प्रसाद छोटे लाल, अयोध्या प्रसाद, जैशंकर और सुन्दरबाबू हुये। अम्बिका प्रसाद के चार पुत्र राजा, श्याम, राम और अजय हुये। राजा के एक पुत्र रजत हुये। श्याम के दो पुत्र शुभम् और शिवम् हुये। राम के दो पुत्र नीरज और पंकज हुये। अजय के दो पुत्र अमर और अमृत हुये। यह परिवार आचार्य नगर लालगंज जिला रायबरेली में रहता है। छोटेलाल का परिवार नहीं चला अयोध्या प्रसाद के दो पुत्र अनिल और अमित हुये। जैशंकर के दो पुत्र विनय और विमल हुये। विमल के एक पुत्र हनी हुये। सुन्दर बाबू के तीन पुत्र अपूर्व, आशीष और आलोक हुये। अपूर्व के एक पुत्र देव हुये। आशीष के दो पुत्र शिखर और कुशाग्र हुये। आलोक के एक पुत्र यथार्थ हुये। केदारनाथ के चार पुत्र दया शंकर, कृपाशंकर, राम शंकर और जटा शंकर हुये। दयाशंकर के चार पुत्र बाबूलाल, चन्द्रशेखर, गंगासागर और शिव सागर हुये। बाबू लाल के दो पुत्र महेन्द्र और मुन्ना हुये। गंगा सागर के चार पुत्र दिलीप कुमार, प्रदीप कुमार, मनोज कुमार और अशोक कुमार हुये। दिलीप कुमार के एक पुत्र गर्वित हुये। प्रदीप कुमार के एक पुत्र अनन्त हुये। मनोज कुमार के एक पुत्र शिवा हुये। अशोक कुमार के एक पुत्र बाबू हुये। शिव सागर के तीन पुत्र सोनू, मोनू, बउवन हुये। सोनू के एक पुत्र कार्तिक हुये। कृपा शंकर के तीन पुत्र कन्हैया लाल, काली शंकर और कमला शंकर हुये। कन्हैया लाल का परिवार नहीं चला।

काली शंकर के तीन पुत्र अनुप, संतोष और आशुतोष हुये। सन्तोष के एक पुत्र विनायक हुये। कमलाशंकर के दो पुत्र निक्की और छोटू हुये। रामशंकर के एक पुत्र चक्र नाथ हुये। चक्रनाथ के दो पुत्र राकेश और सुनील हुये। राकेश के एक पुत्र आर्यन हुये। सुनील के एक पुत्र अभिराज हुये। जटाशंकर के चार पुत्र गंगाचरण, अमरनाथ, विश्वनाथ और सुनील कुमार हुये। गंगा चरण के दो पुत्र सुधांशु और मनीष हुये। अमरनाथ के दो पुत्र नितिन और सचिन हुये। विश्वनाथ के एक पुत्र मयंक हुये। सुशील कुमार के एक पुत्र सधांकित हुये। रामेश्वर और केदाननाथ इन दो भाइयों का परिवार बैरूआ (पंडिताही) अठुलिया रालपुर जिला राय बरेली में रहता है। शिवलाल का परिवार अठुलिहा रालपुर के पास जिला रायबरेली में रहता है। रामेश्वर के पाँच पुत्र अम्बिका प्रसाद, छोटेलाल, अयोध्या प्रसाद, जय शंकर और सुन्दर बाबू हुये। अम्बिका प्रसाद के तीन पुत्र राजा, श्याम और राम हुये। केदारनाथ के चार पुत्र दया शंकर, कृपा शंकर, राम शंकर और जटा शंकर हुये। दया शंकर के चार पुत्र बाबू लाल, चन्द्रशेखर, गंगा सागर, शिव सागर हुए। बाबूलाल के दो पुत्र महेन्द्र और मुन्ना हुए। गंगासागर के दो पुत्र दिलीप कुमार और प्रदीप कुमार हुए। कृपा शंकर के तीन पुत्र कन्हैया लाल, काली शंकर और कमला शंकर हुये। राम शकर के एक पुत्र चक्रनाथ हुए। जटा शंकर के चार पुत्र गंगा चरण, अमरनाथ, विश्वनाथ और सुशील कुमार हुए। रामेश्वर और केदारनाथ इन दोनों भाइयों का परिवार अठुलिहा जिला रायबेरली में रहता है।

बैजनाथ के द्वितीय पुत्र रामसेवक उपनाम बच्चू के छै पुत्र गंगा बक्स, बेनी माधव बक्स, सत्य नारायण बक्स, राधा बक्स, गायत्री बक्स और सूर्य बक्स हुये। गंगा बक्स के दो पुत्र धर्म शंकर और जय शंकर हुए।

धर्म शंकर के दो पुत्र गणेश प्रसाद और चन्द्र किशोर हुए। गणेश प्रसाद के तीन पुत्र प्रेम शंकर, कृपा शंकर और विमल किशोर हुए। प्रेम शंकर के तीन पुत्र सुरेश चन्द्र, अरूण चन्द्र और मनीषचन्द्र हुए। सुरेश चन्द्र के एक पुत्र कनिष्क हुये। अरूण चन्द्र के एक पुत्र हर्ष हुये। मनीष चन्द्र के दो पुत्र लव और कुश हुये। कृपाशंकर के दो पुत्र सुभाष चन्द्र और सुशील चन्द्र हुये। सुभाष चन्द्र अल्पायु हुये। सुशीलचन्द्र के एक पुत्र आयुष हुये। चन्द्र किशोर के दो पुत्र महेश चन्द्र और हरीश चन्द्र हुये। महेश चन्द्र के एक पुत्र दिनेश चन्द्र हुए। दिनेश चन्द्र अल्पायु हुये। हरीश चन्द्र का परिवार नहीं चला। प्रेम शंकर का परिवार 15/5 मालवीय नगर, ऐशबाग लखनऊ में रहता है। चन्द्र किशोर का परिवार राजाजी पुरम लखनऊ में रहता है। धर्म शंकर का परिवार शिवपुरी जिला रायबरेली में रहता है। जय शंकर अल्पायु हुए। बेनीमाधो बक्स के दो पुत्र पारवती शंकर और काली शंकर हुए। पारवती शंकर के एक पुत्र जटा शंकर अल्पायु हुए। काली शंकर के एक पुत्र नाम अज्ञात अल्पायु हुए। सत्य नारायण बक्स और राधा बक्स इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। गायत्री बक्स के एक पुत्र वंशीधर हुये। वंशीधर के एक पुत्र मुन्नी लाल हुये। मुन्नी लाल के एक पुत्र नाम अज्ञात अल्पायु हुये। सूर्य बक्स के तीन पुत्र गौरी शंकर, राम शंकर उपनाम ललउनू और चन्द्र शंकर हुये। गौरी शंकर के तीन पुत्र वृज भूषण उपनाम इन्द्र दत्त, रुद्रदत्त और तीसरे का नाम अज्ञात हुये। किन्तु यह तीनों भाई अल्पायु हुये। राम शंकर उपनाम ललउनू के एक पुत्र शिव शंकर हुये। शिव शंकर के एक पुत्र चन्द्र शंकर हुये। चन्द्र शंकर के एक पुत्र राजाराम हुये। सूर्य बक्स का परिवार गहलो गोटइहा जिला कानपुर में रहता है।

वैजनाथ के तृतीय पुत्र राम रतन के तीन पुत्र गंगासेवक, गंगा

दयाल और गंगा चरण हुये। गंगासेवक का परिवार नहीं चला। गंगा दयाल के दो पुत्र मनीराम उपनाम मनैंयाँ और चन्द्रशेखर उपनाम माना हुये। मनीराम के एक पुत्र हरी शंकर हुये। हरी शंकर के दो पुत्र राकेश और राजेश हुये। हरी शंकर का परिवार गहलो जिला कानपुर में रहता है। चन्द्रशेखर उपनाम माना अल्पायु हुये। गंगा चरण के तीन पुत्र बाबूराम, ज्वाला प्रसाद और देवीदीन हुये। बाबूराम के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। ज्वाला प्रसाद का परिवार नहीं चला। देवीदीन का भी परिवार नहीं चला। गंगा चरण का परिवार गहलो जिला कानपुर में रहता है। बैजनाथ के चतुर्थ पुत्र सीताराम का परिवार नहीं चला। बैजनाथ के पंचम पुत्र गनेशी लाल के दो पुत्र कन्हैया लाल और रघुवीर दयाल हुये। कन्हैया लाल के एक पुत्र ब्रह्मानन्द हुये। ब्रह्मानन्द के तीन पुत्र श्रीनिवास, श्रीवास और श्रीप्रकाश हुये। श्रीनिवास के तीन पुत्र श्रीविलास, श्रीकांत और श्रीरंजन हुये। श्रीविलास के तीन पुत्र श्रीवर्धन, श्रीरत्न और श्रीहर्ष हुये। श्रीवर्धन जी कनाडा में रहते हैं इनका परिवार नहीं चला। श्रीरतन के दो पुत्र विकास और सुहास हुये। विकास के एक पुत्र सार्थक हुये। श्रीकांत के एक पुत्र सदन हुये। सदन का परिवार नहीं चला। श्रीवास का परिवार नहीं चला। श्रीप्रकाश के चार पुत्र श्रीवल्लभ, श्रीशचन्द्र, श्रीनिधान और श्रीरमन हुये। श्रीवल्लभ का एक पुत्र अभिजीत हुये। अभिजीत का भी परिवार नहीं चला। शिरीष चन्द्र के एक पुत्र तनमय का भी परिवार नहीं चला। श्री निधान अल्पायु हुये। श्रीरमन के एक पुत्र डा० अमलान्शु हुये। डा० अमलान्शु के पुत्र अर्नव हुये। श्रीरमन का परिवार श्रीधाम बी-1/71 सेक्टर पी० अलीगंज लखनऊ में रहता है। इनके पुत्र डा० अमालन्शु बृजराज सुपर स्पेशिलिटी हास्पिटल तहसीनगंज चौराहा हरदोई रोड, लखनऊ में है। शिरीष चन्द्र जी शास्त्री नगर कुण्डरी

रकाबगंज में रहते थे। किन्तु अब यह परिवार 9/49 इन्द्रा नगर, लखनऊ में रहता है। गनेशी लाल के द्वितीय पुत्र रघुबीर दयाल के एक पुत्र सविता प्रसाद हुये। सविता प्रसाद के दो पुत्र श्रीधर और रमेश चन्द्र हुये। श्रीधर अल्पायु हुये। रमेश चन्द्र के दो पुत्र सर्वेश चन्द्र और राकेश चन्द्र हुये। सर्वेश चन्द्र के दो पुत्र संजय और राजीव हुये। रमेश चन्द्र का परिवार प्रतापगढ़ में रहता है। उजागर लाल चौथे व पाँचवें पुत्र कृष्ण दत्त और अयोध्या प्रसाद के परिवार नहीं चले।

उजागर लाल के छठवें पुत्र माधोराम के एक पुत्र केदार नाथ हुये। केदारनाथ के दो पुत्र नीलकंठ और ज्वाला प्रसाद हुये। नीलकंठ का परिवार नहीं चला। ज्वाला प्रसाद के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से तेज नारायण व प्रताप नारायण और द्वितीय स्त्री से युगुल किशोर हुये। तेज नारायण और प्रताप नारायण इन दोनों भाइयों के परिवार नहीं चले। युगुल किशोर के दो पुत्र कालिका प्रसाद और बैजनाथ हुये। कालिका प्रसाद के एक पुत्र सुन्दर लाल हुये। सुन्दर लाल के एक पुत्र रवि शंकर हुये। बैजनाथ का परिवार नहीं चला। उजागर लाल के सातवें पुत्र भगवानदीन के एक पुत्र शीतला हुये। शीतला का परिवार नहीं चला। उजागर लाल के आठवें पुत्र शिवसेवक के एक पुत्र राम शरण हुये। राम शरण का परिवार नहीं चला।

केशव राम के द्वितीय पुत्र बिहारी लाल के एक पुत्र वेणी प्रसाद हुये। वेणी प्रसाद के एक पुत्र केवल राम हुये। केवल राम के एक पुत्र गोबर्धन हुये। गोबर्धन के दो पुत्र मथुरा और बृजलाल उपनाम बिजई हुये। मथुरा के पाँच पुत्र प्रथम स्त्री से वंशलाल, श्याम लाल उपनाम नाहर, शिवदुलारे तथा रामदुलारे तथा द्वितीय स्त्री से गंगा दयाल हुये। शिव दुलारे का परिवार नहीं चला। वंशलाल के चार पुत्र देवीदयाल, देवीदत्त,

देवराज और शिवराज हुये। देवी दयाल के चार पुत्र प्रथम स्त्री गंगाविष्णु तथा दूसरी स्त्री से राम किशन, राधाकृष्ण और ओंकारनाथ उपनाम नानाराव हुये। गंगा विष्णु के एक पुत्र राम स्वरूप उपनाम लालू हुये। राम स्वरूप के एक पुत्र विष्णु स्वरूप हुये। विष्णु स्वरूप 109/13 नेहरू नगर, कानपुर में रहते थे वर्तमान में कोई परिवार नहीं रहता है। राम किशुन अल्पायु हुये। राधा किशनु के एक पुत्र हरिशंकर हुये। हरि शंकर लापता हो गये। देवी दयाल के चतुर्थ पुत्र ओंकार नाथ उपनाम नानाराव के दो पुत्र रज्जन उपनाम सुरेन्द्र और वीरेन्द्र हुये। वंशलाल के द्वितीय पुत्र देवीदत्त अल्पायु हुये। वंशलाल के तृतीय पुत्र देवराज के दो पुत्र गंगा चरण और गंगा सहांय हुये। गंगा चरण और गंगा सहांय इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। वंशलाल के चतुर्थ पुत्र शिवराज के एक पुत्र शिव प्रकाश उपनाम लल्लन हुये। शिव प्रकाश के दो पुत्र आदेश और स्वदेश हुये। शिव प्रकाश जी हिन्दुस्तान कामर्शियल बैंक, बिरहाना रोड, कानपुर में काम करते हैं।

मथुरा प्रसाद के तृतीय पुत्र रामदुलारे के एक पुत्र रामानन्द हुये। रामानन्द के एक पुत्र राम आसरे हुये। राम आसरे के दो पुत्र वैदेही शरण और हरिशरण हुये। वैदेही शरण के चार पुत्र मृत्युञ्जय शरण, नील कमल, नील रतन और नीलकंठ हुये। हरिशरण के एक पुत्र अभिलाष उपनाम मुकुल हुये। राम आसरे जी संकठा देवी की गली यहियागंज लखनऊ में रहते थे वर्तमान में कोई परिवार नहीं रहता। आप देवी संकठा जी के आराधक हैं। मथुरा प्रसाद के चतुर्थ पुत्र श्याम लाल का परिवार नहीं चला। मथुरा प्रसाद के पंचम पुत्र गंगा दयाल के चार पुत्र देवदत्त, आशादत्त, रामचन्द और भगवान चन्द हुये। देवदत्त अल्पायु हुये। आशा दत्त के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से दरबारी लाल उपनाम रतन लाल, कृष्ण

कुमार और द्वितीय स्त्री से शंकर लाल हुये। दरबारी लाल अल्पायु हुये। कृष्ण कुमार के दो पुत्र राकेश कुमार और दिनेश कुमार हुये। कृष्ण कुमार जी पाण्डेयगंज लखनऊ में रहते हैं। गंगा दयाल के तृतीय पुत्र रामचन्द्र के एक पुत्र हीरालाल हुये। हीरालाल के छै पुत्र लक्ष्मी शंकर, रमा शंकर, कृष्ण शंकर, गिरजा शंकर, दुर्गा शंकर और गणेश शंकर हुये। लक्ष्मी शंकर के दो पुत्र सत्य प्रकाश और सूर्य प्रकाश हुये। सत्य प्रकाश के एक पुत्र अभिष हुये। सूर्य प्रकाश के के अभी पुत्र नहीं है। रमाशंकर का परिवार नहीं चला। कृष्ण शंकर के दो पुत्र चन्द्र प्रकाश और कीर्ति प्रकाश हुये। चन्द्र प्रकाश के अभी पुत्र नहीं है। कीर्ति प्रकाश के एक पुत्र शिवाय हुये। गिरिजाशंकर के तीन पुत्र वेद प्रकाश, इन्द्र प्रकाश, और ऋषि प्रकाश हुये। वेद प्रकाश के एक पुत्र वेदांश हुये। इन्द्र प्रकाश के अभी पुत्र नहीं है। दुर्गा शंकर का परिवार नहीं चला। गणेश शंकर के एक पुत्र अविरल हुये। हीरालाल का परिवार बीच बाजार भैरवनाथ मन्दिर के बगल में लालगंज जिला रायबरेली में रहते हैं। गंगादयाल के चतुर्थ पुत्र भगवान चन्द्र के एक पुत्र शीतला प्रसाद हुये। शीतला प्रसाद के दो पुत्र राजेन्द्र प्रसाद और रमेश चन्द्र हुये।

गोबर्धन के द्वितीय पुत्र बृजलाल उपनाम विजई के दो पुत्र चन्द्रशेखर और चन्द्रमौलि हुये। चन्द्रशेखर के एक पुत्र विश्वेश्वर हुये। विश्वेश्वर के चार पुत्र दुर्गादीन, दुर्गा दयाल, दुर्गा प्रसाद और दुर्गा शंकर हुये। दुर्गादीन के एक पुत्र राजा हुये। राजा अल्पायु हुए। दुर्गा दयाल के तीन पुत्र राज नारायण, देव नारायण और हरि नारायण हुए। राज नारायण के एक पुत्र पूर्णेन्द्र प्रभाकर के एक पुत्र आशीष हुए। आशीष के एक पुत्र अर्जुन हुये। देव नारायण के एक पुत्र कमलेश के दो पुत्र संस्कार और सिद्धांत हुए। हरि नारायण के दो पुत्र अजय कुमार और आनन्द कुमार

हुये। अजय कुमार का परिवार नहीं चला। हरिनारायण का परिवार 68/88 लोकमोहाल कानपुर में रहता है। आनन्द कुमार के दो पुत्र अथर्व और विख्यात हुये। दुर्गा प्रसाद का परिवार नहीं चला। दुर्गा शंकर के एक पुत्र ब्रह्म नारायण हुए। ब्रह्म नारायण के एक पुत्र मुन्ना उपनाम अमित हुए। अमित के एक पुत्र यश हुये। ब्रह्म नारायण का परिवार 128/79 एच वन ब्लाक किदवई नगर, कानपुर में रहता है। बृजलाल के द्वितीय पुत्र चन्द्र भाल के एक पुत्र शिवदत्त हुए। शिवदत्त का वहां परिवार नहीं चला।

गंगाराम के चतुर्थ पुत्र सर्वेश्वर के एक पुत्र वृन्दा हुये। वृन्दा के एक पुत्र रेखा हुए। रेखा के एक पुत्र शिवगुलाम हुये। शिव गुलाम के दो पुत्र माखन और आनन्दीदीन हुये। माखन के दो पुत्र बलदेव प्रसाद और संकठा प्रसाद हुये। बलदेव प्रसाद के एक पुत्र मुन्नालाल हुये। मुन्नालाल के दो पुत्र सदासुख और रामसुख हुये। सदासुख का परिवार नहीं चला। रामसुख का भी परिवार नहीं चला। संकठा प्रसाद का भी परिवार नहीं चला। आनन्दी दीन के पाँच पुत्र दयाशंकर, मदन गोपाल, लल्लू, शिवनन्दन और भानुदत्त हुये। दयाशंकर का परिवार नहीं चला। मदन गोपाल के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से नारायणदीन उपनाम मनियां, द्वितीय स्त्री से भगवानदीन उपनाम दुलारे और महानन्द हुये। नारायण दीन के दो पुत्र शिवभजन और श्याम सुन्दर उपनाम छोटेलाल हुये। शिवभजन का परिवार नहीं चला। श्याम सुन्दर के दो पुत्र सूर्य प्रसाद उपनाम पुत्ती और काशी प्रसाद हुये। सूर्य प्रसाद अल्पायु हुये। काशी प्रसाद का परिवार नहीं चला। मदन गोपाल के द्वितीय पुत्र भगवान दीन के एक पुत्र राम सुन्दर अल्पायु हुये। महानन्द का परिवार नहीं चला। आनन्दी दीन के पंचम पुत्र भानुदत्त के एक पुत्र निजानन्द उपनाम मन्नी हुये। निजानन्द के एक पुत्र मनीराम हुये। मनीराम के एक पुत्र द्वारिका प्रसाद हुये। द्वारिका

प्रसाद के चार पुत्र बैकुण्ठ नारायण, देव नारायण, राज नारायण और श्याम नारायण हुये। बैकुण्ठ नारायण में पाँच पुत्र विशम्भर नाथ, अमरनाथ, विश्वनाथ, बैजनाथ और सुरेन्द्रनाथ हुये। विशम्भरनाथ के दो पुत्र संदीप कुमार और नवनीत कुमार हुये। संदीप कुमार का परिवार नहीं चला। नवनीत के एक पुत्र नमन हुये। अमरनाथ के दो पुत्र अनिल कुमार और सुनील कुमार हुये। अनिल कुमार के एक पुत्र पीयूष रंजन हुये। सुनील कुमार के दो पुत्र प्रतीक और मोनू हुये। विश्वनाथ के तीन पुत्र सुधांशु, हिमांशु और दिव्यांशु हुये। सुधांशु का परिवार नहीं चला। हिमांशु के एक पुत्र अंजनेय हुये। दिव्यांशु के एक पुत्र कार्तिकेय हुये। यह परिवार एम ब्लाक काकादेव में रहता है। बैकुण्ठ नारायण के चतुर्थ पुत्र बैजनाथ द्वारा जानकारी मिली कि पूज्य भानुदत्त बहुत ही वीर पुरूष हुये। इन्होंने सन् 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में तीन अंग्रेजों को कड़ावीन नामक शस्त्र से मार कर फरार हो गये थे। 52 वर्ष तक नेपाल में अज्ञातवास कर फरार रहे। सन् 1908 में इनके मृत्यु की सूचना बाबू खेड़ा जिला-उन्नाव से प्राप्त हुई थी। बैकुण्ठ नाथ स्वयं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे एवं भारत सरकार द्वारा ताम्र पत्र से सम्मानित रहे। बैजनाथ अभी भी जीवित है। बैजनाथ के दो पुत्र अविनाश और आशुतोष ये परिवार 127/317 केशव नगर, कानपुर में रहता है। अविनाश के एक पुत्र आयुष हुये। यह परिवार 3/275 विश्वासखण्ड-3, गोमती नगर लखनऊ में रहता है। आशुतोष का परिवार नहीं चला। सुरेन्द्रनाथ के दो पुत्र जीतेन्द्र और उपेन्द्र हुये। जीतेन्द्र के एक पुत्र शास्वत और उपेन्द्र के एक पुत्र समर्थ हुये। देव नारायण के चार पुत्र राकेश, राजेश, दिनेश उपनाम बाबू और उमेश हुये। राकेश और राजेश दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। दिनेश उपनाम बाबू के चार पुत्र ओमनाथ, सोमनाथ, दूधनाथ, पूतनाथ हुये। उमेश

लापता हुये। यह परिवार ग्राम-काकूपुर जिला कानपुर नगर में रहते हैं। राजनारायण के दो पुत्र गोपाल और गोविन्द हुये। गोपाल के एक पुत्र पवन हुये। गोविन्द के एक पुत्र आरव हुये। यह परिवार तुलसी विहार केशव नगर कानपुर नगर में रहता है। श्याम नारायण के दो पुत्र अनुज और शुभम हुये। अनुज के दो पुत्र अंचित और शौर्य हुये। शुभम् का परिवार नहीं चला। यह परिवार बलराम नगर बिल्हौर जिला-कानपुर नगर में रहता है।

गंगाराम के पंचम पुत्र रघुनाथ के एक पुत्र संतोषी हुये। संतोषी के तीन पुत्र इच्छाराम, सुजऊ और सुखनन्दन हुये। इच्छाराम के दो पुत्र दीनानाथ और आदिनाथ हुये। दीनानाथ के दो पुत्र गया प्रसाद और शिवप्रसाद हुये। गया प्रसाद के दो पुत्र वैजनाथ और जगन्नाथ हुये। वैजनाथ जी गर्गाश्रमी पांडेय बन्धुओं में बड़े ही सुयोग्य और धनवान पुरुष हुये। इन्होंने अपने जीवनकाल में गर्गाश्रम में शिवाला, कुआँ, फुलवारी आदि बनवाई और उसका सुन्दर प्रबन्ध रखा। शोक की बात है कि बैजनाथ जी का परिवार नहीं चला। जगन्नाथ के दो पुत्र रामनाथ और विश्वेश्वर नाथ हुये। रामनाथ के एक पुत्र शिवदत्त हुये। शिवदत्त अल्पायु हुये। विश्वेश्वर नाथ जी ने भेटउरा निवासी श्री पाण्डेय मोहन लाल के लघु पुत्र दया शंकर को गोद लिया और इनका नाम गौरी शंकर रखा किन्तु गौरी शंकर का परिवार नहीं चला। दीनानाथ के द्वितीय पुत्र शिव प्रसाद के एक पुत्र संकठा प्रसाद हुये। संकठा प्रसाद के दो पुत्र बलभद्र और सिद्धिनाथ दोनों भाई अल्पायु हुये। इच्छाराम के द्वितीय पुत्र आदिनाथ के एक पुत्र जीवराखन हुए। जीवराखन का परिवार नहीं चला। संतोषी के द्वितीय पुत्र सुजऊ के दो पुत्र शिवबक्स और जवाहर लाल हुये। शिवबक्स के एक पुत्र आत्माराम हुये।

बाबूखेरा जिला उन्नाव

आत्माराम के छै पुत्र रघुनन्दन, काशीदत्त, जागेश्वर, इन्द्रमणि, गौरीशंकर और शिवशंकर हुये। रघुनन्दन के एक पुत्र मथुरा प्रसाद हुये। मथुरा प्रसाद के एक पुत्र गंगा विष्णु हुए। गंगा विष्णु का परिवार नहीं चला। काशी दत्त के एक पुत्र बृजवासी लाल हुये। बृजवासी लाल के तीन पुत्र शिवकंठ, शिव रतन और शिवमंगल हुये। शिवकंठ और शिवरतन के इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। शिवमंगल के एक पुत्र कल्याणी दीन हुए। कल्याणी दीन का परिवार नहीं चला। आत्माराम के तृतीय पुत्र जागेश्वर का परिवार नहीं चला। आत्माराम के चतुर्थ पुत्र इन्द्रमणि के दो पुत्र वेणी माधव और मुकुन्द माधव हुये। वेणी माधव के तीन पुत्र धनीराम, शिवबालक और मोहनलाल हुये। धनीराम के चार पुत्र रामसेवक, सूर्यसेवक, हरि प्रसाद और ब्रह्म नारायण हुए। रामसेवक के एक पुत्र शीतला प्रसाद उपनाम झन्नर हुये। शीतला प्रसाद के दो पुत्र बृज बिहारी और राज बिहारी हुए। बृज विहारी के चार पुत्र अनिल कुमार, वीरेन्द्र कुमार, सुनील कुमार और अजय कुमार हुए। अनिल कुमार के एक पुत्र आशुतोष कुमार हुए। आशुतोष कुमार के एक पुत्र याज्ञवल्क हुए। वीरेन्द्र का परिवार नहीं चला। सुनील के दो पुत्र सौम्य और सौमित्र हुये। अजय के एक पुत्र विप्लव हुये। राज बिहारी के तीन पुत्र नरेन्द्र कुमार, जितेन्द्र कुमार, योगेन्द्र कुमार हुए। नरेन्द्र के दो पुत्र नितेश और नीरज हुये। जितेन्द्र कुमार के एक पुत्र निखिल हुये। योगेन्द्र कुमार के एक पुत्र स्वाधीन हुये। शीतला प्रसाद का परिवार मुहल्ला पोस्ट गीदम जिला बस्तर छत्तीसगढ़ में रहता है। धनीराम के द्वितीय सूर्यसेवक के दो पुत्र बाल कृष्ण और बलदेव प्रसाद हुये। बाल कृष्ण का परिवार नहीं

चला। बलदेव प्रसाद के चार पुत्र लक्ष्मी शंकर, गणेश शंकर, काली शंकर और गौरी शंकर हुए। लक्ष्मी शंकर के दो पुत्र प्रकाश और विकास हुये। गणेश शंकर के एक पुत्र प्रांजल हुये। काली शंकर और गौरीशंकर का परिवार नहीं चला। धनीराम के तृतीय पुत्र हरिप्रसाद के पाँच पुत्र महेश प्रसाद, उदय शंकर, प्रेम शंकर, करुणा शंकर और कुमार शंकर हुये। महेश प्रसाद के तीन पुत्र भीमशंकर, रमाशंकर और दयाशंकर हुये। भीमशंकर के एक पुत्र शुभम् हुये। रमाशंकर के एक पुत्र स्वप्निल हुये। उदय शंकर के दो पुत्र देवी शंकर और उमाशंकर हुये। देवी शंकर के एक पुत्र पृथ्वी शंकर हुये। प्रेमशंकर के एक पुत्र यति हुये। करूणाशंकर का परिवार नहीं चला। कुमार शंकर के दो पुत्र शिवम् और सुन्दरम् हुये। कुमार शंकर का परिवार बाबूखेड़ा जिला उन्नाव में रहता है। धनीराम के चतुर्थ पुत्र ब्रह्म नारायण का परिवार नहीं चला। वेणी माधव के द्वितीय पुत्र शिवबालक के एक पुत्र शिव प्रसाद हुए। शिव प्रसाद के एक पुत्र ज्वाला प्रसाद हुये। ज्वाला प्रसाद के दो पुत्र अनिल कुमार और सुनील कुमार हुये। अनिल कुमार के एक पुत्र उत्तम हुये। सुनील कुमार के तीन पुत्र सोहन, मोहन और सुमित हुये। वेणी माधो के तृतीय पुत्र मोहन लाल का परिवार नहीं चला। इन्द्रमणि के द्वितीय पुत्र मुकुन्द माधो के एक पुत्र दयाराम हुये। दयाराम के एक पुत्र गुरु प्रसाद हुए। गुरु प्रसाद का पविार नहीं चला। आत्माराम के पंचम पुत्र गौरी शंकर का भी परिवार नहीं चला। आत्माराम के छठे पुत्र शिवशंकर के दो पुत्र रामरतन और बालादीन हुए। रामरतन के एक पुत्र नन्द किशोर हुये। नन्द किशोर के दो पुत्र विजय शंकर और कमला शंकर हुये। विजय शंकर के दो पुत्र सुरेश चन्द्र और मुनेश चन्द्र हुये। सुरेशचन्द्र और मुनेश चन्द्र दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। कमला शंकर के एक पुत्र प्रदीप उपनाम संजय हुए। संजय

के दो पुत्र यशस्वी और तेजस हुये। नन्द किशोर का परिवार बाबूखेड़ा जिला-उन्नाव में रहता है।। बालादीन का परिवार नहीं चला।

ऐहार जिला रायबरेली

सुनऊ के द्वितीय पुत्र जवाहरलाल के चार पुत्र देवीदीन, रामादीन, चंदीदीन और बेनी दीन हुये। देवीदीन के एक पुत्र जानकी प्रसाद हुये। जानकी प्रसाद के दो पुत्र शिव गोपाल और राम नारायण हुये। शिव गोपाल और राम नारायण इन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। रामदीन के एक पुत्र आशादत्त हुये। आशादत्त का परिवार नहीं चला। चंदीदीन का भी परिवार नहीं चला। बेनीदीन के दो पुत्र वंशलाल और राम दयाल हुये। वंशलाल के दो पुत्र जयराम और शालिकराम हुये। जयराम का परिवार नहीं चला। शालिक राम के दो पुत्र रामचरण और मन्नूलाल हुए। रामचरण के दो पुत्र मोहन लाल और बद्री प्रसाद हुये। मोहन लाल के दो पुत्र दयाशंकर और रामशंकर हुये। दयाशंकर के एक पुत्र चन्द्र नारायण हुये। चन्द्र नारायण का परिवार नहीं चला। रामशंकर के दो पुत्र सूर्य नारायण और वेद प्रकाश हुये। सूर्य नारायण के दो पुत्र महेश कुमार और उमेश कुमार हुये। महेश कुमार के दो पुत्र राहुल और दिनेश कुमार हुये। राहुल के एक पुत्र इशान हुये। दिनेश कुमार के अभी पुत्र नहीं है। वेद प्रकाश के एक पुत्र अखिलेश कुमार के एक पुत्र आयुष हुये। इनका परिवार ऐहार जिला रायबरेली में रहता है। रामचरण के द्वितीय पुत्र बद्री प्रसाद के एक पुत्र श्रीकृष्ण हुये। श्रीकृष्ण के तीन पुत्र रवी शंकर, विजय शंकर और ओमशंकर हुये। रवी शंकर के दो पुत्र संदीप और सतेन्द्र हुये। संदीप का परिवार नहीं चला। सतेन्द्र के अभी पुत्र नहीं है। विजय शंकर के दो पुत्र मुकेश कुमार और नितेश कुमार

हुये। मुकेश कुमार के एक पुत्र ऋषि हुये। नितेश कुमार के एक पुत्र आदित्य कुमार हुये। ओम शंकर के तीन पुत्र कौशल किशोर, अवधेश और अनुरूद्ध हुये। जिसमें कौशल किशोर को उनकी बुआ ने गोद ले लिया था। अवधेश के एक पुत्र अभिनन्दन हुये। अनिरूद्ध अल्पायु हुये। शालिक राम के द्वितीय पुत्र मन्नूलाल के तीन पुत्र बिन्दा प्रसाद, काली प्रसाद और शीतल प्रसाद हुये। बिन्दा प्रसाद के पाँच पुत्र गिरजा शंकर, प्रेम शंकर, लक्ष्मी शंकर, देवी शंकर और कमला शंकर हुये। गिरजा शंकर के दो पुत्र सतीश मोहन और राकेश मोहन हुये। सतीश मोहन का परिवार नहीं चला। राकेश मोहन के एक पुत्र प्रतीक हुये। प्रेम शंकर के दो पुत्र लल्लन और अंजनी कुमार हुये। लल्लन अल्पायु हुये। अंजनी कुमार के दो पुत्र अमन और अंशुल हुये। अमन के एक पुत्र इच्छित हुये। अंजनी कुमार का परिवार 536/क/56 त्रिवेणी नगर प्रथम लखनऊ में रहता है लक्ष्मी शंकर के दो पुत्र सुशील कुमार और सुनील कुमार हुये। सुशील कुमार के एक पुत्र शिवांशु के दो पुत्र अरनव और अब्यन हुये। सुनील कुमार अल्पायु हुये। देवी शंकर के दो पुत्र विजय कुमार और राजेन्द्र कुमार हुये। विजय कुमार के दो पुत्र अभय और ओजस हुये। देवी शंकर का परिवार एफ-128 पनकी कानपुर नगर में रहता है। कमलाशंकर के दो पुत्र डा० अजय और विनय हुये। डा० अजय कुमार के एक पुत्र आयुष हुये। विनय कुमार के एक पुत्र नितिन हुये। कमलाशंकर का यह परिवार अलीगंज लखनऊ में रहता है। सुशील कुमार का परिवार 438 आशुतोष नगर कृष्णा नगर लखनऊ में रहता है। मन्नूलाल के द्वितीय पुत्र कालीप्रसाद का परिवार नहीं चला। मन्नूलाल के तृतीय पुत्र शीतल प्रसाद के चार पुत्र राज नारायण, जगदीश प्रसाद, भगौती प्रसाद और देवी सेवक हुये। राज नारायण के एक पुत्र दुर्गाशंकर के चार पुत्र अमित, अजय,

रजत और शुभम हुये। अमित के एक पुत्र आर्येश हुये। अजय के एक पुत्र शिवांश हुये। दुर्गाशंकर का परिवार 68/73 लोकमन मोहाल कानपुर में रहता है। जगदीश प्रसाद के चार पुत्र उमेश कुमार, महेश कुमार, गिरीश कुमार और सुशील कुमार हुये। उमेश कुमार के दो पुत्र आलोक और अनुराग हुये। आलोक के दो पुत्र अक्षत और संचित हुये। अनुराग के दो जुड़वा पुत्र अर्नव और अनामय हुये। महेश कुमार के एक पुत्र आदित्य हुये। गिरीश कुमार के एक पुत्र अभिषेक हुये। सुशील कुमार का परिवार नहीं चला। जगदीश प्रसाद का परिवार जो पहले सुमेरपुर जिला उन्नाव में रहता था। अब वर्तमान में 104ए/191ए रामबाग कानपुर में रहता है। भगौती प्रसाद के एक पुत्र विनीत का परिवार नहीं चला । देवी सेवक के एक पुत्र अंकुर इनका भी परिवार नहीं चला। बेनीदीन के द्वितीय पुत्र रामदयाल के एक पुत्र भगवानदीन हुये। भगवानदीन के दो पुत्र शिवरतन और शिव दुलारे उपनाम मनियां हुये। शिवरतन के दो पुत्र रामदुलारे उपनाम छुन्नी और रामकृष्ण हुये। रामदुलारे के तीन पुत्र सुखदेव, सहदेव और शिवदेव हुये। सुखदेव के एक पुत्र गनेश हुये। गनेश का परिवार नहीं चला। सहदेव के तीन पुत्र धनंजय, धनीराम और धीरज उपनाम लल्लन हुये। धनंजय के तीन पुत्र पन्नालाल, मोतीलाल और नारायण शंकर हुये। पन्ना लाल के दो पुत्र राहुल और प्रवीण हुये। मोतीलाल के एक पुत्र विशाल हुये। नारायण शंकर के एक पुत्र कशिश हुये। धनंजय का परिवार शुक्लागंज जिला-उन्नाव में रहता है। धनीराम का परिवार नहीं चला। धीरज के एक पुत्र धर्मेन्द्र कुमार के एक पुत्र हर्ष कुमार उपनाम पुन्नू हुये। धीरज उपनाम लल्लन का परिवार पनई जिला उन्नाव में रहता है। राम दुलारे के द्वितीय पुत्र शिवदेव के पाँच पुत्र बालकृष्ण, प्रेम नारायण, चुन्नीलाल, रविशंकर और यती शंकर हुये। बालकृष्ण के

तीन पुत्र ज्ञान मुर्ति श्याम मुर्ति और राममूर्ति हुये। ज्ञानमूर्ति का परिवार नहीं चला। श्याममूर्ति के एक पुत्र प्रखर हुये। जिनका परिवार गोमती नगर लखनऊ में रहता है। राममूर्ति के एक पुत्र मयंक हुये। जिनका परिवार 572 एस ब्लाक यशोदा नगर कानपुर में रहता है। प्रेम नारायण के तीन पुत्र वृजेश, राजेश और कमलेश हुये। वृजेश कुमार का परिवार नहीं चला। राजेश कुमार के दो पुत्र वरूण और तरूण हुये। राजेश कुमार का परिवार एल-472 इन्द्रा नगर रायबरेली में रहता है। कमलेश कुमार के एक पुत्र शोभित हुये। कमलेश कुमार का परिवार 127/396 जूही बारादेवी कानपुर में रहता है। चुन्नीलाल के चार पुत्र संजय कुमार, मनोज कुमार, अजय कुमार और विजय कुमार हुये। संजय कुमार के एक पुत्र मृत्युंजय हुये। मनोज के एक पुत्र शुभम हुये। अजय के दो पुत्र संगम और स्वयं हुये। विजय के एक पुत्र केदार हुये। चुन्नी लाल का परिवार 127/7 एम ब्लाक यशोदा नगर कानपुर में रहता है। रविशंकर का परिवार नहीं चला। यतीशंकर के दो पुत्र अरविन्द और आशीष हुये। अरविन्द के एक पुत्र हरिओम हुये। शिवरतन के द्वितीय पुत्र रामकृष्ण के दो पुत्र शिव मोहन और बागेश्वर हुये। शिव मोहन के एक पुत्र आदित्य नारायण हुये। आदित्य नारायण के तीन पुत्र बद्री शंकर, गौरहरशंकर और विजय शंकर हुये। बद्रीशंकर के चार पुत्र अजय, संजय, पंकज और जयन्त हुये। अजय और संजय दोनो भाइयों का परिवार नहीं चला। पंकज अल्पायु हुये। जयन्त के दो पुत्र इलेश और नमन हुये। बद्रीशंकर का परिवार साकेत नगर कानपुर में रहता है। गौरहरशंकर के एक पुत्र गौरव जर्मनी में रहते है। गौरहरशंकर का परिवार वी 17 यशोदा नगर कानपुर में रहता है। विजय शंकर के दो पुत्र शशांक और शुभेन्दु हुये। राम कृष्ण के एक पुत्र बागेश्वर के एक पुत्र सत्य नारायण उपनाम बचनू हुये। सत्य नारायण के

दो पुत्र सतेन्द्र कुमार और धीरेन्द्र हुये। जिनमें दोनो भाइयों का परिवार नहीं चला। आदित्य नारायण का परिवार 256/10 बाबू पुरवा कालोनी कानपुर में रहता था। अब यह परिवार 17 वी यशोदा नगर कानपुर में रहता है। भगवान दीन के द्वितीय पुत्र शिवदुलारे उपनाम मनियां के एक पुत्र रामप्रसाद हुये। रामप्रसाद का परिवार नहीं चला।

अश्वनी उपनाम असनी जिला फतेहपुर

गंगाराम के छठे पुत्र विश्वनाथ के एक पुत्र जयन हुये। जयन के दो पुत्र महन्त और भवानी बक्स हुये। महन्त के एक पुत्र गंगा विष्णु हुये। गंगा विष्णु का परिवार नहीं चला। भवानी बक्स के तीन पुत्र प्रथम स्त्री से मार्तंड, शीतल प्रसाद और द्वितीय स्त्री से संगम लाल हुये। मार्तंड के दो पुत्र अयोध्या प्रसाद और छोटे लाल हुये। अयोध्या प्रसाद के दो पुत्र गंगाधर और इन्द्रधर हुये। गंगाधर के एक पुत्र गौरी शंकर हुये। गौरी शंकर के दो पुत्र धरणीधर उपनाम चंदिका प्रसाद और अम्बिका प्रसाद हुये। धरणीधर के तीन पुत्र बाबूलाल उपनाम संकठा प्रसाद, रमाशंकर और रमाकांत हुये। बाबूलाल का परिवार नहीं चला। रमाशंकर का भी परिवार नहीं चला। रमाकांत के एक पुत्र दुर्गा प्रसाद के एक पुत्र राजेश हुये। अम्बिका प्रसाद के चार पुत्र सूरज प्रसाद, कामता प्रसाद, कृष्ण कुमार और अंजनी कुमार हुये। सूरज प्रसाद के तीन पुत्र काली प्रसाद, राजा और अउवा हुये। काली प्रसाद देहली में रहते हैं। कामता प्रसाद के तीन पुत्र बलराम चन्द्र, सुशील और सतीश हुये। कृष्ण कुमार के तीन पुत्र नवल किशोर, राज किशोर और संजय हुये। कृष्ण कुमार देवनगर, रायपुरवा कानपुर में रहते हैं। अयोध्या प्रसाद के द्वितीय पुत्र इन्द्रधर उपनाम इन्दू के दो पुत्र शिवशंकर और करुणा शंकर हुये। शिवशंकर के

एक पुत्र लालता प्रसाद हुये। करुणा शंकर के दो पुत्र शारदा प्रसाद और लक्ष्मण प्रसाद उपनाम देवी प्रसाद हुए। शारदा प्रसाद के दो पुत्र प्रथम स्त्री से गिरजा शंकर और द्वितीय स्त्री से एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। लक्ष्मण प्रसाद उपनाम देवी प्रसाद का परिवार नहीं चला। मार्तंड के द्वितीय पुत्र छोटेलाल के दो पुत्र चन्द्रधर और जगतधर हुये। चन्द्रधर के एक पुत्र देवशंकर हुये। देवशंकर का परिवार नहीं चला। जगतधर के दो पुत्र देवी शंकर और रामप्रसाद हुये। देवीशंकर अल्पायु हुये। रामप्रसाद का परिवार नहीं चला। भवानी बक्स के द्वितीय पुत्र शीतला प्रसाद अल्पायु हुये। भवानी बक्स के तृतीय पुत्र संगम लाल के तीन पुत्र माधो प्रसाद, बद्रीनाथ और केदारनाथ हुये। माधो प्रसाद के एक पुत्र मदारी लाल हुये। मदारी लाल का परिवार नहीं चला। बद्रीनाथ का भी परिवार नहीं चला। केदारनाथ के एक पुत्र मदन मोहन हुये। मदनमोहन का परिवार नहीं चला।

उन लोगों का व्यौरा जो अपने को गेगासों के पाण्डेय बताते हैं

ऐसे बन्धुओं में प्राय: सभी आंक के लोग मिलते हैं जिन्हें अपनी साख की क्रमबद्धता तक विस्मृत है। वीरवंश की किसी शाख में ईश्वरी प्रसाद के तीन पुत्र नाथूराम, बाँकेलाल तथा शीतल प्रसाद हुये। बाँकेलाल के एक पुत्र हरिश्चन्द्र हुये। हरिश्चन्द्र के चार पुत्र गायत्री प्रसाद, नारायणधर, लक्ष्मीकांत और राधाकांत हुए। गायत्री प्रसाद के एक पुत्र शिरीष कुमार हुये। शिरीष कुमार के एक पुत्र अमन हुये। नारायणधर और लक्ष्मीकांत दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। राधाकांत के पुत्र आयुष हुये।श्री हरिश्चन्द्र जी का परिवार मु० पो० सआदतगंज जिला बाराबंकी में रहता है। इसी प्रकार गंगाराम वालों में शिवबक्स लाल जी के दो पुत्र ईश्वरी प्रसाद और द्वारिका प्रसाद हुये। ईश्वरी प्रसाद के दो पुत्र मंगली प्रसाद और कुंजी लाल हुये। मंगली प्रसाद के एक पुत्र नारायण प्रसाद हुए। नारायण प्रसाद के एक पुत्र देवकी नन्दन हुये। देवकी नन्दन के तीन पुत्र अशोक कुमार, विनोद कुमार और राज कुमार हुये। अशोक कुमार के तीन पुत्र मुन्ना, छुन्ना, और पूती हुये। मुन्ना के दो पुत्र अमन और अनुराग हुये। अमन के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। अनुराग के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। छुन्ना के तीन पुत्र आशीष, अमरीश और अंजनी हुये। पूती के एक पुत्र आकाश हुये। अशोक कुमार का परिवार जिला फतेहपुर में रहता है। विनोद कुमार के एक पुत्र विद्युत कुमार उपनाम संजय हुये। संजय के दो पुत्र अकरमण व आदित्य हुये। यह परिवार पहले नई सड़क, लोहाई, कानपुर में रहता था। वर्तमान में यह

परिवार पटकापुर कानपुर नगर में रहता है। राज कुमार के एक पुत्र प्रियांक हुये। यह परिवार 104ए/45 रामबाग में रहता है। द्वारिका प्रसाद के एक पुत्र दयाल हुये। दयाल के तीन पुत्र अप्पा, लाल, शिवशंकर हुये। अप्पा और लाल दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। शिवशंकर के छै पुत्र मुन्ना लाल, मोहन लाल, कन्हैया लाल, मेवा लाल, कृपाशंकर और दया शंकर हुये। मुन्ना लाल के दो पुत्र गणेश शंकर और लक्ष्मी शंकर हुये। गणेश शंकर के चार पुत्र अशोक, राजू, रम्मू और मनोज हुये। अशोक कुमार के दो पुत्र रिषी और आशीष हुये। आशीष के एक पुत्र प्रथम हुये। रम्मू के एक पुत्र शोभित हुये। मनोज के तीन पुत्र प्रतीक, कार्तिक और गौतम हुये। गणेश शंकर का परिवार चतुर्वेदी बिल्डिंग के पास नौबस्ता, कानपुर में रहता है। लक्ष्मी शंकर के एक पुत्र आनन्द हुये। आनन्द के दो पुत्र रोशन और लखन हुये। लक्ष्मी शंकर का परिवार मदारपुर कानपुर नगर में रहता है। मोहन लाल का परिवार नहीं चला। कहैन्या लाल के एक पुत्र श्रीकांत हुये। श्रीकांत के एक पुत्र आशुतोष हुये। मेवालाल के पाँच पुत्र सुशील कुमार, कृष्ण कुमार, महेन्द्र कुमार उपनाम पप्पू, राजेश और बबलू हुये। सुशील कुमार के दो पुत्र लालजी और गोपाल हुये। यह दोनों भाई अल्पायु हुये। कृष्ण कुमार के दो पुत्र मयंक और निशंक हुये। महेन्द्र कुमार उपनाम पप्पू के एक पुत्र माहिय उपनाम सोनू हुये। सोनू के एक पुत्र आयुष हुये। महेन्द्र कुमार उपनाम पप्पू वर्तमान में पार्षद कानपुर नगर निगम में है। राजेश के एक पुत्र आदित्य हुये। बबलू अल्पायु हुये। मेवालाल का परिवार 67/1 विष्णुपुरी लेबर कालोनी नवाबगंज कानपुर में रहता है। कृपाशंकर के चार पुत्र संतोष कुमार, राज कुमार, ललित कुमार और नरेन्द्र कुमार हुये। संतोष कुमार के एक पुत्र सक्षम हुये। राज कुमार के दो पुत्र कुलदीप और प्रशांत हुये।

ललित कुमार अल्पायु हुये। नरेन्द्र कुमार अविवाहित रहे। कृपा शंकर का यह परिवार ग्राम-नवही परगना घाटमपुर जिला कानपुर नगर में रहता है। दयाशंकर के तीन पुत्र प्रमोद, विनोद और मनोज हुये। प्रमोद के दो पुत्र अंकित और अमन हुये। विनोद के एक पुत्र आदर्श हुये। मनोज के दो पुत्र अंकुर और कुनाल हुये। दयाशंकर का परिवार पी-6 यशोदा नगर कानपुर नगर में रहता है। कुंजी लाल के दो पुत्र अल्पायु हुये। इसी प्रकार गंगाराम में देवीदत्त के पुत्र महिमा शंकर के दो पुत्र दयाशंकर और इक्षाप्रसाद हुए। दयाशंकर के पुत्र जानकी प्रसाद के दो पुत्र जयशंकर और जगमोहन हुए। अम्बिका प्रसाद का पविार नहीं चला। ये लोग पोस्ट व मुहल्ला शिवगंज बाजार जिला सिलहट में रहते थे। इसी प्रकार गंगाराम में शम्भू नाथ के पुत्र ब्रजलाल हुए। ब्रजलाल के एक पुत्र हीरालाल हुए। हीरालाल के पुत्र जवाहर लाल हुए। जवाहर लाल के पुत्र आनन्द लाल हुए। आनन्द लाल के दो पुत्र बजान लाल और छोटेलाल हुए। ये लोग जिला मेंदनीपुर पोस्ट व मुहल्ला कसियारी पश्चिम बंगाल में रहते थे।

इसी प्रकार गिरधर वंश में शिव शंकर के तीन पुत्र जगदेव, रामेश्वर दयाल और रामदेव हुये। जगदेव के तीन पुत्र बद्रीविशाल, मदनमोहन और मदन गोपाल हुये। बद्रीविशाल के एक पुत्र राजेश हुये। राजेश के एक पुत्र विपिन कुमार हुये। मदनमोहन के तीन पुत्र राकेश कुमार बागेश कुमार और राजेन्द्र कुमार हुये। मदनगोपाल के दो पुत्र राकेश कुमार और सुशील कुमार हुये। रामेश्वर दयाल के दो पुत्र राज कुमार और अरूण कुमार हुये। राज कुमार के एक पुत्र अंकुर हुये। अंकुर के एक पुत्र युवान हुये। अरूण कुमार के एक पुत्र नाम अज्ञात हुये। रामदेव के चार पुत्र श्याम सुन्दर, राधेश्याम, राधारमण और धुन्नू हुये। श्याम सुन्दर और राधे श्याम दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। राधा

रमन के दो पुत्र गोविन्द व राघव हुये। धुन्नू का परिवार नहीं चला। राज कुमार का परिवार सहजादे की कोठी जिला रायबरेली में रहता है। वीरवंश में ही राम औतार के एक पुत्र हरीशंकर के एक पुत्र कन्हैया लाल हुये। कन्हैया लाल के चार पुत्र बृजनाथ, चन्द्र नाथ, लोकनाथ, वेदनाथ, हुये। बृजनाथ के एक पुत्र दीनबन्धु हुये। दीन बन्धु के दो पुत्र सत्यवान ओर अभिषेक हुये। चन्द्रनाथ के चार पुत्र कृपासिंधु, सत्यसिंधु, धर्म सिंधु और धनन्जय हुये। कृपासिंधु के दो पुत्र मनीष और विवेक हुये। मनीष के एक पुत्र अक्षत हुये। सत्यसिंधु के एक पुत्र सुमित हुये। धर्म सिंधु के एक पुत्र शिखर हुये। धनन्जय के एक पुत्र ध्रुव हुये। लोकनाथ के एक पुत्र किशन लाल हुये। वेदनाथ अल्पायु हुये। यह परिवार कल्लू का पुरवा लखनऊ रोड जिला रायबरेली में रहता है। वीरवंश में ही हीरालाल के दो पुत्र लाला और दूसरे पुत्र का नाम अज्ञात हुये। लाला के दो पुत्र मुन्नालाल और गणेश प्रसाद उपनाम गणेशी हुये। मुन्नालाल के पाँच पुत्र शिव सहाय, शिवराम, गजोधर, शिव दुलारे और अयोध्या प्रसाद हुये। मुन्ना लाल के तीसरे पुत्र गजोधर के एक पुत्र शिवभजन हुये। शिवभजन का परिवार नहीं चला। मुन्ना लाल के पाँचवें पुत्र अयोध्या प्रसाद के चार पुत्र सत्य नारायण, राम गुलाम, रामरतन और गंगा विसुन हुये। सत्य नारायण के एक पुत्र बाल कृष्ण का परिवार नहीं चला। राम गुलाम के दो पुत्र रामकृष्ण और रामशंकर हुये। रामकृष्ण के तीन पुत्र गोकरननाथ, शिवकरण और सुरेश कुमार हुये। गोकरननाथ के दो पुत्र प्रमोद और विनोद हुये। प्रमोद के दो पुत्र शुभम् और सुयश हुये। विनोद कुमार के दो पुत्र सजल और बउवा हुये। शिवकरण के दो पुत्र डा० नीरज कुमार और पवन कुमार हुये। डा० नीरज कुमार के दो पुत्र आयुश और शिवांश हुये। पवन कुमार के एक पुत्र अभय हुये। गोकरननाथ

और शिवकरण का परिवार ग्राम जबरेला पोस्ट मुक्तेमऊ जिला उन्नाव में रहता है। अयोध्या प्रसाद के दूसरे पुत्र राम शंकर के पाँच पुत्र रमाकांत, लक्ष्मीकांत, शिवाकांत, कहैन्या और गोपाल हुये। रमाकांत के दो पुत्र टिन्कू और रिंकू हुये। लक्ष्मीकांत के एक पुत्र अन्नुऊ हुये। शिवाकांत के दो पुत्र कुलदीप और छोटू हुये। कन्हैया के दो पुत्र सूरज और निखिल हुये। गोपाल का परिवार नहीं चला। अयोध्या प्रसाद के तृतीय और चतुर्थ राम रतन और गंगाविसुन दोनों भाइयों का परिवार नहीं चला। मुन्नालाल के चतुर्थ पुत्र शिव दुलारे के एक पुत्र सूर्य नारायण के एक पुत्र विश्वनाथ हुये। विश्वनाथ के एक पुत्र राजेन्द्र कुमार हुये। राजेन्द्र कुमार के दो पुत्र कमलेश कुमार और सतीश कुमार हुये। कमलेश कुमार के दो पुत्र राहुल और वरूण हुये। राहुल के दो पुत्र राजबीर और हर्षबीर हुये। विश्वनाथ और राहुल का परिवार ग्राम व पोस्ट तौरा जिला उन्नाव में रहता है।

इसी प्रकार से अपने को हरिनाथ वंश में रामकरन के दो पुत्र रघुवंश और मोती लाल हुये। रघुवंश के तीन पुत्र दुर्गा प्रसाद, केशव प्रसाद और सिद्ध गोपाल उपनाम सिद्धा हुये। दुर्गा प्रसाद के तीन पुत्र राम गुलाम, गोवर्धन, और जगन्नाथ हुये। राम गुलाम के छः पुत्र बलदेव, शिव राखन, विशनाथ, रामकिशुन, रामचरण और राम सहाय हुये। राम सहाय के पाँच पुत्र राम प्रसाद, लक्षीराम, श्याम, रामरूप और कामता प्रसाद हुये। कामता प्रसाद के पाँच पुत्र राम जीवन, बाबू राम, राम स्वरूप, राम किशोर, और रमाकान्त हुये। राम सजीवन के तीन पुत्र रमा शंकर, सुरेन्द्र और राजेन्द्र हुये। रमा शंकर के दो पुत्र आजू और अंकित हुये। आजू के एक पुत्र परशुराम हुये। सुरेन्द्र के एक पुत्र उल्लास हुये। राजेन्द्र के दो पुत्र गोपाल और वेदान्त हुये। बाबू राम के तीन पुत्र कमलेश, दिलीप, और

जीतेन्द्र हुये। कमलेश के एक पुत्र मनीष हुये। दिलीप के दो पुत्र दुर्गेश और आशीष हुये। जीतेन्द्र के एक पुत्र आदर्श हुये। राम स्वरूप के दो पुत्र दीपक और संदीप हुये। दीपक के एक पुत्र अभास हुये। संदीप के एक पुत्र शिवांश हुये। राम किशोर (दरोगा जी) के तीन पुत्र पंकज, नीरज और सुधीर हुये। पंकज के एक पुत्र चैतन्य हुये। नीरज के एक पुत्र प्रखर हुये। सुधीर के एक पुत्र प्रभात हुये। रमाकान्त के दो पुत्र राम पुनीत और शिवम् हुये। राम पुनीत के एक पुत्र आरव हुये। राम किशोर और रमाकान्त का परिवार रमेड़ी तरौस दोस्त लम्बरदार के पीछे जिला-हमीरपुर में रहता है।

(पुञ्जराज वंश वर्णन समाप्त)

अथ पुञ्जराज वंश वैवाहिक रीति विवरण कन्यादान-विधि

कान्यकुब्ज ब्राह्मणों में दान लेने की प्रथा आदि से नहीं है। जो लोग दान न लिये हैं और न लेते हैं तथा सदाचारयुक्त अपनी कुलरीति में स्थिर है, वही उत्तम कहे जाते हैं। दान लेने वाले कर्मानुसार मध्यम् और निकृष्ट श्रेणियों में गिने जाते हैं। कर्म ही प्रधान है। अस्तु व्याह सम्बन्ध बराबर में करना ही उत्तम तथा श्रेष्ठ गिना जाता है। ऐसा ही करने से उभय पक्ष को सुख और शान्ति प्राप्त होती है। विभिन्न श्रेणी में व्याह सम्बन्ध करने से संतान कुत्सित कर्मा उत्पन्न होती है जिससे कुलाचार और कुल रीतियां लुप्त हो जाती हैं। इसीलिये कहा है, 'घर जात है धाकर धाय धंसे ते'।

व्याह विधि - सर्वप्रथम श्रीवर, घर और उनके सम्बन्ध व कुल को देखे, यथा 'जो घर वर कुल होइ अनूपा' मन संतुष्ट हो जाने पर वरीछा देवे।

वरीच्छा - वरीक्षा में एक रुपया (चाँदी का) तथा वर के माता पिता को दो-दो रुपया स्वयं या भाट द्वारा देवे।

टिप्पणी - वरीक्षा होने के बाद जाति मण्डल से और सम्बन्धियों में प्रकाशित करके सर्वसम्मति लेते हैं यदि कुछ भूल ज्ञात होती है तो निर्णय करके वरीच्छा फेर लेना या मौन धारण करना उचित होता है।

फलदान और लग्न - फलदान की सामग्री में 1 श्रीफल, सवा सेर हल्दी, सवा सेर पुंगीफल, नकद रुपये 7, 9 या 11 तथा देवपूजन व

निछावर के लिये पैसे भेजे जाते हैं। एक ताव कागज में आचार्य द्वारा विवाह की लग्न, मुहूर्त तथा समस्त कार्यों का विवरण लिखकर लग्न के रूप में भेजा जाता है। इसमें हल्दी की टिपकियां लगा दी जाती है। हल्दी से रंगे आध पाव चावल, पाँच पुंगी फल, पाँच गाठ हल्दी, पाँच टका पैसा, एक रुपया और हरी दूब रखकर कलावा से लग्न लपेट दी जाती है। इसके ऊपर हल्दी की टिपकियां लगाकर पता ठिकाना लिखकर महुये के एक खोल्लउवा के भीतर रखकर नाई द्वारा वर पक्ष के यहाँ एक निश्चित दिन भेजा जाता है।

पाणिग्रहण - पाणिग्रहण संस्कार के दिन प्रात:काल 'गहुरानी' न्योती जाती हैं। इसमें कन्या के सर पर धरी रख माँ पूरे गाँव के घरों में जाकर कन्या की माँग में सुहाग चढ़वाती है। सायं बरात आने पर वरपक्ष का नाई आसय लेकर आता है और गाँव की सुहागिलें गहुरानी बैठती है। गहुरानी बैठने पर कन्या पक्ष के लोग अगवानी के लिये जाते हैं और श्रीवर सहित समस्त बरातियों को आदरपूर्वक दरवाजे ले आते हैं। दरवाजे दो कहारिनें जो दो शुभ कलश हल्दी से रंगे हुये दीपक जलाये सर पर रखे खड़ी रहती हैं। लड़की सुहागिलों की पत्तले बाहर फेंक अन्दर चली जाती है। कुछ स्थानों पर इस रीति से वर की पूजा की जाती है। इसी को द्वारचार कहा जाता है। पश्चात् बराती जनवासे पहुँचकर कहारियों को कलश नेग देते हैं। फूलमाला की प्रथा अब समाप्त है जिसमें ग्यारह वर्ष से कम उम्र की कन्या के पाणिग्रहण संस्कार में वर-कन्या को जनवासे में खिलाया जाता था।

मिर्चवान - जिसमें प्रति गगरी सवा सेर चीनी, सवा छँटाक काली मिर्च और छोटी इलायची पीस कर गगरी को कपूर से धुपाकर उसमें भर कर आवश्यकतानुसार भेजी जाती है, साथ में लड़की का छोटा

भाई पैंधोवा के लिये जाकर बरातियों का पैधोवा करता है। पीछे दिखावा जिसमें दो मठुलिया बड़ी, 2 लड़वा बड़े, 2 पपची, दिउलारी वजन में छै, आठ या दस सेर, गुड़ की भेली 7.9 या ग्यारह तथा पूंड़ी 5 या 10 सेर भेजी जाती है।यद्यपि यह बरातियों की संख्यानुकूल 75, 101 या 125 में भेजी जाती थीं किन्तु अब बरातियों के लिए यथास्थिति उत्तम व्यवस्था अलग से की जाती है। इसके बाद दुर्गा जनेऊ किया जाता है। खार छुटाने की प्रथा में धोबिन को बुलाकर कन्या को सुहाग दिलाया जाता है। धोबिन को भोजन और 1 रुपया दिया जाता है। भोजन और एक रुपया दिया जाता है। इसके बाद चढ़ावे के लिये लड़के का बड़ा भाई चढ़ाव लेकर जाता है। चढ़ाव में एक थान पायजेब और श्रद्धानुकूल अन्य जेवरात साथ में चुनरी, लहंगा, पिछउरी, झुलिया, सतपुरिया, सेंधउरा और श्रीफल लेकर जाता है। यहीं पर कोंछ भी डाला जाता है। इसके बाद आचार्य द्वारा पाणि-ग्रहण संस्कार पूर्ण कराया जाता है। पाणि-ग्रहण संस्कार की दो विधियाँ हैं। एक में गौना अलग होता है इसमें छै भांवर पूरी कराकर एक को गौने के लिये छोड़ दी जाती है। दूसरी और आधुनिक विधि में सातो भांवरे पाटा फेर कर पूरी कर दी जाती हैं।

जेवनार - पाणि-ग्रहण के बाद जेवनार का भोजन बड़ी पवित्रता से घर की चतुर प्रवींण स्त्रियाँ तैयार करती है। पारुष के लिये अच्छे चतुर पुरुष कुटुम्बी खड़े रहते हैं, आंगन में पाटा डाल जल गड्डुआ में रख सबसे प्रथम श्रीवर के चरण धोकर पाटा पर बिठाते हैं। पश्चात् क्रम में सहिबाला इत्यादिक बरातियों को इसी तरह बैठाते हैं। तत्पश्चात् पनवार धोये हुये एक एक सबके सामने परसे जाते हैं। पुन: पनवार में भात परस चने की दाल, उर्द की दाल, घी परोस कर श्री लक्ष्मी नारायण बोल रसाजै, पनेवछा, वडुही, गलरा, कतरा, खरिका, मूरनि परस पुन: भात

देखावै। पीछे बड़ा की पारुस कर व्यजन की पारूष समाप्त होती है। हांथ मुह धोने के लिये पीतल के पात्र सबके सामने रख हांथ सफा करने के लिये चीनी, दाँत सफा करने के लिए सींक अथवा नीम का खरिका दें। पुनः शुद्ध जल परोस कर ताम्बूल दे विदा करते हैं।

नोट - भात की पारुस में नम्बरी एक सेर चावलों का भात प्रत्येक पनवार में परोसा जाता है।

मूरनि बनाने की विधि - एक सेर दही को कपड़ा में बाँध देवे। जब दही का पानी बिल्कुल निचुर जाय तो उसे छन्ना में धर एक सेर चीनी मिलाकर दही के हीर को हांथ से खूब मलें। तीन सेर कच्चा दूध से उसको छानकर अच्छे पात्र में रखें। इसके बाद चकली मोहरी का मिट्टी का पात्र जैसे मेहेड़िया वगैरह कोरी लावें और कंडा की तेज अग्नि साफ ज़मीन में रख रुई का फाहा किंचित मात्र घी में बोर अच्छा कपूर और आठ छोटी इलाइची लपेट अग्नि में रखकर वही भही का पात्र औंधाय देवें जिसमें कपूर और इलाइची का धुआँ उसी पात्र में भर जावे बाहर न निकलने पावे। जब सब कपूर और इलाइची जल जावे तो एक मनुष्य जो छनी हुई सामग्री रखी है उसको हांथ में उठा लेवे और एक मनुष्य ढक्कन लिये तैयार रहे। पुनः उस पात्र को उलटे और शीघ्रता से दूध छना हुआ जो लिये तैयार है उसमें नाय देवे और ढकना बन्द कर देवे पीछे चार पाँच बार हलावे कुछ देर बाद खोले।

इसके बाद सायं ठंडाई का सामान भेज बारात न्योती जाती है। हल्दी के रंगे चावल और पुंगीफल, इलाइची, अतर, पान साथ दिखावे का सारा सामान लेकर बस्ती के लोग जाते हैं। वहाँ पर पूजा करने के दोनों पक्ष विनती करते हैं, दिखावे की सामग्री पूर्ववत ही है। इसके बाद प्रथम कलेवा के लिए श्रीवर तथा इनसे छोटे लड़के बुलाये जाते हैं। श्रीवर के

साथ परजे भी जाते हैं। वहाँ पर सबको भोजन कराने के बाद (कहीं कच्चा, कहीं पक्का) एक पलंग पर साहिबाला सहित लड़के को घर पर बिठा व्योहारानुकूल कुटुम्ब और घर की स्त्रियाँ बीरा बटुआ देती हैं। दूसरे दिन का भी यही क्रम कलेवा का किया जाता है। इन दोनों दिनों में वीरा जनवासे भेजा जाता है। इसमें एक अच्छा बटुआ, दो रुपये, सुपाड़ी, कत्था, तम्बाकू, गरी गोला, इलाइची, लौंग, भांग, ठंडाई, मिर्च, खाने-पीने की तम्बाकू, 200 पान नई बारी से लेकर जनवासे जाता है जहाँ उसे नेग मिलता है। इसे कहीं 2 खोल्लउवा कहते हैं। इसके बाद रात्रि में बड़हार होती है। बड़हार में घर की चतुर स्त्रियाँ भाँति-भाँति की चौंके पूर उन पर पाटा रखती हैं। आदरपूर्वक पैर धोकर क्रम से बरातियों को बिठाया जाता है और समधौर किया जाता है, इसमें दोनों समधी आमने सामने खड़े होते हैं। बीच में एक चद्दर लगा दी जाती है। पुनश्च समधी एक दूसरे को दही पान में लगाकर छाती में चिपकाते और चद्दर हटा परस्पर गले मिलते हैं। कन्या पक्ष का समधी वर पक्ष के समधी को दो रुपया देता है। कुटुम्ब में भी इसका व्योहार व्योहारानुकूल पूर्ण किया जाता है। फिर पारुस प्रारम्भ होती है। इसमें कचौड़ी पूड़ी के अतिरिक्त पद्यावर, बूँदी, पपची, खुर्मा आदि मिष्ठान दिये जाते हैं और अन्त में पान परोस पारुस समाप्त होती है। पश्चात् वर पक्ष का समधी नाई, बारी, कहार को पत्तल, पानी की निछावर देता है। इसके बाद पान सत्कार कर बरात को जनवासे विदा कर दिया जाता है। यही क्रिया दूसरे दिन की भी होती है।

चतुर्थी कर्म - पद्धति के अनुसार आचार्य द्वारा कराई जाती है। इस कर्म में कुल खर्च वर पक्ष की ओर से होता है इसमें सहबाली को भी वस्त्र मिलता है। इसके बाद यदि कन्या 11 वर्ष की होती थी तो रहस बधावा जनवासे में होता था जिसमें लड़की को लंहगा, लुगरा व एक थान

गहना दिया जाता था। इसके बाद नगदी रखकर परजों को वस्त्र दिये जाते हैं किन्तु यह कार्य अब रहस बधावा न होने से बरतावन के बाद होता है।

बरात बिदा अर्थात् बरतौनी - इस प्रथा में कलम, दावात और कागज भेजकर चिट्ठा मंगाया जाता है। जिसमें जो रुपया उनको दिया गया है या देना है यथा पैलगावन के 15, 20 या 25 रुपये पेटरिया के 5 रुपये बाद विदाई के 4 रुपये कोंछ, 1 रुपया कसरावन का सवा रुपया, बहरोड़ का एक रुपया, हेर-फेर के 2 रुपये, उसकी विधि चिट्ठे द्वारा मिलाने की आवश्यकता पड़ती है, किसी गलत फहँमी में चिठ्ठा देख लिया जाता है कि लालचबस अधिक बढ़ा न दिया गया हो। व्यावहारिक होने की पर बरात को आँगन में क्रम से सुरार, पकवान, पंचहड़, बहरोड़ व अन्य सारा सामान जो दायज में लड़की को दिया जाता है क्रम से सजाकर रख लिया जाता है। मड़वे के नीचे श्रीवर और कन्या को कुलदेव पूजनोपरान्त चौक में बिठाते हैं और बरतौनी प्रारम्भ करते हैं। बरतौनी चिठ्ठानुकूल पूर्व वर्णित मान्यो को एक रुपया व कुटुम्बियों को दो रुपया दिया जाता था। आज के प्रचलित समय 2+1 रुपया आंक की जोड़ मान्य व परिवार के प्रत्येक पुरुष को 3 रुपया तथा शेष भाई वृन्द को दो रुपया के हिसाब से बरतौनी दी जाती है। समधी की बरतौनी में समधी अपनी पाई हुई बरतौनी को खड़ा होकर नाऊ, बारी, कहार को एक या दो रुपया न्योछावर कर देता है इसलिये उसे पुन: बिठा उसकी दुबारा बरतौनी करते हैं किन्तु स्थानीयता पद्धति में ऐसा नहीं देखा गया है। बरतौनी समाप्ति के बाद कन्या का पिता एक फूल के बड़े खोरवा में हल्दी रंगे चावल भर 81 (एक्यासी) रुपये रख समधी के आगे रख कर पैर छू विनती करता है। बाद में ब्राह्मणों को दक्षिणा और परजों को न्योछावर वर पक्ष से दी जाती है। कार्य पूर्ण होने पर बरातियों का स्वागत कर बरात जनवासे

जाती है। इसके बाद एक ओर कन्या का सारा सामान व सुसार आदि भेजकर समधी की बाग विदाई होती है तो दूसरी ओर वर परिवार व कुटुम्ब की स्त्रियाँ परछन कर विदा देती हैं। विदा में मड़वे की गाँठ कहीं-कहीं समधी कहीं-कहीं वर द्वारा खुलवाकर 2 रुपये नेग दिया जाता है। बाद जनवासे से साले को आमंत्रित कर भोजनोपरान्त 2 रुपये दिये जाते थे।

कन्या की विदा - कन्या की विदाई में नाई जाता है जिसे सवा रुपये घर वाले व एक रुपया लड़की दे वापस भेजती है। इसके बाद कुछ दिन कलेवा भेजते हैं इसमें पकवान, आठ-दस अदत् लहंगा, लुगरा तथा नगद चार रुपये जाते हैं।

यदि गौना होता है तो उसके संस्कार की एक भांवर को बरात का सा ही आगवन कर चौथाई हिस्सा दें। पुरोहित द्वारा अवशेष भांवर पूरी की जाती हैं। खोरवा में 2) ही दिये जाते हैं।

साल के अन्दर तीज और जड़ावर भी देने की प्रथा है इसमें तीज पर 12,15 या 20) और जड़ावर में 15 या 20 रुपये दिये जाते थे।

(पुञ्जराज वैवाहिक रीति विवरण समाप्त)

गोत्र और प्रवर आदि का निर्णय

आज के बीसवीं शताब्दी में ऐसे पुरुषों की संख्या कम है, जिन्हें उपर्युक्त विषयों का ज्ञान हो। इसके समाधान के लिये 'निर्णय सिन्धु' से चुना विचार यहाँ प्रकाशित किया जा रहा है।

विश्वमित्रो जमदग्निर्भरद्वाजोथ गौतमः अत्रिर्वशिष्टः कश्यप इत्यतै सप्तर्षयः सप्तनामृषीणामागस्त्याष्टयानां यदपत्य तद्गात्रमिति।

अर्थात् विश्वामित्र, जमदग्नि, भरद्वाज, गौतम, अत्रि, वशिष्ठ, कश्यप और अगस्त्य इन आठों की जो संतान है उनको गोत्र कहते हैं। गोत्र से यह सूचित होता है कि अमुक ऋषि के वंशज हैं और प्रवर से यह ज्ञात होता है कि अमुक ऋषि के यह प्रवर हैं। इसके अतिरिक्त निम्न सारणी से जो महर्षि जिस वेद व शाख आदि के अधिकारी थे उनका वह वेद तथा उपवेद, शाखा, शिखा, सूत्र पाद आदि का भी बोध होगा। अब हम अपने सुयोग्य बन्धु-बान्धवों से सविनय अनुरोध करते हैं कि अपने पूर्वजों के संस्मरणार्थ गोत्र व प्रवर आदि को पढ़े व पढ़ावैं। इसमें किसी भूल चूक को विद्वान जन सुधार कर हमें क्षमा प्रदान करेंगे।

गोत्रावली में मात्र 16 गोत्र ही लिखे गये हैं, कान्यकुब्जों के 72 गोत्र हैं। इनमें सरयूपारी भी हैं। अधिक विस्तार व दूसरी वंशावलियों के कारण इसका प्रयोग पुज्जराज वंशावली में अधिक उपयोगी न होगा। कान्यकुब्जों के प्रसिद्ध घरों में षटकुल के अतिरिक्त कश्यप से परासर तक दस घर मिला सोलह घर ही मुख्य हैं।

कान्यकुब्ज गोत्र-प्रवर विवरण

संख्या	गोत्र	वेद	उपवेद	शाखा	सूत्र	प्रवर	शिखा	पाद	देवता
1	कात्यायन	यजुर्वेद	धनुर्वेद	माध्यंदिनीय	कात्यायन	विश्वामित्र, कात्यायन, किल	दक्षिण	दक्षिण	शिव+
2	उपमन्यु	यजुर्वेद	धनुर्वेद	माधंदिनीय	कात्यायन	वशिष्ठ, इन्द्रप्रमद, आभरद्व	दक्षिण	दक्षिण	शिव
3	भरद्वाज	यजुर्वेद	धनुर्वेद	माध्यंदिनीय	कात्यायन	अंगिरा, वृहस्पति, भरद्वाज	दक्षिण	दक्षिण	शिव
4	कश्यप	सामवेद	गांधर्व	कौथुमी	गोभिल	कश्यप-असित, देवल	वाम	वाम	विष्णु
5	शाण्डिल्य	सामवेद	गांधर्व	कौथुमी	गोभिल	शाण्डिलय-असित, देवल	वाम	वाम	विष्णु
6	शांकृत	यजुर्वेद	धनुर्वेद	माध्यंदिनीय	कात्यायन	शांकृत, सांख्यायन, किल	दक्षिण	दक्षिण	शिव
7	काश्यप	सामवेद	गांधर्व	कौथुमी	गोभिल	काश्यप-अवत्सार, नैधुव	वाम	वाम	विष्णु
8	धनंजय	सामवेद	गांधर्व	कौथुमी	नैयधूव	विश्वामित्र, माधु, धनञ्जय	दक्षिण	दक्षिण	विष्णु
9	कौशिक	यजुर्वेद	धनुर्वेद	माध्यंदिनीय	कात्यायन	विश्वामित्र, अघमर्षण, कौशिक	दक्षिण	दक्षिण	शिव
10	वशिष्ठ	यजुर्वेद	धनुर्वेद	माध्यंदिनीय	कात्यायन	वशिष्ठ, इन्द्रप्रमद, अभरद्वसु	दक्षिण	दक्षिण	शिव
11	भारद्वाज	यजुर्वेद	धनुर्वेद	माध्यंदिनीय	कात्यायन	अंगिरा, वृहस्पति, भरद्वाज	दक्षिण	दक्षिण	शिव
12	गौतम	यजुर्वेद	धनुर्वेद	माध्यंदिनीय	कात्यायन	अंगिरस,वारहस्पत्य, भरद्वाज, गौतम, अत्रि	दक्षिण	दक्षिण	शिव
13	गर्ग	यजुर्वेद	धनुर्वेद	माध्यंदिनीय	कात्यायन	अंगिरस, सैन्य, गर्ग्य	दक्षिण	दक्षिण	शिव
14	कवित्स	यजुर्वेद	धनुर्वेद	माध्यंदिनीय	कात्यायन	खिल, कुशिक, कौशिक, काश्यप माण्डव्य	दक्षिण	दक्षिण	शिव
15	वत्स	सामवेद	गांधर्व	कौथुमी	गोभिल	भार्गव, च्यवन, अप्रवान, यमदग्नि, और्व	वाम	वाम	विष्णु
16	पारासर	यजुर्वेद	धनुर्वेद	माध्यंदिनीय	कात्यायन	पारासर, वशिष्ठ, सांकृतः	दक्षिण	दक्षिण	शिव

नोट- शिव लेकिन ये लोग देवी को मानते हैं।

शुकदेव प्रसाद के दो पुत्र मनुआ महाराज और श्यामबाबू हुए। मनुआ महाराज का परिवार नहीं चला। श्याम बाबू के तीन पुत्र बृजेश कुमार, आदित्य कुमार और मुकेश कुमार हुये। बृजेश कुमार के एक पुत्र मोहित, मोहित के एक पुत्र देवांश हुए। आदित्य कुमार के एक पुत्र प्रियेश हुए, मुकेश कुमार के एक पुत्र शामग हुए। श्याम बाबू का परिवार बी/36 प्रगति विहार, ग्वालियर मध्यप्रदेश में रहता है।

शुकदेव प्रसाद के दो पुत्र मनुआ महाराज और श्यामबाबू हुए। मनुआ महाराज का परिवार नहीं चला। श्याम बाबू के तीन पुत्र बृजेश कुमार, आदित्य कुमार और मुकेश कुमार हुये। बृजेश कुमार के एक पुत्र मोहित, मोहित के एक पुत्र देवांश हुए। आदित्य कुमार के एक पुत्र प्रियेश हुए, मुकेश कुमार के एक पुत्र शामग हुए। श्याम बाबू का परिवार बी/36 प्रगति विहार, ग्वालियर मध्यप्रदेश में रहता है।

शुकदेव प्रसाद के दो पुत्र मनुआ महाराज और श्यामबाबू हुए। मनुआ महाराज का परिवार नहीं चला। श्याम बाबू के तीन पुत्र बृजेश कुमार, आदित्य कुमार और मुकेश कुमार हुये। बृजेश कुमार के एक पुत्र मोहित, मोहित के एक पुत्र देवांश हुए। आदित्य कुमार के एक पुत्र प्रियेश हुए, मुकेश कुमार के एक पुत्र शामग हुए। श्याम बाबू का परिवार बी/36 प्रगति विहार, ग्वालियर मध्यप्रदेश में रहता है।

शुकदेव प्रसाद के दो पुत्र मनुआ महाराज और श्यामबाबू हुए। मनुआ महाराज का परिवार नहीं चला। श्याम बाबू के तीन पुत्र बृजेश कुमार, आदित्य कुमार और मुकेश कुमार हुये। बृजेश कुमार के एक पुत्र मोहित, मोहित के एक पुत्र देवांश हुए। आदित्य कुमार के एक पुत्र प्रियेश हुए, मुकेश कुमार के एक पुत्र शामग हुए। श्याम बाबू का परिवार बी/36 प्रगति विहार, ग्वालियर मध्यप्रदेश में रहता है।

शुकदेव प्रसाद के दो पुत्र मनुआ महाराज और श्यामबाबू हुए। मनुआ महाराज का परिवार नहीं चला। श्याम बाबू के तीन पुत्र बृजेश कुमार, आदित्य कुमार और मुकेश कुमार हुये। बृजेश कुमार के एक पुत्र मोहित, मोहित के एक पुत्र देवांश हुए। आदित्य कुमार के एक पुत्र प्रियेश हुए, मुकेश कुमार के एक पुत्र शामग हुए। श्याम बाबू का परिवार बी/36 प्रगति विहार, ग्वालियर मध्यप्रदेश में रहता है।

शुकदेव प्रसाद के दो पुत्र मनुआ महाराज और श्यामबाबू हुए। मनुआ महाराज का परिवार नहीं चला। श्याम बाबू के तीन पुत्र बृजेश कुमार, आदित्य कुमार और मुकेश कुमार हुये। बृजेश कुमार के एक पुत्र मोहित, मोहित के एक पुत्र देवांश हुए। आदित्य कुमार के एक पुत्र प्रियेश हुए, मुकेश कुमार के एक पुत्र शामग हुए। श्याम बाबू का परिवार बी/36 प्रगति विहार, ग्वालियर मध्यप्रदेश में रहता है।

शुकदेव प्रसाद के दो पुत्र मनुआ महाराज और श्यामबाबू हुए। मनुआ महाराज का परिवार नहीं चला। श्याम बाबू के तीन पुत्र बृजेश कुमार, आदित्य कुमार और मुकेश कुमार हुये। बृजेश कुमार के एक पुत्र मोहित, मोहित के एक पुत्र देवांश हुए। आदित्य कुमार के एक पुत्र प्रियेश हुए, मुकेश कुमार के एक पुत्र शामग हुए। श्याम बाबू का परिवार बी/36 प्रगति विहार, ग्वालियर मध्यप्रदेश में रहता है।

शुकदेव प्रसाद के दो पुत्र मनुआ महाराज और श्यामबाबू हुए। मनुआ महाराज का परिवार नहीं चला। श्याम बाबू के तीन पुत्र बृजेश कुमार, आदित्य कुमार और मुकेश कुमार हुये। बृजेश कुमार के एक पुत्र मोहित, मोहित के एक पुत्र देवांश हुए। आदित्य कुमार के एक पुत्र प्रियेश हुए, मुकेश कुमार के एक पुत्र शामग हुए। श्याम बाबू का परिवार बी/36 प्रगति विहार, ग्वालियर मध्यप्रदेश में रहता है।